CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 12-28-2025 23:42 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 29 दिसंबर 2025 > पौष 7 शक संवत 1947 पौष शुक्ल नवमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

NBT नवभारत टाइम्स

वर्ष 79, संख्या 309 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित
*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

स्मृति मंधाना ने बनाए सबसे तेज़ 10 हज़ार रन
▸p11

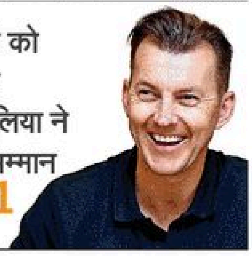

ब्रेट ली को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दिया सम्मान
▸p11

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

CP में सेलिब्रेशन? प्री-बुकिंग पर ही एंट्री

File

कनॉट प्लेस के ये रास्ते रहेंगे बंद शहीद भगत सिंह मार्ग, चेम्सफोर्ड रोड, मिंटो रोड, बाबा खड़क सिंह मार्ग, पंचकुइया रोड, केजी मार्ग, जनपथ, संसद मार्ग और स्टेट एंट्री रोड को गाड़ियों के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा।

नए साल के जश्न की तैयारी: CP में गाड़ी ले जाने पर रोक

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** कनॉट प्लेस (CP) में नए साल के जश्न की तैयारी कर रहे हैं और कार से आने का प्लान है तो होटल या क्लब में अडवांस बुकिंग करानी होगी। ऐन वक्त पर गाड़ी लेकर CP पहुंचने वालों को 31 दिसंबर की शाम के बाद एंट्री नहीं मिलेगी। कनॉट प्लेस के इनर, मिडल और आउटर सर्कल में गाड़ी नहीं ले जा सकेंगे। हालांकि, पैदल आने वालों के लिए अडवांस बुकिंग वाला नियम लागू नहीं होगा। गाड़ी से आने वालों के पार्किंग पास, अडवांस बुकिंग की डिटेल देखने के बाद ही दिल्ली पुलिस एंट्री देगी। साल के पहले दिन कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में भी काफी भीड़ होती है।

गुड़गांव में कई जगह फ्री पार्किंग की व्यवस्था

31 दिसंबर को गुड़गांव के क्लब, पब और बार में कई कार्यक्रम होंगे। यहां आने वालों के लिए कई जगह फ्री पार्किंग के इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़क पर गाड़ी खड़ी की तो जब्त कर लेंगे। फरीदाबाद में 1500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पार्टी में शराब परोसने के लिए आबकारी विभाग ने 599 अस्थायी लाइसेंस जारी किए हैं। गाजियाबाद में रविवार तक 300 ऐसे लाइसेंस जारी किए गए हैं।

2026 नई उम्मीद

2026 में किन बदलावों से गुजरेगी दुनिया और भारत पर उनका क्या पड़ेगा असर? इकॉनमी, जल संकट से AI और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर 26 सवाल हमने पूछे 26 एक्सपर्ट्स से... अपने पिटारे में क्या खास लेकर आ रहा है यह बरस... देखें अंदर

ये किस राह पर जा रहे हैं हम...

पिता बोले- कहता रहा इंडियन हूं, फिर भी मार डाला

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

त्रिपुरा के 24 साल के एमबीए स्टूडेंट एंजेल चकमा को अपने और छोटे भाई पर नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। बेटे की हत्या के बाद BSF में तैनात पिता तरुण चकमा टूट गए हैं। वह इंसाफ चाहते हैं। उन्होंने बताया, 'एंजेल के यह कहने पर कि वे भी इंडियन हैं, चाइनीज नहीं, फिर भी लोगों ने उसकी गर्दन और पीठ पर चाकू और कड़े से हमला किया। FIR दो-तीन दिन बाद हुई। बेटे की नौकरी लग गई थी।' एंजेल की देहरादून के अस्पताल में मौत हुई। वह 17 दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सख्ती से निपटेंगे। 5 आरोपियों को पकड़ा गया है। एक आरोपी फरार है। ▸▸ पेज 8

एंजेल चकमा

वाराणसी में जापानी टूरिस्ट्स से बदसलूकी, माफी भी मंगवाई गई

वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर हुई घटना।

■ **NBT न्यूज, वाराणसी:** वाराणसी घूमने आए जापानी पर्यटकों के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। इसका विडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना दशाश्वमेध घाट पर हुई। विडियो में कुछ लोग जापानी परिवार पर गंगा नदी को गंदा करने का आरोप लगाते हुए अभद्रता करते दिख रहे हैं। पर्यटक दल ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, लेकिन लोग उन्हें भला-बुरा कह रहे हैं। काशी के DCP ने कहा कि जापानी टूरिस्ट्स को नहाने को लेकर टोका गया था। मारपीट या हमला नहीं किया गया।

बरेली: छात्रा ने बर्थडे पार्टी में बुलाया था

पार्टी में आए मुस्लिम युवक, हंगामा

बरेली के कैफे में एक ग्रुप ने हंगामा किया।

■ **NBT रिपोर्ट:** उत्तर प्रदेश के बरेली में एक कैफे में अपने हिंदू दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने पर दो मुस्लिम युवकों के खिलाफ शांति भंग के आरोप में मामला दर्ज किया गया। दोनों युवकों और कैफे के एक स्टाफ पर फाइन लगाया गया। TOI के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि कुछ लोगों ने कैफे में हंगामा किया। नर्सिंग स्टूडेंट ने साथियों को पार्टी के लिए बुलाया था। जांच में कोई गलत बात सामने नहीं आई। ▸▸ पेज 8

NBT व्यू: जागरुकता और ऐक्शन की जरूरत

त्रिपुरा के एमबीए स्टूडेंट की देहरादून में हत्या किसी भी देशभक्त का सीना तार-तार कर दे, लेकिन देशभक्ति की परिभाषा ही बदली जा रही तो क्या उम्मीद करें? तरक्की दिखाने के लिए हम चांद को चूमना चाहते हैं, लेकिन वो दाग भी छोड़ सकते हैं जिससे धरती फट जाना चाहे। क्षेत्र, भाषा या रूप-रंग से परे हर भारतीय सम्मान और सुरक्षा का हकदार है। इसके लिए जागरूकता और सख्त कानूनी कार्रवाई दोनों जरूरी हैं।

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?

पर्सनल फाइनैंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth सिर्फ 6 रुपये में

अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

फटाफट खबरें

हादी के हत्यारे भारत नहीं आए: BSF

मेघालय की सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को रविवार को खारिज किया कि 'इंकलाब मंच' के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में दाखिल हो गए हैं। मेघालय BSF के प्रमुख ने कहा कि ये दावे निराधार और भ्रामक हैं। ▸▸ पेज 14

दिल्ली के प्रदूषण पर अफसर का इस्तीफा

दिल्ली में वायु प्रदूषण की वजह से एक फार्मा कंपनी के प्रेजिडेंट (फाइनैंस) राजकुमार बाफना ने इस्तीफा दे दिया। कंपनी ने 27 दिसंबर को स्टॉक एक्सचेंज को इस बारे में सूचना दी। ▸▸ पेज 3

हैपी मॉर्निंग

टीचर: प्यार का दूसरा नाम क्या है?
मोनू: जी, समर्पण।
टीचर: फिर विवाह का दूसरा नाम क्या है?
मोनू: जी, आत्मसमर्पण।

मौसम

अधिकतम तापमान 22.9°

6.3° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त सोमवार 5:34 | सूर्योदय मंगलवार 7:13

कोहरे से फ्लाइट, रेल सेवाएं बाधित, शेड्यूल देखकर घर से निकलें।

उन्नाव रेप पीड़िता की बिगड़ी तबीयत, SC में आज सुनवाई

Anushka Kogta

जंतर मंतर पर उन्नाव रेप पीड़िता के समर्थन में रविवार को प्रदर्शन हुआ

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** जंतर-मंतर पर रविवार को उन्नाव रेप केस के दोषी कुलदीप सेंगर की जमानत के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एक महिला सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर पहुंची, जहां पीड़िता के समर्थकों के साथ उसकी कहासुनी हुई। लगातार नारेबाजी से पीड़िता और उनकी मां की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हाई कोर्ट से सेंगर को जमानत देने के फैसले के खिलाफ सुनवाई होगी। पीड़िता ने कहा कि उन्हें न्याय की उम्मीद है।

संगठन के बयान पर दिग्विजय को थरूर का साथ

दिग्विजय सिंह और थरूर (दाएं)

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** कांग्रेस हेडक्वॉर्टर में रविवार को पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। थरूर दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। थरूर ने कहा, "संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई संदेह नहीं है। हम दोनों मित्र हैं और एक-दूसरे से बातचीत करते रहते हैं।"

साल की अंतिम बैठक अकाल तख्त साहिब पर पांच सिंह साहिबानों ने लिए कई अहम फैसले

अकाल तख्त का आदेश- पार्क, होटल में नहीं होगा आनंद कारज

■ NBT रिपोर्ट, चंडीगढ़

अकाल तख्त साहिब पर रविवार को पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। 2025 की अंतिम बैठक में लिए गए ये फैसले सीधे सिख संगत से जुड़े हैं।

अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि आनंद कारज अब सिर्फ गुरुद्वारों में ही होगा। पार्क, होटल और अन्य खुले या व्यावसायिक जगहों पर आनंद कारज की पूरी तरह मनाही होगी। गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी भी विवाह स्थल पर ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पावन स्वरूपों से जुड़े मामलों में कोई भी राजनीतिक दल हस्तक्षेप नहीं करेगा।

सिख गुरुओं पर नहीं बनेंगी AI फिल्में

बैठक में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) विडियो और फिल्मों के निर्माण पर जत्थेदार ने कहा कि तकनीक भले ही आधुनिक हो, लेकिन यह निर्णय लिया गया है कि धार्मिक विषयों पर ऐसी फिल्में या विडियो नहीं बनाए जा सकते, क्योंकि इससे सिख मर्यादाओं और परंपराओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ▸▸ पेज 9

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: atul.srivastava Time: 12-28-2025 22:00 Color:

> कहीं भी होने वाला अन्याय, हर जगह न्याय के लिए ख़तरा होता है।
> – मार्टिन लूथर किंग जूनियर

नया क़ानून चाहिए

'मैं भारतीय हूं'... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।

आपत्तिजनक कमेंट । 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर MBA की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं।

एंजेल चकमा की हत्या

नस्लीय सोच । इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं।

देश में मुश्किल । इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78% लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है। दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

नस्लभेदी कानून । ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र Nido Tania को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई - वहां से अभी तक, क्या कोई बदलाव आया है? एंजेल की मौत के बाद कई संगठनों ने नस्लवाद विरोधी कानून की मांग की है, जो बिल्कुल सही है।

सख्ती जरूरी । नस्लवाद देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि जब भी भारत के किसी शहर में किसी एंजेल के साथ भेदभाव किया जाता है, तो उससे एक बड़े वर्ग की भावनाओं को चोट पहुंचती है। देश को ऐसा कानून चाहिए, जो इन मामलों में आरोपियों के प्रति सख्ती और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाए।

नश्तर

गमलाधर और पागल

अदब, नफासत और नवाबों का शहर लखनऊ इन दिनों गमलों के लिए चर्चा में है। कुछ रोज पहले प्रधानमंत्री शहर आए थे तो विकास प्राधिकरण ने सजावट के लिए गमले रखवा दिए। प्रधानमंत्री गए तो शहर के लोग गमलों पर झपट पड़े और कार, स्कूटी, मोटरसाइकल में रखकर अपने घर ले जाने लगे।

सौरभ श्रीवास्तव

बसंत कुंज इलाके में जब लोग गमले ले जा रहे थे तो मैं भी वहां खड़ा गुस्सा रहा था। मैं मन ही मन इसे चोरी का दर्जा देने ही वाला था कि माल्या, नीरव और मेहुल जैसे देवों ने मुझे रोक लिया। उन्होंने मुझे रोका तो मैंने भी एक गमलाधर को रोक लिया। उसकी जैकेट पर चे-ग्वेरा की तस्वीर थी और स्कूटी के फुट रेस्ट पर तीन गमले। 'चे को मानते हो और चोरी कर रहे हो?' गमलाधर ने पहले अपनी मुस्कुराहट से मुझे मूर्ख तो कह ही दिया, फिर शब्दों में बोला, 'चोरी कहां? यह तो क्रांति है। रेलिंग के गैप से देखिए। शहर की गंदगी नजर आती है। इसे छुपाने के लिए गमले लटका दिए गए। गमले ले जाकर मैं तो असली तस्वीर सामने ला रहा हूं।' उसके इस तर्क से मैं बैकफुट पर आ गया। थोड़ी देर में खुद को संभाला और दूसरे बाइक सवार को रोका। उसके गले में गमछा और आंखों पर काला चश्मा था। बाइक पर पीछे बैठे उसके साथी ने दोनों रानों पर दो-दो गमले टिका रखे थे।

'भाई, गमले चुराकर क्यों अपने शहर को बदनाम कर रहे हो?' गमछे वाले ने स्टाइल से चश्मा उतारा और लगभग सीनाजोरी करते हुए बोला, 'चोरी कैसी...सरकार ने हमारे टैक्स के पैसे से ही तो गमले लगाए हैं, इसलिए हम ले जा रहे।' मेरे पास इस बात का भी कोई जवाब नहीं था। वह फुर्र हो गया। मैं हताश होकर सिर झुकाकर फुटपाथ पर बैठ गया। बगल में बैठे एक पागल ने चिल्लाते हुए कहा, 'स्कूटी और बाइक वाले मौसेरे भाई थे... अभी ट्रेनिंग पर हैं।' यह बात मुझे समझ नहीं आई, पर पागल की बात को क्यों ही समझना।

एकदा — संकलन : हरिप्रसाद राय

दहेज के विरुद्ध

पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी दोनों भाइयों के कंधों पर आ गई थी। कुछ ही समय बीता था कि मां भी चल बसीं। बड़े भाई की बेटी विवाह योग्य हो चुकी थी। तब कायस्थ परिवारों में लड़कियों की शादी 14-15 वर्ष की उम्र में कर दी जाती थी। बड़े भाई अध्यापक थे, लेकिन उनकी आमदनी इतनी ही थी कि घर का खर्च किसी तरह चल सके। छोटे भाई को मुजफ्फरपुर में प्रोफेसरी मिल गई थी, पर नौकरी को अभी तीन महीने ही हुए थे। जमींदारी से खाने-रहने की सुविधा भले ठीक-ठाक थी, पर नकद धन का अभाव था। इधर बेटी की शादी तय हो चुकी थी। तिलक और दहेज की मोटी रकम का सवाल सामने था। हालांकि जिस लड़के से विवाह तय हुआ था, उसके बड़े भाई कलकत्ता में दोनों भाइयों के साथ पढ़ चुके थे। आखिरकार कर्ज लेकर दहेज की मांग पूरी की गई। दहेज का यह बोझ उठाने वाले बड़े भाई का नाम था महेंद्र प्रसाद और छोटे भाई थे राजेंद्र प्रसाद, जो आगे चलकर देश के पहले राष्ट्रपति बने। इस कर्ज की पीड़ा राजेंद्र प्रसाद को जीवन भर सालती रही। उन्होंने इसे अपनी आत्मकथा में भी दर्ज किया है। आगे चलकर उन्होंने दहेज प्रथा के विरुद्ध सक्रिय अभियान चलाया। उन्होंने एक ऐसे शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 51 रुपये से अधिक दहेज न लेने की प्रतिज्ञा थी।

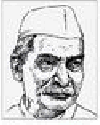

विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने पर भी डटा रहा भारतीय बाज़ार

शेयर बाज़ार को संभालने आए देसी

समीर रस्तोगी

भारतीय शेयर बाजार 2025 में कैसा रहा, इसे समझने के लिए सेंसेक्स और निफ्टी के आंकड़ों के बाहर भी देखना पड़ेगा। इस साल निवेशकों का व्यवहार विभिन्न वर्गों में साफ तौर पर बंटा रहा। विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) लगातार बिकवाली करते रहे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने जमकर खरीदारी की।

MF का सहारा । इस साल सबसे ज्यादा शोर विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार से बाहर निकलने पर मचा। उनकी पसंद अमेरिका, चीन, जापान और दूसरे देश थे। उन्होंने लगातार पैसा निकाला। यानी वे भारतीय बाजार में ऊंचे वैल्यूएशन से असहज थे। FIIs ने पूरे साल में करीब 1.80 लाख करोड़ के शेयर बेचे। बाजार को अगर MF का सहारा नहीं मिला होता, बड़ी उथल-पुथल देखने को मिलती। ।

बदलती तस्वीर । 2025 में सबसे बड़ा स्ट्रक्चरल बदलाव यह देखने को मिला कि NSE में सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी के मामले में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को पीछे छोड़ दिया। यह एक ऐतिहासिक घटना है, जो भारतीय निवेशकों के आत्मविश्वास को दिखाती है।

10 साल पहले FIIs की हिस्सेदारी 21% और DIIs की 11% थी। मार्च 2025 में FIIs का प्रतिशत घटकर 17.50 रह गया है, जबकि DIIs का बढ़कर 18.10% पर। घरेलू संस्थागत निवेशक अब ऐसी स्थिति में हैं, जहां उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कमजोर और मजबूत । हर 3 से 5 साल में बाजार की चाल बदलती है और एक नया चक्र शुरू होता है। हर बार जब ऐसा होता है, तो रिटेल ट्रेडर्स का एक बड़ा हिस्सा मोमेंटम के जाल में फंस जाता है। 2025 में भी ऐसा ही हुआ। मीडिया, रियल्टी, रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी से जुड़े शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा। इसके उलट, जो सेक्टर पहले पिछड़े माने जाते थे, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया - जैसे फाइनैंशल सर्विसेज, मेटल्स और ऑटो।

रेलवे में नुकसान । 2025 में रेलवे से जुड़े शेयरों की वैल्यू लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये घटी। साल 2024 में IRFC रिटेल इन्वेस्टर्स का चहेता था, लेकिन 2025 में यह 17% नीचे गया। इसी तरह से एनर्जी सेक्टर के शेयर भी नीचे आए। Suzlon में 16% और रिलायंस पावर में 14% की गिरावट आई।

घाटे का इंतजार । 2025 में 120 से ज्यादा स्टॉक ऐसे रहे, जिनमें 25% से अधिक की गिरावट आई। अगर हम ऐसे स्टॉक्स के 2024 और 2025 के खरीदने-बेचने से जुड़े आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि बहुत थोड़े निवेशक सही समय पर मार्केट से निकल पाए। जिन्होंने 2024 में तब पैसा लगाया था, जब शेयर की कीमत ऊंची थी, उनमें से ज्यादातर इसी इंतजार में हैं कि बेचने का सही समय कब आएगा।

गोल्ड की चांदी । 2025 ने निवेशकों का व्यवहार बदल दिया। स्मॉल कैप स्टॉक्स के बारे में अभी तक माना जाता था कि इसमें तो मुनाफा होना ही है, रिस्क बहुत कम है। लेकिन, उसका यह रुतबा छिन चुका है। जिन स्टॉक्स में बड़े करेक्शन देखने को मिले, उनमें से ज्यादातर स्मॉल और माइक्रो कैप हैं। तो निवेशकों ने यह सीखा कि मार्केट में धारणाओं के आधार पर नहीं उतरते। फिर, इस समय सिल्वर और गोल्ड के दाम में आश्चर्यजनक तेजी देखने को मिल रही है। इस वजह से लोग धड़ाधड़ पैसा लगा रहे हैं इन दोनों में। अधिकतर निवेशक यही मान रहे हैं कि इससे भविष्य में मुनाफा होना तय है।

सबसे बड़ी जीत । अतीत की तुलना में इस बार रिटेल इन्वेस्टर्स ने जबरदस्त धैर्य और साहस दिखाया। साल के शुरुआती तीन महीने अस्थिरता वाले थे। कई स्टॉक में 30 से 50% की गिरावट आई, लेकिन वे इन शेयरों में बने रहे। SIP से आंकड़े बता रहे हैं कि लंबी अवधि के निवेश का ट्रेंड बढ़ रहा है। 2025 का संदेश यही रहा कि भारतीय बाजार को दौड़ने के लिए अब विदेशी पूंजी की जरूरत नहीं है।

(लेखक सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं)

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

ईश्वर ने गणित की भाषा में लिखी ब्रह्मांड की कहानी

मयंक मुरारी

वर्ष 2025 बीतने की दहलीज पर है। इस मौके पर समय को गणित के रूप में देखा जा सकता है। समय स्वयं एक प्रवाह है, जो सेकंड, मिनट, वर्ष और युगों में मापा जाता है। लेकिन इसके पीछे भी वही गणितीय अनुशासन है, जो ब्रह्मांड को संचालित करता है।

वैदिक गणित इसी सोच को आगे बढ़ाता है। उसके अनुसार वैदिक सूत्र मात्र गणना के शॉर्टकट नहीं, बल्कि चेतना को जाग्रत करने वाले ज्ञान-स्रोत हैं। ये सूत्र मन की शक्तियों- एकाग्रता, आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान को विकसित करते हैं। यहां गणित एक सहज और दिव्य प्रक्रिया बन जाता है, जहां शून्य को अनंत शक्ति और एक को परम सत्य के रूप में देखा जाता है। शून्य और एक का यह मिलन अनंत संभावनाओं का प्रतीक है, ठीक वैसे ही जैसे हर बीतता वर्ष नए आरंभ का संकेत देता है।

AI Image

गणित और देवत्व के संबंध को समझने वालों का मानना है कि गणित वह भाषा है, जिसमें ईश्वर ने ब्रह्मांड को लिखा है। यहां ईश्वर कोई अलग सत्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण अस्तित्व में व्याप्त चेतना है। हर परमाणु में देवत्व गतिशील है। जब पूरा अस्तित्व लय में आता है, तो वह ईश्वर का नृत्य बन जाता है और हम उसके सहभागी हो जाते हैं।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय से जुड़े डॉ. विली सून का 'फाइन-ट्यूनिंग' तर्क इस रहस्य को और गहन करता है। ब्रह्मांड के मूलभूत भौतिक नियम और स्थिरांक (constants) इतने सटीक मानों पर हैं कि उनमें जरा-सा भी परिवर्तन होता, तो तारे नहीं बनते, परमाणु स्थिर नहीं रहते, जीवन की संभावना ही समाप्त हो जाती। उनके अनुसार ब्रह्मांड के भौतिक नियम इतने सटीक संतुलन में हैं कि इसे केवल संयोग नहीं कहा जा सकता।

इलेक्ट्रॉन से लेकर आकाशगंगाओं तक की गणितीय गति को देखते हुए यह विश्वास और गहराता है कि ईश्वर स्वयं को गणित के माध्यम से अभिव्यक्त करता है। भारतीय सभ्यता की विशेषता भी गणितीय चिंतन की गहराई में मौजूद है।

नए साल के स्वागत से पहले पुराने की विदाई

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

भारतीय परंपरा है कि जो चला गया, उसके बारे में बुरा नहीं बोलते। उसके रहते भले कभी न बनी हो, लेकिन जब वह गया, तो बात गई। जो बीता सो भला, भले वह साल ही क्यों न हो। वैसे भी जो साल पूरे सालभर खुद को खपा देता है हमारे लिए, उसकी बुराई करनी नहीं। विदाई मुस्कान के साथ दी जाए, तो जाने वाले का सफर अच्छा रहता है और विदा करने वाले के दिल पर भी बोझ नहीं बचता।

नए साल को आने में अब पूरे तीन दिन भी नहीं बचे हैं। हालांकि उसका शोर पहले ही आ चुका है। 2026 का आगाज कैसे करना है, इसकी तैयारी चल रही है। आपने भी कुछ न कुछ प्लान किया होगा जरूर। लेकिन, इस तैयारी में थोड़ी फुरसत निकालिए 2025 के लिए भी। पुराना साल बस कैलेंडर नहीं, जिसके सारे पन्ने पलटे जा चुके हैं - यह जीवन का एक चैप्टर है, जो अपने साथ हमारा एक हिस्सा भी ले जा रहा। इसमें उम्मीदें हैं, निराशा है, हार है, जीत है। कुछ अपेक्षाएं, जो पूरी हो गईं और कई ख्वाहिशें जो अधूरी छूट गईं। जो मिला वह आने वाले साल को और खूबसूरत बनाएगा और जो बचा रह गया, उसे पाने का संघर्ष फिर शुरू होगा।

अगर इन सब यादों को बिना देखे, बिना समेटे आगे बढ़ गए तो अपने अनुभवों से मुंह मोड़ना होगा यह। प्रसिद्ध लेखक पाउलो कोएलो के मुताबिक, यदि आप अलविदा कहने का साहस रखते हैं, तो जीवन आपको एक नए स्वागत से पुरस्कृत करेगा। यह साहस चाहिए स्वीकार करने के लिए, कि जो हुआ, अच्छा हुआ। पुराना भी कभी नया था, तब उसके लिए भी तैयारियां की जा रही थीं। वक्त ने उससे उसकी चमक छीनी, पर बदले में उसे पहले से ज्यादा काबिल बनाया।

2025 कुछ लेकर नहीं, बहुत कुछ देकर जा रहा है। उसने हमारे लिए हर दिन को बेहतर बनाने की कोशिश की। इसमें कुछ दिन अच्छे नहीं भी बने, लेकिन साल वहीं रुका नहीं और न उसकी कोशिशें रुकीं। हर मुश्किल ने थोड़ा मजबूत बनाया और खुशियों ने संयम सिखाया।

उत्तरी अमेरिका की Anishinaabe और Lakota जैसी मूल जनजातियों में गुडबाय कहने की परंपरा नहीं है। वहां विदा होते हुए भी कहा जाता है - फिर मिलेंगे। मान्यता है कि बिछुड़ना अंतिम नहीं होता - आत्मा और मन के स्तर पर जुड़ाव बना रहता है हमेशा। पुराने साल से 'फिर मिलेंगे' तो कहना बेकार है, लेकिन अब इससे सदा के लिए कनेक्शन जुड़ चुका है। हमारी कोई भी कहानी अधूरी रहेगी इसके बिना।

कांटे की बात

लाल गलियारा नहीं, बस छोटी-सी लकीर बची

बसवराजू, हिडमा और साल बीतने के पहले पकास हनुमंथु - सुरक्षाबलों ने 2025 में नक्सलियों की टॉप लीडरशिप को लगभग खत्म कर दिया है। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे अभियानों की वजह से लाल गलियारा सिमट चुका है।

> जो कहते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हमने न संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के हक से।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

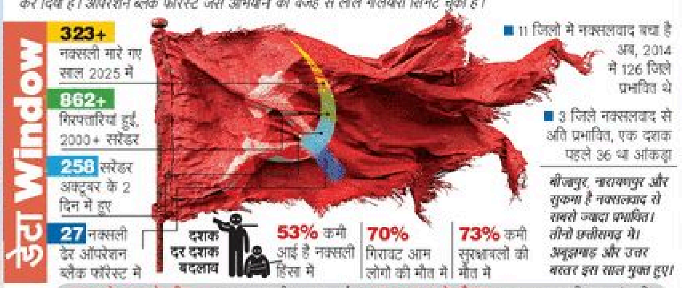

2004 से 2014 के बीच : 16,463 नक्सली वारदात हुईं, 1,851 सुरक्षाकर्मी और 4,766 आम लोग मारे गए। | **2014-2024 के दौरान** : 7,744 नक्सली घटनाएं घटीं, 509 जवानों और 1,495 आम लोगों की मौत हुई।

जनता जंक्शन — इरफ़ान

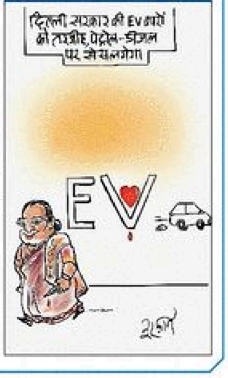

टैरिफ़ पर अडिग, आतंक पर सख़्त रहे मोदी

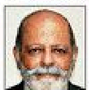
सुजान चिनॉय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह साल सबसे व्यस्त और सबसे अहम रहा। उन्होंने अफ्रीका, पश्चिम एशिया और यूरोप के 23 देशों तक पहुंच बनाई। कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत किए। मालदीव और अन्य वैश्विक सहयोगियों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ किया। खासकर, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ विविधीकृत रणनीतिक साझेदारियों के जरिये इसे पूरा किया। भारत और चीन के बीच भी संबंध स्थिर हुए।

ट्रंप टैरिफ पर अडिग । वैश्विक व्यापार में अस्थिरता के बीच पीएम मोदी का अंतरराष्ट्रीय कद काफी बढ़ गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के सामने अन्य देश झुक गए, मगर मोदी का संकल्प अटल रहा। भारतीय किसानों और छोटे कारोबारियों के बुनियादी हितों की रक्षा कर उनके राष्ट्र प्रथम नजरिये ने बता दिया कि भारत को असमान व्यापार व्यवस्था स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

तेजी से बढ़ी अर्थव्यवस्था । वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए GDP वृद्धि दर करीब 7.3% होने के अनुमान के साथ, दूसरी तिमाही में 8.2% की वास्तविक वृद्धि से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना है। GST दरों में कमी, उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग, औद्योगिक और विनिर्माण प्रोत्साहन के जरिये अर्थव्यवस्था को गति मिली। इस साल डिजिटल बुनियादी ढांचे, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र तेजी से उभरे। शांति विधेयक, 2025 ने ऐतिहासिक सुधार को दर्शाया।

ब्रिक्स में आतंक की निंदा । अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित किया। पीएम मोदी का यह कहना कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता, आतंकवाद के खिलाफ भारत के शून्य सहिष्णु सिद्धांत को दर्शाता है। जुलाई में ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले की निंदा की गई। SCO शिखर सम्मेलन ने भी कड़ा संदेश दिया।

29 देशों से मिला सम्मान । इस साल भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा भी खूब बढ़ी।

पीएम मोदी को बारबाडोस, मॉरीशस, श्रीलंका, साइप्रस, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, ब्राजील, नामीबिया, इथियोपिया और ओमान सहित 29 देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। रणनीतिक व्यापार वार्ता ने भारत की अर्थव्यवस्था को और मजबूत किया। भारत-ब्रिटेन CETA और भारत-ओमान CEPA ने पश्चिम और खाड़ी बाजार तक पहुंच बढ़ाई। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। यूरोपीय संघ, कनाडा, इस्राइल, मेक्सिको और GCC देशों के साथ वार्ता ने दुनिया भारत के भरोसे को बढ़ाया है।

18 संसदों में दिया भाषण । पीएम मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, नामीबिया और इथियोपिया की संसद को संबोधित किया। बेहतर दुनिया के लिए भारत के दृष्टिकोण को बताया। SDG व जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विकासात्मक वित्त और उभरती प्रौद्योगिकियों तक बेहतर पहुंच के लिए ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की वकालत की। 18 संसदों में भाषण देने वाले वह एकमात्र भारतीय भी बने।

दुनिया से मिली तारीफ । इस साल दुनिया भर के नेताओं ने पीएम मोदी की ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता की सराहना की। कैरेबियाई नेताओं ने उन्हें स्थिर राजनेता बताया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने उनकी तारीफ करते हुए भारत को भाग्यशाली बताया। पूतिन और जॉर्डन के क्राउन प्रिंस हुसैन के साथ मोदी की कार डिप्लोमेसी की भी चर्चा हुई। इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली का उन्हें एस्कॉर्ट करना और भूटान के राजा का सड़क पर खड़े होकर स्वागत करना, नरेंद्र मोदी का अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ का व्यक्तिगत संबंध दर्शाता है। कुल मिलाकर, 2025 आत्मविश्वास और उभरते देश के तौर पर भारत की यात्रा में निर्णायक साबित हुआ।

(लेखक मनोहर पर्रिकर इंस्टिट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं)

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

सार्थक पहल

27 दिसंबर का संपादकीय 'यह पढ़ाई भी जरूरी' पढ़ा। बच्चों में बढ़ती स्क्रीन-लत न केवल पढ़ने की आदत को कमजोर कर रही है, बल्कि उनके मानसिक और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में स्कूलों में स्टूडेंट्स के लिए अखबार पढ़ना जरूरी करना उत्तर प्रदेश सरकार की सराहनीय पहल है। इससे बच्चों को किसी विषय की पुख्ता जानकारी मिलेगी और उस विषय के प्रति उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी। अखबार पढ़ने से भाषा सुधरती है और यह सोचने-समझने की क्षमता विकसित करता है। मॉर्निंग असेंबली में सिर्फ 10 मिनट की यह पहल बच्चों को किताबों और वास्तविक दुनिया की ओर लौटाने का सार्थक प्रयास है। हालांकि, इसका वास्तविक असर तभी होगा जब स्कूलों के साथ-साथ परिवार भी स्क्रीन और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रेरणा रावत, ईमेल से

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 12-28-2025 23:08 Color:

हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है। तोक्यो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा। – दीपिका सेहरावत, हॉकी प्लेयर, भारत

25

टेस्ट सीरीज (3+ टेस्ट मैच वाली) में क्लीन स्वीप किया है ऑस्ट्रेलिया ने विपक्षी टीम पर। ऑस्ट्रेलिया क्लीन स्वीप के जरिए सर्वाधिक टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड (17 सीरीज) है

टी20 टीम में शामिल किए जाने के बाद अब वनडे टीम में भी बना सकते हैं जगह

किशन ने बजा दी पंत के लिए खतरे की घंटी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पिछले एक दो महीने से जबरदस्त फॉर्म में हैं और ईशान के इस फॉर्म ने ऋषभ पंत के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। कभी टीम इंडिया के पोस्टर बॉय और आगामी कप्तान का तमगा हासिल कर चुके पंत अलग-अलग फॉर्मेट में धीरे-धीरे भारतीय टीम में अपनी जगह खोते दिख रहे हैं।

ईशान ने पिछले दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शतक जमाए और विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की। टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में किशन ने सिर्फ 39 गेंदों पर 125 रन ठोक दिए, जिसमें 7 चौके और 14 छक्के शामिल थे। टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में अचानक शामिल किए गए ईशान अब वनडे फॉर्मेट में भी अपना दावा ठोक रहे हैं। टीम इंडिया वनडे फॉर्मेट में अभी भी स्पेशलिस्ट विकेटकीपर की तलाश में है। भारत ने पिछली वनडे सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली थी, जिसके लिए टीम में पंत भी शामिल थे लेकिन विकेटकीपिंग की भूमिका केएल राहुल ने निभाई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने जा रही वनडे सीरीज में पंत की जगह ईशान को टीम में शामिल किया जा सकता है और उम्मीद के मुताबिक उन्हें अंतिम एकादश में जगह भी मिल सकती है।

घरेलू में अच्छे प्रदर्शन का ईनाम: ईशान को घरेलू क्रिकेट में विस्फोटक प्रदर्शन का इनाम मिल रहा है। झारखंड के कप्तान के रूप में किशन ने अपनी टीम को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया और 517 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इसके अलावा वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

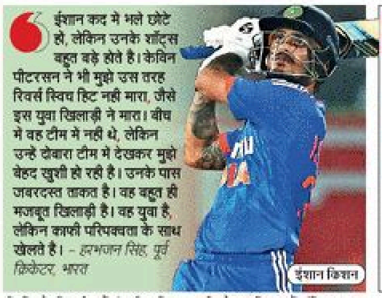

ईशान कद में भले छोटे हो, लेकिन उनके शॉट्स बहुत बड़े होते हैं। केविन पीटरसन ने भी मुझे उस तरह रिवर्स स्विच हिट नहीं मारा, जैसे इस युवा खिलाड़ी ने मारा। बीच में वह टीम में नहीं थे, लेकिन उन्हें दोबारा टीम में देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। उनके पास जबरदस्त ताकत है। वह बहुत ही मजबूत खिलाड़ी हैं। वह युवा है, लेकिन काफी परिपक्वता के साथ खेलते हैं। – हरभजन सिंह, पूर्व क्रिकेटर, भारत

ईशान किशन

पिछले 15 लिस्ट-ए मैच में दोनों का प्रदर्शन

ऋषभ पंत		ईशान किशन
15	इनिंग्स	14
572	रन	607
125*	हाईएस्ट	134
40.85	ऐवरेज	43.35
1	शतक	2
4	अर्धशतक	1

*टेबल में दी गई ऋषभ पंत की 15 पारियां पिछले पांच साल के दौरान खेली गई हैं, जबकि इन पांच सालों में ईशान किशन ने लिस्ट-ए में 43 मैच खेल डाले हैं।

ऋषभ पंत

पंत को नहीं मिल रहे मैच: वनडे क्रिकेट में पंत सात साल पहले डेब्यू करने के बावजूद अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं, लेकिन इसकी बड़ी वजह उनका दुर्भाग्यपूर्ण कार हादसा भी रहा है। पंत ने पिछले तीन साल में सिर्फ एक ही वनडे मैच खेला है। टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा होने के कारण उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने का भी शायद ही मौका मिलता है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में पंत पूरे समय बेंच पर रहे। वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें एक भी मैच नहीं मिला। हालिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भी पंत को फिर से नजरअंदाज किया गया।

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. ब्रेट ली ने वनडे इंटरनैशनल में कितने विकेट लिए हैं?
A) 310 B) 380 C) 381 D) 275

2. लक्ष्य सेन ने साल 2025 में कुल कितने खिताब जीते?
A) 2 B) 3 C) 1 D) 7

कल के जवाब
1. C) 18 2. A) कोलकाता नाइटराइडर्स

लकी WINNER

1. रीनू ढाका, दयालपुर, दिल्ली
2. वारिस अली खान, लखनऊ, यूपी
3. नितेश पाल, ठाणे, महाराष्ट्र

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

'सदमे की स्थिति' में थे MCG पिच के क्यूरेटर

■ **एजेंसियां, मेलबर्न:** मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) के चीफ पिच क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे। उन्होंने माना कि नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई, लेकिन पिच पर 10 मिलीमीटर घास छोड़ना भारी पड़ा। पिच पर 142 ओवरों के खेल में कुल 36 विकेट गिरे। पेज को साल 2017 एशेज सीरीज में MCG पर हुए ड्रॉ के बाद नियुक्त किया गया था।

पेज ने कहा, 'पहले दिन के बाद मैं सदमे में था। हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा।' पेज ने कहा, 'हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी।'

द एशेज पिच विवाद

चीफ पिच क्यूरेटर मैथ्यू पेज

36 विकेट गिरे थे MCG की पिच पर चौथे टेस्ट में दो दिन के खेल के दौरान

हंपी और एरिगैसी ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

■ **पीटीआई, दोहा:** भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी और अर्जुन एरिगैसी को फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के रैपिड टाइटल राउंड में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। महिला वर्ग में हंपी 11वें और आखिरी राउंड के बाद चीन की झू जिनर और रूस की एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के साथ 8.5 अंकों की बराबरी पर थीं। हालांकि, फिडे के टाईब्रेकर नियम की वजह से उन्हें ब्रॉन्ज से ही संतोष करना पड़ा। हंपी साल 2019 और 2024 में रैपिड टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। एरिगैसी को टाईब्रेक नियम का फायदा मिला। वह हैंस नीमन और लेनियर डोमिंगेज के साथ 9.5 अंकों की बराबरी पर थे, लेकिन उन्हें ब्रॉन्ज मेडल मिला। ओपन वर्ग में दुनिया के नंबर-1 प्लेयर मैग्नस कार्लसन ने खिताब अपने नाम किया।

वर्ल्ड रैपिड ऐंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप

ग्रैंडमास्टर हंपी

मंधाना ने खेली रेकॉर्ड पारी, भारत की लगातार चौथी जीत

भारत v श्रीलंका, चौथा टी20I

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** स्मृति मंधाना (80 रन, 48 बॉल, 11 फोर, 3 सिक्स) और शेफाली वर्मा (79 रन, 46 बॉल, 12 फोर, 1 सिक्स) की तेज पारी की बदौलत भारत ने श्रीलंका को चौथे टी20I में 30 रन से हरा दिया। भारत पांच टी20I की सीरीज में 4-0 से आगे है।

श्रीलंका के खिलाफ अपनी पारी के दौरान स्मृति विमिंस इंटरनैशनल क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाली दुनिया की सिर्फ चौथी बैटर बनीं। वह मिताली राज के बाद ऐसा करने वाली सिर्फ दूसरी भारतीय हैं। स्मृति ने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए सबसे कम 281 पारियां खेलीं। स्मृति भारत के लिए सर्वाधिक सिक्स जमाने वाली महिला प्लेयर भी बनीं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। भारत ने 221/2 का टोटल बनाया। यह टी20I में भारतीय महिला टीम का सर्वाधिक स्कोर है। श्रीलंका की टीम 20 ओवरों में छह विकेट पर 191 रन ही बना सकी।

स्मृति मंधाना

विमिंस इंटरनैशनल क्रिकेट में सर्वाधिक रन

प्लेयर	देश	रन
मिताली राज	भारत	10868
सूजी बेट्स	न्यूजीलैंड	10652
शार्लेट एडवर्ड्स	इंग्लैंड	10273
स्मृति मंधाना	भारत	10053

फटाफट खबरें

संधू का सातवां खिताब

■ **जमशेदपुर:** युवराज संधू ने रविवार को टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सीजन में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रेकॉर्ड बनाया। संधू ने आखिरी दौर में छह-अंडर 65 का कार्ड खेला जिसमें आखिरी होल पर जीत दिलाने वाली बर्डी शामिल थी।

उबैदुल्लाह पर लगा बैन

■ **कराची:** निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर पाकिस्तान के इंटरनैशनल कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ ने कहा कि राजपूत ने बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र विदेश यात्रा की और भारतीय जर्सी पहनी। मैच की उनकी तस्वीरें वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

पाइपर्स की जीत की धुन, रॉयल्स को 2-0 से हराया

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा विआना के गोल की बदौलत एसजी पाइपर्स ने विमिंस हॉकी इंडिया लीग में जीत के साथ आगाज किया। उन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में घरेलू दर्शकों के बीच खेल रही रांची रॉयल्स को 2-0 से मात दी। रविवार को हुए पहले मैच में दोनों टीम के बीच पहला क्वॉर्टर बराबरी का रहा, जहां दोनों टीमें गोल स्कोर करने में सफल नहीं रहीं। दूसरे क्वॉर्टर में पाइपर्स ने अपना अटैक तेज किया और 25वें मिनट में उन्होंने दो लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, पाइपर्स मौके को भुना नहीं पाए। दो मिनट बाद ही पाइपर्स के लिए पहला गोल उनकी कप्तान नवनीत की स्टिक से आया। आखिरी क्वॉर्टर में टेरेसा ने दूसरा गोल कर पाइपर्स की जीत पक्की की।

हॉकी इंडिया लीग

नवनीत कौर

ली हॉल ऑफ फेम में शामिल

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को उनके शानदार इंटरनैशनल करियर के लिए ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। ली इस उपलब्धि को हासिल करने वाले कुल 62वें प्लेयर हैं। अपनी रफ्तार और सटीकता के लिए पहचाने जाने वाले ली क्रिकेट इतिहास के सबसे तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। ली 2003 और 2007 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियन टीम का अहम हिस्सा थे और 2008 में उन्हें एलन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया गया था। ली ने 76 टेस्ट में 310, 221 वनडे में 380 और 25 टी20I में 28 विकेट लिए थे। ली के इंटरनैशनल क्रिकेट में कुल 718 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथे सर्वाधिक हैं।

क्रिकेट कनेक्ट

हॉल ऑफ फेम ट्रॉफी के साथ ब्रेट ली

टीम में बाबर-शाहीन नहीं

लाहौर: पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20I सीरीज के लिए ऑलराउंडर शादाब खान को टीम में शामिल किया है, जबकि बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को जगह नहीं मिली है। ये दोनों फिलहाल बिग बैश लीग (BBL) में खेल रहे हैं। टीम की कमान सलमान अली आगा संभालेंगे।

करिश्मा और ऋत्विक ने जीता सिंगल्स का खिताब

■ **एजेंसियां, विजयवाड़ा:** सूर्या करिश्मा तमिरी ने तन्वी पात्री को सीनियर नैशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में हराकर विमिंस सिंगल्स का खिताब जीता। वहीं, ऋत्विक संजीवी ने मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। 19 वर्षीय करिश्मा ने रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी को 17-21, 21-12, 21-14 से मात दी। मेंस सिंगल्स में ऋत्विक ने भरत राघव को फाइनल में 21-16, 22-20 से हराया। शिखा गौतम और अश्विनी भट की जोड़ी ने विमिंस डबल्स में खिताब जीता। हरिहरन अम्साकरुणन और रुबान कुमार ने मेंस डबल्स का टाइटल जीता।

सीनियर नैशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

ऋत्विक संजीवी सूर्या करिश्मा

स्पोर्ट्स @2026

सबसे बड़ा चैलेंज

जूनियर्स को उठानी होगी बड़ी ज़िम्मेदारी

तन्वी शर्मा

तकरीबन दो वर्षों से भारतीय बैडमिंटन में वह सुर्खियां लगभग गायब रहीं, जिन्हें कभी पढ़ते ही रोमांच भर जाता था-पीवी सिंधु ने जीता खिताब, साइना नेहवाल बनीं चैंपियन, एचएस प्रणय फाइनल में, रेड्डी-शेट्टी जोड़ी दुनिया के टॉप पर। इन हेडलाइंस की कमी की सबसे बड़ी वजह सीनियर खिलाड़ियों की गिरती फॉर्म और लगातार बनी रही फिटनेस की समस्याएं रहीं। अब आगामी साल भारतीय बैडमिंटन के लिए किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं होने वाला है। भारत बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन की वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी कर रहा है, और देश की उम्मीदें होंगी कि घरेलू मैदान पर भारतीय शटलर पोडियम तक पहुंचें। सीनियर्स की वापसी और उम्मीदों की लय के बीच 2026 भारतीय जूनियर्स के लिए निर्णायक साल साबित हो सकता है। आने वाले समय में भारतीय बैडमिंटन का भविष्य इन उभरते हुए खिलाड़ियों के कंधों पर ही टिका दिखेगा।

सबसे बड़ा सवाल

साल 2025 में भारत के कई जूनियर खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल लेवल पर शानदार प्रदर्शन करके भविष्य की उम्मीदें जगाई हैं। एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में तन्वी, वेन्नला, दीक्षा सुधाकर ने गोल्ड जीता। बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा ने सिल्वर जीता। आयुष शेट्टी, उन्नति हुड्डा, अनमोल खरब, रक्षिता श्री, गायत्री गोपीचंद जैसे खिलाड़ियों ने भी अलग-अलग स्तर पर अपनी छाप छोड़ी। क्या ये खिलाड़ी सीनियर लेवल पर बड़े चैलेंज के लिए तैयार होंगे?

11 सिंगल्स खिताब साल 2025 में जीते एन से-यंग ने और एक सीजन में सर्वाधिक सिंगल्स खिताब जीतने के जापान के केंटो मोमोटा के रिकॉर्ड की बराबरी की। सीजन में उनका जीत का प्रतिशत 94.8% रहा

लक्ष्य का टारगेट

लक्ष्य सेन

तमाम उतार-चढ़ाव के बाद भी लक्ष्य सेन साल 2025 का अंत नंबर-13 वर्ल्ड रैंकिंग के साथ करेंगे, जो भारतीयों में बेस्ट है। उन्होंने 2025 की शुरुआत धीमी से की, लेकिन अंत एक खिताब (ऑस्ट्रेलियन ओपन) के साथ किया। वह दो अन्य बड़े टूर्नामेंट्स के फाइनल में भी पहुंचे। इस प्रदर्शन से 2026 में उनसे बेहतर की उम्मीद जगी है। वह पीठ की चोट से उबर चुके हैं और आने वाले साल उनका टारगेट अधिक खिताब जीतकर टॉप-10 में पहुंचने का होगा।

भारत की चुनौतियां

1-**फिटनेस का मसला:** पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत जैसे सीनियर खिलाड़ियों के लिए आने वाले साल पूरे सीजन फिट रहना बड़ी चुनौती होगी।
2-**प्रदर्शन में निरंतरता:** युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी और फिट भी रहना होगा ताकि वह बड़े टूर्नामेंट्स के अंतिम चरणों में दबाव झेल सकें।
3-**युवाओं का टारगेट:** आयुष शेट्टी, उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब जैसे जूनियर्स को सीनियर सर्किट में खुद को स्थापित करना होगा।

साल 2026 में बैडमिंटन: कुछ महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं

टूर्नामेंट	तारीख	वेन्यू
मलेशिया ओपन	6-11 जनवरी	कुआलालंपुर
इंडिया ओपन	13-18 जनवरी	नई दिल्ली
ऑल इंग्लैंड ओपन	10-15 मार्च	बर्मिंघम
थॉमस एंड उबेर कप	24 अप्रैल-3 मई	डेनमार्क
BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप	17-23 अगस्त	नई दिल्ली
वर्ल्ड टूर फाइनल्स	8-13 दिसंबर	चीन

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आपने जिस प्रकार की छवि लोगों के बीच बनाई है, उसके बल पर आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक संतोष भी प्राप्त होगा परंतु कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है, सावधान रहें।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आर्थिक मामलों में तरक्की आपका साथ देगी। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। वित्तीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में विपरीत रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा लेकिन वह अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त नहीं कर सकेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज के दिन किसी काम में आप फंस सकते हैं। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखें कि कुछ कर दिखाने के लिए मेहनत और लगन की जरूरत ही होती है। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो औरों के लिए असुविधाजनक साबित होगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज सुबह से ही आपके आसपास का वातावरण आपके अनुकूल नहीं चल रहा है। ऐसे समय में भी आपको अपना धैर्य नहीं छोड़ना है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी प्रॉब्लम भी हो। बेहतर होगा कि आप दिन के पहले हिस्से में किसी अच्छे डॉक्टर से मिल लें।

LEO 23 July - 22 Aug
इन दिनों आपका सबकुछ ठीक-ठाक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के आशीर्वाद से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। आज के दिन आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप समय पर पूरा करेंगे। आपकी तरक्की से विरोधियों का मनोबल गिरेगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
किसी-किसी समय जब आप अच्छे मूड में रहते हैं तो अपने खोटों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो समय में पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों से आज आपको विशेष सावधानी बरतनी है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक मित्रों से चर्चा होगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
अभी का समय आपका कठिन रहने वाला है। किसी परीक्षा के लिए आपको तैयार रहना है। अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई लिखा-पढ़ी करना चाहते हैं, तो दिन के समय कदापि न करें। बाकी के कामों के लिए भी दोपहर तक का समय अनुकूल है। आज दिन के समय अधिक भागदौड़ी रहने के कारण थकान होगी। हो सके तो सायंकाल का समय परिवार के साथ हंसी-खुशी करने में बिताएं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
कभी-कभी कोई काम आपकी सोच के विपरीत हो जाता है। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं, वही धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होगी। वैसे आपका दिन मिश्रित फलदायक है। एकाध काम आज हो जाने से टेंशन कम होगी। साथ ही मित्रों के सम्पर्क अच्छे समाचार मिलने से हर्ष होगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
कई दिनों से आप किसी छोटे-मोटे काम के बिगड़ जाने से आशंकित हैं। हो सकता है आज आपके हर काम में सुधार हो जाए। फिर भी किसी दर्द के डर या आहट से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर के बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन कुछ जवाबदारीपूर्ण और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे व्यक्तियों से मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। रिश्तेदारों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिलेंगी और कोई योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
यह समय अपने कार्यक्षेत्र में सभी पुराने अटके पड़े कामों को पूरा करने का है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिंता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम समस्या में उलझे हैं, तो उसका फैसला भी जल्दी करें। आज के दिन घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। समय का आनंद उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ हाथ में आने से व्यस्तता बढ़ सकती है। जहां तक हो सके, इनमें से महत्वपूर्ण कार्य सुबह ही पूरे कर लें, क्योंकि दोपहर बाद समय ठीक नहीं है। आपके बनते कामों में रुकावटें पैदा होंगी और उसका मानसिक असर शाम तक बना रहेगा। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी होगा। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(29 दिसंबर - 4 जनवरी 2026)

आचार्य नंदिता पांडे

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन लाभ रहेगा। इस सप्ताह आप जितना तुरंत निर्णय लेकर अपने निवेशों पर अमल करेंगे उतना अधिक शुभ फल प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में साझेदारी में किए गए कार्यों द्वारा कष्ट उत्पन्न हो सकते हैं। प्रेम संबंध में अहं के टकराव से बचें, तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। सप्ताह के अंत में आप जोश में रहेंगे एवं जीवन के कठिन समय को आराम से पार कर पाएंगे

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं समाज में मान-सम्मान बढ़ता जाएगा एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम में वृद्धि तो होगी लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कम रहेगी। आर्थिक मामले में व्यय की स्थितियां बनती जाएंगी एवं अपने निवेशों पर इस सप्ताह आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। इस सप्ताह के अंत में धीरे-धीरे जीवन में सुकून आता जाएगा।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आप अपने सहयोगियों के साथ अच्छा संबंध स्थापित करेंगे एवं उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। आर्थिक मामले में समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। बिजनेस ट्रिप्स आपके लिए शुभ परिणाम सामने लेकर आएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में आप पार्टी के मूड में रहेंगे।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह जीवन में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। प्रेम संबंध में रोमांस की एंट्री होगी एवं मन प्रफुल्लित रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत द्वारा स्थितियां सुधरेंगी एवं इस सप्ताह आपके द्वारा की गई मेहनत आपको भविष्य में शुभ फल दिलाएगी। आर्थिक मामले में भावनात्मक कारणों की वजह से व्यय अधिक हो सकते हैं। इस सप्ताह के अंत में जीवन में सुख समृद्धि के शुभ संयोग भी बनते जाएंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं किसी की मदद से लव लाइफ में सुखद समय व्यतीत होगा। आर्थिक व्यय अधिक हो सकते हैं एवं साझेदारी में किए गए निवेश आपके लिए खर्चे बढ़ा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी किसी बात के कारण मन अशांत रहेगा। इस सप्ताह के अंत में सुख समृद्धि के संयोग तो बनेंगे लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कमतर रहेंगे।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह प्रेम संबंध को लेकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होंगे। इस सप्ताह व्यय की स्थितियां अधिक रहेंगी एवं निवेशों में धन लाभ के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। सप्ताह के अंत में अपनी राय खुल कर सामने रखेंगे तो जीवन में सुकून रहेगा।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह बातचीत द्वारा स्थितियों को सुलझाएंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में धीमी गति से आगे बढ़ेंगे। प्रेम संबंध में जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां अधिक हो सकती हैं। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में जीवन में किसी भी बदलाव को टाल दें तो बेहतर होगा।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आर्थिक मामले में समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। किसी नए निवेश द्वारा धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। कार्यक्षेत्र में संयम के साथ निर्णय लें। प्रेम संबंध में अहं के टकराव से दूर रहें, बेहतर होगा।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में उन्नति के संयोग बनते जाएंगे। युवा वर्ग के लिए शुभ संकेत प्राप्त होंगे एवं आप अपनी चार्मिंग पर्सनैलिटी द्वारा कठिन समय को आसान करने में सफल रहेंगे। आर्थिक मामले में इस माह शुभ संकेत प्राप्त होंगे एवं जीवन में सुख-समृद्धि के और अधिक योग बनते जाएंगे। प्रेम संबंध में संयम के साथ काम करेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष राहु और नेपच्यून आपके वर्ष के प्रतिनिधि ग्रह बने रहेंगे। दिसंबर अंत तक शनि व बृहस्पति की चाल इस वर्ष आपके मार्ग में कुछ अप्रिय प्रभाव देने वाली होगी क्योंकि वर्ष के आरंभ यानी जनवरी 2026 में शनि सूर्य का कुछ, शुक्र, बुध योग रहने से झगड़े-विवाद से बचे रहें तो ही अच्छा रहेगा। फरवरी-मार्च में आपका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा, खान-पान में परहेज रखना जरूरी होगा। अप्रैल-मई महीने के अंत तक का समय बहुत ही अनुकूल और लाभकारी सिद्ध होगा। जून-जुलाई में किसी औचित्य को ध्यान दिए बगैर आप नए व्यापार के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं, अन्यथा फिर अवसर में फिर सकते हैं। सितंबर में आपका भौतिक पक्ष मजबूत होगा। यह वर्ष अक्टूबर से नवंबर तक विशेषकर काम काजी महिलाओं के लिए उत्साहवर्धक सिद्ध होगा। विद्यार्थी संकुचित दृष्टिकोण से अध्ययन न करें। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 30 दिसंबर 2025)

राष्ट्रीय मिति पौष 9, शक संवत 1947, पौष, शुक्ल, दशमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 16, रजब 9, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 30 दिसंबर 2025 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से अपराह्न 4 बजकर 30 मिनट तक। दशमी तिथि प्रातः 7 बजकर 5 मिनट तक उपरांत एकादशी तिथि का आरंभ। गर करण प्रातः 7 बजकर 51 मिनट तक उपरांत वव करण का आरंभ। चन्द्रमा दिन-रात मेष राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत पर्व-पुत्रदा प्रातः 7 बजकर 41 मिनट तक, रुण्डमूल।

सुडोकू

		8				5		
2			8		5			7
	3	5	9		1	4	2	
6			5		3			1
5			2		4			3
	4	9	7		2	3	6	
8			1		6			9
		7				8		

TELEVISION

big magic

09:00 [illegible]
10:00 [illegible]
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 [illegible]
13:30 [illegible]
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 [illegible]
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीर

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH12 User: cci Time: 12-29-2025 00:01 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix

MONDAY, DECEMBER 29, 2025 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

'लोग मुझे कहते थे, कैसी फिल्में कर रही हो आप'

चित्रांगदा सिंह

उपमा सिंह

इस साल चित्रांगदा सिंह कई अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। पहले वेब सीरीज खाकी: द बंगाल चैप्टर में नेता की गंभीर भूमिका की और फिर हाउसफुल 4 जैसी मसाला एंटरटेनर में कॉमिडी में अपना हुनर दिखाया। अब वह क्राइम थ्रिलर फिल्म रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा, 'इतने अलग-अलग रोल के बारे में मैंने सोचा तो नहीं था क्योंकि आपके पास क्या काम आएगा, वह आपके हाथ में नहीं होता।'

चित्रांगदा को उनकी पहली फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी (2003) के बाद सीरियस ऐक्ट्रेस के तौर पर लेबल कर दिया गया था। उन्होंने कहा, 'ऐक्टर्स को निश्चित तौर पर टाइपकास्ट किया जाता है। फिर आप कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं तो कहते हैं कि अरे यार, यह इमेज बदलने की बहुत ज्यादा ही कोशिश कर रही है। अगर आपने कुछ अच्छा कर लिया तो कहेंगे कि पहले वाला काम ज्यादा अच्छा था। मीनिंगफुल सिनेमा छोड़कर आप क्या कर रही हो। मुझे यह भी लगता है कि ऑडियंस को भी यह बदलाव मानने में थोड़ा वक्त लगता है, पर अच्छा काम करें तो आदत पड़ जाती है।' रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, 'मेरा किरदार परिवार की बड़ी बेटी का है। घर में एक ट्रैजिडी होती है, जिससे सब कुछ बहुत ही इंटेंस, बहुत रोमांचक हो जाता है। मेरा किरदार भी बहुत इंटेंस है जिसे करने में बहुत मजा आया।'

कैमियो स्टार्स से खफा किच्चा

किच्चा सुदीप ने कहा है, 'हम दूसरी भाषाओं में कैमियो कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में काम करने नहीं आ रहे हैं। यहां तक कि मैंने कुछ कलाकारों से निजी तौर पर गुजारिश भी की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।'

SHALBY INTERNATIONAL HOSPITALS

विश्व प्रसिद्ध
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन से परामर्श
फाउंडर, शैल्बी हॉस्पिटल्स, अहमदाबाद

डॉ. विक्रम शाह
➤ 1.75 लाख से अधिक सफल जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी
➤ घुटनों के पार्शियल रिप्लेसमेंट (TUKSplasty) में मुख्य विशेषज्ञ
➤ आर्थोप्लास्टी, नी-जॉइंट व हीप-जॉइंट रिप्लेसमेंट में माहिर
➤ जॉइंट रिप्लेसमेंट में 'जीरो तकनीक' के आविष्कारक

अब गुरुग्राम में ओ.पी.डी. एवं सर्जरी हेतु उपलब्ध

शैल्बी इन्टरनेशनल हॉस्पिटल्स
गोल्फ कोर्स रोड, डी.एल.एफ. फेज़-5, सेक्टर-53, गुरुग्राम, हरियाणा-122002

2 जनवरी, 2026, शुक्रवार | 23 जनवरी, 2026, शुक्रवार
सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

अपोइंटमेंट व अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें ✆+91-99866 11399

घुटने की आर्थोप्लास्टी सर्जरी में वर्ल्ड लीडर्स और हिप सर्जरी में इंडिया लीडर्स

शैल्बी मल्टी-स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल्स
कर्णावती क्लब के सामने, एस. जी. रोड, अहमदाबाद, गुजरात

www.shalby.org | info@shalby.org

अन्य शाखाएं:
दिल्ली | मुंबई | अहमदाबाद | इंदौर | जबलपुर | जयपुर | लखनऊ | सूरत | मोहाली | वापी | राजकोट | ग्वालियर

पापा और मैंने इस साल काफी कुछ झेला है: सारा

सारा अली खान ने अपने पिता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर पहली बार खुलकर बात की। इस साल जनवरी में लूट की कोशिश के दौरान सैफ अली खान पर उनके ही घर में एक घुसपैठिए ने चाकू से हमला कर दिया था। सारा ने कहा कि साल की शुरुआत उनके परिवार के लिए बेहद मुश्किल रही और इस दौर ने उन्हें एकजुट रहना सिखाया।

सारा ने एक बातचीत में कहा, 'मैंने सीखा कि सबसे कठिन समय में भी गरिमा और शालीनता बनाए रखना कितना जरूरी है। एक परिवार के तौर पर हमने बहुत कुछ साथ झेला, खासकर अब्बा के साथ इस साल की शुरुआत में।' सारा ने आगे कहा 'इस मुश्किल दौर में उनकी दादी शर्मिला टैगोर का समझदारी से काम लेना और धैर्य बनाए रखना उनके लिए प्रेरणा भरा रहा। खुद को संभालना और हालात को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना, यह मैंने अपनी दादी से सीखा है।'

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

JNU में गूंजी भोजपुरी कविताओं की मिठास

कवियों ने अपनी रचनाओं से लोगों को किया मंत्रमुग्ध

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के भारतीय भाषा केंद्र और दिल्ली सरकार की मैथिली-भोजपुरी अकैडमी के संयुक्त तत्वाधान में 'भोजपुरी के शेक्सपियर' कहे जाने वाले महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की जयंती के अवसर पर एक भव्य भोजपुरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भोजपुरी के 'शेक्सपियर' भिखारी ठाकुर की जयंती पर भव्य कवि सम्मेलन आयोजित

विश्वविद्यालय के एसएल-1 स्थित कमेटी रूम नंबर 212 में आयोजित हुआ कार्यक्रम। कवि सम्मेलन में भोजपुरी के कई प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आमंत्रित कवियों में सोनी पांडेय, संतोष पटेल, नूरैन अंसारी और पुष्कर कुमार ने अपनी रचनाएं सुनाईं। सम्मेलन की अध्यक्षता रामेश पासवान ने की, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन मेनका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में मैथिली-भोजपुरी अकैडमी के सचिव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूरा परिसर 'भोजपुरिया' रंग में रंगा नजर आया।

मैथिली अकादमी में ताला, मुख्यमंत्री को लिखा लेटर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मिथिला की भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए मैथिली अकादमी में ताला लगने के गंभीर मामले को लेकर मिथिला स्टूडेंट्स यूनियन ने फ्रेंचाइजी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है।

पत्र में लिखा, जल्द फैसला नहीं आने पर करेंगे आंदोलन

पत्र में मैथिली अकादमी का तत्काल ताला खोलने, अकादमी में स्थायी कर्मचारियों की बहाली सुनिश्चित करने, अकादमी को पर्याप्त बजट और प्रशासनिक सहयोग प्रदान करने तथा मैथिली भाषा और साहित्य के संरक्षण के लिए ठोस और दीर्घकालिक नीति बनाने आदि की मांग की गई है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो मिथिला स्टूडेंट्स यूनियन राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1976 में स्थापित मैथिली अकादमी आज जिस हालत में है वो पूरे मिथिला समाज के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अपमानजनक स्थिति है।

ढोल-दमाऊ की थाप और पहाड़ी स्वाद: सजा 'छोटा उत्तराखंड'

Poonam.Bisht@timesofindia.com

उत्तराखंड के हुनर और उद्यमिता को समर्पित एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

■ म्येरु पहाड़ फाउंडेशन की ओर से 25 दिसंबर को न्यू अशोक नगर के DPMI सभागार में उत्तराखंड के हुनर, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को समर्पित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंडी उद्यमियों का सम्मान भी किया गया, जिनमें पहाड़ी ड्रेस डिजाइनर नीता बिष्ट, 'कल्यो' नाम से पारंपरिक खानपान का कार्य कर रहीं मधु अग्रवाल, धारी देवी बैंड चला रहे हरीश शर्मा, मत्स्य पालन कर रहे गोपाल रावत, पहाड़ी उत्पाद बेच रहे 'स्याग रिटेल' के दीपक ध्यानी और कृषक आनंद गढ़ाकोटी जैसे कई नाम थे।

उत्तराखंडी उद्यमियों की अनोखी कहानियां सामने लाया म्येरु फाउंडेशन

सम्मानित होने वाले उत्तराखंड से आए ऐसे ही उद्यमी थे अधिवक्ता संजय शर्मा। उन्होंने बताया कि हर किसी पहाड़ी को अपनी आय का पांच से दस प्रतिशत हिस्सा पहाड़ को देना चाहिए। दीपक ध्यानी ने कहा कि हम आज 22 हजार लोगों तक पहाड़ी उत्पाद पहुंचा रहे हैं। उत्तराखंड में 47 कोऑपरेटिव हमसे जुड़े हैं।

गोपाल रावत ने बताया कि पहाड़ में कारोबार शुरू कर रहे लोगों को मेरा सुझाव है कि एक ही उद्यम पर निर्भर न रहें। एक साथ दो-चार उद्यम चलाएं। पहाड़ी बैंड सर्विस देने वाले हरीश शर्मा खुद भी वायु सेना में मिलिट्री बैंड इंस्ट्रक्टर हैं। उन्होंने बताया कि अब ढोल-दमाऊ बुकिंग के लिए हमने इसकी बुकिंग सर्विस शुरू की है। गढ़वाली, कुमाऊनी और टिहरी में ढोल बजाने के स्टाइल का फर्क समझाते हुए हरीश बताते हैं कि हमारे बैंड में सॉफ्टवेयर इंजीनियर और BSF कर्मी भी हैं। मधु अग्रवाल ने बताया कि जंगलों में जानवर गंदगी नहीं फैलाता बल्कि इंसान फैलाता है, इसलिए हम ऋषिकेश में स्वच्छता अभियान चलाते हैं।

म्येरु फाउंडेशन चलाने वाले महिपाल नेगी ने बताया कि इस फाउंडेशन की शुरुआत हमने कोरोना काल में की थी। हर साल हम पहाड़ों पर जाकर मेडिकल कैंप लगाते हैं। कार्यक्रम में भगवत मनराल ग्रुप ने रंगारंग प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ. गोविन्द सिंह, डॉ. विनोद बछेती, दिनेश ध्यानी, जगमोहन डांगी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गुर्जर समाज की नई मिसाल: बिना दहेज के बंधे 40 परिवारों के अटूट गठबंधन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गुर्जर समाज में दहेज जैसी कुप्रथा के खिलाफ एक मजबूत सामाजिक संदेश देते हुए दहेज मुक्त विवाह करने वाले परिवारों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया गया। दहेज निवारण समिति ने रविवार को अपना पांचवां स्थापना दिवस नोएडा के सेक्टर-39 में उत्साह और सामाजिक चेतना के साथ मनाया। इस अवसर पर दिल्ली-एनसीआर, पानीपत, मेरठ और मुजफ्फरनगर से आए 40 से अधिक गुर्जर परिवारों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने बच्चों के विवाह बिना किसी भी प्रकार के दहेज के संपन्न कराए।

दहेज निवारण समिति ने रविवार को मनाया अपना पांचवां स्थापना दिवस

- सम्मान समारोह में दहेज के खिलाफ एकजुट हुआ गुर्जर समाज
- दहेज मुक्त विवाह करने वाले 40 परिवारों को किया गया सम्मानित
- आयोजकों ने बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर भी दिया जोर

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि आयकर विभाग की रिटायर्ड महानिदेशक सुनीता बैंसला ने दीप प्रज्वलित कर की। आयोजन का संचालन दहेज निवारण समिति के संस्थापक सदस्य आर्य सागर खारी और बीरचंद भड़ाना ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य लोग और परिवारजन उपस्थित रहे। दहेज निवारण समिति की अध्यक्ष निर्मल देढ़ा ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए दहेज जैसी कुरीतियों को पूरी तरह समाप्त करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि उन्हें कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला से दहेज मुक्त विवाह की प्रेरणा मिली और इसी सोच के साथ समिति हर वर्ष दहेज मुक्त शादी करने वाले परिवारों और दंपतियों को सम्मानित करती है, ताकि अन्य लोग भी इस दिशा में आगे आएं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुनीता बैंसला ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय दहेज मुक्त समिति समाज में बेहद सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस तरह की पहल का विस्तार अन्य राज्यों में भी होना चाहिए। कार्यक्रम में समिति की कोर कमिटी के संयोजक सदस्य वीर सिंह देढ़ा सहित संतोष राठी, चारु आनंद, रेशमा चौधरी, सीमा चौधरी, एडवोकेट छाया भाटी, प्रोफेसर रोशन लाल छोकर और बी.पी. वर्मा जैसे कई लोग मौजूद रहे।

स्वर, सुर और संवाद: मिथिला की सांस्कृतिक विरासत का उत्सव

Roushan.Jha@timesofindia.com

मिश्र बहनों ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया

■ नई दिल्ली: अखिल भारतीय मिथिला संघ के दो दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को मावलंकर हॉल में रंगारंग समापन हुआ। संघ ने अपने इस 55वें आयोजन के दौरान मिथिला की प्रसिद्ध साहित्यकार शेफालिका वर्मा को यात्री सम्मान, व्यवसायी रंजीत झा को योगेंद्र झा सम्मान, साहित्यकार प्रीतम निषाद को बाबू साहेब चौधरी सम्मान और JNU में प्रोफेसर रामनाथ झा को सर गंगानाथ सम्मान से सम्मानित किया। इस दौरान सांसद मनोज तिवारी, विधायक अभय वर्मा और संजीव झा के अलावा पूर्व सांसद महाबल मिश्र विशेष रूप से उपस्थित थे।

साहित्यकार शेफालिका वर्मा को मिला यात्री सम्मान

अध्यक्ष विनयचंद्र झा ने कहा कि मिथिला संघ पिछले 55 साल से लगातार मिथिला और मैथिली के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाता रहा है। कार्यक्रम के दौरान सोनी मिश्र और श्रेया मिश्र बहनों ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही स्नेहा झा, देवानंद झा, रामबाबू झा, सुष्मिता झा, कामिनी झा, क्षितिज मिश्र और रुचि कुमारी ने अपने गीतों से, जबकि विनोद साजन ग्रुप ने मिथिला के पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस सत्र का संचालन मिथिला के प्रसिद्ध उद्घोषक ब्रजेश पाठक और मनोज पाठक ने किया। परिचर्चा का विषय 'पाठशाला में मैथिली' था। भास्कर ज्योति के संचालन में आयोजित इस परिचर्चा में कैलाश कुमार मिश्र, वंदना झा, राजीव कुमार झा और आनंद दास ने अपने विचार रखे।

बंद पड़ा है ट्रैक, कांगड़ा वैली ट्रेन के लिए प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: हिमाचल की पहाड़ियों और कांगड़ा घाटी की सुंदरता के बीच चलने वाली नैरोगेज रेलगाड़ियां कभी इस क्षेत्र की जीवनरेखा हुआ करती थीं। लेकिन बीते कई सालों से पठानकोट-जोगिंदरनगर रेलमार्ग पर सन्नाटा पसरा हुआ था। इसी मसले पर भारत जोड़ो अभियान के सदस्य पीसी विश्वकर्मा ने प्रदर्शन किया।

पीसी विश्वकर्मा

उन्होंने सबसे पहले महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि दी और फिर जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड चार साल में 200 मीटर का क्षतिग्रस्त ट्रैक तक रिपेयर नहीं कर पाया है। इस विरोध प्रदर्शन का असर हुआ। रेलवे के उत्तर भारत महाप्रबंधक अशोक कुमार ने विश्वकर्मा को अपने कार्यालय में बातचीत के लिए आमंत्रित किया। महाप्रबंधक ने वीडियो के माध्यम से दिखाया कि कैसे बरसात में ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ था और अब चक्की पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। महाप्रबंधक ने भरोसा दिलाया कि जनवरी के अंत तक ट्रेनें बहाल कर दी जाएंगी। विश्वकर्मा ने भी स्पष्ट कर दिया कि अगर जनवरी में ट्रेनें नहीं चली तो फरवरी में आंदोलन और तेज होगा।

गढ़वाल भवन के स्थापना दिवस पर 43 विभूतियों का अभिनंदन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गढ़वाल हितैषिणी सभा ने रविवार शाम (28 दिसंबर) को पंचकुइयां रोड के गढ़वाल भवन में भवन का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कई लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वीर चंद्र सिंह गढ़वाली 'गढ़ गौरव सम्मान' प्रदान किए गए।

सभा के महासचिव पवन कुमार मैठाणी ने इस अवसर पर कहा कि पिछली और आने वाली पीढ़ियों के लिए गढ़वाल भवन एक धरोहर है। यह गढ़ गौरव का प्रतीक है। 28 दिसंबर 1958 के दिन ही टिहरी के महाराजा मानवेन्द्र शाह ने इसकी नींव रखी थी। रविवार को भवन के स्थापना दिवस पर उन्हीं महाराजा की पुत्रवधू और टिहरी सांसद राज्य लक्ष्मी माला शाह ने उपस्थित होकर लोगों को सम्मान प्रदान किए। इस अवसर पर 43 ऐसे लोगों को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली गढ़ गौरव सम्मान प्रदान किए गए, जो अपने क्षेत्रों में निष्पक्ष ढंग से कार्य कर रहे हैं। साथ ही सभा के 21 वरिष्ठ सदस्यों को श्रीदेव सुमन वरिष्ठ सदस्य सम्मान दिया गया।

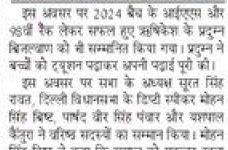

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को 'गढ़ गौरव सम्मान'

इस अवसर पर 2024 बैच के आईएएस और 98वीं रैंक लेकर सफल हुए ऋषिकेश के प्रद्युम्न बिजल्वाण को भी सम्मानित किया गया। प्रद्युम्न ने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपनी पढ़ाई पूरी की।

इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष सूरत सिंह रावत, दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट, पार्षद वीर सिंह पंवार और यशपाल कैंतुरा ने वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया। मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि समाज को एकजुट रहना होगा, तभी हमारी राजनीतिक ताकत दिखेगी।

विचार

ईमानदारी से किया गया काम, अंत में मुस्कान देता है। वही मुस्कान जीवन की सबसे बड़ी सफलता होती है।

– लाल बहादुर शास्त्री

उम्मीद का फैक्ट

एशिया की रैंकिंग में रेकॉर्ड 294 भारतीय संस्थान

AI Image

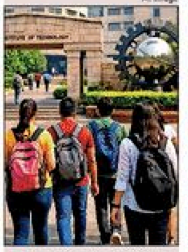

- 'QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026' के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारतीय कॉलेज अब दुनिया के बेहतरीन संस्थानों को टक्कर दे रहे हैं।
- **2016 में भारत के सिर्फ 24 संस्थान इस लिस्ट में थे, जो अब 2026 में बढ़कर 294 हो गए हैं।**
- एशिया के सबसे बेहतरीन 100 कॉलेजों में भारत के 7 संस्थानों ने अपनी जगह बनाई है। टॉप-200 में भारत के 20 संस्थान शामिल हैं।
- **IIT दिल्ली लगातार 5वें साल भारत का नंबर-1 संस्थान बना हुआ है। एशिया में इसकी रैंक 59वीं है।**
- IISc बेंगलुरु, IIT मद्रास, IIT बॉम्बे, IIT कानपुर, IIT खड़गपुर और दिल्ली यूनिवर्सिटी ने टॉप-100 में जगह बनाई है।
- **वहीं पहली बार 'QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स' में भारत के 54 संस्थान शामिल हुए हैं। इसमें भी IIT दिल्ली 123वें स्थान के साथ देश का नेतृत्व कर रहा है।**

सोर्स: QS एशिया और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026

सरहद के रक्षकों का नया सत्याग्रह

शांति के संदेश के साथ 15 रिटायर्ड जांबाज़ अब करेंगे दांडी मार्च

TOI

Mohita.Tewari@timesofindia.com

ऐतिहासिक स्पॉट का जायजा लेते पूर्व सैन्य अधिकारी

15 प्रतिभागी अहमदाबाद में जुटेंगे, जहां से मार्च की शुरुआत होगी

■ **लखनऊ:** जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी सीमाओं की रक्षा में और युद्ध के मैदानों में बिताई, जिन्होंने शांति बनाए रखने के लिए कभी हथियार उठाने को अपना 'कर्तव्य' समझा, अब वही जांबाज हाथ में लाठी लेकर अहिंसा का संदेश देने निकल रहे हैं। यह कहानी है सेना के उन 15 रिटायर्ड सीनियर अफिसर्स की, जो महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 'दांडी मार्च' को फिर से जीवित करने जा रहे हैं। 3 जनवरी से 17 जनवरी तक चलने वाली इस दो हफ्ते की यात्रा को नाम दिया गया है 'इकोज ऑफ दांडी: रिट्रेसिंग द हिस्टोरिक पाथ ऑन फुट'। सेना के ये दिग्गज, जिनमें से कई लेफ्टिनेंट जनरल और मेजर जनरल के पद से रिटायर हुए हैं, दांडी पथ पर 400 किलोमीटर का सफर पैदल तय करेंगे।

60 की उम्र और वही जज्बा: इस यात्रा के पीछे एक दिलचस्प भावनात्मक जुड़ाव है। लखनऊ के रहने वाले लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) अनिल पुरी बताते हैं कि जब गांधीजी ने दांडी मार्च शुरू किया था, तब उनकी उम्र 60 साल थी। आज हम सभी भी 60 से ज्यादा की उम्र के हैं। हमने सोचा कि क्यों न उस ऐतिहासिक पल को फिर से महसूस किया जाए।

उन्होंने कहा कि डिफेंस सर्विस में शांति के लिए हमें कभी-कभी हिंसा (युद्ध) का सहारा लेना पड़ा क्योंकि वह हमारा कर्तव्य था। लेकिन अब समय है कि हम दुनिया में शांति का संदेश फैलाएं।

रि. जनरल पुरी स्पष्ट करते हैं कि वे गांधीजी की महानता या उनके ऊंचे कद की बराबरी नहीं कर सकते। वे तो बस एक 'विद्यार्थी' की तरह उस गर्मी, थकान और मिट्टी को महसूस करना चाहते हैं जिससे बापू गुजरे थे। वे शहरों की भागदौड़ से दूर भारत के गांवों की धड़कन को सुनना चाहते हैं, जहां जिंदगी आज भी सादगी से चलती है।

तैयारी और रास्ता: इस सफर की योजना पिछले 13 महीनों से बन रही थी। 15 अधिकारियों का यह समूह अहमदाबाद में इकट्ठा होगा। रास्ते में वे उन सभी जगहों पर रुकेंगे जहां गांधीजी रुके थे, जैसे नडियाद का संतराम मंदिर। रहने के लिए वे 'दांडी पथ यात्री निवास' का सहारा लेंगे। रास्ते में उनके साथ NCC कैडेट्स और आम लोग भी जुड़ेंगे।

लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) वी. श्रीनिवासन कहते हैं कि यह हमारा एक पुराना सपना है, जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल, महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू के दिखाए ऐतिहासिक मार्ग पर बहुत बारीकी से प्लान किया गया है। उम्र को देखते हुए सेहत का भी ध्यान रखा गया है। पूरी टीम ने महीनों तक खुद को तैयार किया है। उनके पास फर्स्ट-एड और जरूरी दवाइयां होंगी और जरूरत पड़ने पर वे स्थानीय डॉक्टरों की मदद लेंगे।

दांडी मार्च के 100 साल पूरे होने में अभी 4 साल बाकी हैं (मूल मार्च 12 मार्च से 6 अप्रैल, 1930 तक चला था), लेकिन इन पूर्व सैनिकों ने अभी से शांति और सादगी का बिगुल फूंक दिया है। ये जांबाज 17 जनवरी को दांडी पहुंचेंगे। इनका मकसद साफ है कि स्कूल-कॉलेज के छात्रों और गांव के लोगों से मिलकर उन्हें बताना कि शांति की ताकत किसी भी हथियार से बड़ी होती है।

भाईचारे की मिसाल

मस्जिद के लिए सिख महिला ने दी ज़मीन

TOI

Shariq.Majeed@timesofindia.com

■ **फतेहगढ़ साहिब:** चंडीगढ़ से करीब 55 किलोमीटर दूर पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के जखवाली गांव में धार्मिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की एक अनूठी मिसाल सामने आई है। यहां 75 वर्षीय सिख महिला बीबी राजिंदर कौर ने मुस्लिम समुदाय के लिए मस्जिद निर्माण के लिए अपनी निजी जमीन दान कर दी, जबकि सिख और हिंदू परिवारों ने बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग किया।

जखवाली गांव मुख्य रूप से सिख बहुल है, जहां करीब 400 से 500 सिख परिवार रहते हैं। इसके साथ ही गांव में लगभग 150 हिंदू और 100 मुस्लिम परिवार भी रहते हैं। गांव में पहले से एक गुरुद्वारा और शिव मंदिर मौजूद है, लेकिन अब तक मस्जिद नहीं थी। इस कारण मुस्लिम समुदाय के लोगों को नमाज अदा करने के लिए पास के गांव जाना पड़ता था।

बीबी राजिंदर कौर ने बातचीत में बताया कि गांव के मुस्लिम निवासियों को नमाज के लिए दूर जाना पड़ता था, यह बात उन्हें लंबे समय से खटक रही थी। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा कि अगर उन्हें पांच मरले (करीब 1,360 वर्ग फुट) जमीन दे दी जाए, तो उन्हें नमाज पढ़ने के लिए अपनी जगह मिल जाएगी। हमें बहुत खुशी है कि वे खुश रहेंगे।

बीबी राजिंदर कौर के पोते सतनाम सिंह ने बताया कि गांव में सिख, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग पीढ़ियों से भाईचारे के साथ रहते आए हैं।

देसी युद्धकला बचाने वाले योद्धा

PTI

कोलकाता में तलवारी ट्रेनिंग कैंप में स्टूडेंट्स अपनी फिजिकल ट्रेनिंग का हुनर दिखा रहे हैं। हाथों में पारंपरिक ढाल और लाठी लिए ये युवा योद्धा की तरह अडिग और उर्जा से लबरेज नजर आए। युवाओं को कई एक्टिविटी का प्रदर्शन किया।

छत्तों को रेस्क्यू कर सुरक्षित घर दे रही है 'Bee बास्केट' की टीम

खतरे में मधुमक्खियां, संकट में खेती, पैदावार बचाने का प्लान Bee

Photos: Amit Godse

Anjali.Jhangiani@timesofindia.com

17,000 से ज्यादा छत्तों को 11 साल में जलने से बचाया

■ **सोचिए, क्या** आपकी गर्मियों की दोपहर बिना 'मैंगो शेक' के पूरी हो सकती है? या बिना 'तड़के' वाली दाल और खुशबूदार 'बिरयानी' के खाने का मजा आएगा? शायद नहीं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके पसंदीदा खाने का भविष्य नन्ही मधुमक्खियों के परों पर टिका है। लेकिन, भारत के खेत एक खामोश त्रासदी से गुजर रहे हैं। दरअसल, मधुमक्खियां धीरे-धीरे गायब हो रही हैं, और उनके साथ ही प्याज, आम, सेब और सरसों जैसी फसलों के परागण (Pollination) पर गहरा असर पड़ रहा है। पुणे के अमित गोडसे ने 2014 में 'Bee बास्केट' की पहल शुरू की।

उनका मिशन है मधुमक्खियों को मारने के बजाय सुरक्षित रेस्क्यू करना और खेतों में वापस छोड़ना। अमित कहते हैं कि यह सिर्फ कीड़ों की समस्या नहीं, हमारी फूड सिक्योरिटी का सवाल है। अगर मधुमक्खियां लौटेंगी नहीं, तो थालियां खाली होंगी।

फरवरी 2019 में नासिक में एक विशाल छत्ते को बचाने के लिए अमित की टीम ने 300 किलोमीटर की यात्रा की और 12 घंटे मेहनत के बाद उसे सुरक्षित बचाया। 11 सालों में उन्होंने 17,000 से ज्यादा छत्ते बचाए, जिसकी तारीफ पीएम मोदी ने 'मन की बात' में की।

खेती के एक्सपर्ट राजेंद्र सधिकर बताते हैं कि इस साल प्याज के बीजों का उत्पादन 60% गिर गया। फरवरी और मार्च की गर्मी के कारण मधुमक्खियां फूलों तक नहीं पहुंचीं। लातूर और रत्नागिरी के किसान भी जंगल कटाई और रसायनों के कारण मधुमक्खियों के नुकसान की चिंता करते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि शहरों में मधुमक्खियों की विविधता ज्यादा है, जबकि खेतों में मोनोकल्चर के कारण पोषण कम है। समय रहते कदम नहीं उठाए तो फसल और मधुमक्खियां दोनों खतरे में हैं।

कैसे बचेंगी मधुमक्खियां?

अमित गोडसे की टीम ने अब तक 250 से ज्यादा 'बी रेस्क्यूअर्स' तैयार किए हैं। ये निर्माण स्थलों, टॉयलेट्स और पुरानी इमारतों से छत्तों को बचाकर उन्हें ऐसी जगह ले जाते हैं जहां वे सुरक्षित रह सकें। लेकिन यह लड़ाई अमित अकेले नहीं जीत सकते। हकीकत यह है कि हमें पेस्टिसाइड्स का इस्तेमाल कम करना होगा और पर्यावरण में विविधता लानी होगी। अगर हमने आज कदम नहीं उठाया, तो जैसा कि विशेषज्ञों का कहना है, अमेरिका जैसे देशों की तरह यहां भी पूरी मधुमक्खी कॉलोनी खत्म हो जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 12-28-2025 23:16 Color:

NBT AI टाइम मशीन

जब पहला स्वदेशी टैंक सेना में आया

आज ही के दिन 1965 को भारत में बना पहला मुख्य टैंक 'विजयंत' सेना में शामिल हुआ। इसे तमिलनाडु की 'हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री' में तैयार किया गया था। विजयंत ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए थे। इसके अलावा, इसने 1980 के दशक तक कई सैन्य ऑपरेशनों में अहम भूमिका निभाई। भारत में बने होने से इसने रक्षा क्षेत्र में देश का गौरव और आत्मनिर्भरता बढ़ाई।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली सोमवार, 29 दिसंबर 2025

भविष्य में होंगे ऑटोमेटेड स्मार्ट टैंक

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में युद्ध का रूप तेजी से बदलेगा और टैंकों की अहमियत भी बढ़ेगी। वे पहले से ज्यादा हल्के, तेज और स्मार्ट और स्वचालित होंगे। टैंकों में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, ड्रोन से कोऑर्डिनेशन और मजबूत सुरक्षा सिस्टम होंगे। पहाड़ी, रेगिस्तानी और शहरी इलाकों में उनकी भूमिका अलग-अलग होगी। भारत के लिए स्वदेशी टैंक सीमा सुरक्षा, आधुनिक सेना और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत रीढ़ बनेंगे।

AI Images

SPEED News

भ्रष्टाचार के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के तहत चीन की संसद ने उच्च पदस्थ तीन सैन्य अफसरों को बर्खास्त कर दिया है। ये कई कार्यक्रमों से मौजूद नहीं थे।

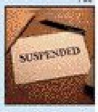

File

AP

पांच साल के गृहयुद्ध के बाद म्यांमार में नई सरकार चुनने की प्रक्रिया चल रही है। रविवार को आम चुनाव के पहले चरण में वोटिंग हुई। पिछला चुनाव नवंबर 2020 में हुआ था।

इस्राइल ने सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी है। 21 देशों ने इस फैसले के खिलाफ साझा बयान जारी कर विरोध जताया है।

File

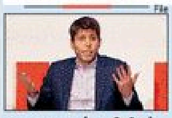

OpenAI के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने स्वीकार किया है कि AI एजेंट्स अब समस्या बन रहे है, क्योंकि ये मॉडल कंप्यूटर सुरक्षा कमजोरियों को खोजने लगे है।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

हिमालय तक सड़क, सुरंगें और एयरस्ट्रिप बना रहा भारत: रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट

चीन के साथ संभावित भविष्य के टकराव को देखते हुए भारत हिमालयी इलाकों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, सड़कों, सुरंगों और हवाई पट्टियों के निर्माण पर सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च किए जा रहे हैं, ताकि विवादित सीमा क्षेत्रों में सेना की तैनाती और सप्लाई व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

भारत और चीन के बीच 2,200 मील लंबी सीमा रेखा, जिसे लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) कहा जाता है, लंबे समय से तनाव का केंद्र रही है। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में हुए हिंसक संघर्ष ने दोनों देशों की सैन्य तैयारियों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। विश्लेषकों के अनुसार, उस समय चीन अपने बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क के कारण कुछ ही घंटों में अतिरिक्त बल पहुंचाने की स्थिति में था, जबकि भारत को दुर्गम और सीमित सड़कों के चलते एक सप्ताह तक लग सकता था।

US मीडिया का दावा- गलवान झड़प के बाद इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर

सेना के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि 2020 की घटना के बाद भारत की सोच में बड़ा बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को पूरी तरह नए सिरे से मजबूत करने की जरूरत है। इसी रणनीति के तहत कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य ऊंचाई वाले इलाकों को सैन्य चौकियों और स्थानीय बस्तियों से जोड़ना है।

File

सेना के पूर्व अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में सैनिकों तक सामान पहुंचाना विशाल और जटिल प्रक्रिया है। नई सुरंग से समय की बचत होगी।

पुल भी बना
पैंगोंग झील में भी गतिविधियां तेज

पैंगोंग त्सो झील क्षेत्र में भी गतिविधियां तेज हैं। यह झील भारत के लद्दाख और चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र तक फैली हुई है और लंबे समय से विवादित रही है। 2020 के बाद दोनों देशों ने यहां सड़कों और ढांचों का तेजी से विस्तार किया। चीन ने हाल ही में झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों को जोड़ने वाला एक पुल भी पूरा किया है, जिससे उसकी सैन्य आवाजाही और आसान हो गई है।

बांग्लादेश पुलिस का दावा, हादी हत्या मामले के दो संदिग्धों के भारत भागने का संदेह
बांग्लादेशी छात्र नेता के हत्यारे भारत में नहीं, खबरें झूठीं: BSF

■ पीटीआई, शिलांग

मेघालय में सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि ढाका में मारे गए 'इंकलाब मंच' के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारत में दाखिल हो गए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मेघालय पुलिस दोनों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की किसी भी घुसपैठ का कोई सबूत नहीं मिला है।

मेघालय में बीएसएफ के महानिरीक्षक ओपी उपाध्याय ने कहा कि हत्यारों के भारत में प्रवेश से जुड़े दावे 'निराधार और भ्रामक' हैं। उन्होंने बताया कि हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में किसी व्यक्ति के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की न तो कोई पुष्टि हुई है और न ही बीएसएफ को इस तरह की कोई रिपोर्ट मिली है।

इससे पहले ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया था कि हादी हत्याकांड के दो मुख्य संदिग्ध स्थानीय सहयोगियों की मदद से सीमा के रास्ते मेघालय में दाखिल हुए हैं। हालांकि, मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि गारो हिल्स क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी से जुड़ा कोई इनपुट या खुफिया जानकारी उपलब्ध नहीं है। स्थानीय पुलिस इकाइयों ने भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दर्ज नहीं की है।

मेघालय में घुसपैठ के दावे को BSF ने खारिज किया

अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और सीमा पर स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। बीएसएफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात जवानों को हर समय हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ अधिकारियों ने दोहराया कि इस सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा की लगातार निगरानी की जा रही है और अवैध तरीके से सीमा पार करने की किसी भी कोशिश का तुरंत पता लगाकर सख्ती से निपटा जाएगा।

'अंतरिम सरकार में चलेगा केस'

बांग्लादेश के आंतरिक मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा है कि उस्मान हादी की हत्या का मुकदमा इस अंतरिम सरकार के कार्यकाल में चलाया जाएगा। उम्मीद है कि 7 जनवरी 2026 को इस मामले में चार्जशीट दाखिल करना संभव होगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचार और दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर हिंदू समुदाय ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

भारत की चिंताओं पर ढाका ने दी सफाई

बांग्लादेश ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को लेकर भारत की टिप्पणियों को खारिज करते हुए उन्हें गलत बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस.एम. महबूब-उल आलम ने कहा कि ऐसी बातें बांग्लादेश की सांप्रदायिक सद्भाव की परंपरा को गलत तरीके से पेश करती हैं। उन्होंने दावा किया कि छिटपुट घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है और उनका इस्तेमाल बांग्लादेश विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए किया जा रहा है। भारत ने हाल ही में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर चिंता जताई थी।

हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध, लंदन में प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट: बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचार और दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में लंदन स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर शनिवार को हिंदू समुदाय का शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने 'हिंदू लाइव्स मैटर' के नारे लगाए और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। इसी दौरान करीब 10 लोग अलगाववादी झंडे लेकर हाई कमीशन के सामने पहुंचे और भारत व हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने छात्र नेता उस्मान हादी की भी प्रशंसा की। हालात बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। आयोजकों ने अलगाववादियों पर जानबूझकर उकसाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल प्रज्वल ने कहा कि अलगाववादियों का इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है और वे जानबूझकर उकसाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग उठी, नारे लगा

चुनाव से पहले एनसीपी में दरार

बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले छात्र-नेतृत्व वाली नैशनल सिटिजन पार्टी (NCP) जमात-ए-इस्लामी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर आंतरिक फूट का सामना कर रही है। पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव के खिलाफ संयुक्त ज्ञापन जारी किया है, जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने इस्तीफे की घोषणा की है। पार्टी की नेता तसनीम जारा ने पद छोड़कर आगामी चुनाव निर्दलीय लड़ने का ऐलान किया है। बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत नाजुक बनी हुई है। उनके डॉक्टरों ने यह जानकारी दी।

हादी के संगठन ने किया हंगामा, ढाका ठप

■ NBT रिपोर्ट: इंकलाब मंच के नेताओं और समर्थकों ने रविवार को अपने नेता उस्मान हादी की हत्या के विरोध में ढाका के शाहबाग चौराहे को जाम कर दिया। ANI की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रदर्शन देशभर के कई डिविजनल शहरों में किए गए व्यापक बंद का हिस्सा था। शाहबाग पर आधिकारिक रूप से प्रदर्शन दोपहर 2 बजे शुरू हुआ, हालांकि कई प्रदर्शनकारी सुबह से ही सड़कों पर मौजूद थे और न्याय की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी शुक्रवार से शाहबाग पर धरने पर बैठे थे। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि चार्जशीट जल्द दाखिल होगी। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

10 को अरेस्ट किया गया: पुलिस के अनुसार, अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हत्या में इस्तेमाल दो पिस्तौल और एक बाइक बरामद की गई है और चेक जब्त किए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि चार्जशीट 7 जनवरी तक दाखिल की जाएगी। इस बीच, सिलहट सहित अन्य शहरों में भी सड़क जाम की खबरें हैं।

जरदारी ने माना, मिली थी बंकर में छिपने की सलाह

■ पीटीआई, लाहौर

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया कि मई में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने पर उन्हें अपने सुरक्षा अधिकारी ने 'बंकर में छिपने' की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन खुद की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने स्वीकार किया कि 10 मई की सुबह भारत ने उनके नूर खान एयरबेस पर हमला किया, जो भारत-पाक चार दिवसीय संघर्ष के आठ महीने बाद पहली बार सामने आया। डार ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान ने भारत से मध्यस्थता नहीं मांगी, लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने नई दिल्ली से बात करने की इच्छा जताई।

आसिफ अली जरदारी

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने भी नूर खान एयरबेस पर हमले की बात स्वीकारी

नेपाल: बालेन शाह बने PM उम्मीदवार

■ आईएएनएस, काठमांडू: नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी अध्यक्ष रबी लामिछाने और शाह के बीच रविवार को लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। समझौते के तहत लामिछाने पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि शाह और लामिछाने का गठबंधन पुरानी पार्टियों के दबदबे को चुनौती दे सकता है।

बालेन शाह

घाटी में छिपे हैं 30 से ज्यादा आतंकी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी फिर किसी हमले को अंजाम न दे सकें, इसके लिए सुरक्षा बल मुस्तैद हैं। हर जगह पैनी निगाह रखी जा रही है और लगातार पट्रोलिंग हो रही है। खुफिया सूत्र जम्मू-कश्मीर में 30 से अधिक पाकिस्तानी आतंकियों के छिपे होने की बात बता रहे हैं। पिछले दिनों ही एक घर से दो संदिग्ध आतंकवादी खाना लेकर भी गए थे। जिनकी तलाश में जगह-जगह छापेमारी भी की गई थी। पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल भी की गई।

सुरक्षा बल मुस्तैद लगातार पट्रोलिंग की जा रही है

पनडुब्बी पर सवारी करने वाली दूसरी प्रेजिडेंट मुर्मु

PTI

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नेवी की पनडुब्बी में सवार होकर समुद्री यात्रा की। वह पनडुब्बी पर जाने वाली दूसरी राष्ट्रपति बनीं। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पनडुब्बी पर गए थे। राष्ट्रपति रविवार को कर्नाटक के कारवार नेवल बेस गईं। उन्होंने नेवी की स्वदेशी कलवरी क्लास सबमरीन INS वाघशीर में सवार होकर यात्रा की। उनके साथ नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी भी थे।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. नेपाल में आरएसपी ने किसे PM पद का उम्मीदवार घोषित किया है?
A) रबी लामिछाने B) पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' C) बालेन शाह

2. राष्ट्रपति ने किस स्वदेशी सबमरीन में सवार होकर यात्रा की?
A) INS अरिहंत B) INS वाघशीर C) INS सिंधुघोष

3. महिला क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन बनाने का वर्ल्ड रेकॉर्ड किसके नाम है?
A) शार्लेट एडवर्ड्स B) स्मृति मंधाना C) मिताली राज

4. भारत हिमालयी इलाकों में बुनियादी ढांचा किस देश संग संभावित टकराव को देखते हुए विकसित कर रहा?
A) चीन B) भूटान C) नेपाल

5. कौन है पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी, जिन्हें Y+ सुरक्षा दी गई है?
A) सुनील अरोड़ा B) अनूप चंद्र पांडे C) मनोज अग्रवाल

कल के जवाब

A1 B) भारत A2 A) One Stop Centre for Women A3 B) 14 साल A4 C) Abhayrab A5 A) 17 साल

लकी विनर्स

1. किरण चौधरी, नई दिल्ली
2. नवीता सक्सेना, गाजियाबाद
3. डॉ. भरत गुप्ता, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

बचाव पर जोर ऑस्ट्रेलिया के नकली बैच के दावों के बीच निर्माता कंपनी ने दी सफाई, अब विशेषज्ञों ने भी दी राय

एंटी रेबीज वैक्सीन के सही रखरखाव के साथ ही सीरम लगवाना भी बेहद ज़रूरी: एक्सपर्ट

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: एंटी रेबीज वैक्सीन को लेकर ऑस्ट्रेलिया की चेतावनी और नकली बैच के दावों के बीच विशेषज्ञों ने साफ किया है कि रेबीज से बचाव सिर्फ वैक्सीन लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके सही रखरखाव और गंभीर घावों में एंटी-रेबीज सीरम (इम्युनोग्लोबुलिन) का समय पर इस्तेमाल भी उतना ही जरूरी है। इस बीच हैदराबाद स्थित इंडियन इम्युनोलॉजिकल्स लिमिटेड (IIL) ने ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें भारतीय कंपनी की एंटी-रेबीज वैक्सीन अभयरैब को नकली बताया गया था। साथ ही कहा है कि ऐसे बयानों से आम लोगों और स्वास्थ्य कर्मियों में अनावश्यक भ्रम फैल रहा है।

एम्स के मेडिसिन विभाग के डॉ. नीरज निश्चल के मुताबिक कुत्ते या रेबीज वाले जानवर के काटने के बाद उससे जुड़े जरूरी उपायों का जानना जरूरी है। उनके मुताबिक, अगर काटने वाली जगह पर घाव ज्यादा है तो रेबीज के तुरंत बचाव के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को एंटी रेबीज वैक्सीन के अलावा एंटी रेबीज सीरम/इम्युनोग्लोबिन का इंजेक्शन भी देना चाहिए। वैक्सीन कुछ दिनों में एंटीबॉडी बनाना शुरू करता है लेकिन जब घाव अधिक हो तो खतरा ज्यादा होता है। ऐसे घाव में एंटी रेबीज सीरम भी लगवाया जाता है। सीरम का इंजेक्शन एंटीबॉडी स्तर के बनने से पहले ही वायरस को निष्क्रिय करना शुरू कर देता है। घाव को 15 मिनट तक साफ पानी के साबुन के साथ धोना बेहद जरूरी है। जितना जल्दी हो 24 एंटी रेबीज की पहली डोज लगवाएं। इसके बाद फिर तीसरे, 7वें, 14वें और 28वें दिन इसे लगवाना होता है। झाड़-फूंक और घरेलू उपचार के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए।

File

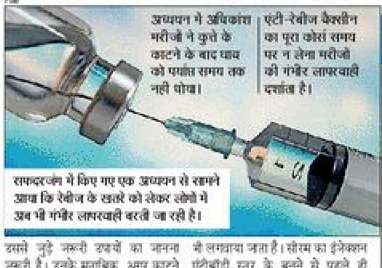

नकली रेबीज वैक्सीन का वैश्विक खतरा

वैश्विक स्तर पर देखें तो नकली या खराब रैबीज वैक्सीन के मामले नए नहीं हैं। फिलिपींस में 2017 से 2018 के बीच रैबीज वैक्सीन के दो नकली बैच अस्पतालों की सप्लाई चेन में पहुंच गए थे। जांच में सामने आया कि 1,711 मरीजों को नकली वैक्सीन लगने की आशंका थी। चीन में 2016-18 के दौरान सामने आया वैक्सीन घोटाला भी अक्सर उदाहरण के तौर पर दिया जाता है। चांगचुन चांगशेंग बायोटेक कंपनी पर कोल्ड-चेन फेल्योर के चलते खराब रेबीज वैक्सीन और बाद में डीपीटी वैक्सीन सप्लाई करने के आरोप लगे। इस मामले में लाखों डोज बाजार में पहुंच चुकी थीं। जांच के बाद चीनी अधिकारियों ने सख्त कार्रवाई की, कंपनी पर करीब 9.1 अरब युआन का जुर्माना लगाया गया।

नए साल में अंजदीप और तारागिरी वॉरशिप से बढ़ेगी नेवी की ताकत

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: नए साल की शुरुआत में भारतीय नौसेना की ताकत और बढ़ने जा रही है। जनवरी में इंडियन नेवी को दो नए वॉरशिप- तारागिरी और अंजदीप मिल सकते हैं। तारागिरी नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट है, जबकि अंजदीप शैलो वॉटर क्राफ्ट है। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट होगा, जबकि नौसेना को इस श्रेणी के कुल सात जहाज मिलने हैं। अंजदीप भी शैलो वॉटर क्राफ्ट की श्रृंखला में चौथा पोत है, जिनकी कुल संख्या 16 होगी। प्रोजेक्ट 17A के तहत बने नीलगिरी क्लास फ्रिगेट अत्याधुनिक स्टेल्थ तकनीक, ऑटोमेशन और बेहतर सरवाइविलिटी से लैस हैं। तारागिरी में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, MF-STAR रडार, बराक-8 मिसाइल सिस्टम और उन्नत एंटी-सबमरीन क्षमता शामिल हैं, जिससे नौसेना की मारक क्षमता मजबूत होगी।

File

तारागिरी नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट है, अंजदीप शैलो वॉटर क्राफ्ट है।

कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट मिलेंगे

इंडियन नेवी को कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट मिलने हैं। जिसमें तीन नेवी में शामिल हो गए हैं। जनवरी में एक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) अंजदीप नेवी में शामिल हो जाएगा। ये सबमरीन निगरानी, खोज और बचाव मिशन और निम्न-तीव्रता वाले समुद्री अभियानों को अंजाम दे सकता है। समन्दर में कम इंटेंसिटी के ऑपरेशन में भी यह शिप मददगार होंगे। समन्दर में माइन बिछाने के ऑपरेशन में भी ये एंटी सबमरीन शिप इस्तेमाल किए जा सकेंगे। ये शिप करीब 77 मीटर लंबा है, इसमें अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रूप से विकसित एंटी सबमरीन रॉकेट और उथले पानी में काम करने वाला सोनार लगा है, जिससे पानी के नीचे मौजूद खतरों की प्रभावी पहचान और उनसे निपटना संभव हो पाता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 12-27-2025 23:05 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 29 दिसंबर 2025-4 जनवरी 2026 > वर्ष 1, संख्या 15 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

फाइनैंशल दस्तावेज कैसे सुरक्षित रखें?
आप बीमा, निवेश के पेपर सुरक्षित रखते हुए सही समय पर परिजनों को सौंपना चाहते हैं, तो यहां जानें सही तरीका...
देखें PG-2

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

नए साल 2026 में कहां होगा मार्केट?
फाइनैंशल एस्ट्रोलॉजर हेम गुप्ता 2026 में बाजार और कमोडिटी के रुख समझा रही हैं। जानें कहां लगा सकते हैं दांव?
देखें PG-3

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

अचानक पैसे की जरूरत? जानिए कहां से लें पैसा

अचानक पैसे की जरूरत किसी को, और कभी भी पड़ सकती है, पर ऐसा हो तो क्या करना चाहिए? अचानक बीमारी, नौकरी में संकट या परिवार का बड़ा खर्च... घबराहट में लिए गए

गलत फैसले बाद में महंगे पड़ सकते हैं। इस लेख में जानिए, इमरजेंसी में पैसा जुटाने के सही और गलत तरीके कौन-से हैं, सेविंग्स और इमरजेंसी फंड का उपयोग कैसे करें, किन हालात में ओवरड्राफ्ट, FD पर लोन, EPF-PPF, गोल्ड लोन या पर्सनल लोन लेना बेहतर रहता है, और किन विकल्पों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। समझिए, कौन-सा फैसला आपकी जेब हल्की करेगा और कौन-सा सच में आपको राहत देगा...
देखें PG-3

एजुकेशन लोन कब और कैसे लें, जानें सही तरीका

महंगी पढ़ाई, बढ़ती फीस और सीमित बचत... ऐसे में कई स्टूडेंट्स के सपने बीच में अटक जाते हैं। यही जगह है, जहां एजुकेशन लोन बड़ी राहत बनकर आता है। सही तरीके से समझकर लिया गया लोन न सिर्फ पढ़ाई जारी रखने में मदद

करता है, बल्कि परिवार पर अचानक पड़ा आर्थिक बोझ भी कम करता है। कौन-सा इंस्टिट्यूट होने पर लोन आसानी से मिलता है, किन डॉक्यूमेंट्स की जरूरत होती है, कितना लोन मिल सकता है, ब्याज दर कैसे तय होती है और मॉरेटोरियम पीरियड में क्या राहत मिलती है, इन सब बातों को जानना जरूरी है। साथ ही, 80E के तहत मिलने वाला टैक्स बेनिफिट एजुकेशन लोन को और फायदेमंद बनाता है। लोन लेने में कहां, क्या दिखाएं समझदारी, आइए जानते हैं...
देखें PG-4

काम की खबरें

AI Image

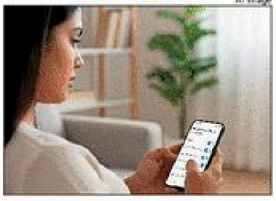

UPI AutoPay: सब कुछ एक जगह ट्रैक होगा

NPCI ने नया पोर्टल upihelp.npci.org.in लॉन्च किया है, जहां यूजर्स अपने सभी UPI AutoPay एक ही जगह देख और मैनेज कर सकेंगे। अभी कई ई-कॉमर्स ऐप यूजर्स से धोखे से ऑटोपे चालू करा देते थे और बाद में उन्हें बंद करना मुश्किल हो जाता था। नए सिस्टम में यूजर अपने एक्टिव ऑटोपे देख सकेगा, उन्हें रोक सकेगा, बदल सकेगा और दूसरे UPI ऐप में पोर्ट भी कर सकेगा। कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक यह बदलाव करना है।

किसी भी रीजनल ऑफिस में सुलझेगी PF समस्या

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने कहा कि जल्द ही EPFO मेंबर अपनी PF से जुड़ी समस्या किसी भी रीजनल ऑफिस में सुलझा सकेंगे। उन्हें उसी ऑफिस में जाने की मजबूरी नहीं होगी, जहां से उनका PF अकाउंट खुला था। ऑफिसों को पासपोर्ट सेवा केंद्र की तरह 'सिंगल विंडो' बनाया जाएगा। साथ ही निष्क्रिय PF खाते में फंसा पैसा लौटाने के लिए खास KYC ड्राइव और डिजिटल प्लैटफॉर्म लाया जाएगा, ताकि जल्दी क्लेम मिल सके।

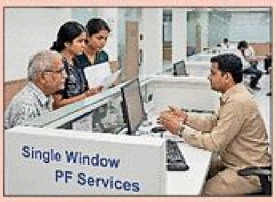

यदि आप भी डिजिटल गोल्ड खरीद रहे हैं, तो...

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, इस साल 12 टन से ज्यादा डिजिटल सोना खरीदा गया है, पर SEBI ने साफ कहा है कि डिजिटल गोल्ड पूरी तरह रेगुलेटेड नहीं है। यानी किसी विवाद, धोखाधड़ी या गलती की स्थिति में दिक्कत हो सकती है। कंपनियां खुद नियम बनाने और सेल्फ रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन (SRO) की बात कर रही हैं, लेकिन जब तक स्पष्ट सरकारी नियम नहीं आते, डिजिटल गोल्ड में ज्यादा पैसा डालने से बचें।

नया साल, नए नियम

कमाई, बचत और निवेश का हैपी न्यू ईयर

साल 2026 आपकी कमाई, टैक्स, बैंकिंग और निवेश की प्लानिंग पर सीधा असर डालने वाला है। नए इनकम टैक्स नियम, PAN-Aadhaar लिंकिंग, डिजिटल पेमेंट सुरक्षा, क्रेडिट स्कोर अपडेट और कई बड़े बदलाव लागू होने वाले हैं। समझिए, क्या बदलेगा और इसका असर आपकी जेब पर कैसे पड़ेगा।

₹12.75 लाख
तक की कमाई टैक्स फ्री होगी न्यू टैक्स रिजीम के तहत इस बार रिटर्न भरने पर सैलरीड क्लास के लिए। **इसमें 75,000 का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी शामिल है।** यह सुविधा ओल्ड टैक्स रिजीम में नहीं मिलती।

₹18,000
महीना तय की गई थी मिनिमम बेसिक सैलरी सातवें वेतन आयोग में। कर्मचारी संघों ने इसे करीब दोगुना से अधिक करने की मांग की है।

5 के बजाय नौकरी में लगातार 1 साल पूरा करने पर ही ग्रैच्युटी के हकदार हो जाएंगे।

15 दिनों पर अपडेट होने वाला क्रेडिट स्कोर वीकली बेसिस पर अपडेट होगा।

50%
होना चाहिए बेसिक पे और डीए मिलाकर कुल वेतन यानी CTC का, नए लेबर कोड के अनुसार।

1 अप्रैल से लागू हो जाएगा नया आयकर कानून 2025, इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

साल 2026 कमाई, बचत और निवेश के लिए बड़ा साल साबित होने वाला है। नया आयकर कानून, EPFO का ATM मॉडल, वेतन आयोग, बीमा और म्यूचुअल फंड के नए नियम जैसे कई बदलाव आपकी जेब, टैक्स योजना और निवेश रणनीति को सीधे प्रभावित करेंगे। यहां समझिए, क्या-क्या बदलने वाला है।

आठवां वेतन आयोग

आठवें वेतन आयोग के नियमों को सरकार ने 28 अक्टूबर को मंजूरी दी थी। 18 महीनों के भीतर आयोग फाइनल रिपोर्ट देगा। हालांकि आयोग बीच में ही अंतरिम रिपोर्ट दे सकता है और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू की जा सकती हैं। सातवें वेतन आयोग ने ग्रेड पे सिस्टम की जगह नया पैमाना पेश किया था। उसके सामने कर्मचारी संघों ने फिटमेंट फैक्टर 3.68 करने की मांग की थी। हालांकि 2.57 की मंजूरी मिली थी और मिनिमम बेसिक सैलरी ₹7000 से 2.57 गुना बढ़ाकर ₹18000 महीना कर दी गई। हालांकि अधिकतम वेतन ढाई लाख तय किया गया, जो कैबिनेट सेक्रेटरी के लिए है। मिनिमम पेंशन ₹3500 से बढ़कर ₹9000 महीने हो गई थी। अधिकतम पेंशन ₹1 लाख 25 हजार तय की गई थी। इस बार कर्मचारी संघों ने मांग रखी है कि पूरे महंगाई भत्ते को बेसिक सैलरी में मिलाने के बाद उस पर 2.86 का फिटमेंट फैक्टर लगाया जाए। साथ ही, डीए सहित दूसरे भत्तों का एरियर भी दिया जाए, जो पिछली बार नहीं दिया गया था।

लेबर कोड का फ्लेवर

केंद्र सरकार ने 29 श्रम कानूनों की जगह पर 4 नए लेबर कोड लागू कर दिए हैं। इनसे जुड़े प्रावधान नए साल में जारी होंगे। ये प्रावधान लागू होने पर डिलीवरी बॉय से लेकर कैब ड्राइवर तक को PF, ESIC और इंश्योरेंस सहित दूसरे सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट मिलेंगे, वहीं किसी भी नौकरी का नियुक्ति पत्र अनिवार्य रूप से कर्मचारी को दिया जाएगा और महिलाओं को भी समान काम के लिए पुरुषों के बराबर वेतन मिलेगा।

- लेबर कोड में नैशनल मिनिमम वेज तय करने की बात की गई है।
- **PF और ग्रैच्युटी की गणना बेसिक पे के बजाय वेजेज के आधार पर होगी।**
- वेजेज में बेसिक पे, डीए और रिटेनिंग अलाउंस को शामिल किया गया है।
- **बेसिक पे और डीए मिलाकर कुल वेतन यानी CTC का 50% होना चाहिए।**
- लेबर कोड की व्यवस्था में PF अमाउंट और ग्रैच्युटी ज्यादा होगी क्योंकि यह वेजेज पर बेस्ड होगी।
- **5 के बजाय नौकरी में लगातार 1 साल पूरा करने पर ही ग्रैच्युटी के हकदार हो जाएंगे।**
- फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयीज को स्थायी कर्मचारियों के बराबर वेतन-भत्ते, छुट्टी और सोशल सिक्योरिटी।

बीमा में बदलाव

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीमा क्षेत्र में 100% फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट की मंजूरी दी, साथ ही संसद ने सबका बीमा, सबकी रक्षा विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें बीमा नियामक IRDAI के अधिकार बढ़ाए गए हैं। इंडिविजुअल इंश्योरेंस पॉलिसी पर GST रेट घटने से प्रीमियम कम हुए हैं और अब FDI से जुड़ी छूट के चलते बीमा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों की आमद बढ़ सकती है। इससे बीमा बाजार में होड़ बढ़ेगी और बीमा पॉलिसी सस्ती हो सकती है। डिजिटल पॉलिसी का चलन तेज हो सकता है। इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी के CEO राकेश जैन ने कहा, "कस्टमर्स के लिए ज्यादा सॉफिस्टिकेटेड प्रोडक्ट्स आएंगे। क्लेम प्रोसेस तेज और बेहतर होगा।"

EPFO का ATM

डिजिटल अपग्रेडेशन के तहत EPFO 3.0 पर काम चल रहा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की श्रम मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में अक्टूबर में बैठक हुई थी। उसमें प्रॉविडेंट फंड सर्विसेज को कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस से जोड़ने को मंजूरी दी गई थी। मांडविया ने कहा है कि यह सुविधा नए साल में मार्च से पहले शुरू करने की तैयारी है। इससे UPI के जरिए ATM से क्लेम के इंस्टैंट विड्रॉल और पेरोल-लिंक्ड कॉन्ट्रिब्यूशन जैसी सुविधाएं मिलेंगी। बीमारी, शादी-विवाह, एजुकेशन और हाउसिंग के मामले में एडवांस क्लेम के लिए ऑटो सेटलमेंट की सीमा पहले ही 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये की जा चुकी है। EPFO 3.0 लागू होने पर मेंबर को ATM में UPI का विकल्प चुनना होगा। UAN और OTP वेरिफिकेशन के बाद सब्सक्राइबर्स के जो बैंक खाते होंगे, उनकी जानकारी सामने आएगी। इसके बाद अलग-अलग मकसद के लिए एडवांस की जो लिमिट है, उसके हिसाब से जो अमाउंट क्लेम किया जाएगा, वह सब्सक्राइबर के यूपीआई आईडी से जुड़े बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगा।

MF की नई दुनिया

SEBI बोर्ड ने 17 दिसंबर को म्यूचुअल फंड्स के लिए नए बेस एक्सपेंस रेश्यो रूल्स को मंजूरी दी। BER में निवेशक की रकम मैनेज करने के लिए म्यूचुअल फंड की ओर से ली जाने वाली फीस होगी। मौजूदा टोटल एक्सपेंस रेश्यो में बेस एक्सपेंस रेश्यो, ब्रोकरेज और वैधानिक शुल्क शामिल होते हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। इसके साथ ही चार्जेज 4 कैटिगरी में दिखेंगे। इनमें BER, ब्रोकरेज, रेगुलेटरी चार्जेज और GST, स्टांप ड्यूटी, STT जैसे वैधानिक शुल्क शामिल होंगे। इससे निवेशकों को साफ पता चलेगा कि वे अपने MF निवेश के लिए क्या पेमेंट कर रहे हैं।

नई व्यवस्था में BER को अलग से बताया जाएगा।

₹500 करोड़ तक की असेट्स वाली स्कीम में BER 2.1% होगा ओपन एंडेड इक्विटी ओरिएंटेड स्कीम में

स्कीम की कैटिगरी और कॉरपस के हिसाब से BER बदलेगा।

क्लोज एंडेड स्कीम्स के लिए BER 1% से घटाकर 0.8% किया गया।

इंडेक्स फंड/ETF के लिए BER 1% के बजाय 0.9% किया गया।

₹50,000 से ज्यादा की असेट्स वाली स्कीम में BER 0.95% होगा।

नॉन-इक्विटी स्कीम्स में ऐसे ही असेट स्लैब्स के हिसाब से BER 1.85% से 0.7% तक होगा।

क्रेडिट स्कोर

RBI ने सितंबर में जारी ड्राफ्ट गाइडलाइंस में कहा था कि बैंकों और NBFC को कस्टमर का क्रेडिट डेटा साप्ताहिक आधार पर क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियों को देना होगा। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और क्रेडिट स्कोर वीकली बेसिस पर अपडेट होगा। अभी 15 दिनों पर होता है। इससे EMI पेमेंट का अपडेट कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा। क्रेडिट स्कोर में सुधार जल्द अपडेट होगा, जिससे नए लोन के बेहतर ऑफर मिलेंगे।

डिजिटल ट्रांजैक्शन

RBI की गाइडलाइंस मुताबिक, 1 अप्रैल 2026 से बैंकों को डिजिटल ट्रांजैक्शंस वेरिफिकेशन के लिए नया तरीका अपनाना होगा। इसमें टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य रहेगा, लेकिन केवल OTP से काम नहीं चलेगा। बैंकों को डिवाइस बिहेवियर, लोकेशन और ट्रांजैक्शन हिस्ट्री के आधार पर चेक करना होगा कि कोई फ्रॉड न हो। बैंक बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन और PIN और कार्ड हार्डवेयर सहित डिवाइस बाइंडिंग के तरीकों का उपयोग कर सकेंगे।

PAN-Aadhaar लिंकिंग

सरकार ने साफ किया है कि 1 जनवरी 2026 से PAN और Aadhaar का लिंक होना अनिवार्य है। अगर कोई व्यक्ति इन दोनों दस्तावेजों को 31 दिसंबर 2025 तक लिंक नहीं करता, तो ये दस्तावेज निष्क्रिय (Inactive) कर दिए जाएंगे।

निष्क्रिय होने पर उसका आयकर रिफंड, बैंकिंग सुविधाएं-कई सरकारी योजनाओं का लाभ रोक दिया जा सकता है। **देर से लिंक करने पर ₹1,000 की पेनल्टी लगेगी।**

REITs की विंडो

SEBI ने म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट के लिए रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स को इक्विटी इंस्ट्रूमेंट के रूप में क्लासिफाई कर दिया है। यह बदलाव 1 जनवरी 2026 से लागू हो रहा है। अभी REIT को हाइब्रिड या डेट-प्रॉक्सी इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। बदलाव के चलते डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स हो सकता है कि कमर्शल रियल एस्टेट में निवेश बढ़ाएं।

MF निवेशकों को रियल एस्टेट में पैसा लगाए बिना REITs के चलते इस सेक्टर का एक्सपोजर मिलेगा।

लिस्टेड रियल्टी स्टॉक्स के मुकाबले REITs में कम उतार-चढ़ाव से फंड परफॉर्मेंस में स्टेबिलिटी बढ़ने की उम्मीद।

REITs से डिविडेंड कुछ मामलों में स्टॉक्स से बेहतर रहता है। इसका फायदा MF निवेशकों को मिलेगा।

REIT को इक्विटी में शामिल करने से निवेशकों को इक्विटी जैसे टैक्सेशन का लाभ मिलेगा।

इक्विटी+प्रॉपर्टी (रियल एस्टेट) MF निवेश को और डायवर्सिफाइड बनाता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट

20% STCG पर टैक्स

12.5% LTCG पर टैक्स

नए आयकर कानून से क्या होगा?

संसद ने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेने वाले नए आयकर कानून 2025 पर मुहर लगा दी है और यह नए साल में 1 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसके तहत इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं आने जा रहा है, हालांकि सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ITR फॉर्म को और सरल बनाने के साथ फॉर्म जारी करने की टाइमलाइन बेहतर करने पर काम कर रहा है। नए कानून में असेसमेंट ईयर का कॉन्सेप्ट हटाकर टैक्स ईयर शब्द का उपयोग किया गया है और 1 अप्रैल से शुरू होने वाले फाइनैंशल ईयर में 12 महीनों की अवधि को टैक्स ईयर कहा जाएगा। तय समय सीमा के बाद इनकम टैक्स रिटर्न भरने पर भी TDS रिफंड क्लेम किया जा सकेगा।

विदेश में पढ़ाई के लिए कर्ज लेकर लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत भेजे गए पैसे पर TCS नहीं।

प्री-कंस्ट्रक्शन पीरियड के होम लोन इंटरेस्ट पर डिडक्शन की तस्वीर साफ।

एम्प्लॉयी की डेथ होने पर फैमिली मेंबर्स के लिए ग्रैच्युटी की पूरी रकम पर डिडक्शन।

सेल्फ यूज प्रॉपर्टी में प्री-कंस्ट्रक्शन पीरियड के होम लोन इंटरेस्ट पर डिडक्शन घर का पजेशन मिलने के बाद 5 इंस्टॉलमेंट्स में लिया जा सकता है।

फैमिली मेंबर्स के लिए कम्यूटेड पेंशन और ग्रैच्युटी के लिए डिडक्शंस की व्यवस्था।

30%
स्टैंडर्ड डिडक्शन की गणना एनुअल वैल्यू पर हाउस प्रॉपर्टी से इनकम के मामले में म्युनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही।

किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के बारे में भी इसी तरह डिडक्शन मिलेगा।

बिजनेस/प्रफेशन के मामले में टैक्स ईयर की शुरुआत बिजनेस शुरू होने की तारीख से होगी।

ऐसे बिजनेस के लिए टैक्स ईयर का समापन उस फाइनैंशल ईयर के साथ होगा, इसी अनुसार टैक्स गणना होगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 12-28-2025 22:18 Color:

फाइनैंशल पेपर सुरक्षित, अनक्लेम्ड मनी का भी हल

DigiLocker

आज सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि हमारे निवेश के जितने भी कागजात हैं, जरूरत के वक्त वे मिलेंगे या नहीं। DigiLocker इसी चिंता का समाधान है। यह आपके फाइनैंशल कागजात को सुरक्षित रखता है।

तीन बड़ी खासियतें

1 Digilocker Drive
डिजिलॉकर का सबसे जरूरी काम है डॉक्यूमेंट स्टोरेज। आप Digilocker Drive में सभी जरूरी कागजात डिजिटल रूप में रख सकते हैं। आधार कार्ड, पैन कार्ड से लेकर बैंक स्टेटमेंट तक, सब कुछ एक जगह। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि कागज गुम होने या खराब होने का खतरा खत्म हो जाता है।

2 Issued Documents
डिजिलॉकर की सबसे खास सुविधा है इश्यूड डॉक्यूमेंट्स। ये वे दस्तावेज होते हैं, जो सीधे सरकारी विभाग आपके डिजिलॉकर अकाउंट में जारी करते हैं। ये डॉक्यूमेंट वेरिफाइड माने जाते हैं क्योंकि ये सीधे सरकारी डेटाबेस से आते हैं। इसमें आधार, पैन ही नहीं, म्यूचुअल फंड, NPS के अपडेटेड अकाउंट स्टेटमेंट से लेकर बीमा पॉलिसी तक रहती है।

3 Digital Verification
डिजिलॉकर में रखे कई डॉक्यूमेंट फिजिकल कागज के बराबर कानूनी मान्यता रखते हैं। बैंक से लेकर SEBI तक इन्हें स्वीकार करते हैं। यानी आपको हर जगह ओरिजिनल कागजात दिखाने की जरूरत नहीं रहती। आप बैंक खाता तक खोल सकते हैं। अलग से वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं होती।

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

DigiLocker एक सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां आपके महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मार्कशीट और इंश्योरेंस पेपर हमेशा ऑनलाइन सुरक्षित रहते हैं। यहां जारी किए गए दस्तावेज सरकारी रूप से वैध (कानूनी) माने जाते हैं, इसलिए आपको फाइलें संभालकर रखने या फोटोकॉपी साथ ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

अपना देश तेजी से डिजिटल हो रहा है। बैंक से लेकर रेलवे टिकट, पढ़ाई से लेकर निवेश तक, लगभग हर काम मोबाइल फोन से होने लगा है। लेकिन एक चीज अब भी कई लोगों की जेब और अलमारी पर भारी पड़ती है, वह है कागजात। आधार, पैन, बीमा पॉलिसी, बैंक, एफडी, शेयर से जुड़े पेपर, यानी हर काम के लिए अलग कागज। इसी परेशानी को खत्म करने के लिए भारत सरकार ने एक ऐसी सुविधा दी है, जिसे सही से समझ लिया जाए तो जिंदगी काफी आसान हो सकती है। इस सुविधा का नाम है डिजिलॉकर। डिजिलॉकर को अगर एक लाइन में समझना हो, तो कह सकते हैं कि यह आपकी डिजिटल अलमारी है। इसमें पैसे नहीं रखे जाते, बल्कि वे सारे जरूरी कागजात रखे जाते हैं, जिनकी कीमत पैसों से कम नहीं और जिनकी जरूरत आपको बार-बार पड़ती है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह अलमारी आपकी जेब में, आपके मोबाइल फोन में रहती है।

क्यों पड़ी जरूरत?
आज की सबसे बड़ी समस्या सिर्फ यह नहीं है कि हमारे पास कोई कागजात नहीं हैं, समस्या यह भी है कि जरूरत के वक्त सही कागज, सही जगह नहीं मिलता। इन सबके साथ यह डर भी रहता है कि कहीं कागज खो न जाए, फट न जाए, गीला न हो जाए या गलत हाथों में न चला जाए। डिजिलॉकर इन सभी समस्याओं का एकमुश्त समाधान है। डिजिलॉकर से पहले हर जगह फिजिकल डॉक्यूमेंट या उनकी फोटोकॉपी ले जाना मजबूरी थी। फोटोकॉपी में छेड़छाड़ आसान थी और जांच में समय लगता था। सरकारी दफ्तरों में वेरिफिकेशन लंबी प्रक्रिया होती थी। डिजिलॉकर ने इस पूरी व्यवस्था को आसान बना दिया है।

क्या फायदे?
डिजिलॉकर ने बैंकिंग, लोन, इंश्योरेंस और निवेश को तेज, सुरक्षित और पेपरलेस बना दिया है। यह अनक्लेम्ड जैसी समस्याओं को भी कम करता है।

बैंक खाता, डीमैट, KYC
बैंक, NBFC और फाइनैंस कंपनियां DigiLocker के जरिए ग्राहक की पहचान (KYC) कर लेती हैं। बैंक खाता, डीमैट या म्यूचुअल फंड अकाउंट जल्दी खुल जाता है। NPS अकाउंट यहां लिंक कर सकते हैं।

लोन जल्दी मिलता है
पहले लोन के लिए सैलरी स्लिप, बैंक स्टेटमेंट जैसे कई कागज देने पड़ते थे। अब DigiLocker से ये डॉक्यूमेंट्स तुरंत वेरिफाई हो जाते हैं। इससे लोन की प्रोसेसिंग दिनों की जगह घंटों में हो सकती है।

इंश्योरेंस पॉलिसी सुरक्षित
लाइफ, हेल्थ और मोटर इंश्योरेंस की पॉलिसी DigiLocker में सेव की जा सकती है। क्लेम के समय कागज ढूंढने की टेंशन नहीं रहती। IRDAI ने बीमा कंपनियों को DigiLocker के जरिए पॉलिसी देने को कहा है।

इंवेस्टमेंट अपडेट
आप न सिर्फ म्यूचुअल फंड, डीमैट अकाउंट लिंक कर सकते हैं, बल्कि रीयल टाइम अपडेट पा सकते हैं। यानी, शेयरों और म्यूचुअल फंड के होल्डिंग स्टेटमेंट और CAS को भी यहां स्टोर कर सकते हैं।

क्या डिजिलॉकर सुरक्षित है?
डिजिलॉकर डेटा 256-बिट एन्क्रिप्शन से सुरक्षित है। हर लॉगिन पर OTP आधारित जांच होती है। मोबाइल ऐप में फिंगरप्रिंट या फेस लॉक की सुविधा भी है। इसका डेटा सरकारी सर्वर पर रहता है, किसी निजी कंपनी के पास नहीं।

नॉमिनी क्यों बनाएं?
सामान्य तौर पर हर निवेश की जानकारी परिजनों को नहीं होती। न ही दस्तावेज तक पहुंच होती है। ऐसे में यदि व्यक्ति की मौत हो जाए तो उसके पैसे अनक्लेम्ड रह जाते हैं, क्योंकि परिवार के सदस्य जानकारी और दस्तावेज के अभाव में क्लेम नहीं कर पाते। डिजिलॉकर में नॉमिनी जोड़कर आप यह खतरा भी टाल सकते हैं। नॉमिनी आपकी गैरमौजूदगी में आपके डॉक्यूमेंट्स देख पाएंगे और आसानी से क्लेम कर पाएंगे। हालांकि, नॉमिनी के पास रीड-ओनली एक्सेस ही होगा।

नॉमिनी को एक्सेस कैसे?
मान लीजिए कि किसी ने अपनी पत्नी को नॉमिनी नियुक्त किया और उसकी मौत हो गई। KYC पंजीकरण एजेंसियों यानी KRAs को डेथ रजिस्टर से मौत की सूचना मिलती है और डिजिलॉकर सिस्टम महिला को ऑटोमैटिक रूप से SMS और ईमेल के जरिए सूचित करता है। वेरिफिकेशन के बाद पत्नी अपने डिजिलॉकर अकाउंट पर पति के दस्तावेज रीड कर सकती है। इसके बाद वह पति के जमा पैसों के लिए क्लेम कर सकती है।

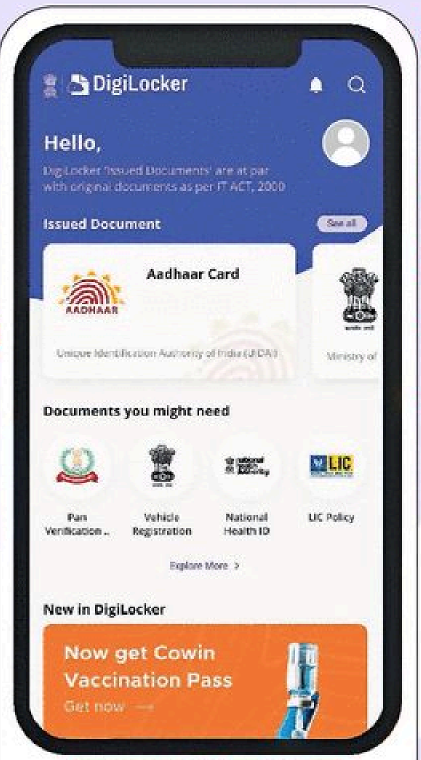

अकाउंट कैसे बनाएं?
digilocker.gov.in या Digilocker ऐप खोलें और 'Login / Register' पर क्लिक करें। मोबाइल नंबर डालें और आगे बढ़ें। अकाउंट पहले से है, तो वह दिख जाएगा। नहीं है, तो नया अकाउंट बनाने का विकल्प मिलेगा। ओटीपी से वेरिफिकेशन करें। आधार नंबर डालकर उसे भी ओटीपी से सत्यापित करें। अन्य जानकारी भरें और सिक्योरिटी पिन सेट करें। यही पिन आगे लॉगिन के काम आएगा।

डॉक्यूमेंट कैसे जोड़ें?
- डिजिलॉकर में डॉक्यूमेंट जोड़ने के दो तरीके हैं। पहला, 'इश्यूड डॉक्यूमेंट्स'। इसमें आप विभाग और अन्य विवरण चुनते हैं। डॉक्यूमेंट सीधे आपके अकाउंट में सेव हो जाता है।
- दूसरा तरीका है 'अपलोडेड डॉक्यूमेंट्स'। इसमें आप डॉक्यूमेंट के पीडीएफ या फोटो अपलोड कर सकते हैं। ऐसे डॉक्यूमेंट, जो ऑनलाइन उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें इस तरह रख सकते हैं।

डिजिलॉकर काम कैसे करता है?
डिजिलॉकर तीन हिस्सों पर काम करता है- जारीकर्ता (Issuers), जैसे UIDAI, जो डॉक्यूमेंट जारी करते हैं, फिर अनुरोधकर्ता (Requesters), जैसे बैंक और पासपोर्ट ऑफिस, जिन्हें डॉक्यूमेंट देखने होते हैं और हम यूजर्स, जो सेवा लेते हैं। जब कोई डॉक्यूमेंट जोड़ा जाता है, डिजिलॉकर संबंधित विभाग से उसकी पुष्टि करता है और वेरिफाइड डिजिटल कॉपी सीधे यूजर के अकाउंट में सुरक्षित हो जाती है।

फ्रॉड से बचाव
DigiLocker में रखे डॉक्यूमेंट्स सरकारी तौर पर वेरिफाइड होते हैं। ये बदले या नकली नहीं बनाए जा सकते। इससे फर्जी कागज, धोखाधड़ी का खतरा काफी कम हो जाता है, चाहे ग्राहक हो या बैंक।

ये फायदे भी
- डिजिलॉकर का सबसे बड़ा फायदा है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में अपने डॉक्यूमेंट देख सकते हैं।
- अपनी स्पष्ट सहमति से अपने दस्तावेज सुरक्षित रूप से और तुरंत शेयर कर सकते हैं।
- डिजिलॉकर के दस्तावेज कानूनी रूप से मान्य हैं। डिजी लॉकर में डिजिटल दस्तावेज फिजिकल ओरिजिनल के बराबर हैं, जिससे उन्हें सभी सेवाओं में स्वीकार किया जाता है।
- यह पूरी तरह मुफ्त सेवा है, इसके लिए कोई फीस नहीं देनी होती।

कहीं मोबाइल खो गया तो क्या होगा?
डिजिलॉकर सरकार की आधिकारिक डिजिटल सेवा है। यह एक क्लाउड आधारित प्लेटफॉर्म है, यानी आपके डॉक्यूमेंट किसी फोन में नहीं, बल्कि सुरक्षित सरकारी सर्वर पर रखे जाते हैं। अगर फोन गुम भी हो जाए, डॉक्यूमेंट सुरक्षित रहते हैं। आप नया फोन लेकर दोबारा लॉगिन करें, कागजात फिर से सामने होंगे।

Entity Locker क्या अलग है?
डिजिलॉकर आम नागरिकों के लिए है, वहीं Entity Locker संस्थाओं के लिए है। कंपनियां, MSME, स्टार्टअप, ट्रस्ट, सोसाइटी इसमें अपने जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं। इसमें 10 GB तक स्टोरेज मिलती है। यह सुविधा इंडिविजुअल यूज के लिए नहीं है।

“बैंक खाते, पॉलिसी, म्यूचुअल फंड, शेयर, पीएफ, पेंशन के दस्तावेज डिजिलॉकर में सुरक्षित रखने चाहिए, ताकि नॉमिनी को समय पर इसकी जानकारी हो और वह निवेश पर दावा कर सके। अनक्लेम्ड और अनडिस्क्लोज्ड निवेश के रिकॉर्ड भी रख सकते हैं। बेहतर होगा कि सरकार लिए अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए, जिस पर सभी फाइनैंशल डॉक्यूमेंट्स एक साथ रहें।” *- संजय त्रिपाठी, चार्टर्ड अकाउंटेंट*

इनसाइडर ट्रेडिंग क्या है, क्या यह रेगुलेटेड है?

बेसिक बातें

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

इनसाइडर ट्रेडिंग शेयर बाजार से जुड़ा ऐसा अपराध है, जिसमें कोई व्यक्ति कंपनी की गोपनीय जानकारी का फायदा उठाकर शेयर खरीदता या बेचता है। इससे आम निवेशकों के साथ धोखा होता है। SEBI ने इसके खिलाफ सख्त नियम लागू कर रखे हैं और मामले सामने आने पर कड़ी कार्रवाई भी करता है।

इनसाइडर ट्रेडिंग का मतलब है किसी कंपनी के शेयरों को गुप्त और अंदरूनी जानकारी के आधार पर खरीदना या बेचना। इस तरह की जानकारी को UPSI (Unpublished Price Sensitive Information) कहा जाता है, यानी ऐसी जानकारी जो सार्वजनिक न हो और कीमत को प्रभावित करे कहा जाता है।

मान लीजिए कि किसी कंपनी का सीनियर अधिकारी जानता है कि कंपनी जल्द ही शानदार नतीजे घोषित करने वाली है। यह जानकारी अभी बाजार में नहीं आई है। अगर वह इस खबर के सार्वजनिक होने से पहले शेयर खरीद ले और बाद में कीमत बढ़ने पर बेच दे, तो यह इनसाइडर ट्रेडिंग होगी।

हर अंदरूनी लेन-देन गलत है?: नहीं। अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी कंपनी के शेयर कानूनी नियमों के तहत, जरूरी जानकारी सार्वजनिक करके और बिना गोपनीय जानकारी का इस्तेमाल किए खरीदता या बेचता है, तो वह गलत नहीं है।

इसे कौन नियंत्रित करता है?: भारत में इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक लगाने और कार्रवाई करने की जिम्मेदारी Securities and Exchange Board of India (SEBI) की है। SEBI ने इसके लिए SEBI (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 बनाए हैं, जिनमें समय-समय पर बदलाव होते रहते हैं। इन नियमों में 2025 में भी बदलाव किया गया है।

इनसाइडर कौन है?: इनसाइडर वह कोई भी व्यक्ति हो सकता है, जिसके पास कंपनी की गोपनीय और कीमत को प्रभावित करने वाली जानकारी तक पहुंच हो। यह जरूरी नहीं कि वह कंपनी का कर्मचारी हो। इसमें कंपनी के सीनियर अधिकारी या डायरेक्टर, बोर्ड मेंबर या चेयरपर्सन, सीनियर अधिकारियों के रिश्तेदार, कंपनी की सब्सिडियरी से जुड़े लोग, स्टॉक एक्सचेंज या संबंधित संस्थानों के अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

इंसाइडर ट्रेडिंग पर सजा क्या है?
SEBI ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। दोषी पाए जाने पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है, ट्रेडिंग पर रोक लग सकती है, लाइसेंस रद्द हो सकता है, गंभीर मामलों में जेल भी हो सकती है। अब SEBI सिर्फ सजा ही नहीं, बल्कि रोकथाम पर भी जोर दे रहा है, जैसे ज्यादा सख्त डिस्क्लोजर नियम, पहले ही चेतावनी देना, निगरानी और सिस्टम मजबूत करना आदि।

बाजार का भविष्य कोई नहीं जानता, लेकिन निवेशक क्या करें यह तय हो सकता है

नए साल में शेयर मार्केट का क्या होगा, आप भी इस पर रिपोर्ट पढ़ना चाहते हैं?

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

हर साल दिसंबर आते ही नए साल के लिए मार्केट की भविष्यवाणी करने वाली ढेरों रिपोर्ट सामने आ जाती है। ग्राफ, चार्ट और बड़े दावों के साथ बताया जाता है कि नए साल में बाजार कहां जाएगा। लेकिन सच्चाई यही है कि यह किसी को नहीं पता। न विशेषज्ञों को, न आम निवेशकों को। अनुमान लगाए जा सकते हैं, पर बाजार का भविष्य तय भाषा में बताना अक्सर सिर्फ एक भ्रम होता है।

नए साल की शुरुआत से पहले ये आम बात है। फाइनैंस की दुनिया में हर साल ढेरों रिपोर्ट जारी की जाती है। स्लाइड्स बनती हैं, ग्राफ दिखाए जाते हैं। बड़े आत्मविश्वास के साथ बताया जाता है कि अगले साल बाजार क्या करेगा। कोई कहता है शेयर बाजार ऊपर जाएगा, कोई कहता है गिरावट आएगी, कोई कहता है एक ही जगह अटका रहेगा। अंदाज ऐसा होता है मानो भविष्य उनकी मुट्ठी में हो। लेकिन इस पूरे तमाशे के पीछे एक साधारण सच्चाई छिपी होती है। किसी को नहीं पता कि 2026 में क्या होगा। न आम निवेशक को, न उनको जिन्हें विशेषज्ञ समझा जा रहा है।

फाइनैंस की दुनिया में अंदाजे की कोशिश की जा सकती है, करनी भी चाहिए, लेकिन ईमानदारी से। इसमें अलग-अलग संभावनाओं पर चर्चा होती है। ये कहा जा सकता है कि अगर ऐसा हुआ तो बाजार ऐसा कर सकता है। लेकिन कई बार 'अगर' और 'लेकिन' गायब होते हैं। सिर्फ दावे होते हैं। इसका कारण साफ है। ग्राहक चाहते हैं कि उनका सलाहकार भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिखे। हमें नहीं पता, ये साफ कहना कमजोरी माना जाता है। इसलिए अनिश्चित दुनिया में भी निश्चित भाषा का इस्तेमाल किया जाता है।

बाजार ने कई बार विशेषज्ञों को गलत साबित किया है। आर्थिक संकट, महामारी, युद्ध, ब्याज दरों में बदलाव, नई तकनीक का उभार... ये सब ऐसी घटनाएं हैं, जिन्होंने बाजार की दिशा पलट दी। ये घटनाएं किसी भी सालाना रिपोर्ट में पहले से शामिल नहीं थीं। कई बार जब कोई अनुमान सही निकलता भी है तो वह अक्सर किस्मत का खेल होता है। जैसे कहा जाता है, बंद घड़ी भी दिन में दो बार सही समय दिखा देती है। समस्या यह नहीं है कि दावे किए जाते हैं। असली समस्या यह है कि आम निवेशक उन्हें सुनकर तुरंत कुछ करने का दबाव महसूस करने लगता है।

अगर कोई रिपोर्ट कहती है कि बाजार बुरी तरह गिरेगा, तो हो सकता है कि डर के मारे लोग निवेश बेच दें। अगर कोई सेक्टर अगला बड़ा मौका बताया जाता है, तो लोग बिना सोचे-समझे उसी में पैसा डाल देते हैं। अगर मंदी की चेतावनी दी जाती है तो लोग लंबे समय तक बाजार से दूर हो जाते हैं। इतिहास और आंकड़े साफ बताते हैं कि इस तरह का रिएक्शन ठीक नहीं। इस डर पर निवेश लंबे समय में नुकसान पहुंचाता है। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि दावे करना और योजना बनाना एक जैसी चीज नहीं है। दावा यह बताने की कोशिश करता है कि बाजार क्या करेगा। योजना यह तय करती है कि बाजार चाहे जो करे, हम क्या करेंगे। अच्छी निवेश योजना इस सवाल पर आधारित नहीं होती कि अगले साल निफ्टी या सेंसेक्स कहां होंगे। वह इस बात पर आधारित होती है कि मेरी उम्र क्या है, मेरी आय क्या है, मेरे लक्ष्य क्या हैं, जोखिम उठाने की मेरी क्षमता कितनी है।

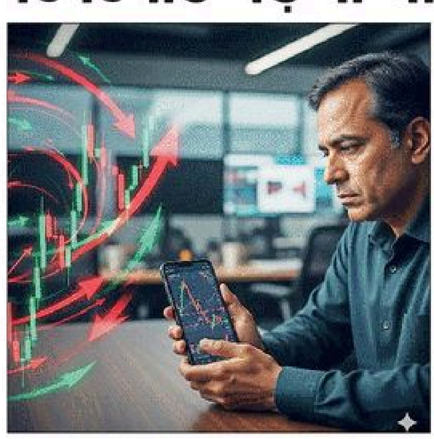

बाजार के बारे में दावे करना आसान है, लेकिन उन्हीं दावों के आधार पर फैसले लेना निवेशकों के लिए जोखिम भरा साबित होता है। इतिहास बताता है कि डर और लालच में लिया गया हर कदम नुकसान बढ़ाता है। लंबी अवधि में वही निवेशक सफल होता है, जो अनुमान नहीं, अनुशासन और सही योजना पर भरोसा करता है।

अगर इस तरह रिपोर्ट भरोसेमंद नहीं है तो फिर निवेशक क्या करें? इसका जवाब कोई रहस्य नहीं है। सबसे पहले ध्यान रखें कि अपने सारे पैसे एक ही शेयर, एक ही सेक्टर या एक ही असेट क्लास में न लगाएं। अलग-अलग जगह निवेश करने से जोखिम बंट सकता है। इसके बारे में कम लोग बात करेंगे, क्योंकि इसमें अगला बड़ा विजेता खोजने का रोमांच नहीं है। यह तरीका ये वादा नहीं करता कि आप बाजार को बिल्कुल सही समय पर पकड़ लेंगे। लेकिन इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि अनिश्चितता का असर कम हो जाता है। उसी अनिश्चितता को, जिसे तरह-तरह की रिपोर्ट खत्म करने का दावा करती हैं। जब पैसा अलग-अलग जगह लगा होता है तो किसी एक गलत अनुमान से पूरा पोर्टफोलियो नहीं डगमगाता।

बाजार ऊपर हो या नीचे, तय समय पर निवेश करते रहना भावनाओं को दूर रखता है और फायदा दे सकता है। असली दौलत जल्दी में नहीं बनती। उसे समय चाहिए। जो निवेशक उतार-चढ़ाव में टिके रहते हैं, वही लंबे समय में जीतते हैं। इन साधारण बातों पर चलना किसी भी रिपोर्ट से ज्यादा असरदार साबित हुआ है। बाजार उस व्यक्ति को इनाम नहीं देता जो कथित परफेक्ट टाइम पर खरीदता है। उसे इनाम देता है जो लगातार निवेश करता रहता है। ज्यादातर निवेशक इसलिए नाकाम नहीं होते क्योंकि उन्होंने गलत अनुमान लगाया, बल्कि इसलिए होते हैं क्योंकि उन्होंने अनुशासन छोड़ दिया। डर में बेच देना, लालच में ज्यादा खरीद लेना, हर नई राय से प्रभावित हो जाना...यही असली दुश्मन है।

मौजूदा हालात में बाजार की अनिश्चितता एक बड़ा मुद्दा है। दुनिया में राजनीतिक तनाव है, कारोबार से जुड़ी नीतियां बदल रही हैं। ये बातें निवेशकों के भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। इन परिस्थितियों में अनुमान की रिपोर्ट जारी करना पहले की तुलना में अधिक जटिल हो गया है। हां, टेक्नोलॉजी भविष्य का अंदाजा लगाने में एक महत्वपूर्ण सहायक के रूप में उभर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), एडवांस्ड एनालिटिक्स और बिग डेटा का उपयोग निवेश रणनीतियों को अधिक सटीक बनाने में हो रहा है। इससे ज्यादा कमाई हो न हो, ग्राहक के अनुभव को बेहतर करने में काम तेजी से बढ़ रहा है।

हर दिसंबर आने वाली इस तरह की रपटें शायद कभी बंद नहीं होंगी। अनुमान लगाना इंडस्ट्री की परंपरा है। लेकिन एक समझदार निवेशक के लिए यह निर्णय लेने का आधार नहीं। भविष्य अनिश्चित है और यही सच है। इस सच्चाई को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। निवेश में जीतने का रास्ता भविष्य को जानने से नहीं, बल्कि आज सही आदतें अपनाने से बनता है। ये रपटें विशेषज्ञता का भ्रम पैदा करती हैं। नई रणनीतियों और प्रोडक्ट लॉन्च को सही ठहराती हैं। गलत होने पर भी प्रदर्शन की कहानी गढ़ने में मदद करती है। असेट मैनेजर जानते हैं कि ज्यादातर लोग दिसंबर में वापस आकर यह नहीं जांचते कि पिछले साल की रिपोर्ट सही थी या नहीं। अगर कोई पूछ भी ले तो जवाब तैयार रहता है, ये तो कोई भी नहीं सोच सकता था। हमारी भूलने की सामूहिक आदत इस पूरे खेल का हिस्सा है। यह शोर निवेशक का ध्यान उन चीजों से हटा देता है, जिन्हें वह कंट्रोल कर सकता है। उसे उन बातों पर टिकाता है, जिन पर उसका कोई बस नहीं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 12-28-2025 22:19 Color:

2026 में कहां होंगे स्टॉक से कमोडिटी मार्केट तक?

मार्केट में 2025 की तेज़ी के बाद अब नजर 2026 पर है। निफ्टी, सेंसेक्स, गोल्ड-सिल्वर से लेकर निफ्टी, कॉपर और एग्री-कमोडिटी तक कहां पहुंच सकते हैं दाम? ज्योतिषीय संकेत, वैश्विक उतार-चढ़ाव और घरेलू ट्रेंड को मिलाकर यहां सालभर का अनुमान प्रस्तुत है।

बाजार के लिए 2025 एक लैंड मार्क ईयर रहा है। बड़ी-बड़ी परेशानियों के बीच हमने भारतीय बाजार में बड़ा उछाल देखा। वायदा बाजार, कमोडिटी मार्केट और स्टॉक मार्केट में भी 2025 खत्म होते-होते नई ऊंचाई देखी। गोल्ड, सिल्वर की बढ़त ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। गोल्ड 1,40,000 तोला और चांदी को 2,40,000 के पार जाते देखा। यहां 2026 के लिए कुछ भविष्यवाणियां कर रही हूं...

हेम गुप्ता
NBTwealth
@timesofindia.com

हर कोई जानना चाहता है कि किस सेक्टर का नए साल में क्या हाल होगा, ताकि इसके हिसाब से वह फैसले ले सके और अधिक से अधिक मुनाफा हासिल कर सके। यहां कुछ क्षेत्रों के आकलन दिए जा रहे हैं...

निफ्टी

2025 में निफ्टी ने ऊंची छलांग लगाई और 26000 का भाव हमने दिसंबर 2025 में देखा। दो बड़े योग शनि का मीन में गोचर और बृहस्पति का वृषभ मिथुन और कर्क राशियों में एक ही वर्ष में गोचर ज्योतिषीय शास्त्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। इन बड़े और दुर्लभ गोचर की वजह से पूरे विश्व में आर्थिक उथल-पुथल, इंटरनैशनल ट्रेड और 50% टैरिफ, पाकिस्तान युद्ध और कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद भी, भारतीय बाजार संभला रहा और 26000 निफ्टी और 85000 सेंसेक्स पार होता हुआ दिखा। 2026 में यह तेजी दोगुनी होने वाली है और मजबूत ग्रह योग के कारण जिसमें बृहस्पति गोचर, मंगल के साथ त्रिकोण और केतु के साथ युति मुख्य कारण होंगे, निफ्टी को 35000 और सेंसेक्स को 115000 के पार देखेंगे।

बैंकिंग और बैंक निफ़्टी

2026 नई रौद्र नामक संवत के चलते हम बैंकिंग क्षेत्र में बड़ी उथल-पुथल देखेंगे। एनपीए (NPA) बढ़ेंगे और किसी बैंक में बड़ी समस्या भी आ सकती है। इसके बावजूद हम बैंकों में बड़ी तेजी देखेंगे। जब गुरु का परिवर्तन सिंह राशि में होगा, तब सरकारी बैंकों में बड़ा उछाल मिलेगा और कुछ बैंकों का विलय भी होगा। मुख्यतः 2027 तक बैंकिंग और फाइनैंशल फील्ड के लिए तरक्की का समय है।

सेमी कंडक्टर

2025 में हमने राहु के कुंभ राशि के गोचर से नई-नई टेक्नोलॉजी देखी और नई कंपनियों का उदय देखा। 2026 में भी पूरे साल राहु का गोचर कुंभ में रहने वाला है, 2026 की शुरुआत में राहु शतभिषा नक्षत्र में है और 2 अगस्त 2026 को राहु का धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश इस क्षेत्र में क्रांति करेगा। कुछ विदेशी कंपनियों का प्रवेश होगा, जैसे एलजी और सैमसंग आदि। इस सेक्टर को बड़ा उछाल मिलेगा और यह तेजी हम 2027 में भी जारी देखेंगे। वर्ष का राजा बृहस्पति होने से, इस सेक्टर में बड़ा फैलाव देखेंगे। नई देसी और विदेशी कंपनियां इंडिया में व्यापार स्थापित करेंगी और इस सेक्टर के जरिए स्टॉक मार्केट के निवेशकों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को भी बड़ा फायदा होगा।

लेखिका मार्केट एक्सपर्ट और फाइनैंशल एस्ट्रोलॉजर हैं।

डिफेंस

शनि मंगल की युति और राहु के कुंभ में गोचर के प्रभाव से डिफेंस में बड़े-बड़े ऑर्डर और विदेशी कंपनियों के साथ नए समझौते के चलते इस साल डिफेंस शेयरों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है और आगे आने वाले कई वर्षों तक यह तेजी बरकरार रहेगी।

1,42,300
प्रति 10 ग्राम भाव रहा सोना दिल्ली में शुक्रवार को AISA के अनुसार

2,36,350
प्रति किलोग्राम भाव रही चांदी दिल्ली में शुक्रवार को AISA के अनुसार

USD/INR

2025 में रुपये में 7 रुपये की बड़ी गिरावट देखी और भाव डॉलर के मुकाबले 91 पार करते देखा। राहु में जब बृहस्पति का जब समसप्तक योग बनेगा और बृहस्पति शनि वक्री होंगे। उस समय हम फिर एक बड़ी गिरावट रुपए में देखेंगे। और 96 रुपया पार करते हुए दिखेगा। इस साल सरकार क्रिप्टो करेंसी को लेकर बड़ा कदम उठाएगी और इन वर्चुअल करेंसी के कुछ घोटाले भी सामने आ सकते हैं।

कमोडिटी में क्या?

गोल्ड: 2025 की तेजी बरकरार रहेगी। 17 फरवरी 2026 को कुंभ में पड़ने वाले वाले सूर्य ग्रहण के प्रभाव से हम सोने में बड़ी तेजी देखेंगे। जून-जुलाई में शनि, मंगल के योग से भारी उथल-पुथल देखने को मिलेगी। सारे उतार-चढ़ाव को पार करके हम सोने को 2026 में 1 लाख 80 हजार के पार देखेंगे।

सिल्वर: 2025 में सिल्वर में तूफानी तेजी देखी गई। शनि का गोचर मीन राशि में होने की वजह से चांदी में इतना बड़ा उछाल आया। यह तेजी अभी बरकरार रहेगी और 2026 में हम चांदी का भाव 3 लाख तक देख सकते हैं। हालांकि पूरे साल के दौरान ग्रहों के उतार-चढ़ाव और दृष्टि संबंध के कारण कई बड़े झटके मंदी के भी देखने को मिलेंगे।

कॉपर: हमने 2025 में गोल्ड-सिल्वर में तूफानी तेजी देखी, लेकिन बेस मेटल में उतनी तेजी नहीं आई। इस साल नए संवत् 2083 में वर्ष का मंत्री मंगल होने की वजह से हमें व्यापार में बड़ी तेजी दिखेगी। 2025 दिसंबर में हमने कॉपर को 1270 प्रति किलो देखा। यह भाव हमें 2026 में 2000 प्रति किलो पार करते हुए दिखेगा। कॉपर के व्यापारी माल सहेज कर रखें।

रत्न और आभूषण
कर्क राशि में उच्च के गुरु का प्रवेश और गुरु की राशि में शनि का पूरे वर्ष 2026 में गोचर रत्न और आभूषण सेक्टर में तेजी का सूचक है। इनसे जुड़ी बड़ी कंपनियों जैसे हिंदुस्तान जिंक, टाइटन मुनाफे में होंगी। आने वाले 10 सालों में कॉपर का भाव हम 10 गुना बढ़ता देखेंगे।

एग्री-कमोडिटी का हाल

सरसों: 2021 में एक बड़ी तेजी हमने देखी, जिसमें सरसों का रेट 8900 प्रति क्विंटल देखा। इस साल बृहस्पति और राहु के त्रिकोण और समसप्तक योग से और कुछ अन्य ग्रहों के गोचर के कारण फिर तेजी को लौटते हुए देखेंगे। 2025 दिसंबर में 7000 प्रति क्विंटल का भाव है। 2026 के अंत तक 12000 का भाव जाएगा।

चना: 2024 में कुंभ राशि में बने समीकरणों और कुछ विशेष ज्योतिषीय योगों के वजह से हमने चने में उछाल देखा और ₹7800 प्रति क्विंटल का भाव बनते देखा। 2025 दिसंबर में चने के भाव 5500 प्रति क्विंटल तक आ गए परंतु 2026 में दोबारा ऐतिहासिक तेजी देखने को मिलेगी। महत्वपूर्ण योगों के कारण इस साल चने का भाव 10000 तक जा सकता है। यह योग तेजी का इशारा करते हैं।

हल्दी: हल्दी का भाव 2025 दिसंबर में 17000 प्रति क्विंटल का बना। इसकी गणना ज्योतिषीय आधार पर की थी। 2026 में हम फिर एक तूफानी तेजी देखेंगे और हल्दी में 30000 प्रति क्विंटल तक का भाव आते हुए देखेंगे। इस साल संवत् 2083 रौद्र नामक संवत और बृहस्पति राजा, मंगल मंत्री होने के कारण साथ-साथ, बृहस्पति का मिथुन में वक्री होना और पुनर्वसु नक्षत्र में गोचर के कारण विशेष तेजी लेकर आएगा।

ग्वार: 2026 ग्वार गम और ग्वार सीड के व्यापारियों के लिए बड़े मुनाफे का साल रहेगा। वर्ष का राजा बृहस्पति होने और अकाल सूचक संवत् होने के कारण यह साल बहुत ही महत्वपूर्ण है। ग्वार सीड के भाव जो अभी 6000 प्रति क्विंटल है, हम इसे 12000 क्विंटल के पार भी देख सकते हैं। उसी अनुपात में ग्वार गम देखने को मिलेगा।

कॉटन: 2022 में राहु का वृषभ में गोचर और बृहस्पति मंगल के युति दृष्टि गोचर के कारण बड़ी तेजी दिखी और इंटरनैशनल मार्केट में कॉटन को 156 सेंट तक जाते हुए देखा। 2025 दिसंबर में कॉटन का भाव 14500 प्रति बेल देखा गया। 2026 में तेजी रहेगी। 80-90% की तेजी आएगी जो कि 2027 तक जारी रहेगी। इंटरनैशनल मार्केट में यह तेजी 120 सेंट जा सकती है।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Fund	Return
Quant Small Cap Fund(G)	23.74
Quant Infrastructure Fund(G)	21.87
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.81
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.39
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	20.98

23 Dec 2015 to 23 Dec 2025 | % ANNUALISED RETURNS As on: 24 Dec 2025

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Fund	Return
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	11.30
Kotak Debt Hybrid Fund(G	10.27
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	10.27
DSP Regular Savings Fund-Reg(G)	10.17
SBI Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	10.09

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN | % ANNUALISED RETURNS AS ON 4 Dec 2025

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर शीर्ष 5 और सबसे कम रिटर्न देने वाले 5 फंड्स की सूची दी गई है, ताकि निवेशक समझ सकें कि हाल के महीनों में किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	20.54	PGIM India Large Cap Fund(G)	12.81
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	19.88	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	12.89
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	18.90	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	12.93
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	18.53	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	13.14
Invesco India Largecap Fund-Reg(G)	18.43	Union Largecap Fund-Reg(G)	13.48

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	23.34	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	2.72
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.80	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.13
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.79	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.26
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.49	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	14.15
HDFC Flexi Cap Fund(G)	12.44	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	14.26

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	28.66	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	14.53
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	27.57	Quant Mid Cap Fund(G)	17.75
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	27.48	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	18.15
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	27.46	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	18.35
Motilal Oswal Midcap Fund-Reg(G)	27.25	SBI Midcap Fund-Reg(G)	18.53

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	31.66	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	15.29
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	27.31	PGIM India Small Cap Fund-Reg	15.47
Mahindra Manulife Small Cap	26.37	Kotk Small Cap Fund(G)	16.75
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	26.34	Canara Rob Small Cap Fund-Reg(G)	17.45
Quant Small Cap Fund(G)	23.73	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	17.46

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	20.23	Axis Aggressive Hybrid Fund-Reg	12.08
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	19.49	Tata Aggressive Hybrid Fund-Reg	12.33
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	19.10	Groww Aggressive Hybrid Fund	12.37
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.68	PGIM India Aggressive Equity Fund	12.48
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.62	Shriram Aggressive Fund-Reg	12.56

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 24 Dec 2025

घर-परिवार से उधार लें, या फिर EPF, PPF, गोल्ड लोन से लेकर पर्सनल लोन को चुनें, जानें सही रणनीति

इमरजेंसी में पैसे की टेंशन? ये ऑप्शन आपके काम आएंगे

प्रदीप तिवारी
Pradeep.Tiwari
@timesofindia.com

अचानक पैसे की जरूरत कभी भी पड़ सकती है। इमरजेंसी में पैसा कहां-कहां से लिया जा सकता है, किस ऑप्शन में ज्यादा फायदा होता है, किससे नुकसान हो सकता है और पैसा लेते समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, आइए जानते हैं...

जिंदगी कब, किसे, किस मोड़ पर खड़ी कर दे, यह कोई नहीं जानता। अचानक बीमारी हो, जॉब में दिक्कत हो, परिवार में कोई बड़ा खर्च आ जाए या कोई और आपात स्थिति बने, ऐसे समय में सबसे बड़ी चिंता होती है पैसों की। अक्सर लोग घबराहट में गलत फैसले ले लेते हैं, जिससे बाद में आर्थिक बोझ और बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि इमरजेंसी में फंड जुटाने के हर विकल्प की पहले से जानकारी हो।

सेविंग्स/इमरजेंसी फंड

सबसे सुरक्षित और सही विकल्प होता है अपनी सेविंग्स या पहले से बनाया गया इमरजेंसी फंड। इमरजेंसी फंड का मतलब है कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर रकम, जो सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखी गई हो। इसमें सबसे बड़ा फायदा यह है कि निकासी पर पेनल्टी नहीं लगती। हालांकि ध्यान रखें कि पूरी सेविंग खत्म कर दी जाए, तो बाद में फिर से जमा करने में समय लग सकता है, इसलिए जरूरत भर ही पैसा यहां से निकालना सही होगा।

परिवार/दोस्तों से उधार

इमरजेंसी में परिवार और दोस्तों से मदद लेना आम बात है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा होता है, और वह है रिश्तों में तनाव। अगर तय समय पर पैसा वापस न हो पाए या बात साफ न रखी जाए, तो गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि पैसा लेते समय साफ-साफ बता दिया जाए कि कितनी रकम चाहिए, कितने समय में लौटाई जाएगी और किस तरह लौटाई जाएगी।

बैंक ओवरड्राफ्ट

अगर सेविंग्स सीमित है, तो बैंक से जुड़े कुछ विकल्प इमरजेंसी में मददगार साबित हो सकते हैं। कई बैंक सेविंग अकाउंट पर ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं, जिसमें खाते में मौजूद रकम से ज्यादा पैसा निकालने की अनुमति मिलती है। इस पर ब्याज दर आमतौर पर 8 से 12% सालाना के बीच होती है, जो पर्सनल लोन से कम मानी जाती है। इसी तरह अगर आपके पास फिक्स्ड डिपॉजिट है, तो इसे तोड़ने के बजाय उस पर लोन लेना ज्यादा फायदेमंद होता है। FD पर लोन की ब्याज दर आमतौर पर FD की ब्याज दर से 1 से 2% ज्यादा होती है। यानी अगर आपको FD पर 6.5% ब्याज मिल रहा है, तो लोन पर करीब 7.5 से 8.5% ब्याज देना पड़ सकता है। इस तरह 1-2% पर ही लोन की व्यवस्था हो सकती है।

EPF और PPF से भी हो सकता है पैसे का इंतजाम

नौकरीपेशा के लिए EPF इमरजेंसी में बड़ा सहारा बन सकता है। बीमारी, बेरोजगारी, घर या शादी जैसे कारणों से EPF से अडवांस निकाला जा सकता है और इस पर कोई ब्याज नहीं देना पड़ता। इसी तरह PPF में भी कुछ साल बाद आंशिक निकासी या लोन की सुविधा मिलती है, जहां लोन पर ब्याज दर करीब 1 पर्सेंट अतिरिक्त होती है। हालांकि इन विकल्पों का नुकसान यह है कि इससे रिटायरमेंट की बचत पर असर पड़ता है। EPF और PPF लंबे समय के लिए बनाए जाते हैं, इसलिए इनका इस्तेमाल आखिरी विकल्प के तौर पर ही करना चाहिए।

गोल्ड लोन: जल्दी पैसा, लेकिन सावधानी जरूरी

अगर आपके पास सोना है, तो बैंक या NBFC के पास उसे गिरवी रखकर जल्दी लोन लिया जा सकता है। गोल्ड लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 8 से 14% सालाना के बीच होती है, जो पर्सनल लोन की तुलना में काफी कम है। इसका एक फायदा यह भी है कि इसमें क्रेडिट स्कोर ज्यादा मायने नहीं रखता। लेकिन जोखिम यह है कि अगर समय पर लोन नहीं चुकाया गया, तो गिरवी रखा सोना नीलाम किया जा सकता है। इसलिए गोल्ड लोन लेते समय सिर्फ उतनी ही रकम लें, जितनी वाकई जरूरी हो और चुकाने की स्पष्ट योजना पहले से बना लें।

पर्सनल लोन आसान, पर यह महंगा सौदा

इमरजेंसी में पर्सनल लोन सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला विकल्प है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के मिल जाता है। हालांकि पर्सनल लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 11 से 24% सालाना तक हो सकती है। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस और अन्य चार्ज भी लगते हैं। इसलिए पर्सनल लोन तभी लेना चाहिए, जब बाकी सस्ते विकल्प उपलब्ध न हों और EMI आपकी क्षमता के अंदर हो।

क्रेडिट कार्ड से कैश, डिजिटल लोन ऐप

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालना और इंस्टेंट लोन ऐप इमरजेंसी में तुरंत पैसा तो देते हैं, लेकिन ये सबसे महंगे विकल्प माने जाते हैं। क्रेडिट कार्ड से कैश पर 2.5 से 3% कैश अडवांस फीस लगती है और ब्याज दर सालाना 30 से 42% तक हो सकती है, जो तुरंत लागू हो जाती है। वहीं, कई डिजिटल लोन ऐप 25 से 40% या उससे भी ज्यादा ब्याज वसूलते हैं और भारी पेनल्टी भी लगाते हैं। इनमें फर्जी ऐप का खतरा भी रहता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

CA विनीत राठी ने कहा कि कम रकम चाहिए तो सबसे पहले सेविंग्स का इस्तेमाल करें। रिश्तेदार या भरोसेमंद जान-पहचान से बिना ब्याज या कम ब्याज पर मदद मिल जाए, तो बेहतर होता है। छोटे अमाउंट के लिए पर्सनल सेविंग्स बढ़ाकर या कम अवधि के छोटे लोन से भुगतान की कोशिश करनी चाहिए। अगर बड़े फंड की जरूरत है और एकमुश्त चुकाना सम्भव नहीं है, तो EMI का विकल्प लिया जा सकता है। EMI तय करते समय ध्यान रखें कि रोजमर्रा की जरूरतों पर ज्यादा असर न पड़े। EMI आपकी मासिक आय का बहुत बड़ा हिस्सा नहीं होनी चाहिए, वरना भविष्य में वित्तीय दबाव बढ़ सकता है।

इमरजेंसी फंड कहां से लेने से बचना चाहिए?

बहुत ज्यादा ब्याज वाले अनऑफिशियल सोर्स, जैसे लोकल साहूकार या ऐप आधारित अवैध लोन से बचना चाहिए। ये विकल्प तात्कालिक राहत तो देते हैं, लेकिन आगे चलकर भारी वित्तीय समस्या खड़ी कर सकते हैं। अगर जरूरत लंबी अवधि की है, तो बैंक या रेगुलेटेड NBFC से पर्सनल लोन लिया जा सकता है। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सिर्फ शॉर्ट टर्म इमरजेंसी के लिए करें।

इमरजेंसी लोन या फंड से जुड़े टैक्स नियम

विनीत राठी के अनुसार, लोन पर सीधे कोई इनकम टैक्स नहीं लगता है, क्योंकि लोन आय नहीं माना जाता। लोन के ब्याज पर भी GST नहीं लगता है। हालांकि, बैंक या NBFC की ओर से लिए जाने वाले प्रोसेसिंग चार्ज, फाइल चार्ज या अन्य फीस पर GST लागू होता है। साल के अंत तक लोन चुकाने की स्थिति हो तभी शॉर्ट-टर्म लोन लें। गोल्ड लोन तभी लें, जब एक साल में उसे चुकाने का प्लान हो।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 12-27-2025 23:02 Color:

महंगी फीस की वजह से कई बार मनपसंद कोर्स छूट जाते है। ऐसे मे एजुकेशन लोन बड़ी मदद बनता है। सही इंस्टिट्यूट, जरूरी डॉक्यूमेंट्स, ब्याज दर, मोरिटोरियम और टैक्स बेनिफिट- इन सबको समझकर लोन लेना आसान हो जाता है और पढ़ाई बिना रुके पूरी की जा सकती है।

एजुकेशन लोन

ताकि पैसे बिना पढ़ाई न रुके

टैक्स लाभ

आयकर अधिनियम की धारा 80E (Section 80E) के तहत एजुकेशन लोन पर चुकाए गए पूरे ब्याज की राशि पर टैक्स कटौती का दावा किया जा सकता है।

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan
@timesofindia.com

उच्च पढ़ाई का सपना सिर्फ टैलेंट से पूरा नहीं होता, पैसों की भी बड़ी भूमिका होती है। सही तरीके से प्लान किया गया एजुकेशन लोन आपके करियर को आगे बढ़ाने का सहारा बन सकता है, बिना परिवार पर भारी बोझ डाले और बिना अपने सपनों से समझौता किए।

आज के इस कॉम्पिटिव माहौल में कई बार मनपसंद कोर्स के सामने फाइनैंशल दिक्कत आ जाती है। विदेश में पढ़ाई हो या इंजिनियरिंग, मैनेजमेंट और मेडिकल कोर्सों में दाखिला, फीस इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि मिडल क्लास फैमिली की बचत कम पड़ जाती है। ऐसे ही मौकों पर एजुकेशन लोन सहारा बनता है।

अगर आप किसी इंजिनियरिंग, मेडिकल और मैनेजमेंट कोर्स में एडमिशन के लिए क्वॉलिफाई कर चुके हैं तो एजुकेशन लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक का एकेडमिक रिकॉर्ड बेहतर होने से लोन मिलने में आसानी होती है। आम तौर पर 7 से 30 दिनों में एजुकेशन लोन के एप्लिकेशन प्रोसेस हो जाते हैं। अगर आप पहले सेमेस्टर की फीस भरकर एडमिशन ले चुके हैं, तो इस राशि को भी लोन में बदल सकते हैं। एजुकेशन लोन के लिए मुख्य आवेदक स्टूडेंट और को-अप्लिकेंट उनके पैरेंट्स/गार्जियन होते हैं। लोन देने से पहले बैंक को-अप्लिकेंट की आर्थिक स्थिति भी चेक करते हैं। कई राज्यों में सरकारें और केंद्र सरकार एजुकेशन लोन पर कुछ खास कैटिगरी के स्टूडेंट्स को सब्सिडी भी देती है। लोन लेने से पहले आप इसे भी चेक कर सकते हैं।

किन डॉक्यूमेंट्स की जरूरत?

- 10वीं, 12वीं की मार्कशीट
- आवेदक के लिए KYC दस्तावेज, स्टूडेंट की बैंक पासबुक, पहचान प्रमाण पत्र जैसे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटरआईडी।
- एंट्रेंस एग्जाम का रिजल्ट, जिस कोर्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया है उसका प्रूफ।
- पूरे कोर्स की फीस के लिए इंस्टिट्यूट के डॉक्यूमेंट, विश्वविद्यालय शुल्क और नियम पुस्तिका/नियम।
- एज प्रूफ, स्टूडेंट्स, पैरेंट्स के आधार कार्ड।
- पैरेंट्स के तीन साल के आईटी रिटर्न।

इंस्टिट्यूट भी मायने रखता है

टॉप इंस्टिट्यूट में एडमिशन पर बैंक बिना किसी Collateral, कम ब्याज और आसान शर्तों पर लोन देते हैं। SBI ने 250 से अधिक संस्थानों को अपनी 'स्कॉलर लोन स्कीम' के तहत रखा है। इन्हें कई कैटिगरी में बांटा गया है:

AA कैटिगरी	A कैटिगरी	अन्य
इसमें मुख्य रूप से कई IIMs शामिल हैं। IIM अहमदाबाद, IIM बेंगलुरु, IIM कलकत्ता, IIM इंदौर, IIM कोझिकोड, IIM लखनऊ आदि।	इसमें प्रमुख IITs और अन्य टॉप के मेडिकल कॉलेज आते हैं। IIT मुंबई, दिल्ली, कानपुर, मद्रास, खड़गपुर, रुड़की, गुवाहाटी, भुवनेश्वर। AIIMS (दिल्ली), AFMC (पुणे), CMC (वेल्लोर) जैसे टॉप के इंस्टिट्यूट।	BITS पिलानी (तीनों कैंपस), ISB (हैदराबाद/मोहाली), NITs (प्रमुख कैंपस जैसे त्रिची, वारंगल, सूरतकल) भी लिस्ट में शामिल हैं।

ब्याज कितना?

ब्याज दरें बैंक और लोन राशि के आधार पर अलग हो सकती हैं। सामान्यतः ये 8%-12% होती हैं। महिला स्टूडेंट्स को ब्याज दरों में 0.5% की छूट कई बैंक देते हैं।

बैंक	ब्याज दर
SBI	7.25%*
ICICI	11.27%
टाटा कैपिटल	10.99%
यूको बैंक	7.50%
IDFC फर्स्ट	9.99%

*(प्रति वर्ष से शुरू) (ब्याज दरें निकटतम ब्रांच से चेक कर लें।)

कितना लोन?

टॉप संस्थानों के लिए बैंक 40 लाख से 1 करोड़ तक ऋण दे सकते हैं। इनके लिए छात्रों को .5-1% तक कम ब्याज दर मिलती है। इन इंस्टिट्यूट के लिए बैंकों के पास स्वीकृत (Pre-approved) सूची होती है, जिससे लोन प्रोसेस तेज होता है।

एजुकेशन लोन में कॉलेज की ट्यूशन फीस के साथ अन्य खर्च भी होते हैं। अधिकतर बैंक इसमें इन खर्चों को जोड़ते हैं:

- **ट्यूशन फीस और कॉलेज शुल्क:** पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के लिए आधिकारिक रूप से मांगी गई फीस।
- **हॉस्टल/मेस:** छात्रावास में रहना है तो।
- **किताबें और उपकरण:** लैपटॉप, कंप्यूटर, वैज्ञानिक उपकरण और लाइब्रेरी फीस।
- **यात्रा व्यय:** विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए हवाई टिकट और यात्रा का खर्च।
- **अन्य खर्च:** स्टडी टूर, प्रोजेक्ट वर्क और थीसिस के लिए आकस्मिक खर्च।

मॉरेटोरियम पीरियड के बारे में जानें...

एजुकेशन लोन में 'मॉरेटोरियम पीरियड' या 'हॉलिडे पीरियड' वह समय होता है जब छात्र को बैंक को कोई पैसा वापस करना जरूरी नहीं है। आमतौर पर, यह अवधि कोर्स की समाप्ति के बाद 6 महीने से 1 साल तक की होती है। इसका उद्देश्य छात्र को पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी खोजने और आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़े होने का पर्याप्त समय देना है। हालांकि इस दौरान साधारण ब्याज जुड़ता रहता है। यदि पैसे हैं, तो इस दौरान भी ब्याज देते रहने से बोझ नहीं बढ़ता। इस अवधि के बाद समान मासिक किस्तें (EMI) शुरू होती हैं।

शेयर बाजार में दांव नहीं, समझदारी काम आती है

फ्री इन्वेस्टमेंट टिप्स कहीं महंगे न साबित हो जाएं!

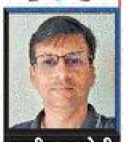

समीर रस्तोगी
NBTwealth
@timesofindia.com

आज के दौर में हर जगह फ्री इन्वेस्टमेंट सलाह मिलती है, YouTube से लेकर WhatsApp ग्रुप तक। दिखने में यह सलाह मददगार लगती है, लेकिन कई बार सबसे महंगी साबित होती है। बिना जांच-पड़ताल, भीड़ के भरोसे लिए गए फैसले निवेश को नुकसान और तनाव दोनों दे देते हैं। इन सलाह के साथ न जवाबदेही होती है, न जोखिम की समझ। नतीजा होता है गलत समय पर खरीदना, घबराकर बेच देना और मौका खो देना।

(लेखक सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं।)

जरा सोचिए! पिछले एक साल में आपने कितनी फ्री इन्वेस्टमेंट सलाह सुनी है? YouTube के विडियो, WhatsApp फॉरवर्ड, Telegram चैनल, Twitter थ्रेड और वह दोस्त, जो हर बार कहता है कि 'मुझ पर भरोसा रखो, पक्का फायदा होगा।' अब मुश्किल सवाल- इनमें से कितनी सलाह ने सच में आपका पैसा बढ़ाया?

अगर जवाब देने में देर लग गई, तो बस इसीलिए यह आर्टिकल जरूरी है। यह लेख फ्री कंटेंट को गलत साबित करने के लिए नहीं है। बात सिर्फ इतनी है कि बिना सोचे-समझे, अनजानों की सलाह पर निवेश करना खतरनाक हो सकता है। मुफ्त सलाह का दाम नहीं होता, लेकिन बिल बाद में आता है।

'फ्री' का जाल

हम सबकी एक कमजोरी है- फ्री चीजें हमें जल्दी भरोसेमंद लगती हैं। डॉक्टर फीस लेता है तो हम सवाल पूछते हैं। फाइनैंशल एडवाइजर फीस लेता है तो हम पूरी बात समझना चाहते हैं। लेकिन कोई सोशल मीडिया पर लिख दे- 'ये स्टॉक गारंटीड मल्टीबैगर', तो हम अक्सर बिना चेक किए खरीद लेते हैं। क्योंकि न बिल, न जिम्मेदारी और भीड़ का साथ भी। नोबेल पुरस्कार विजेता डैनियल काहनेमन कहते हैं- हम नहीं जानते कि हमें कितना कम पता है। यही जगह है, जहां फ्री सलाह हमें फंसा देती है।

- **WhatsApp वाला 'मल्टीबैगर':** बेंगलुरु के रोहित के ऑफिस ग्रुप में मैसेज आया- 'सरकारी सपोर्ट + बड़ा ऑर्डर = अगला मल्टीबैगर।' उन्होंने जल्दी में खरीद लिया। न वैल्यूएशन देखा, न प्लान बनाया। कुछ दिन तो रिटर्न बढ़िया रहा, लेकिन फिर स्टॉक 40% टूट गया। ग्रुप साइलेंट हो गया। कोई जवाब नहीं, कोई जिम्मेदारी नहीं। यहां स्टॉक खराब नहीं था, गलती सिर्फ गलत समय और भीड़ देखकर खरीदने की थी।

- **फ्री सलाह भरोसेमंद क्यों लगती है?:** फ्री सलाह अक्सर कहानी के साथ आती है, जैसे- 'यह कंपनी भविष्य है', 'सरकार साथ है', 'स्मार्ट मनी आ चुकी है'। और हम मान लेते हैं। YouTube पर लोग बहुत कॉन्फिडेंस से बोलते हैं लेकिन गलत होने पर उन्हें कुछ नहीं झेलना पड़ता। लेकिन पेड एडवाइजर सावधान होकर बोलता है, क्योंकि उसे जवाब देना पड़ता है।
- **फ्री सलाह का छिपा बिल:** फ्री सलाह की कीमत होती है- महंगे दाम पर खरीद, डर में अच्छे शेयर बेच देना, बार-बार ट्रेडिंग से चार्ज और टैक्स, सबसे बड़ा नुकसान- मौका छूट जाना। वॉरेन बफेट कहते हैं- निवेश में सबसे जरूरी चीज स्वभाव है, बुद्धि नहीं। फ्री सलाह अक्सर हमारे स्वभाव को कमजोर कर देती है।
- **फिर क्या करें?:** निवेश में सबसे जरूरी चीज न IQ, न स्पीड, न 'इनसाइडर टिप' है। सबसे जरूरी है धैर्य + जोखिम की समझ + प्रोसेस। बस एक नियम बना लें: फ्री सलाह को जानकारी समझें, आदेश नहीं। सुनिए, सवाल कीजिए, अपने लक्ष्य, समय और जोखिम के हिसाब से फिल्टर कीजिए। अगर कोई सलाह आपके सवाल झेल नहीं पाती, तो वह आपके पैसे की हकदार नहीं।

याद रखने लायक बातें

- फ्री सलाह की भी एक कीमत है।
- टैक्स, गलत टाइमिंग, ओवरट्रेडिंग में छिपा नुकसान देर से दिखता है।
- सोशल मीडिया पर कॉन्फिडेंस का मतलब काबिलियत नहीं होता।
- जवाबदेही अनुशासन लाती है।
- कहानी उत्साहित करती है, सिस्टम दौलत बनाता है।
- कन्फ्यूजन हमेशा नुकसान करवाता है।
- 'मुफ्त सलाह' अक्सर बाजार की सबसे महंगी सलाह साबित होती है।

क्रेडिट कार्ड पर सख्ती बढ़ी, इसे कैसे बनाएं फायदे का सौदा?

डिफॉल्ट बढ़ने से सचेत हुए बैंक, तो 15% घटी नए क्रेडिट कार्ड जारी होने की संख्या

यास्मीन हुसैन
Yasmin.Hussain
@timesofindia.com

क्रेडिट कार्ड को लेकर आज दो तस्वीरें हैं। एक तरफ डिफॉल्ट बढ़ने पर बैंक सख्त हैं और नए कार्ड जारी करने की रफ्तार धीमी। दूसरी तरफ सच यह भी है कि क्रेडिट कार्ड का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो खर्च संभालने, बचत बढ़ाने और मजबूत क्रेडिट हिस्ट्री बनाने का असरदार जरिया बन सकता है।

क्रेडिट कार्ड आपको बिना कैश खरीदारी, बिल बाद में चुकाने, रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक, EMI, ऑफर और आपात स्थिति में शॉर्ट-टर्म क्रेडिट की सुविधा देता है।

पिछले एक साल में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन और छोटे टिकट साइज वाले अनसिक्योर्ड लोन में जबरदस्त तेजी देखी गई है। आसान अप्रूवल और बढ़ती लिमिट ने कई लोगों को जरूरत से ज्यादा खर्च की तरफ धकेला। नतीजा यह हुआ कि डिफॉल्ट का जोखिम बढ़ गया। बैंकों को चूक बढ़ती दिखी, तो उन्होंने सख्ती दिखाई। ट्रांसयूनियन सिबिल के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई-सितंबर तिमाही में नए क्रेडिट कार्ड जारी होने की संख्या सालाना आधार पर करीब 15% घट गई। बैंक नए कार्ड जारी करने से पहले प्रोफाइल की गहराई से जांच कर रहे हैं। लिमिट बढ़ाने में भी सावधानी बरती जा रही है। फोकस अब अच्छे क्रेडिट स्कोर वाले और पहले से टेस्टेड ग्राहकों पर है।

तो क्या क्रेडिट कार्ड में जोखिम बढ़ गया है? इसे नहीं लेना चाहिए? सच तो यह है कि क्रेडिट कार्ड खुद समस्या नहीं है, समस्या तब पैदा होती है जब उसे आसान कर्ज समझकर लापरवाही से इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप पहली बार क्रेडिट कार्ड लेने जा रहे हैं तो कुछ टिप्स से आप अच्छा-खासा फायदा पा सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड कैसे चुनें?

पहली नौकरी मिलने या स्थिर आय शुरू होने के बाद पहला क्रेडिट कार्ड लेना बहुत लोगों के लिए एक छोटा-सा माइलस्टोन होता है। क्रेडिट कार्ड सिर्फ खर्च करने का तरीका नहीं है, यह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री बनाता है, आपको फाइनैंशल फ्लेक्सिबिलिटी देता है और रोजमर्रा के खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड्स और कैशबैक से बचत भी करवाता है। ज्यादातर लोग अपना पहला कार्ड बिना रिसर्च, सिर्फ किसी दोस्त की सलाह या किसी आकर्षक ऐड देखकर चुन लेते हैं। नतीजा यह होता है कि वे या तो कार्ड की असली वैल्यू समझ नहीं पाते या उससे मिलने वाले रिवॉर्ड्स का पूरा फायदा नहीं उठा पाते। इसलिए पहला कार्ड लेने से पहले समझना जरूरी है कि रिवॉर्ड पॉइंट कैसे मिलते हैं, उनका कैश वैल्यू क्या होता है, कैटिगरी बोनस कैसे आपके रिवॉर्ड्स को 2% से बढ़ाकर 10-15% तक कर सकता है।

पहले यह समझें कि क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड फ्री नहीं होते। बैंक और कार्ड कंपनियां रिवॉर्ड इसलिए देती हैं, क्योंकि हर बार जब आप कार्ड स्वाइप करते हैं, बैंक व्यापारी से एक फीस लेता है। यह फीस आपकी खरीदी गई चीज के दाम में पहले से शामिल होती है। मतलब कि आप भुगतान वैसे भी कर रहे हैं, बस क्रेडिट कार्ड आपको उसी पैसे में से एक हिस्सा वापस दिलाता है। एक अच्छा कार्ड आपके रोजमर्रा के खर्चों पर भी रिटर्न दे सकता है और एक गलत कार्ड सिर्फ प्लास्टिक का टुकड़ा बनकर रह जाता है।

मकसद क्या है?

कार्ड चुनने से पहले साफ करें कि मकसद क्या है? हर व्यक्ति की खर्च की आदत अलग होती है, इसलिए हर कार्ड सभी के लिए सही नहीं होता।

- सिंपल कैशबैक तो सरल कैशबैक वाले कार्ड लें।
- ट्रैवल रिवॉर्ड तो फ्लाइट/होटल पॉइंट वाले कार्ड लें।
- ऑनलाइन शॉपिंग तो Amazon/Flipkart या शॉपिंग फोकस कार्ड लें।
- फूड डिलीवरी तो Swiggy/Zomato को-ब्रैंडेड कार्ड लें।
- UPI खर्च पर रिवॉर्ड तो UPI-फ्रेंडली कार्ड लें।

! अपने खर्च की सूची बनाएं और देखें आप महीने में पैसा कहां सबसे ज्यादा खर्च करते हैं। कार्ड उसी कैटिगरी से मैच होना चाहिए।

रिवॉर्ड पॉइंट सिस्टम समझिए

हर कार्ड पॉइंट्स देता है, लेकिन वैल्यू एक नहीं होती। उदाहरण के लिए, HDFC Regalia से ₹150 खर्च पर 4 पॉइंट मिलते हैं, तो Axis Atlas से ₹100 खर्च पर 1 पॉइंट। पहले वाले कार्ड में पॉइंट ज्यादा मिलते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह ज्यादा फायदेमंद है। कई बार 1 पॉइंट = 10 पैसे होता है, तो कहीं 1 पॉइंट = ₹1 भी हो सकता है (जैसे कुछ ट्रैवल कार्डों में)। अगर आप पॉइंट्स को एयरलाइन या होटल की पार्टनर कंपनियों में ट्रांसफर करते हैं, तो रिटर्न 10%-15% तक पहुंच सकता है।

कैटिगरी बोनस क्या है?

बेस रेट शुरुआत है। असली वैल्यू मिलती है Accelerated Rewards यानी कुछ खास कैटिगरी में मिलने वाले ज्यादा पॉइंट्स या कैशबैक से। उदाहरण के लिए Axis ACE से 5% कैशबैक बिजली/मोबाइल बिल पर, 4% Swiggy, Zomato, Ola पर, 1.5% पॉइंट्स बाकी खर्चों पर। यह बोनस कैटिगरी ही तय करती है कि आप कार्ड से कितनी बचत कर पाएंगे।

- **ट्रैवल कार्डों में वैल्यू और भी ज्यादा:** कई प्रीमियम कार्ड पॉइंट्स को एयरलाइन/होटल पार्टनर में ट्रांसफर करने की सुविधा देते हैं। Axis Atlas में, एक पॉइंट कई बार ₹4 की वैल्यू दे सकता है जब उसे पार्टनर होटल में रिडीम किया जाए।
- **माइलस्टोन और सॉफ्ट बेनिफिट्स:** सिर्फ वाउचर के लिए जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। सॉफ्ट बेनिफिट्स (लाउंज एक्सेस, मूवी टिकट, गोल्फ आदि) अच्छे हैं, लेकिन इन्हें देखकर कार्ड तभी चुनें, जब इस्तेमाल हो।
- **कार्ड फीस और वेवर:** हर कार्ड के साथ फीस होती है। कई कार्ड खर्च पूरा करने पर फीस माफ कर देते हैं। अगर आपको ₹3 लाख खर्च पर फीस माफ होती है और आप सिर्फ ₹1.5-2 लाख खर्च करते हैं, तो बेहतर होगा कि दूसरा कार्ड लें।
- **कस्टमर सपोर्ट और कार्ड अप्रूवल:** यह भी देखें कि बैंक का कस्टमर सपोर्ट कैसा है? पहला कार्ड आमतौर पर उसी बैंक से लें, जहां सैलरी आती है, क्योंकि अप्रूवल आसान होता है। और हां, अगर खर्च संभाल नहीं पाते तो क्रेडिट कार्ड 40% सालाना ब्याज ले सकता है।

आपके लिए कौन-सा कार्ड सही है?

अगर महीने का खर्च ₹10,000-20,000 है

INDUSIND TIGER
- जॉइनिंग/रिन्यूअल फीस: ₹0
- 8 फ्री डोमेस्टिक लाउंज/साल
- 2 फ्री इंटरनैशनल लाउंज/साल
- Forex मार्कअप: 1.5%
- BookMyShow पर ₹500 के 2 फ्री मूवी टिकट/साल
- 4 फ्री गोल्फ गेम/लेसन

अगर आप ज्यादा ट्रैवल करते हैं

SCAPIA FEDERAL BANK
- जॉइनिंग/रिन्यूअल फीस: ₹0
- **माइलस्टोन बेनिफिट:** हर महीने ₹10,000 खर्च पर अनलिमिटेड डोमेस्टिक लाउंज एक्सेस, फ्री डाइनिंग/शॉपिंग/स्पा
- 0% Forex मार्कअप

HSBC TRAVELONE
- **फीस:** ₹5,000 + GST
- **जॉइनिंग बोनस:** 3,000 पॉइंट (1 पॉइंट = 1 पार्टनर पॉइंट)
- **बेस रेट:** हर ₹100 पर 2 पॉइंट (2% रिटर्न)
- **एयरलाइंस/होटल बुकिंग पर:** 16-24 पॉइंट/₹100
- **माइलस्टोन:** ₹12 लाख/साल खर्च पर 10,000 पॉइंट
- **फीस वेवर:** ₹8 लाख खर्च पर अगले साल फीस माफ

अगर आपको सिर्फ Cashback चाहिए

TATA NEU INFINITY HDFC BANK
- **जॉइनिंग फीस:** ₹1,499+टैक्स
- **अनुअल फीस वेवर:** ₹3 लाख खर्च/साल
- 5% NeuCoins कैशबैक Tata ब्रैंड्स पर
- Neu App पर 5% रिवॉर्ड
- बाकी खर्च/UPI पर 1.5%

अगर मकसद सिर्फ Lounge Access है

HDFC BANK MARRIOTT BONVOY
- **जॉइनिंग/रिन्यूअल फीस:** ₹3,000
- **जॉइनिंग बोनस:** Marriott में फ्री नाइट (15000 पॉइंट्स तक)
- 12 डोमेस्टिक+12 इंटरनैशनल लाउंज/साल

अगर UPI बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं

KIWI UPI CARD
- **लाइफटाइम फ्री:** 1.5% कैशबैक UPI पर
- **Kiwi Neon मेंबरशिप:** ₹999
- Scan & Pay पर 2%
- साल में ₹1.5 लाख खर्च पर फ्लैट 5% कैशबैक

क्रेडिट स्कोर क्यों ज़रूरी, कैसे सुधारें?

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

एक क्रेडिट स्कोर यह तय करता है कि आपको लोन मिलेगा या नहीं और आपको कितना ब्याज देना होगा। क्रेडिट स्कोर तीन अंकों का नंबर (300 से 900 के बीच) होता है। यह आपके पुराने लोन और क्रेडिट कार्ड की अदायगी की आदतों के आधार पर बनाया जाता है। क्रेडिट स्कोर जितना ज्यादा, बैंक को आप पर उतना ही भरोसा। स्कोर कम, तो बैंक को लगता है कि लोन वापस मिलने में जोखिम है।

- **यह क्यों जरूरी है?:** बैंक और NBFC जब भी आपको लोन देने पर विचार करते हैं, सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखते हैं। उच्च स्कोर का मतलब है कम ब्याज दर, आसानी से लोन मंजूर। कम स्कोर माने ऊंचा ब्याज, सख्त शर्तें, कई बार लोन रिजेक्ट। अच्छा स्कोर सस्ता, आसान लोन दिला देता है।

स्कोर कैसे ठीक करें?

- **रीपेमेंट हिस्ट्री:** समय पर और पूरा भुगतान करेंगे, तो स्कोर बढ़ेगा। चूक (डिफॉल्ट) या देर से भुगतान, स्कोर घटाता है।
- **क्रेडिट यूजेज/यूटिलाइजेशन रेश्यो:** यह आपके उपयोग किए गए क्रेडिट और आपकी कुल क्रेडिट लिमिट का अनुपात होता है। बेहतर स्कोर के लिए इसे 30% से कम रखें।
- **कितने तरह के क्रेडिट:** स्कोरिंग सिस्टम अच्छा मिश्रण पसंद करते हैं: सिक्योर्ड लोन जैसे घर, कार, बिजनेस लोन आदि और अनसिक्योर्ड लोन जैसे पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड। दोनों का स्वस्थ संतुलन स्कोर बढ़ाने में मदद करता है।
- **लेंथ ऑफ क्रेडिट हिस्ट्री:** आपके पुराने और नए खातों की उम्र मिलकर आपकी क्रेडिट हिस्ट्री बनती है। हिस्ट्री जितनी लंबी, स्कोर उतना बेहतर। छोटी हिस्ट्री में बैंक का भरोसा कम होता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 12-27-2025 23:01 Color:

फ्लैट लेना है? OC ज़रूर पता कर लें

सिर्फ रजिस्ट्री देखकर संतुष्ट हो जाना आगे खड़ी कर सकता है परेशानी

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

जमीन, प्रॉपर्टी में पेपर यानी कागजात की अहमियत काफी होती है। चाहे रजिस्ट्री के पेपर हो, दाखिल खारिज के या फिर कंप्लीशन सर्टिफिकेट (CC) और ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट (OC)। CC जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर के कंप्लीट होने का प्रमाणपत्र है तो OC प्रॉपर्टी में रहने लायक होने का अधिकार देता है।

रियल एस्टेट में निवेश से पहले CC और OC सबसे अहम होते हैं। जब प्रोजेक्ट बनकर तैयार हो जाता है तो डिवेलपर्स के पास ये दोनों सर्टिफिकेट होने चाहिए। कई बार लोग केवल रजिस्ट्री देखकर संतुष्ट हो जाते हैं, जबकि असल सुरक्षा OC में छिपी होती है। दिल्ली-NCR जैसे सख्त और हाई-रिस्क रियल एस्टेट मार्केट में इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है।

क्या है CC?: कंप्लीशन सर्टिफिकेट (CC) तब मिलता है, जब बिल्डर स्ट्रक्चर का काम पूरा कर लेता है। लेकिन इसे रिहाइश वाला सर्टिफिकेट नहीं समझना चाहिए।

क्या है OC?: ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (OC) एक अधिकारिक प्रमाणपत्र है, जो नगर निगम/प्राधिकरण (जैसे: Noida Authority, Greater Noida Authority, GDA, DDA, MCG, GMDA, SDMC, NDMC) द्वारा जारी किया जाता है। यह बताता है कि बिल्डिंग का निर्माण मानकों के अनुसार हुआ है। सभी सेफ्टी पैरामीटर पूरे हुए हैं। बिल्डिंग रहने/काम करने लायक है। बिल्डर ने सभी नियम, कानून, फायर सेफ्टी, स्ट्रक्चरल सेफ्टी का पालन किया है। बिजली, पानी, सीवरेज, लिफ्ट, फायर सिस्टम सही काम कर रहे हैं। यहां ध्यान दें कि CC के बिना OC नहीं मिलता।

कौन डिसाइड करता है कि बिल्डिंग तैयार है?: यह काम सरकार का है। सरकारी अधिकारी (अथॉरिटी वाले) चेक करते हैं। वे मिलान करते हैं कि जो नक्शा पहले पास कराया गया था, जिसमें कॉमन एरिया का जिक्र था, जिसमें दो टावरों के बीच की दूरी का जिक्र था, जिसमें सोसायटी में पार्क के लिए स्पेस छोड़ा गया था, जिसमें टावरों और फ्लोर की संख्या का जिक्र था, इन सभी बातों का बिल्डर ने खयाल रखा है या नहीं? अगर सभी चीजें सही हैं तो फिर अधिकारी OC जारी करते हैं यानी अब उस प्रॉपर्टी पर मुहर लग गई।

OC को ऐसे करें चेक: सबसे पहले इसकी कॉपी बिल्डर से मांगें। इसमें जरा भी संकोच न करें। यह आपका अधिकार है। आप चाहें तो उनसे सॉफ्ट कॉपी की मांग कर सकते हैं। फिर जिस भी एरिया में फ्लैट ले रहे हैं, उस एरिया की अथॉरिटी (नोएडा अथॉरिटी, ग्रेनो अथॉरिटी, डीडीए, जीडीए आदि) में भी इसे चेक कर सकते हैं। यहां एक बात और बताना है कि कई बड़े डिवेलपर्स इसे अपनी वेबसाइट पर भी अपलोड कर देते हैं।

क्यों जरूरी है OC?

ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट नहीं मिलने का मतलब हो सकता है कि प्रॉपर्टी को रहने योग्य सर्टिफिकेशन नहीं है। ऐसी प्रॉपर्टी पर अथॉरिटी को नोटिस देने का अधिकार होता है। वहीं, OC मिलने का मतलब है।

1. स्थायी कनेक्शन: OC का मतलब है कि अथॉरिटी ने इलेक्ट्रिसिटी, वाटर सप्लाई, सीवरेज कनेक्शन स्थायी तौर पर दे दिया है। OC नहीं तो सुविधाएं अस्थायी हैं।

2. बैंक लोन: जिस सोसायटी को OC न मिला हो तो उस पर बैंक लोन मिलना मुश्किल होता है। बैंक के लिए ऐसी सोसायटी पर लोन अनसिक्योर्ड लोन में शामिल होता है।

3. रीसेल: जब बैंक लोन नहीं देगा तो ऐसी प्रॉपर्टी को बेचकर निकलने में परेशानी भी काफी हो जाती है। अनअथॉराइज्ड कॉलोनियों में बनी बिल्डिंग के साथ ऐसा कई बार हो जाता है।

4. यह खतरा भी: मान लें कि किसी कारण से बिल्डिंग में आग लग जाए और जान-माल का नुकसान हो जाए और उस बिल्डिंग को OC न मिला हो तो क्लेम भी रिजेक्ट हो सकता है।

क्या OC न मिलने पर निवेश न ही करें?

दिल्ली में कई ऐसे इलाके हैं, जहां पर OC नहीं दिया जाता। मेंटेनेंस कम ही होता है। ये अमूमन हाइराइज बिल्डिंग नहीं होती। वैसे भी चौथे फ्लोर तक लोग सीढ़ियों से चढ़ जाते हैं।

हाईराइज बिल्डिंग में क्या करें?

OC और CC जरूर देखें। ऐसी बिल्डिंग में लिफ्ट सही तरीके से न चले, अगर फायर सेफ्टी के नॉर्म्स फॉलो न हुए हों, अगर वाटर सप्लाई का सिस्टम दुरुस्त न हो तो बहुत परेशानी हो सकती है।

अगर बिल्डर कहे कि जल्द ही OC मिल जाएगा?

बिल्डर के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए खरीदने का सोच भी सकते हैं, लेकिन अगर ज्यादा क्लीयरेंस बचे हों तो बुकिंग कराने से पहले जरूर गंभीरता से सोचें। यह कोरा आश्वासन भी साबित हो सकता है।

बिना OC के खतरे

- प्रॉपर्टी टेक्निकली इलीगल ऑक्यूपेंसी गिनी जा सकती है।
- प्रॉपर्टी ऑक्यूपाइड विदाउट अप्रूवल मानी जा सकती है।
- बिल्डर पानी-बिजली पर मनमाने चार्ज ले सकता है।
- OC न होने का मतलब अक्सर फायर का NOC पूरा न होना भी है। यानी फायर सेफ्टी क्लियरेंस नहीं मिला हो सकता है।
- कई MNC किराएदार बिना OC वाले फ्लैट में नहीं रहना चाहते।

"OC एक मुहर है पजेशन का। OC मिलने पर बिल्डर फ्लैट के बायर को चाबी दे सकता है और बायर घर में रह सकता है। इसलिए इसकी अहमियत काफी है। -*मुरारी तिवारी, पूर्व चेयरमैन, दिल्ली बार काउंसिल*"

"सरकारी अधिकारी देखते हैं कि बिल्डिंग का मैप पास करवाते समय जो-जो वादा किया गया था, वे सभी पूरे हुए हैं या नहीं? तभी ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (OC) मिलता है। - *अखिलेश मिश्रा, सीनियर ऐडवोकेट*"

... नहीं तो अटक सकता है IT रिफंड

काम की खबर

अगर आपने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए ITR भरते समय गलती कर दी है या कोई जानकारी छूट गई है, तो 31 दिसंबर से पहले सावधान हो जाएं। इस तारीख के बाद आप रिवाइज्ड ITR नहीं भर पाएंगे और आपका टैक्स रिफंड अटक सकता है, खासकर तब जब आपके ITR के आंकड़े और विभाग के रिकॉर्ड (AIS, TIS, 26AS) मेल न खाते हों। 31 दिसंबर 2025 रिवाइज्ड और बिलेटेड रिटर्न दोनों के लिए आखिरी तारीख है। कई नौकरीपेशा नोटिस पा रहे हैं क्योंकि उन्होंने 80C, 80D, HRA जैसी छूट का दावा तो किया, लेकिन सही जानकारी कंपनी को नहीं दी। नोटिस मिलते ही देरी न करें। 31 दिसंबर से पहले रिवाइज्ड ITR भरकर गलती सुधार दें, वरना छूट खारिज हो सकती है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India
MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

FAST SCANS. FASTER MARKET SCAMS.

FIND THE SAFETY CLUES

The grid below hides simple safety habits that can help protect you from scams involving market intermediaries.

V	E	R	I	F	Y	B	P	D
A	B	C	K	I	X	X	A	R
B	X	H	W	Y	T	M	U	E
A	T	E	T	O	G	C	S	G
U	V	C	C	V	X	W	E	I
W	Z	K	Q	N	Y	P	R	S
C	S	A	A	R	T	H	I	T
O	F	F	I	C	I	A	L	E
N	G	R	T	X	A	R	T	R
F	A	H	K	L	N	M	O	E
I	C	B	N	N	O	P	M	D
R	E	P	O	R	T	X	N	P
M	X	W	R	T	Q	T	U	O

CLUES

- Before you pay, always ______ the intermediary and payment details (6).
- Cross-____ details before making any payment (5).
- ______ if you are being rushed or pressured to invest (5).
- ______ authenticity before transferring money (7).
- Use only ________ and verified information (8).
- Deal only with ___________ intermediaries (10).
- __________ is an investor guidance application to verify UPI ID (7).
- Suspicious activity should be ________ immediately (6).

Verify intermediary UPI IDs and details on SEBI Check — available on the SEBI investor website or Saarthi App.

Trade Smart. Trade Safe.

Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting or investing in Commodity Derivatives Market

Scan QR code to visit SEBI Check and verify intermediaries

Scan QR code to view MCX Investor Awareness Videos

Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 12-29-2025 00:09 Color:

2025 साल का सबसे बड़ा पोल

इस साल दिल्लीवालों को सबसे ज़्यादा किस मार्केट में शॉपिंग करना आया पसंद?

NBT फिर लेकर आया है आपके लिए मौका, जहां आप 2025 के उन मुद्दों पर देंगे अपनी राय, जिन्होंने सुर्खियों से लेकर जिंदगी तक असर डाला। तो बनिए इस पोल का हिस्सा और दीजिए आज के सवाल का अपना बेबाक जवाब:

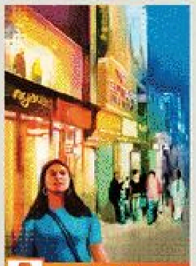

A सरोजिनी नगर

2025 में भी सरोजिनी नगर मार्केट कॉलेज स्टूडेंट्स और यंग फैशन लवर्स की पहली पसंद बना रहा। कम बजट में ट्रेंडी कपड़े, एक्सपोर्ट सरप्लस ब्रांड्स और मोलभाव का मजा, यहां सब कुछ मिलता है। इंस्टाग्राम रील्स से लेकर कैंपस फैशन तक, सरोजिनी ने हमेशा साबित किया है कि स्टाइल के लिए मोटा बजट नहीं, स्मार्ट शॉपिंग चाहिए।

B लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट

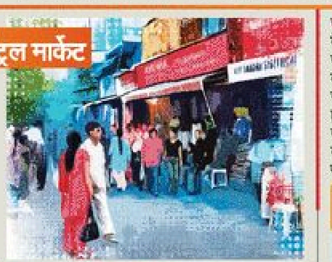

लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट भी इस साल फैमिली शॉपिंग का भरोसेमंद ठिकाना रहा। एथनिक वियर, रेडीमेड कपड़े, फुटवियर और होम यूज की चीजें, सब एक ही मार्केट में। यहां मिडिल क्लास फैमिलीज आराम से, बिना जल्दबाजी के खरीदारी कर पाती हैं, यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। क्या फैमिली क्लास का पसंदीदा मार्केट बनेगा लाजपत?

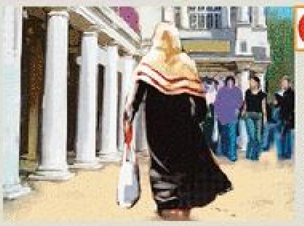

C कनॉट प्लेस

कनॉट प्लेस 2025 में भी दिल्ली का दिल बना रहा। ब्रैंडेड शोरूम्स, कैफे कल्चर, ऑफिस मीटिंग्स और दोस्तों के साथ हैंगआउट, सबका कॉमन पॉइंट। यहां आकर शॉपिंग से ज्यादा लोग माहौल एंजॉय करते हैं। सीपी आज भी क्लास, कन्वीनियंस और कनेक्शन का परफेक्ट मेल है। फेवरिट मार्केट की रेस में मजबूत दावेदार है सीपी।

D चांदनी चौक

चांदनी चौक 2025 में भी दिल्ली की ट्रेडिशनल शॉपिंग की शान रहा। शादी-ब्याह के कपड़े, गहने, मसाले और लाजवाब स्ट्रीट फूड, सब कुछ एक ही जगह। पुरानी दिल्ली की गलियों में घूमते हुए खरीदारी करना सिर्फ शॉपिंग नहीं, बल्कि एक पूरा अनुभव है, जो हर पीढ़ी को जोड़ता है। नए शॉपिंग मॉल ने इसकी यूएसपी को और बढ़ा दिया है।

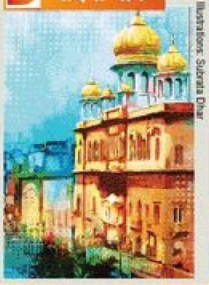

Illustrations: Subrata Dhar

कल पूछे गए सवाल पर आपका फैसला

दिल्लीवालों के बीच छोले भटूरे हिट, मोमोज दूसरे नंबर पर फिट

कल पूछा गया सवाल लोगों को काफी 'मजेदार' लगा और उसके जवाब में हमें ढेरों रेस्पॉन्स मिले।

A 44% लोगों ने माना कि दिल्ली का फेवरिट ब्रेकफास्ट आज भी छोले-भटूरे ही है।

C 26% दिल्ली वालों को गली-गली मिलने वाले मोमोज सबसे बेस्ट स्नैक्स लगे।

D 16% गोलगप्पे-चाट को दिल्लीवालों की पसंद की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संतोष करना पड़ा।

B 14% लोगों ने माना कि सुबह हो या शाम, समोसों का जायका ही उन्हें पसंद है।

हमें अपने जवाब भेजें ...
इस वट्सऐप नंबर पर, जवाब में लिखें A, B, C या D
9220747220

प्रदूषण कम करने की कोशिशों पर धूल उड़ा रहा मलबा

एक तरफ प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। दूसरी तरफ प्रशासनिक लापरवाही और अनदेखी के चलते जगह-जगह सड़कों के किनारे, पार्कों के बाहर, फ्लाईओवरों के नीचे पड़ा कंस्ट्रक्शन का मलबा इन कोशिशों पर धूल उड़ा रहा है। जिन सड़कों के किनारे पानी का छिड़काव किया जा रहा है, उन्हीं के दूसरे छोर पर मलबे के ढेर दिखाई दे रहे हैं। NBT संवाददाता सुदामा यादव, पूनम गौड़, राजेश सरोहा और राजेश पोद्दार ने कुछ जगहों पर जाकर जमीनी हालत का जायजा लिया। पेश है यह ग्राउंड रिपोर्ट :

NBT रिएलटी चेक

मलबा हटाने के बाद सड़क पर फैल रही धूल-मिट्टी

कड़कड़ी मोड़ के पास स्वामी दयानंद मार्ग पर बने रेलवे ब्रिज के ऊपर जिस जगह PWD ने बोर्ड लगा रखा है कि 'यहां मलबा डालना सख्त मना है', वहीं पर कुछ समय पहले काफी समय से ढेर सारा मलबा पड़ा हुआ था। सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए सख्ती बढ़ाई, तो कर्मचारियों की एक टीम ने पहुंचकर ब्रिज पर पड़े मलबे को उठाकर बगल की गाजीपुर ड्रेन के किनारे डाल दिया। हालांकि, इसके बावजूद सड़क पर काफी सारी धूल-मिट्टी पड़ी रही, जिसके चलते गाड़ियों के गुजरते वक्त यहां काफी धूल उड़ रही थी। आगे हसनपुर डिपो के पास भी एक जेसीबी मशीन सड़क किनारे पड़े मलबे को साइड करने में लगी हुई थी। हालांकि, मलबा हटाने के बाद भी सूखी मिट्टी सड़क पर फैली हुई थी।

एक महीने से पार्क के बाहर पड़ा है सड़क का मलबा

नरेला

नरेला के भोरगढ़ इलाके में डीडीए पार्क के पास सड़क किनारे भारी मात्रा में सड़क निर्माण का मलबा पड़ा हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि करीब एक महीने पहले भोरगढ़ गांव की गलियों और सड़कों के निर्माण कार्य के लिए पुरानी सड़क को तोड़ा गया था, लेकिन उससे निकला मलबा आज तक नहीं उठाया गया। सड़क से निकला यह मलबा पार्क के बाहर ही सड़क किनारे डाल दिया गया। जगह-जगह सीमेंट और कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े पड़े हुए हैं, जिसके चलते सड़क पर हर समय धूल उड़ती रहती है।

बोरियों में फ्लाईओवर के नीचे फेंका मलबा, तोड़ी रेलिंग

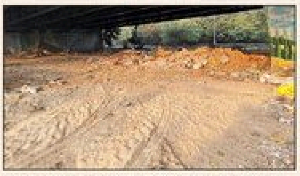

मयूर विहार फेज-1

मयूर विहार फेज-1 एक्सटेंशन के मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली-नोएडा लिंक रोड पर एक बड़ा फ्लाईओवर है, जिसे समाचार अपार्टमेंट के फ्लाईओवर के नाम से भी पहचाना जाता है। इस फ्लाईओवर के एक बड़े हिस्से के नीचे मलबे का ढेर लगा हुआ है। बोरियों में भरकर भी काफी सारा मलबा यहां लाकर डाला गया है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ ऊंची रेलिंग बनाई गई थी, लेकिन अंदर जाकर फ्लाईओवर के नीचे मलबा फेंकने के लिए लोगों ने वह रेलिंग तक तोड़ दी है।

द्वारका सेक्टर-11

मेट्रो स्टेशन से लेकर पार्क तक, हर जगह मलबे के ढेर

द्वारका सेक्टर-11 मेट्रो स्टेशन के पास महीनों से मलबे का ढेर पड़ा हुआ है। लोग इसी रास्ते से स्टेशन आते-जाते हैं। मलबे के चलते लगातार धूल उड़ती रहती है। स्टेशन के पास ही खाली एरिया है, उसमें भी कई जगह मलबे के ढेर लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आस-पास की अनधिकृत कॉलोनियों में सालभर कंस्ट्रक्शन चलता रहता है। उससे जो मलबा निकलता है, उसे यहीं लाकर डंप किया जाता है। एजेंसियां इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहीं। सेक्टर-10 में भी लाइसेंसिंग ऑफिस के सामने डीडीए के पार्क को लोगों ने मलबा डंप करने की साइट बना दिया है। हैरानी की बात यह है कि दिल्ली सरकार ने मलबा डंप करने वालों पर एक्शन के लिए जो टीमें बनाई हैं, उन्हें स्थानीय एसडीएम लीड कर रहे हैं, लेकिन द्वारका सेक्टर-10 में एसडीएम ऑफिस के सामने ही पार्क में मलबे का ढेर पड़ा है।

एसडीएम ऑफिस के सामने ही पार्क में पड़ा रहता है मलबा

पालम

नहीं माने जा रहे GRAP के नियम

द्वारका-पालम फ्लाईओवर के नीचे भी मलबे की अवैध डंपिंग साइट बन चुकी है। यहां से महज 100-200 मीटर दूर पालम मेट्रो स्टेशन और अति व्यस्त मंगलापुरी बस टर्मिनल टी-पॉइंट है। मलबे की वजह से यहां हर समय धूल उड़ती रहती है। यहां से 100 मीटर दूर पालम प्राइमरी हेल्थ सेंटर भी है, लेकिन इसके एंट्री गेट के पास ही मलबा पड़ा रहता है। यहां पर ड्रेनेज का काम चल रहा है, लेकिन GRAP की पाबंदियों के बावजूद सड़क किनारे मलबा और खुली निर्माण सामग्री रखी गई है। दोनों जगहों पर बस स्टॉप बने हुए हैं, जहां उड़ती धूल लोगों को नुकसान पहुंचाती है।

फ्लाईओवर के नीचे बन चुकी है अवैध डंपिंग साइट

लाल किला बम धमाके में मुआवजा बढ़ाने की मांग

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** लाल किले बम ब्लास्ट में कई को गंभीर चोटें आईं। कई घायलों का अभी तक इलाज चल रहा है। इसी बीच साउथ एशियन फोरम फॉर पीपल अगेंस्ट टेरर संगठन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर घायलों को मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की है। संगठन का दावा है कि पीड़ितों को मामूली चोट सरकारी दस्तावेज में दर्ज है, जबकि घायलों को गंभीर चोटें आईं, जिनका इलाज अभी तक चल रहा है।

संगठन के अध्यक्ष अशोक रंधावा के अनुसार, जिनकी जान बची है, वे गंभीर मानसिक और आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं, जबकि कई का अभी तक इलाज चल रहा है। अशोक के अनुसार, ब्लास्ट में घायल गीता को करीब 20 हजार रुपये मुआवजा मिला है, जबकि उसका अभी तक इलाज चल रहा है। दरियागंज की शाइना परवीन के कान के पर्दे फट गए, जिससे उनकी सुनने की क्षमता प्रभावित हुई और इसके कारण उन्हें नौकरी भी गंवानी पड़ी। उन्हें भी बाहर से इलाज कराना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार की ओर से दिए गए मुआवजे की रकम बहुत कम है, जबकि इससे पहले दिल्ली में हुए ऐसी घटनाओं में मुआवजे की रकम अधिक थी।

स्टंट का विडियो हुआ वायरल, पांच आरोपी अरेस्ट

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** स्टंट करने का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 20 वर्षीय अरशद, जामिया नगर निवासी 26 वर्षीय सरफराज, 23 वर्षीय मोहम्मद इमरान, बटला हाउस निवासी 23 वर्षीय मोहम्मद शब्बीर और 22 वर्षीय साद अब्दुल्ला के तौर पर हुई है।

सेंट्रल जिला के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि 27 दिसंबर को यह जानकारी मिली कि सोशल मीडिया पर एक विडियो काफी वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए और कार से स्टंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये गाड़ियां आईटीओ के पास से समाधि वाले स्थान की ओर जाते हुए देखी गईं। मामले की गंभीरता और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए आईपी एस्टेट थाने में बीएनएस की धारा 281/125/3(5) बीएनएसएस और 177/184 मोटर वीकल अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान 28 दिसंबर को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और चार वीकल भी जब्त किए गए।

पुलिस ने विडियो में दिख रहीं चार गाड़ियां भी जब्त कीं

डार्क स्पॉट्स से आगे अब सेंसिटिव इलाकों पर CCTV की पैनी नजर

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पहले और दूसरे फेज को मिलाकर अलग-अलग डार्क स्पॉट और कॉलोनियों में 2.8 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने की पॉलिसी दिल्ली सरकार ने बनाई थी, जिसमें अब बदलाव किया गया है। नई पॉलिसी के तहत सीसीटीवी कैमरों से सिर्फ डार्क स्पॉट ही नहीं, बल्कि विधानसभा क्षेत्रों में संदिग्ध जगहों, प्रमुख स्थलों और अत्यधिक भीड़ वाले इलाकों को भी कवर किया जाएगा। विधायकों से उनके विधानसभा क्षेत्रों में ऐसी जगहों की लिस्ट मांगी गई थी, जहां कैमरे लगाना बेहद जरूरी है। 8 विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों ने 308 जगहों की लिस्ट सरकार को भेजी है।

त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने क्षेत्र में 38 जगहों पर सीसीटीवी लगाने की मांग की है। इनमें नाला रोड क्रॉसिंग पर मयूर विहार से कोंडली मोड़ तक, त्रिलोकपुरी के अंबेडकर स्टेडियम ब्लॉक 9, त्रिलोकपुरी 24 ब्लॉक रोड, नाला रोड से चिल्ला गांव तक, ब्लॉक 26 से धोबी घाट, मदीना मस्जिद, मयूर विहार फेज 1 मेट्रो स्टेशन, साईं मंदिर से रिवरसाइड क्लब और नोएडा लिंक क्लब शामिल हैं। इसी तरह आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 70, महरौली विधानसभा क्षेत्र से विधायक गजेंद्र यादव ने 60, नरेला विधानसभा क्षेत्र में 20, हरि नगर में 63, कृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र में 27 और मटियाला विधानसभा क्षेत्र में 20 सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई है।

लाल किला धमाके के बाद बदली सीसीटीवी पॉलिसी

कहां, कितने कैमरे लगाए जाएंगे

किस क्षेत्र	कैमरों की संख्या
त्रिलोकपुरी	38
आदर्श नगर	70
महरौली	60
नरेला	20
हरि नगर	63
बादरपुर	10
कृष्ण नगर	27
मटियाला	20

कुल 2.8 लाख कैमरे लगाए जाने हैं

पिछली सरकार ने भी डार्क स्पॉट कवर करने के लिए सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में दो चरणों में 2.8 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्लान बनाया था। पहले फेज का काम साल 2018 में पूरा हो गया था। दूसरे फेज के 1.4 लाख कैमरे लगाने की योजना साल 2019 में बनाई गई। 2020 में दूसरे फेज का काम शुरू किया गया, जिसके लिए दो पैकेज बनाए गए। पहले पैकेज में 70 हजार और दूसरे पैकेज में भी 70 हजार कैमरे लगाए जाने थे। पहले पैकेज में 7,081 और दूसरे में 5,097 कैमरे लगना बाकी थे।

एयरफोर्स से रिटायर्ड बुज़ुर्ग की हुई हत्या

■ **नवीन निश्चल, सेवक पार्क**

घर में ऐसी अनबन हुई की 30 साल की बहू ने 62 साल के बुजुर्ग ससुर की हत्या कर दी। मृतक की पहचान नरेश के रूप में हुई है। वह एयरफोर्स से एयरमैन के पद से रिटायर्ड हुए थे। बिंदापुर थाना इलाके के सेवक पार्क में बेटा, बहू, बेटी के साथ रहते थे। उनकी पत्नी की 4 महीने पहले 16 अगस्त को मौत हो गई थी। बिंदापुर पुलिस ने आरोपी बहू गीता को गिरफ्तार कर लिया है, उसका पति हैदराबाद में जॉब करता है और वह कुछ दिन पहले ही दिल्ली से हैदराबाद गया था। यह वारदात शनिवार को हुई।

बुजुर्ग नरेश के तीन बच्चे हैं, बड़ा बेटा प्रवीण हैदराबाद में नौकरी करता है, उसकी पत्नी गीता है, जिस पर मर्डर का आरोप है। छोटा बेटा दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता है और सबसे छोटी बेटी 13 साल की है। पड़ोसियों ने यह भी बताया कि छत पर जब नरेश अकेले बैठे हुए थे, उसी समय उनकी बहू ऊपर गई और ससुर पर हमला किया। पड़ोसी ने शोर मचाया। जब तक बुजुर्ग की छोटी बेटी और अन्य लोग वहां पहुंचे तब तक बहू ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।

बिंदापुर थाना एरिया में हुई वारदात

आरोपी गीता ने जाते-जाते पड़ोसियों के पूछने पर यही कहा कि उसे कोई भी अफसोस नहीं है। उसने आरोप लगाया कि ससुर बुरी तरह टॉर्चर करता था, जिससे वह काफी परेशान थी।

हर वर्ग को न्याय दिलाना मकसद : देवेंद्र

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश कांग्रेस ऑफिस में पार्टी की विचारधारा, नीति और मार्गदर्शन के जरिए जनता तक पहुंचने की आवाज बुलंद की गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस की अपनी एक विचारधारा ही उसे बाकी से अलग बनाती है। हमारा मकसद हमेशा सभी वर्गों को सामाजिक न्याय, समानता और अधिकार दिलाना है। यह तभी कामयाब होगा जब हम पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा पाएंगे। स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस ऑफिस में पार्टी का झंडा भी फहराया गया।

लाइसेंसिंग आसान करने से उद्योगों को मिली राहत: CM

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

File

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार औद्योगिक हितों को ध्यान में रखकर फैसले ले रही है। इसका मकसद उद्योग को नई गति देना और रोजगार के मौके बढ़ाना है। सरकार ने पिछले 10 महीनों में उद्योग जगत से जुड़े कई अहम फैसले लागू किए हैं, जिनमें लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को आसान बनाना और सिंगल विंडो सिस्टम शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत बनाने के लिए लगातार व्यावहारिक और उद्योग के हित में फैसले ले रही है। रविवार को फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल एरिया के शताब्दी वर्ष समारोह में मुख्यमंत्री शामिल हुईं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि उद्योग जगत से जुड़ी लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया है। हर तरह की अनुमति को सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए सरल किया गया है। उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि इस ऐतिहासिक औद्योगिक क्षेत्र ने 100 वर्षों की सफल यात्रा पूरी की है। सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज और स्ट्रीट लाइट्स के लिए 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि व्यापारियों के लिए पहला ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड बनाया गया है, जिसके जरिए उद्योग और व्यापार जगत अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे सरकार तक पहुंचा सकेंगे।

DJB को बजट में मिले 9 हज़ार करोड़, खर्च हुए आधे से भी कम

AI Image

Sudama.Yadav@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** नई सरकार बनने के बाद वॉटर सप्लाई इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर बनाने के लिए सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड को 9 हजार करोड़ रुपये का बजट तो आवंटित किया, लेकिन जल बोर्ड उसमें से आधा भी खर्च नहीं कर पाया है। 9 हजार करोड़ रुपये के बजट में हर कॉलोनी में घर-घर पानी पहुंचाना, पुरानी सीवर लाइनों को बदलना, नई सीवर लाइनें डालना, हरियाणा से दिल्ली तक मुनक नहर के पास पाइप लाइनें बिछाना सहित कई काम थे, लेकिन उनमें से अभी कोई भी काम सिरे नहीं चढ़ा है। बजट आवंटित किए 9 महीने हो चुके हैं। जल बोर्ड अगले महीने संशोधित बजट पेश करेगा। वर्तमान में जो स्थिति है, उसे देखकर यह माना जा रहा है कि आधा बजट सरेंडर किया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, जल बोर्ड अगले महीने संशोधित बजट पेश करेगा

वित्तीय वर्ष 2015-16 से लेकर अब तक DJB को सरकार 28,400 करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर चुकी है, लेकिन जल बोर्ड आवंटित बजट की पूरी राशि कभी खर्च ही नहीं कर पाया।

क्यों खर्च नहीं हो पाया बजट?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

किसी भी विभाग का बजट उसके प्लान के आधार पर सैंक्शन किया जाता है। जल बोर्ड अधिकारी बजट के लिए प्लान तो काफी तैयार करते हैं, लेकिन धरातल पर वे प्लान एग्जिक्यूट ही नहीं हो पाते। ऐसे में जितना बजट सरकार से मिलता है, वह खर्च भी नहीं होता। 80 प्रतिशत हिस्सा सीवरेज और वॉटर सप्लाई की स्थिति बेहतर करने के लिए तैयार किया जाता है। लेकिन, कुछ साल से इस दिशा में काम नहीं हो रहा है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 12-27-2025 23:00 Color:

विदेश में पैसे भेजने पर 'हिडन चार्ज' नहीं लगेंगे

RBI के प्रस्तावित नियमों के अनुसार अब फॉरेन एक्सचेंज ट्रांजैक्शन 'सरप्राइज चार्ज' से बाहर निकलेंगे। ग्राहकों को पहले ही पता होगा कि कितना पैसा जाएगा और कितना कटेगा।

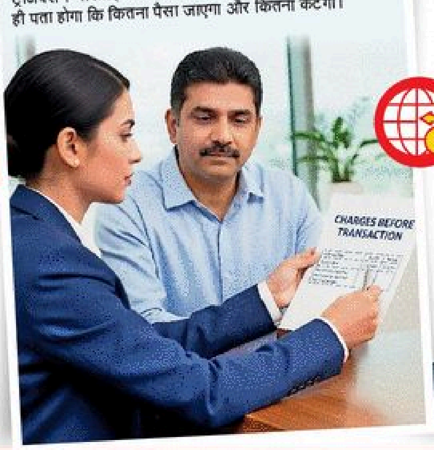

अंशिका जैन
NBTwealth
@timesofindia.com

विदेश में फीस भेजनी हो, बच्चों के रहने का खर्च भेजना हो, घूमने के लिए पेमेंट करना हो या निवेश, जब भी हम विदेशी मुद्रा (Forex) में पैसे भेजते हैं, तो अक्सर कुछ ऐसी कटौती होती है, जिसका पहले से पता नहीं होता। अब इससे राहत मिलने वाली है।

कई लोगों को लगता है कि विदेश में पैसा भेजना महंगा और उलझा हुआ काम है। इसकी वजह है कि बैंक फीस, कन्वर्जन चार्ज, अलग-अलग इंटरमीडियरी बैंक के काटे गए शुल्क, ये सब कुछ लेन-देन हो जाने के बाद सामने आते हैं। इसी समस्या को देखते हुए RBI ने नया ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि बैंकों और अधिकृत वित्तीय संस्थानों को ग्राहक को पहले ही बताना होगा कि ट्रांजैक्शन पर कुल कितना खर्च पड़ेगा, ताकि ग्राहक तुलना कर सके और सोच-समझकर फैसला ले सके। आरबीआई ने कहा है कि ड्राफ्ट जारी होने के बाद जो अंतिम निर्देश आएंगे, वे जारी होने के तीन महीने के भीतर लागू कर दिए जाएंगे। फिलहाल इस प्रस्ताव पर सुझाव मांगे गए हैं, जिनकी आखिरी तारीख 9 जनवरी 2026 रखी गई है।

क्या है प्रस्ताव?

RBI के प्रस्ताव के अनुसार, बैंक और अधिकृत (Authorized) डीलर को पहले ही जानकारी देनी होगी कि किस रेट पर मुद्रा बदली जाएगी, करंसी कन्वर्जन चार्ज, भेजने की फीस (Remittance fee), रिसीविंग फीस, इंटरमीडियरी बैंक के चार्ज और अन्य शुल्क क्या होंगे। यह नियम Cash, Tom और Spot जैसे आम फॉरेक्स लेन-देन पर लागू होगा, यानी वे ट्रांजैक्शन, जो सामान्य तौर पर 0-2 दिनों में सेटल हो जाते हैं। यह जानकारी न सिर्फ पहले बतानी होगी, बल्कि बाद में डील कन्फर्मेशन में भी लिखकर देनी होगी ताकि ग्राहक चेक कर सके कि जो बताया गया था, वही चार्ज वसूला गया या नहीं।

अभी क्या दिक्कतें हैं?

बैंक सिर्फ एक्सचेंज रेट दिखाते हैं, बाकी फीस छिपी रहती है। कई चार्ज ट्रांजैक्शन पूरा होने पर काटे जाते हैं। इंटरमीडियरी बैंक अलग-अलग फीस लेते हैं। इसके अलावा, बैंक अक्सर मार्जिन और अलग-अलग चार्ज को रेट के अंदर छिपाकर रखते हैं, जिससे असली खर्च पता नहीं चलता।

ग्राहकों को क्या फायदा होगा?

RBI का मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, लोग सही तुलना कर पाएंगे, अनावश्यक या छुपे चार्ज कम होंगे, बैंक का मार्जिन साफ दिखाई देगा, ग्राहक को पहले से पता रहेगा कि जेब से कितना पैसा जाएगा। इसका लाभ सभी रिटेल ग्राहकों (जो बड़े कॉरपोरेट या संस्थागत निवेशक नहीं हैं) को होगा।

ब्लॉकचेन नेटवर्क्स पर बने DeFi एप्लिकेशन में यूजर के पैसे पर उसी का कंट्रोल

क्रिप्टो निवेश में क्या है DeFi का काम?

Crypto Class

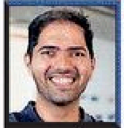

एडुल पटेल
NBTwealth
@timesofindia.com

DeFi का उद्देश्य बैंक, ब्रोकर या किसी भी मध्यस्थ पर निर्भर हुए बिना बचत, लोन, उधार और ट्रेडिंग जैसी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना है। खास बात यह है कि संस्थानों पर भरोसा करने के बजाय, DeFi तकनीक पर भरोसा करता है।

DeFi को समझने के लिए पहले ब्लॉकचेन तकनीक को समझना जरूरी है। ब्लॉकचेन एक साझा डिजिटल लेजर होता है, जहां सभी लेन-देन के सार्वजनिक रूप से रिकॉर्ड होते हैं। एक बार ट्रांजैक्शन दर्ज हो जाने के बाद उसे बदला या हटाया नहीं जा सकता। यही वजह है कि ब्लॉकचेन पारदर्शी और सुरक्षित माने जाते हैं। DeFi एप्लिकेशन इन्हीं ब्लॉकचेन नेटवर्क्स पर बनाए जाते हैं, जिनमें Ethereum सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्लैटफॉर्म है।

DeFi की असली ताकत स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स में होती है। स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट ऐसा प्रोग्राम होता है, जो ब्लॉकचेन पर अपने आप तय नियमों के अनुसार काम करता है। अगर कोई उपयोगकर्ता किसी लेंडिंग प्लैटफॉर्म पर क्रिप्टो जमा करता है, तो स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट अपने आप ब्याज की गणना करता है और रिवॉर्ड्स देता है। अगर उधार लेने वाला पर्याप्त कोलेटरल नहीं रख पाता, तो वही कॉन्ट्रैक्ट अपने आप कार्रवाई कर सकता है।

DeFi का इस्तेमाल करने के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। इसके बजाय, यूजर क्रिप्टो वॉलेट का उपयोग करते हैं। वॉलेट में प्राइवेट कीज होती हैं, जो पासवर्ड की तरह काम करती हैं और फंड्स तक पहुंच देती हैं। जब यूजर वॉलेट किसी DeFi प्लैटफॉर्म से जोड़ते हैं, तो वे सीधे स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स से जुड़ जाते हैं। अहम बात यह है कि फंड्स पर पूरा नियंत्रण यूजर का ही रहता है, किसी कंपनी या संस्था का नहीं।

DeFi का सबसे लोकप्रिय उपयोग लेंडिंग और बॉरोइंग है। पारंपरिक फाइनैंस में बैंक जमा लेते हैं और तय करते हैं कि किसे कितना लोन मिलेगा और किस दर पर मिलेगा। DeFi में उपयोगकर्ता अपनी क्रिप्टो को लिक्विडिटी पूल में डालकर ब्याज कमा सकते हैं। उधार लेने वाले अपनी क्रिप्टो को कोलेटरल के रूप में लॉक करके तुरंत फंड्स प्राप्त कर सकते हैं। यहां ब्याज दरें मांग और आपूर्ति के आधार पर अपने आप तय होती हैं, जिससे सिस्टम अधिक पारदर्शी और बाजार-आधारित बनता है।

DEX क्या है?

DeFi का एक और अहम हिस्सा है डिसेंट्रलाइज्ड एक्सचेंज (DEX)। पारंपरिक एक्सचेंज के विपरीत, DEX उपयोगकर्ताओं के फंड्स को अपने पास नहीं रखते। सभी ट्रेड्स स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के जरिये सीधे यूजर के बीच होते हैं। जो लोग ट्रेडिंग के लिए लिक्विडिटी उपलब्ध कराते हैं, उन्हें इसके बदले फीस मिलती है। इससे पारदर्शिता बढ़ती है और किसी एक केंद्रीय संस्था पर निर्भरता कम होती है। स्टेबलकॉइन्स भी DeFi में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्टेबलकॉइन्स ऐसे क्रिप्टो असेट्स होते हैं, जिनकी कीमत आमतौर पर अमेरिकी डॉलर जैसी फिएट करंसी से जुड़ी होती है। ये कीमतों में स्थिरता लाते हैं और DeFi को रोजमर्रा के उपयोग जैसे बचत, पेमेंट और ट्रांसफर के लिए अधिक व्यावहारिक बनाते हैं। कई यूजर के लिए स्टेबलकॉइन्स पारंपरिक पैसों और क्रिप्टो दुनिया के बीच एक पुल की तरह काम करते हैं।

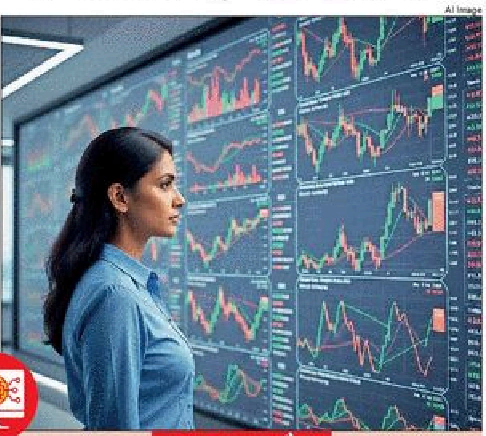

DeFi आखिर इतना अहम क्यों है?

- सबसे पहले, यह वित्तीय पहुंच को बेहतर बनाता है। दुनिया भर में आज भी करोड़ों लोग बैंकिंग सिस्टम से बाहर हैं, चाहे वजह दस्तावेजों की कमी हो, स्थान हो या न्यूनतम बैलेंस की शर्तें। DeFi अनुमति-आधारित नहीं है, कोई भी बिना मंजूरी के इसमें भाग ले सकता है। उभरते बाजारों के लिए यह बेहद अहम है।
- दूसरा, DeFi पारदर्शिता और जवाबदेही लाता है। सभी नियम और ट्रांजैक्शन ब्लॉकचेन पर खुले तौर पर दिखाई देते हैं। यूजर खुद देख सकते हैं कि प्लैटफॉर्म कैसे काम करता है, बजाय इसके कि वे किसी संस्था पर आंख बंद करके भरोसा करें।
- तीसरा, DeFi स्वामित्व की सोच को बदलता है। यहां यूजर फंड्स के खुद जिम्मेदार होते हैं। इससे जोखिम जरूर बढ़ता है, लेकिन साथ ही अपने पैसों पर पूरा नियंत्रण भी मिलता है।
- हालांकि DeFi अभी विकसित हो रहा है। स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स में खामियां, कीमतों में उतार-चढ़ाव और यूजर की गलतियां जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसलिए सही जानकारी, जोखिम समझ और सुरक्षित प्लैटफॉर्म का उपयोग बेहद जरूरी है।
- बड़े परिप्रेक्ष्य में, DeFi बंद और अनुमति-आधारित फाइनैंस से खुले और यूजर-केंद्रित फाइनैंस की ओर बड़ा बदलाव दर्शाता है। यह पारंपरिक फाइनैंस को तुरंत नहीं बदलेगा, लेकिन समानांतर सिस्टम जरूर बना रहा है जो अधिक समावेशी, पारदर्शी और प्रभावी है। जैसे-जैसे क्रिप्टो अपनाया जाएगा, DeFi भविष्य के वैश्विक फाइनैंस को आकार देने में अहम भूमिका निभाता रहेगा।

(लेखक Mudrex के CEO हैं।)

काम की तारीखें

फाइनैंशल कैलेंडर

31 दिसंबर 2025: अगर आपने इस साल का रिटर्न नहीं भरा है, तो 'बिलेटेड रिटर्न' के रूप में 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकते हैं।

31 दिसंबर 2025: पैन और आधार को लिंक करने की डेडलाइन भी खत्म हो रही है। यह उन पैन कार्ड धारकों के लिए है, जिन्होंने पैन बनवाने के लिए आधार नंबर के बजाय 'एनरोलमेंट आईडी' का इस्तेमाल किया था।

AI Image

इन IPO में मौका

- **E to E Transportation Infrastructure IPO**
26-30 Dec (₹164-₹174)

आने वाले IPOs

- Clean Max Enviro Energy Solution IPO
- Credila Financial Services IPO
- Fractal Analytics IPO
- Prestige Hospitality Ventures IPO
- Solar9 Cleantech IPO

मुद्रा, बैंक, बॉण्ड ने कैसे गढ़ा आधुनिक इतिहास, बताती है नील की किताब

सबकुछ रुपये-पैसों की ही माया है!

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

क्या इतिहास को केवल युद्धों और राजाओं के जरिए समझा जा सकता है? Niall Ferguson की किताब The Ascent of Money बताती है कि मुद्रा, बैंकिंग और फाइनैंस के बिना आधुनिक सभ्यता की कहानी अधूरी है। पैसा कैसे सत्ता, साम्राज्य और तरक्की का औजार बना, यही इस किताब का मूल विचार है।

क्या सभ्यता के विकास को मुद्रा और 'फाइनैंस के इवॉल्यूशन' के बिना समझा जा सकता है? अक्सर इंसानी सभ्यता के विकास को इससे जोड़कर नहीं देखा जाता। मगर यह सोच ठीक नहीं है। नील फर्ग्युसन (Niall Ferguson) की किताब 'The Ascent of Money' बताती है कि इंसान की तरक्की में वित्तीय तंत्र की भी वही भूमिका रही है, जो युद्ध, तकनीक या राजनीति की। इसलिए वित्तीय तंत्र को समझे बिना आधुनिक इतिहास को भी नहीं समझा जा सकता।

नील अपनी किताब में बताते हैं कि बैंक, बॉण्ड, स्टॉक मार्केट, इंश्योरेंस, रीयल एस्टेट और एक से दूसरे देश में पूंजी के प्रवाह ने साम्राज्यों को गढ़ने और क्रांतियों में क्या रोल निभाया है। किताब इन पहलुओं को बताने के लिए मेसोपोटामिया की सभ्यता से लेकर 2008 सब-प्राइम क्राइसिस तक की जानकारी देती है। नील ने किताब के केंद्र में फाइनैंशल इनोवेशन को रखा है। इसमें सिर्फ सैन्य या तकनीकी बदलावों का ही जिक्र नहीं मिलता। वह लिखते हैं कि किस तरह से फाइनैंशल इनोवेशन की वजह से पश्चिमी और वैश्विक पूंजीवाद का उदय हुआ। वह बताते हैं कि मुद्रा का अर्थ सिर्फ धातु या कागज नहीं, बल्कि यह इसी वजह से काम करती है क्योंकि इस पर लोग ऐतबार करते हैं।

वह लिखते हैं कि वित्तीय संस्थान वक्त के साथ बदलते हैं। वे प्रतिस्पर्धा करते हैं। कई इस प्रतिस्पर्धा के बाद और ताकतवर होते हैं तो कुछ का अंत भी हो जाता है। नील बताते हैं कि जब ये संस्थान किसी संकट से गुजरते हैं तो उनमें बदलाव भी होता है। वह यह भी दावा करते हैं कि पूंजीवाद की जो यात्रा है, उसमें तेजी और मंदी के दौर आते रहते हैं और ये यात्रा के हिस्से हैं। किताब में उन्होंने मुद्रा का जन्म कैसे हुआ, यह भी बताया है। किस तरह से मेसोपोटामिया में क्ले टैबलेट्स से हुई शुरुआत मध्ययुग की बैंकिंग तक पहुंची।

नील लिखते हैं कि इतिहास इस बात की गवाही देता है कि आधुनिक पूंजीवाद से कोई एक सदी पहले कॉम्प्लेक्स क्रेडिट सिस्टम जन्म ले चुका था। असल में, प्राचीन युग में व्यापार वस्तुओं की अदला-बदली के जरिये होता था। और इसी वजह से इन चीजों के लंबी

नील फर्ग्युसन ने किताब के केंद्र में फाइनैंशल इनोवेशन को रखा है। वह कहते हैं कि मुद्रा भरोसे पर टिकी होती है और यही भरोसा सभ्यताओं को आगे बढ़ाता है।

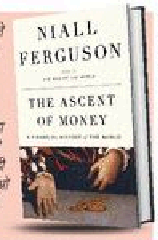

यह किताब बताती है कि कैसे बैंकिंग, बॉण्ड और बाजारों ने आधुनिक दुनिया की शक्ल बदली। पैसा सिर्फ लेन-देन का जरिया नहीं, बल्कि सत्ता, युद्ध, बाजार और समाज को दिशा देने वाली ताकत है।

दूरी के व्यापार में बाधा खड़ी होती थी। इससे टैक्स लगाने में असुविधा और युद्ध के लिए धन का इंतजाम भी नहीं किया जा सकता था। मुद्रा की वजह से ये समस्याएं हल हुईं। यह अपने आप में एक क्रांति है। कह सकते हैं कि मुद्रा का अस्तित्व में आना ही एक बड़ी घटना है।

नील फिर सरकारी बॉण्ड्स का भी जिक्र करते हैं। रेनेसां युग में इन बॉण्ड्स की वजह से इटली में कई ताकतवर शहर खड़े हुए, जो अपने आप में संप्रभु थे। इसके बाद डच और ब्रिटिश साम्राज्य। लोगों के सरकार की ओर से जारी बॉण्ड्स खरीदने पर बड़ी रकम इकट्ठा की जाती थी और उनका इस्तेमाल युद्ध के लिए किया जाता था। कई बार यह युद्ध व्यापार की खातिर भी किए जाते थे। भारत में अंग्रेज, पुर्तगाली और डचों ने यही रास्ता चुना था।

इस किताब में शेयर बाजार और बुलबुलों के बारे में भी बताया गया है। इसके लिए मिसिसिपी कंपनी, जॉन लॉ के फ्रांस के कारनामों और साउथ सी बबल की मिसालें दी गई हैं। उन्होंने इस बात को भी तफसील से समझाया है कि किन वजहों से ये बुलबुले बनते हैं, जिनमें स्टॉक की कीमत उसके फंडामेंटल्स से कहीं अधिक हो जाती है। ज्यादातर लोगों को इन बुलबुलों का अहसास तक नहीं होता और इस वजह से उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। नील लिखते हैं कि बुलबुले फाइनैंशल इनोवेशन और वैश्विक पूंजी प्रवाह की वजह से बनते हैं। इसकी वजह सिर्फ लोगों का अतार्किक होना नहीं होता।

किताब में रिस्क मैनेजमेंट के इतिहास के बारे में भी लिखा गया है। इसमें शुरुआती दौर के मरीन इंश्योरेंस से लेकर आज के डेरिवेटिव्स और हेज फंडों का जिक्र है। इनकी वजह से लॉन्ग टर्म प्रोजेक्ट्स पर काम करना संभव हो पाता है। लेकिन ये जो सुरक्षा लेकर आते हैं, उससे कइयों के लिए जोखिम भी पैदा होता है। 2008 सब-प्राइम क्राइसिस में इंश्योरेंस कंपनी AIG के सामने ऐसी ही मुश्किल खड़ी हुई थी और उसके दिवालिया होने की नौबत आ गई थी।

नील यह भी लिखते हैं कि सेविंग्स, क्रेडिट और सिक्योर प्रॉपर्टी राइट्स जैसी बुनियादी वित्तीय सेवाएं वेल्थ डिस्ट्रिब्यूशन में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। वह बताते हैं कि गरीब मुल्कों की दिक्कत सिर्फ संसाधनों का कुछ लोगों की ओर से दोहन ही नहीं है, बल्कि इन देशों में बैंकिंग संस्थान भी कम होते हैं और दूसरे वित्तीय संस्थानों की भी वहां कमी होती है। इस वजह से ऐसे समाजों में पूंजी इकट्ठा करना और जोखिम साझा करने जैसी चीजें नहीं हो पातीं।

वह लिखते हैं कि 2008 सब-प्राइम संकट एक लंबे पैटर्न का नतीजा था। सब-प्राइम बॉण्ड और उनसे जुड़े क्रेडिट (उधार) डेरिवेटिव्स की वजह से एक बड़ा रिस्क लंबे समय तक लोगों से छिपा रहा। और जब वह रिस्क सामने आया तो उसकी वजह से अमेरिका में कई नीतिगत बदलाव हुए। संस्थानों को कामकाज का तरीका भी बदलना पड़ा। लेकिन कई संस्थानों को अमेरिकी सरकार ने बचाया। इस कारण क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन नहीं हो पाया, जो सेहतमंद वित्तीय व्यवस्था के लिए जरूरी होता है।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(29 दिसंबर 2025-4 जनवरी 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)

इस सप्ताह पैसे के मामले में हालात धीरे-धीरे बेहतर होंगे। हफ्ते की शुरुआत में आपको निवेशों पर नियंत्रण रखने की जरूरत रहेगी। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, आपकी समझदारी और बातचीत की चतुराई से कमाई के मौके बनेंगे। आलस्य छोड़कर अगर आप एक्टिव रहेंगे तो धन लाभ होगा। सप्ताह के अंत में आय बढ़ने के संकेत हैं। सोना, चांदी या मेटल से जुड़े निवेश फायदेमंद रह सकते हैं।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)

सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए निवेश और पैसों को लेकर सतर्क रहें। बुधवार के बाद हालात सुधरेंगे और आमदनी के नए मौके मिल सकते हैं। आपकी सोच और क्रिएटिव काम से फायदा होगा। हफ्ते का दूसरा हिस्सा आर्थिक रूप से ज्यादा बेहतर रहेगा। शेयर बाजार, प्रॉपर्टी या पारिवारिक संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ के योग हैं। IT, फार्मा, केमिकल इंडस्ट्री, ऑयल-पेट्रोलियम सेक्टर से लाभ होगा।

मिथुन (22 मई-21 जून)

यह सप्ताह आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। शुरुआत से ही कामकाज में सफलता और आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी से फायदा हो सकता है। बीच में कुछ खर्च और बेचैनी रह सकती है, लेकिन सप्ताह के अंत में हालात फिर सुधरेंगे। एजुकेशन, केमिकल इंडस्ट्री, टेक्नॉलजी, IT, मोबाइल या टेलिकॉम सेक्टर से जुड़े कामों में फायदा मिलने की संभावना है।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)

इस सप्ताह किस्मत आपका साथ देगी और धन बढ़ने के मौके मिलेंगे। बिजनेस से जुड़े लोग यात्राओं के जरिए फायदा पा सकते हैं। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और सप्ताह के बीच में आमदनी के नए रास्ते खुल सकते हैं। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बजट पर नजर रखें। शेयर बाजार से भी लाभ संभव है। डिफेंस, सेमीकंडक्टर चिप्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पोर्ट्स गुड्स, बैंकिंग, एजुकेशन सेक्टर में निवेश से लाभ होगा।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)

हफ्ते की शुरुआत से ही आर्थिक स्थिति मजबूत होती दिखेगी। आपकी मेहनत और आत्मविश्वास से कमाई बढ़ेगी। बिजनेस ट्रिप से फायदा हो सकता है। सप्ताह के दूसरे हिस्से में अचानक धन लाभ के संकेत हैं। इस सप्ताह आपको होटल, मीडिया, फैशन, परफ्यूम इंडस्ट्री से फायदे हो सकते हैं। डिफेंस, सोलर पावर, हेल्थ, सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी लाभ देंगे।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)

शुरुआत में धन लाभ के मौके तो रहेंगे, लेकिन साझेदारी में निवेश करते समय सावधानी जरूरी है। सोमवार और मंगलवार को खर्च अधिक हो सकता है, खासकर सेहत से जुड़े मामलों में। बुधवार के बाद हालात सुधरेंगे और कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। हफ्ते के अंत में आपकी मेहनत रंग लाएगी। इस सप्ताह आपको ट्रेडिंग, कम्प्यूटर, मोबाइल, टेलिकॉम, होटल, मीडिया, फैशन इंडस्ट्री से फायदे होते नजर आ रहे हैं।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)

सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के योग हैं, लेकिन स्वास्थ्य या पारिवारिक कारणों से खर्च भी हो सकता है। जीवनसाथी या बिजनेस पार्टनर से आर्थिक सहयोग मिलेगा। हफ्ते के बीच में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। शुक्रवार के बाद हालात सुधरेंगे और आमदनी बढ़ने के संकेत मिलेंगे। IT, फार्मा, ऑयल-पेट्रोलियम, एयरलाइन इंडस्ट्री से जुड़े काम फायदेमंद रहेंगे।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नव.)

इस सप्ताह अचानक धन आने की खबर मिल सकती है, जिससे सप्ताह सुखद व्यतीत होगा। रोजमर्रा के कामों से भी आपकी आय में बढ़ोतरी होगी। सप्ताह के मध्य में जीवनसाथी के सहयोग से फायदा होगा। शुक्रवार के आसपास खर्च बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें। इस सप्ताह आपको सोलर पावर, हेल्थ इंडस्ट्री, सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट, डेयरी प्रोडक्ट, डिफेन्स सेक्टर, स्पोर्ट्स गुड्स आदि द्वारा धन लाभ प्राप्त होगा।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)

हफ्ते की शुरुआत से ही धन आने के मौके बनेंगे। शेयर बाजार या अचानक मिलने वाले फायदे संभव हैं। जूनियर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और नए आय स्रोत बन सकते हैं। सप्ताह के अंत में निवेश और साझेदारी से लाभ होगा। जीवनसाथी भी आर्थिक रूप से मददगार साबित हो सकता है। इस सप्ताह सोलर पावर, हेल्थ, ट्रेडिंग, टेलिकॉम, मोबाइल फोन, कम्प्यूटर इंडस्ट्री, सोना-चांदी से लाभ के आसार हैं।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)

सप्ताह की शुरुआत में आमदनी अच्छी रहेगी और आपकी व्यवहार कुशलता काम आएगी। हफ्ते के बीच में वाहन या घर से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। इसके बाद हालात आपके पक्ष में होंगे और अचानक धन लाभ के योग बनेंगे। निवेश से फायदा होगा। इस सप्ताह आपको IT, फार्मा, केमिकल इंडस्ट्री, ऑयल-पेट्रोलियम इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, एयरलाइन इंडस्ट्री, होटल, फैशन, मीडिया इंडस्ट्री से फायदे होंगे।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)

यह सप्ताह आपकी आर्थिक उन्नति के लिए काफी अच्छा है। निवेश से फायदा मिलेगा और मान-सम्मान भी बढ़ेगा। आपकी बातचीत और फाइनैंशल समझ से धन लाभ होगा। बीच में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए ध्यान रखें। शुक्रवार के बाद अचानक धन आने के संकेत हैं। डिफेन्स, बैंकिंग और मेटल से जुड़े कामों में लाभ संभव है।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)

यह सप्ताह पैसे के मामले में आपके लिए काफी अच्छा साबित होने वाला है। आपकी समझदारी और बातचीत की कला से कमाई होगी। निवेश से फायदा मिलने के संकेत हैं। नेटवर्किंग और लोगों से जुड़े काम भी लाभ देंगे। शुक्रवार को घर-परिवार से जुड़े कुछ खर्च हो सकते हैं। बैंकिंग, इंश्योरेन्स, शिक्षा और ट्रेडिंग से जुड़े कामों में फायदा संभव है।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 12-28-2025 22:46 Color:

तीन कारें भिड़ीं, दो में लगी आग, एक शख्स की गई जान

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे पर नेवर से नोएडा की तरफ जाने वाली साइड शनिवार ओवरटेक करने के चक्कर में भीषण हादसा हो गया। इस दौरान कारें आपस में टकरा गईं। हादसे के बाद दोनों में आग लग गई। इसी बीच एक और कार आकर उनसे टकरा गई। तीनों कारों में सवार लोगों ने बमुश्किल बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस और एक्सप्रेसवे के सुरक्षाकर्मियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार देर शाम तक मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई थी।

5 लोग घायल, पुलिस और एक्सप्रेसवे स्टाफ ने पहुंचाया अस्पताल

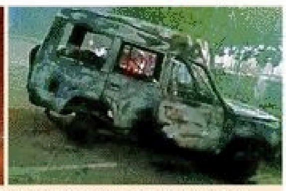

ओवरटेक करने के प्रयास में टाटा सूमो ने नोएडा जा रही टाटा पंच कार में पीछे से मारी टक्कर

यहां हुआ हादसा

■ पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात करीब 10.30 पर जीरो पॉइंट से 20 किमी दूरी पर नोएडा की तरफ जा रही टाटा पंच में पीछे से ओवरटेक करने के प्रयास में तेज रफ्तार टाटा सूमो ने टक्कर मार दी। हादसे में पंच चालक प्रयागराज निवासी फिरदौस, गाजीपुर निवासी जोगेंद्र और टाटा सूमो सवार हाथरस जिले के पुरदिलनगर निवासी शाहिद, वाहिद अली और ड्राइवर पप्पू घायल हो गए।

■ **फायर ब्रिगेड के आने तक बचा सिर्फ ढांचा:** टक्कर के बाद दोनों कार धू-धूकर जलने लगीं। आग बुझाने के लिए मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाई गई, लेकिन तब तक दोनों कारें जल चुकी थीं। पुलिस ने घायलों को दनकौर और जेवर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया। घायल वाहिद अली (24) को दिल्ली रेफर किया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

■ **एक सप्ताह में ओवरस्पीड के 1551 चालान:** यमुना एक्सप्रेसवे पर सख्ती के बावजूद तेज रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। घने कोहरे के बीच एक सप्ताह में 1551 वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं। सारे चालान ओवरस्पीड के हैं। कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष यातायात व्यवस्था भी लागू की गई है।

■ **स्पीड लिमिट तय, पर मानने को तैयार नहीं:** कोहरे के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट तय की गई है। एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने हल्के वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 से घटाकर 75 किमी प्रति घंटा और भारी वाहनों की 60 किमी प्रति घंटा तय की है। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी की जा रही है।

बारिश के साथ होगी नए साल की शुरुआत, मौसम विभाग ने जताया है इसका पूर्वानुमान

कोहरा
दो दिन और करेगा परेशान

रविवार को कई जगहों पर सुबह के समय मध्यम कोहरा छाया रहा। पालम और सफदरजंग में विजिबिलिटी महज 500 मीटर तक सिमट गई, जबकि स्मॉग की परत पूरे दिन दिल्ली पर छाई रही। आज और कल के लिए भी कोहरे का येलो अलर्ट मौसम विभाग की ओर से जारी किया गया है।

राजधानी का एक्यूआई गंभीर के करीब

आज स्मॉग की परत होगी और भी गहरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी में रविवार को एक्यूआई गंभीर स्तर के करीब रहा। आज स्मॉग की गहरी परत दिख सकती है। हालांकि इसके बावजूद साल के अंतिम दिनों में एक्यूआई 400 से कम रहने की उम्मीद है। अगले साल के पहले हफ्ते में प्रदूषण का स्तर 400 पार कर सकता है।

सीपीसीबी के एयर बुलेटिन के अनुसार, राजधानी का एक्यूआई 390 रहा। फरीदाबाद में यह 255, गाजियाबाद में 414, ग्रेटर नोएडा में 434, गुरुग्राम में 353 और नोएडा में 419 दर्ज किया गया।

देश में सबसे प्रदूषित शहर ग्रेटर नोएडा, नोएडा और इसके बाद गाजियाबाद रहे। राजधानी में 18 जगहों पर प्रदूषण का स्तर 400 से अधिक रहा। इनमें वजीरपुर का एक्यूआई 438, विवेक विहार का 431, सोनिया विहार में 411, शादीपुर में 447, रोहिणी में 436, आर के पुरम में 411, पंजाबी बाग में 417, पटपड़गंज में 415, ओखला फेज 2 में 417, नेहरू नगर में 429, नरेला में 427, जहांगीरपुरी में 436, डीटीयू में 423, डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 401, चांदनी चौक में 419, बवाना में 408, अशोक विहार में 432 और आनंद विहार में 443 रहा।

पूर्वानुमान के अनुसार, 29 से 31 दिसंबर तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहेगा। इसके बाद अगले छह दिनों तक यह बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बना रह सकता है। रविवार को हवाओं की गति 5 से 15 किमी प्रति घंटे रही। सोमवार को हवाओं की गति शून्य से 15 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है। मंगलवार को हवाओं की गति 10 से 15 किमी प्रति घंटे और बुधवार को 5 से 10 किमी प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है।

नए साल के पहले हफ्ते में AQI 400 पार कर सकता है

सीपीसीबी के अनुसार, राजधानी का AQI 390 रहा

18 जगहों पर प्रदूषण का स्तर 400 से ज्यादा रहा संडे को

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नए साल से पहले कोहरा एक बार फिर लोगों की परेशानियां बढ़ा सकता है। सोमवार को कोहरे का ऑरेंज अलर्ट और मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी को राजधानी दिल्ली में बूंदाबांदी की भी संभावना है। यह सर्दियों की पहली बारिश हो सकती है। इसके बाद ठंड बढ़ेगी।

इससे पूर्व रविवार को कई जगहों पर सुबह के समय मध्यम कोहरा छाया रहा। पालम व सफदरजंग में विजिबिलिटी महज 500 मीटर तक सिमट गई। हालांकि इसके बाद धूप आने से विजिबिलिटी में सुधार हुआ। लेकिन स्मॉग की परत पूरे दिन दिखाई दी। अधिकतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.5 डिग्री कम रहा। हवा में नमी का स्तर 55 से 100 प्रतिशत रहा।

पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को कई जगहों पर मध्यम कोहरा रहेगा। कुछ जगहों पर घने से अति घना कोहरा रहेगा। आसमान साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक रह सकता है। इसके बाद मंगलवार को भी आसमान साफ रहेगा। कई जगहों पर मध्यम तो कुछ जगहों पर घना कोहरा भी छा सकता है। अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री तक रहेगा। साल के अंतिम दिन 31 दिसंबर को आसमान साफ रहेगा। कोहरा भी हल्के से मध्यम रहेगा। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री तक रह सकता है। इसके बाद 1 जनवरी को आंशिक बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी व हल्की बारिश की संभावना है। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा रह सकता है। अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री तक रह सकता है। 2 व 3 जनवरी को आंशिक बादल छाए रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार अलर्ट मोड में

बढ़ाई ई-बसें, 44 मेट्रो स्टेशनों पर 1,823 ई-ऑटो तैनात किए

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रदूषित हवा से पैदा हुई चुनौती का हल निकालने के लिए दिल्ली सरकार सड़क से लेकर मेट्रो तक बेहतर मैनेजमेंट और सख्त निगरानी कर रही है। खासकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार अलर्ट मोड में है। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर निगरानी, एनफोर्समेंट, धूल नियंत्रण और ई परिवहन पर केंद्रित कई सख्त कदम लागू किए गए हैं। सड़कों पर एंटी स्मॉग गन, मेट्रो में अतिरिक्त ट्रिप्स और इलेक्ट्रिक बसों की संख्या में इजाफा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ किया है कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को मौसमी नहीं, बल्कि जन स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानकर काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता रोकथाम, सख्त एनफोर्समेंट और स्वच्छ वैकल्पिक परिवहन पर एक साथ कार्रवाई की है।

जन स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानकर काम कर रही सरकार । रेखा गुप्ता

दरअसल, दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल समिति के अनुसार, पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समीक्षा बैठक हुई। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, CAQM और CPCB के साथ समन्वय कर कई सख्त कदम लागू किए गए हैं। निगरानी और एनफोर्समेंट को मजबूत किया गया है। धूल नियंत्रण, खुले में कचरा जलाने, औद्योगिक प्रदूषण और गाड़ी प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए हजारों टीमें दिन-रात तैनात हैं। जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस और नगर निगम अधिकारियों की संयुक्त टीमें लगातार निरीक्षण कर रही हैं। खुले में कचरा, पत्ते और प्लास्टिक जलाने पर चालान और जुर्माना लगाने के अधिकार स्थानीय अधिकारियों को दिए गए हैं।

Vinay Gupta

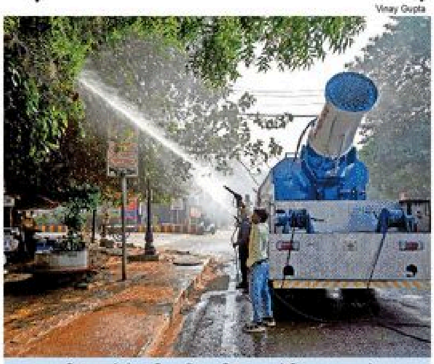

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर निगरानी, धूल नियंत्रण पर केंद्रित उठाए जा रहे कदम

326 मिस्ट स्प्रे सिस्टम

388 एंटी स्मॉग गन, 270 वॉटर स्प्रिंकलर और 75 मिकैनिकल रोड स्वीपर रोजाना हजारों किलोमीटर सड़क नेटवर्क को कवर कर रहे हैं। 13 प्रमुख प्रदूषण हॉट स्पॉट्स पर 326 मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाए गए हैं। निर्माण एवं ध्वंस कचरे के मैनेजमेंट के लिए एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली कैंट के पास पहले से 132 संग्रहण स्थल उपलब्ध हैं। एमसीडी ने 14 नए मलबा संग्रहण स्थलों की पहचान कर उन्हें विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है।

जुड़ेंगे 476 ई-ऑटो : ग्रैप के तहत सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के विस्तार की दिशा में प्रगति हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ग्रैप-2 में दिल्ली मेट्रो ने 40 अतिरिक्त ट्रिप्स और ग्रैप-3 में 60 अतिरिक्त ट्रिप्स चलाई गईं। डीएमआरसी की ओर से 44 मेट्रो स्टेशनों पर 1,823 ई-ऑटो तैनात किए गए हैं। वहीं, मार्च 2026 तक 476 और ई-ऑटो जोड़ने की योजना है। ई-रिक्शा सेवाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

1988 ई-बसें मार्च तक : 30 नवंबर 2025 तक दिल्ली की कुल बस फ्लीट 5,295 हो चुकी है, जिसमें 1,868 सीएनजी बसें और 3,427 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। मार्च 2026 तक 1,988 नई ई-बसें और दिसंबर 2026 तक अतिरिक्त 510 इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत कुल 2,800 ई-बसें जोड़ी जानी हैं। इससे दिसंबर 2026 तक दिल्ली में करीब 7,500 क्लीन फ्यूल बसों के संचालन की उम्मीद है।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए अब AI का लेंगे सहारा

सरकार IIT कानपुर के साथ मिलकर तलाश रही संभावना

PTI

हो रही नई तैयारी: एयर क्वॉलिटी इंटेलिजेंस और डेटा के आधार पर प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू किया जाएगा, इसे लेकर पर्यावरण विभाग विचार कर रहा है

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रदूषण से दिल्ली को राहत दिलाने के लिए अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आधारित एयर क्वॉलिटी इंटेलिजेंस और डेटा के आधार पर प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली सरकार आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर संभावनाएं तलाश रही है। इस सहयोग को लेकर पर्यावरण विभाग विचार कर रहा है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अब निर्णय रियल-टाइम डेटा, प्रदूषण स्रोतों की सटीक पहचान और मापनीय परिणामों के आधार पर लिए जाएंगे। प्रस्तावित सहयोग का उद्देश्य प्रदूषण के स्रोतों की सूक्ष्म स्तर पर पहचान, उनके प्रभाव का वैज्ञानिक आकलन और विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित व समयबद्ध कार्रवाई को सक्षम बनाना है।

प्रस्तावित मॉडल में कई एजेंसियों के समन्वय पर भी विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए नगर निगम, जिला प्रशासन, प्रवर्तन एजेंसियां और तकनीकी संस्थान एक साझा डेटा प्लेटफॉर्म पर काम करेंगे। इससे सभी एजेंसियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट हो सकेंगी और जवाबदेही तय होगी। दिल्ली सरकार फिलहाल चार प्रमुख मोर्चों-गाड़ियों के धुएं, धूल नियंत्रण, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग और कचरा प्रबंधन पर एक साथ सख्त कार्रवाई कर रही है। जिला मैजिस्ट्रेट और डिविजनल कमिश्नर के नेतृत्व में सर्वे के माध्यम से प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर सीलिंग और बंदी की कार्रवाई जारी है।

चार प्रमुख मोर्चों पर काम कर रही सरकार

अब, इस्तीफे की भी वजह बना पल्यूशन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली की जहरीली हवा की वजह से एक अधिकारी के इस्तीफा देने का मामला सामने आया है। चौंकाने वाला यह मामला फार्मा सेक्टर की बड़ी कंपनी Akums Drugs and Pharmaceuticals से जुड़ा है। कंपनी के प्रेजिडेंट-फाइनेंस राजकुमार बाफना ने इस्तीफा दे दिया है, जिसका जिक्र उन्होंने खुद अपने इस्तीफे के ईमेल में प्रदूषण स्तर से जोड़कर किया है। जानकारी के अनुसार, कंपनी ने 27 दिसंबर को स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में बताया कि राजकुमार बाफना ने पद छोड़ने का फैसला किया है।

बाफना ने इस महीने की शुरुआत में इस्तीफा सौंप दिया था और उन्हें औपचारिक रूप से 31 दिसंबर 2025 को जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाएगा। बाफना का इस्तीफा ऐसे समय सामने आया है, जब नवंबर के अंत और दिसंबर की शुरुआत में कई इलाकों में एयर क्वॉलिटी 'बहुत खराब' से 'गंभीर' कैटिगरी में दर्ज की गई।

दिल्ली की हवा में मल्टी ड्रग रजिस्टेंट बैक्टीरिया की मौजूदगी ने बढ़ाई चिंता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध इस्तेमाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में चिंता जताई है। वहीं हाल के एक रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि दिल्ली की हवा में ऐसे बैक्टीरिया तैर रहे हैं, जो मल्टी ड्रग रजिस्टेंट हैं। यानी ये ऐसे बैक्टीरिया हैं, जिनपर एक साथ कई एंटीबायोटिक का असर नहीं होता। मन की बात में पीएम की अपील और वैज्ञानिक स्टडी ने साफ कर दिया है कि एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस अब सिर्फ अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजधानी की हवा में भी सांस के साथ शरीर में पहुंचने का खतरा बन हुआ है।

दरअसल, रविवार को पीएम मोदी ने मन की बात में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बताया। उन्होंने लोगों से अपील की कि डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक दवा न लें। ICMR की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि निमोनिया और यूटीआई में एंटीबायोटिक दवाएं

AI image

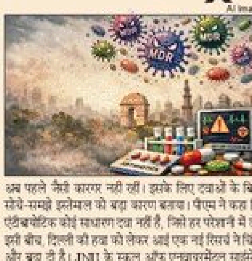

अब पहले जैसी कारगर नहीं रहीं। इसके लिए दवाओं के बिना सोचे-समझे इस्तेमाल को बड़ा कारण बताया। पीएम ने कहा कि एंटीबायोटिक कोई साधारण दवा नहीं है, जिसे हर परेशानी में लें। इसी बीच, दिल्ली की हवा को लेकर आई एक नई रिसर्च ने चिंता और बढ़ा दी है। JNU के स्कूल ऑफ एनवायरमेंटल साइंसेज द्वारा किए गए अध्ययन में हवा में ऐसे बैक्टीरिया पाए गए हैं, जो मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (MDR) हैं। यह रिसर्च 3 दिसंबर को नेचर मेडिकल जर्नल में ऑनलाइन प्रकाशित हुई है। अध्ययन के लिए वसंत विहार अर्बन स्लम, मुनिरका मार्केट कॉम्प्लेक्स, मुनिरका अपार्टमेंट्स और JNU के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास से हवा के नमूने लिए गए। सैंपल लगभग एक मीटर ऊंचाई यानी ब्रीदिंग जोन से, इनडोर और आउटडोर दोनों जगह से लिए गए थे। दोनों ही जगह बैक्टीरिया की मौजूदगी दर्ज की गई।

रिसर्च टीम के अनुसार, हवा में पाए गए स्टेफिलोकोकस बैक्टीरिया की मात्रा WHO की तय सीमा 1,000 CFU प्रति क्यूबिक मीटर से कई गुना अधिक थी। ठंड के मौसम में मेथिसिलिन रेजिस्टेंट स्टेफिलोकोकस (MRS) का स्तर सबसे ज्यादा पाया गया। पहचान किए गए आठ प्रकार के स्टेफिलोकोकस में से 73 पर्सेंट नमूने मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट थे, यानी कई एंटीबायोटिक दवाओं पर असर नहीं कर रहे थे। इनमें से करीब 75 पर्सेंट नमूने मैक्रोलाइड्स, जैसे एजिथ्रोमाइसिन और इरिथ्रोमाइसिन के खिलाफ रेजिस्टेंट पाए गए।

■ **MDR ऐसे बैक्टीरिया हैं, जिनपर एक साथ कई एंटीबायोटिक का असर नहीं होता**

■ **मन की बात कार्यक्रम में रविवार को एंटीबायोटिक पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी चेतावनी**

■ **वैज्ञानिकों की चेतावनी, दिल्ली जैसे बड़े शहर बन रहे हैं एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के हॉटस्पॉट**

एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग नया खतरा

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दिल्ली का पहला अध्ययन है, जिसने हवा में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट स्टेफिलोकोकस की इतनी बड़ी मौजूदगी बताई है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दिल्ली में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। निगरानी और नियंत्रण न बढ़ाने पर भविष्य में समस्या और गंभीर हो सकती है। टीम ने सिफारिश की है कि शहरों में पर्यावरणीय एएमआर सर्विलांस सिस्टम शुरू हो, भीड़भाड़ वाले इलाकों में नियमित बायोएरोसॉल मॉनिटरिंग हो और एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग रोकने की सख्त नीतियां लागू हों। पीएम की चेतावनी और वैज्ञानिक अध्ययन, दोनों ही संकेत देते हैं कि एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल अब केवल इलाज को मुश्किल नहीं बना रहा, बल्कि हवा के जरिए पूरे समाज के लिए नया स्वास्थ्य खतरा खड़ा कर रहा है।

GOODBYE 2025 • WELCOME 2026

2025 के टॉप-5 डिवेलपमेंट

1. एजेंटिक AI: सॉफ्टवेयर कोडिंग, रिसर्च, टिकट बुकिंग, डेटा एनालिसिस जैसे काम बिना इंसानी दखल के करने में AI सक्षम हुआ। OpenAI ऑपरेटर, Auto GPT, एंथ्रोपिक का कंप्यूटर यूज़ एजेंट्स और Devin AI जैसे AI मॉडल चर्चा में रहे।

2. मल्टीमॉडल विडियो जेनरेशन: टेक्स्ट, इमेज और ऑडियो से विडियो बनाने वाले AI मॉडल्स बने। ये मूवी जैसी क्वॉलिटी वाले विडियो, कैमरा मूवमेंट, लिप-सिंक तक बनाने में सक्षम हुए। Sora, Veo, RanWay Gen-3, Pika Labs सबसे आगे रहे।

3. कैंसर की पहचान: मेडिकल AI में कैंसर और ECG एनालिसिस में बड़े बदलाव आए। AI-ECG, गूगल का ब्रेस्ट कैंसर का पता लगाने वाला मॉडल, कार्डियक AI टूल्स और AI आधारित रेडियोलॉजी सिस्टम ने हेल्थ सेक्टर को नई राह दिखाई।

4. स्मार्ट AI चिप: NVIDIA, Apple, Intel और AMD ने ऐसे चिप बनाए जो कम बिजली में AI से जुड़े काम बहुत तेजी से कर लेते हैं। इससे AI फीचर सीधे डिवाइस पर ही आसानी से काम करने लगे हैं।

5. रिसर्च में: रिसर्च में AI सह-वैज्ञानिक बन गया। AI Scientist-v2, गूगल डीपमाइंड के अल्फाफोल्ड, माइक्रोसॉफ्ट के ऑटो रिसर्च एजेंट और Meta के AI फॉर साइंटिफिक डिस्कवरी ने जटिल रिसर्च, हाइपोथेसिस और नई खोजों की रफ्तार को कई गुना बढ़ा दिया।

AI Images

AI युग 2.0
इशारों पर चलेगी दुनिया

2025 ने जिस रफ्तार से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को आगे बढ़ाया, उसने यह साफ कर दिया कि आने वाला वक्त सिर्फ टेक्नॉलजी का नहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी के दोबारा डिजाइन होने का है। 2025 में एजेंटिक AI, मल्टीमॉडल विडियो, मेडिकल ब्रेकथ्रू और स्मार्ट AI चिप्स ने नींव रखी, तो 2026 वह साल बनने जा रहा है जब AI हर किसी का पर्सनल असिस्टेंट, डॉक्टर, ट्यूटर और मैनेजर बन जाएगा। आने वाला साल सिर्फ भविष्य नहीं, बल्कि AI के साथ जीने की शुरुआत होने वाला है। पढ़ें, 2026 में 10 बड़े बदलाव कौन से हो सकते हैं। प्रदीप तिवारी की रिपोर्ट

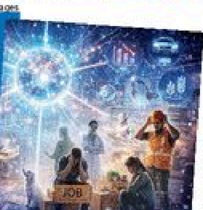

ऑन-डिवाइस AI मॉडल

30 पर्सेंट से ज्यादा स्मार्टफोन ऑन-डिवाइस AI मॉडल के लिए तैयार हैं।

ऑन-डिवाइस AI मॉडल यानी ऐसा AI मॉडल जो सीधे आपके फोन या कंप्यूटर पर ही काम करता है, बिना इंटरनेट या सर्वर पर डेटा भेजे। 2026 में फोन खुद आपके छोटे-मोटे काम, जैसे रिचार्ज रिमाइंडर, बिल की तारीख, मीटिंग की तैयारी, ये सब कर सकेंगे।

हेल्थ में AI

24 घंटे पहले फ्लू या वायरल बुखार होने की जानकारी नए AI सेंसर दे देंगे। ये आपके पसीने, ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन के सूक्ष्म बदलावों से हेल्थ अलर्ट बताएंगे।

कैंसर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों की शुरुआती पहचान के लिए AI मॉडल सस्ते और सुलभ हो जाएंगे। इससे लैब जांच पर खर्च कम होगा। गूगल और Apple जैसी कंपनियों के हेल्थ कोच डेटा के आधार पर बता देंगे कि नींद कम हुई है, ऐसे में भारी वर्कआउट कम करें।

एंटरटेनमेंट

नेटफ्लिक्स, ऐमजॉन या यूट्यूब पर क्या देखना है, यह सोचने में समय बर्बाद नहीं होगा। 2026 में जेनरेटिव विडियो मेनस्ट्रीम हो जाएगा। आप अपने टीवी या कंप्यूटर पर वॉइस या टेक्स्ट कमांड देकर अपनी पसंद की फिल्म या वेबसीरीज खुद बनाकर देख सकेंगे। Sora, Veo और Runway जैसे टूल्स 2026 तक इतने अडवांस हो जाएंगे कि आम आदमी अपने घर बैठे हॉलिवुड स्तर के विजुअल इफेक्ट्स वाली फिल्में बना सकेगा।

जॉब सेक्टर का हाल

असली चुनौती होगी कि कंपनियां AI का इस्तेमाल उत्पादकता बढ़ाने के लिए करती हैं या सिर्फ लागत घटाने और छंटनी के लिए। इन सबके बीच 2026 में AI से जुड़े जॉब के कई नए रोल भी बनेंगे।

कस्टमर सपोर्ट, कंटेंट राइटिंग, बेसिक कोडिंग, डेटा एंट्री और रूटीन ऑफिस टास्क जैसी भूमिकाएं और ज्यादा दबाव में आ सकती हैं।

क्रिएटिव प्लानिंग, स्ट्रैटजी, फील्ड-वर्क और ह्यूमन इंटरफेस वाली नौकरियां तुलनात्मक रूप से ज्यादा सुरक्षित रह सकती हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट

20-30 पर्सेंट ट्रैवल टाइम बचेगा ट्रैफिक लाइट्स AI से कंट्रोल होने पर।

गाड़ियों में लगे AI सिस्टम ड्राइवर की आंखों को ट्रैक करेंगे। अगर ड्राइवर को झपकी आ रही है या ध्यान भटक रहा है, तो गाड़ी खुद धीमी हो जाएगी या साइड में रुक जाएगी। एक्सीडेंट से बचने के लिए गाड़ियां एक-दूसरे से कनेक्ट होकर चलेंगी।

सिक्योरिटी, कानून

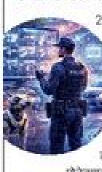

2026 में डिजिटल दुनिया जितनी आसान होगी, उतनी ही खतरनाक भी। डीपफेक विडियो और आवाज की नकल करके ठगी के मामले बढ़ सकते हैं। इन्हें रोकने में भी AI का इस्तेमाल होगा। डेटा प्रोटेक्शन, बायस और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर सरकार का फोकस बढ़ सकता है। आपके बैंक और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर 'AI बॉडीगार्ड' तैनात होंगे। ये सिस्टम पहचान लेंगे कि कॉल पर बात करने वाला आपका असली रिश्तेदार है या कोई AI स्कैमर। पासवर्ड का जमाना 2026 तक लगभग खत्म हो सकता है। आपकी पहचान आपके चेहरे, आवाज और व्यवहार से होगी।

कंपनियों का फोकस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर

2026 में AI इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, भारी निवेश, क्लाउड-एज इंटीग्रेशन, बिजली बचाने वाले और अडवांस्ड हार्डवेयर पर केंद्रित रहेगा। कंपनियों का डेटा सेंटर, मशीन लर्निंग प्लैटफॉर्म और कंप्यूट क्षमता में विस्तार पर फोकस होगा। AI स्पेसिफिक हार्डवेयर की डिमांड तेजी से बढ़ेगी। AI चिप्स, जैसे GPU या TPU का इस्तेमाल बढ़ेगा। ग्रीन डेटा सेंटर कंपनियों की प्राथमिकता पर होंगे।

अडवांस एजेंटिक AI

2026 तक लोगों के पास एक 'पर्सनल AI फ्रेंड' होगा, जो स्विगी, उबर, irctc जैसे ऐप खुद से चलाएगा।

2026 का सबसे बड़ा बदलाव चैटबॉट्स का 'एजेंट' में बदलना होगा। अब तक आप ChatGPT या Gemini से सवाल पूछते थे, लेकिन 2026 में ये सिर्फ बात नहीं करेंगे, बल्कि आपके लिए काम करेंगे। तब AI एजेंट पसंद की फ्लाइट बुक करेगा, होटल में रूम रिजर्व करेगा, मीटिंग्स के हिसाब से कैब शेड्यूल करेगा और आपकी गैर-मौजूदगी में आने वाले ईमेल्स का जवाब भी ड्राफ्ट कर देगा।

पर्सनल AI ट्यूटर

AI ट्यूटर का अगला वर्जन इतना स्मार्ट होगा कि भाषा बाधा नहीं रहेगी। बिहार, बंगाल का बच्चा स्थानीय बोली में सवाल पूछेगा और AI उसी भाषा में पढ़ाएगा।

2026 तक पर्सनलाइज्ड AI ट्यूटर आम, ज्यादा सुलभ और सस्ते हो जाएंगे। ये ट्यूटर हर बच्चे की स्पीड, स्ट्रॉन्ग पॉइंट और वीक पॉइंट के हिसाब से कंटेंट और पढ़ाई का तरीका रखेंगे। घर बैठे बच्चा मोबाइल या टैब पर AI ट्यूटर से पढ़ेगा, जो उससे उसकी भाषा में बात करेगा, सवाल पूछेगा, और गलतियां तुरंत समझाएगा।

होम स्मार्ट AI और रोबॉट

xAI के मालिक इलॉन मस्क का ऑप्टिमस रोबॉट हो या अन्य कंपनियों के ह्यूमनॉइड्स, 2026 तक ये लैब से निकलकर अमीर घरों और फिर धीरे-धीरे आम लोगों के जीवन में आना शुरू कर देंगे

2026 तक हर घर में रोबॉट भले न हो, लेकिन आपके घर के उपकरण AI से स्मार्ट जरूर हो जाएंगे। मैटर प्रोटोकॉल और Edge AI की मदद से फ्रिज खुद देखेगा कि दूध खत्म हो गया है और ऑर्डर कर देगा। मिड रेंज किचन गैजेट्स में भी बेसिक AI फीचर आ सकता है, जैसे गैस बंद कराने का अलर्ट, ओवरकुकिंग रोकना, बच्चों के हाथ लगने पर सेफ्टी मोड आदि।

कंटेंट सोर्स: स्टैनफर्ड HAI, PwC, OECD, McKinsey और Gartner

AI के बारे में आप क्या जानना चाहते हैं? अपने सवाल हमें ई-मेल करें **nbtreader@timesofindia.com** पर। सब्जेक्ट में AI लिखना न भूलें। हम अपने एक्सपर्ट की मदद से आपके सवालों के जवाब देने का प्रयास करेंगे।

बाबा पीर रतन नाथ स्थल के पुनर्निर्माण के लिए लोगों ने सौंपा ज्ञापन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** झंडेवालान में 1400 साल पुराने गुरु गोरखनाथ के शिष्य बाबा पीर रतन नाथ के स्थल पर पिछले महीने डीडीए ने कार्रवाई कर तोड़-फोड़ की। रविवार को इसे दोबारा पहले जैसी स्थिति में लाने की मांग को लेकर खुरेजी स्थित दरगाह से शांति मार्च निकाला गया। स्वयं सेवकों ने इलाके के विधायक अनिल गोयल को एक ज्ञापन सौंपा।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

पंचम पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

पंडित राम बाबू शर्मा (पहलवान दिल्ली केसरी)
29.12.2020
हैं समय नदी की धार, जिसमें सब बह जाया करते हैं।
हैं समय बड़ा तूफान, प्रबल पर्वत झुक जाया करते हैं।
अक्सर दुनिया के लोग, समय के चक्कर खाया करते हैं।
लेकिन कुछ ऐसे होते, जो इतिहास बनाया करते हैं।।
आपका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहे।
सन्तू शर्मा
राम बाबू एंड सन्स ज्वैलर्स
एम॰ डी॰ ज्वैलर्स,
कौशिकी इम्पैक्स प्रा॰ लि॰
1182, कूँचा महाजनी, चाँदनी चौक, दिल्ली–06
Ph.: 011-45501373, 61331373, 61331533

Jai Shree Krishna

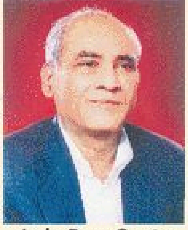

Jado Ram Gupta
1930 - 2004
Our Ideal,
From whom we imbibed eternal inspiration, affection & guidance.
Mahender - Kamini
Paridhi, Vidhi & Aditya
Friends & Staff Members
Goldtex Furnishing Industries
GOLDTEX DESIGNING & WEAVING SINCE 1954 | GOLDEN FURNISHINGS

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

राजेंद्र नगर में जुटे BJP के दिग्गज, सुनी 'मन की बात'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 129वां संस्करण रविवार को दिल्ली भर में उत्साह और सहभागिता के साथ सुना गया। राजेन्द्र नगर में बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद बांसुरी स्वराज की मौजूदगी में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि 7622 पोलिंग बूथ क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नेताओं के साथ पीएम के संदेश को सुना।

इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम के जरिए कई सारी जानकारियां साझा की। खासकर जिस प्रकार से यंग इंडिया और खेलों को लेकर पीएम ने बात कही वह अद्भुत थी। 2025 का यह अंतिम कार्यक्रम था और इसके साथ ही उन्होंने खेलों में ऐतिहासिक सफलताएं, विज्ञान और अंतरिक्ष में नई उड़ान, युवाओं का इनोवेशन, आस्था और विरासत का पुनर्जागरण सहित 2025 की उपलब्धियों को साझा किया। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर वंदे मातरम के 150वें वर्ष के बारे में भी बताया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर, विधायक उमंग बजाज व हरीश खुराना, बीजेपी के राष्ट्रीय सह मीडिया संयोजक संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह, वरिष्ठ नेता मूलचंद चावला, पार्षद आरती चावला, मन की बात के प्रदेश संयोजक राजन तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजेंद्र नगर में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन भी पहुंचे

जेटली एक कुशल वक्ता और एक सच्चे मित्र थे: राजनाथ सिंह

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : भारत के पूर्व वित्त मंत्री व बीजेपी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय अरुण जेटली की 73वीं जयंती के अवसर पर रविवार को अरुण जेटली पार्क स्थित उनकी मूर्ति पर बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, सांसद कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद, विधायक सतीश उपाध्याय और अनिल शर्मा, सहित अन्य नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वर्गीय अरुण जेटली एक कुशल वक्ता और नेता होने साथ साथ एक सच्चे मित्र थे, जो हमेशा अपने सहयोगियों को आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करते थे।

लाल मंदिर में हुई भव्य सिद्धचक्र आराधना

■ रमेश जैन, नई दिल्ली

श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर चांदनी चौक में रविवार को आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज के सान्निध्य में भव्य सिद्धचक्र आराधना का आयोजन किया गया। जिसमें 108 इंद्र-इंद्राणियों ने भाग लिया। आचार्य श्री ने कहा कि जहां सिद्धों की वंदना होती है वहां के संकट समाप्त होकर सौभाग्य जागता है और जीवन प्रकाशमय बन जाता है। मुनिश्री प्रबमानंदजी व मरूध के महारक अरिहंत कीर्ति जी भी मौजूद रहे।

इस मौके पर भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के अध्यक्ष जंबू प्रसाद जैन ने कहा कि यह संस्था इस वर्ष अपने स्थापना का 125वां वर्ष मना रही है। उन्होंने सभी को जैन दर्शन, संस्कृति, तीर्थ क्षेत्रों व मंदिरों के संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने लाल मंदिर के प्रबंधक पुनीत जैन को 125वें समारोह का दिल्ली प्रदेश का प्रभारी मनोनीत किया और कार्यालय का उद्घाटन किया। समारोह के अध्यक्ष जवाहरलाल जैन, जैन समाज दिल्ली के अध्यक्ष चक्रेश जैन, निगम पार्षद सुमन गुप्ता और मनोज जैन ने संतों को विनयांजलि अर्पित की। आयोजन में हेमचंद जैन, ललित जैन, पीके जैन, कुलदीप जैन, जिनेंद्र जैन, मोतीलाल जैन, नीरज जैन, पंकज जैन, शरद कासलीवाल, धीरज कासलीवाल, शरद जैन, विनय जैन, राजेंद्र -रितुल, अविरल-प्रिया, कविता, मेधा, अस्मिता, संजना, सुनीता, मीनू, सिम्मी जैन आदि का विशेष सहयोग रहा। पंडित शुभम शास्त्री ने विधि-विधान के कार्य संपन्न कराए।

धर्म कर्म

मंगल कलश यात्रा: शिवमंदिर सेक्टर-7 आरकेपुरम से श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली गई, जिसका भव्य स्वागत किया गया। कथा के शुभारंभ पर पंडित देवेंद्र शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा में वेदों का सार है, यह भगवान के प्रेम पर आधारित है, इसके सुनने से कल्याण होता है। संयोजक विधायक अनिल शर्मा ने आरती संपन्न कराई और सभी का स्वागत किया। कथा 1 जनवरी तक चलेगी।

भागवत कथा: सीताराम संत सेवा मंदिर चंदूपार्क द्वारा सामुदायिक भवन एनीबीआर में भागवत कथा सुनाते हुए आचार्य प्रद्युमन कृष्णा ने कहा कि भागवत ज्ञान का वह भंडार है जिसके वाचन और श्रवण से वातावरण शुद्ध होता है, और मस्तिष्क पवित्र हो जाता है।

विधान: श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर नीति खंड इंदिरापुरम में आचार्य सौभाग्य सागरजी के सान्निध्य में तीन दिवसीय श्री समोशरण विधान रविवार को धूमधाम से संपन्न हुआ।

AIIMS में आउटसोर्सिंग से भर्तियों पर लगी रोक

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** AIIMS, नई दिल्ली में आउटसोर्स एजेंसियों के जरिए मानव संसाधन बढ़ाने पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। संस्थान प्रशासन ने सभी केंद्रों, विभागों, सेक्शनों और यूनिट्स को निर्देश दिया है कि रैशनलाइजेशन प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी तरह की नई आउटसोर्स भर्ती नहीं की जाएगी। एम्स प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि फिलहाल आउटसोर्सिंग सेल में मानव संसाधन के पुनर्गठन का काम चल रहा है।

आदेश में साफ किया गया है कि अगर भविष्य में किसी विभाग की ओर से विस्तार या नई जरूरत का प्रस्ताव आता है, तो उसे संस्थान के लॉन्ग टर्म विजन को ध्यान में रखते हुए पेश करना होगा। अलग-अलग विभागों की अलग मांगों पर अब विचार नहीं किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि रैशनलाइजेशन अभ्यास पूरा होने तक किसी भी आउटसोर्स एजेंसी के जरिए कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी तरह बंद रहेगी। इससे एम्स में मानव संसाधनों का इस्तेमाल और मैनेजमेंट ज्यादा पारदर्शी और संतुलित बनेगा।

रैशनलाइजेशन प्रक्रिया कंप्लीट होने तक जारी रहेगी यह रोक, रोक अस्थायी है

जवाबदेही की दिशा तय करेगा शीतकालीन सत्र : स्पीकर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली विधानसभा का विंटर सेशन 5 जनवरी से शुरू हो रहा है। आमतौर पर सेशन का अधिकांश समय पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप में बर्बाद हो जाता है और जनता से जुड़े मुद्दे पर काम कम हो पाता है। लेकिन, इस सेशन को लेकर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विंटर सेशन में शासन और प्रशासन से जवाबदेही की अपेक्षाएं पहले से कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा कि इस सेशन में विकास के कामों की प्रगति, प्रशासनिक दक्षता और वित्तीय अनुशासन जैसे विषयों के केंद्र में रहने की उम्मीद है। सीमित समय और बढ़ती जन अपेक्षाओं के बीच यह सत्र विस्तृत बहसों की बजाय केंद्रित विधायी समीक्षा के रूप में सामने आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 2026 का यह पहला विधानसभा सत्र केवल एक औपचारिक कैलेंडर प्रक्रिया न होकर, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और प्रदर्शन की समीक्षा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

5 जनवरी से शुरू हो रहा है दिल्ली विधानसभा का सत्र

'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत किया गया पौधारोपण

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री की प्रेरणादायी पहल एक पेड़ मां के नाम के तहत रविवार को एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल पालिका कर्मचारी आवास सरोजिनी विहार, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली में RWA के सदस्यों और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर विशेष वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए।

इस मौके पर कुलजीत चहल ने कहा कि यह केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मां और प्रकृति के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जन-भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नागरिकों, स्टूडेंट्स और सरकारी, निजी संस्थानों को जोड़कर विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से वृक्षारोपण किया जाएगा।

सरोजिनी विहार और सरोजिनी नगर में चला अभियान

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 12-28-2025 22:03 Color:

भारत से फ्लाइट, ईरान में किडनैपिंग, पाक खातों में फिरौती के पीछे कौन?

अगर आप भी विदेश जाने का सपना देख रहे है या अपने बच्चो को विदेश भेजने की सोच रहे है तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दिल्ली समेत देश के अलग अलग हिस्सो से इस साल ऐसे रोंगटे खड़े करने वाले मामले आए है। ये मामले उन लोगो के है जिन्होंने भारत से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका या यूरोपीय देशो के लिए उड़ान भरी थी लेकिन ईरान के तेहरान की पहाड़ियो मे बंधक बना लिए गए, यातनाएं दी गई। भारत की सुरक्षा एजेंसियो के सामने सवाल है कि आखिर चंबल के डाकुओ की तरह कौन है ईरान के तेहरान मे 'बाबा, मूसा, मामा' बंदूकधारी डाकू। पढ़िए विशाल आनंद शर्मा की रिपोर्ट...

AI image

केस स्टडी 1

दिल्ली के युवक का तेहरान में टॉर्चर

किडनैपिंग और हवाला के जरिए फिरौती वसूलने का 'इंटरनेशनल क्राइम' सितंबर मे उस समय सामने आया। जब ईरान के तेहरान मे अगवा करके बंधक बनाकर रखे गए दिल्ली के कराला निवासी हिमांशु ने स्पेशल सेल मे केस दर्ज कराया। अनवेरीफाइड एजेंट से जुगाड़ करके ऑस्ट्रेलिया जाने का सपना हिमांशु के लिए इतना खौफनाक रहा कि ईरान के चाबहार से उसे किडनैप किया गया। फिर एक खंडहरनुमा घर मे हाथ पांव बांधकर ऐसी जगह पटक दिया। जहां पहले से एक दर्जन लड़के बंधे पड़े थे। बंदूकधारी पाइप से पीटते और परिजनों को वीडियो कॉल करके लाइव पिटाई दिखाते। बदले मे हवाला के जरिए फिरौती मांगते। जिस जिस की फिरौती आती। उस बंधक को हिदायत के साथ छोड़ दिया जाता। दिल्ली से गए दो युवक इसी तरह छूटकर आए। रोंगटे खड़े करने वाली इस वारदात के बारे मे खुद विक्टिम के भाई दिपी ने कहा कि उनके साथ तो हो चुका, मगर वे चाहते है कि NBT के जरिए देश के उन युवाओं और परिजनों को अवेयर किया जाए जो अनवेरीफाइड एजेंटों के जाल मे फंसकर फिरौती के लिए किडनैप कर लिए जाते है। दिप्पी के मुताबिक ईरान के माफियाओं के भारत मे सक्रिय है एजेंट।

दरअसल, कराला निवासी 26 वर्षीय हिमांशु विदेश जाकर जॉब करना चाहते थे। एजेंट ने नोएडा से CDC कोर्स करवाया। 29 अगस्त को एक अन्य युवक के साथ हिमांशु IGI से फ्लाइट लेकर तेहरान पहुंचे। दोनों तेहरान से चाबहार पहुंचे। जहां एक गाड़ी आई और एयरपोर्ट से 30 किलोमीटर दूर अनजान जगह ले जाया गया। वहां एक शख्स मिला। पासपोर्ट छीने। 3 और बंदूकधारी एक कमरे मे ले गए। दोनों को पाइपों से बुरी तरह से पीटा। घर वालो को वीडियो कॉल कर पिटाई दिखाई। 2 करोड़ की फिरौती मांगी। 20 लाख की डील हुई। फिरौती की रकम जालंधर मे एक अनजान युवक को दिलवाई।

केस स्टडी 2

न्यूड कर चाबुक से पिटाई

हरियाणा के दो एजेंट्स 16 अक्टूबर को 13 गुजरातियो को लेकर ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के लिए रवाना हुए। सभी लोग थाई एयर एशिया की फ्लाइट से बैंकॉक पहुंचे। कुछ दिन रुकने के बाद उन्हें कतर, और कतर से ईरान भेज दिया गया। इनमे से 4 को तेहरान के मरकजी ईरान नाम की होटल मे बंधक बनाया गया। बाकी लोगो को अलग-अलग होटलो मे रखा गया। न्यूड कर पीटते हुए वीडियो भेजा। बाबा नाम के शख्स ने इन चारो के परिवार को फोन करके 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। परिवार को एक वीडियो भेजा गया। जिसमे अगवा लोगो को न्यूड कर के जमीन पर औंधे मुंह लिटाकर चाबुक से पीटा जा रहा था। अगवा लोगो मे एक महिला और तीन युवक शामिल थे, जिनमे से तीन गांधीनगर जिले के मानसा तालुका के बापूपुरा और एक बड़पुरा का रहने वाला था। जब परिवारो को लगा कि अगवा किए गए उनके

परिवार के लोग रिहा नही होंगे तो उन्होंने स्थानीय विधायक से संपर्क किया। विधायक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद इन चारो को ईरान स्थित भारतीय दूतावास की मदद से सुरक्षित वापस लाया जा सका।

केस स्टडी 3

बंधक बनाए गए पंजाब के 3 युवक

पंजाब के समराला, नवाशहर और होशियारपुर के तीन युवको को एक स्थानीय एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया मे जॉब और बेहतर जीवन का वादा किया। इसके लिए उसने भारी रकम वसूल की और उन्हें ऑस्ट्रेलिया भेजने की तैयारी शुरू की। लेकिन युवको को ईरान मे उतार दिया गया, जहा उन्हें अगवा कर लिया। युवको को रस्सियों से बांधकर, हथियार तानकर धमकाते हुए फिरौती मांगी जाती। वीडियो कॉल मे परिजनो को दिखाया जाता कि युवको के शरीर पर घाव और खून के निशान। पहले 1 करोड़, फिर 55 लाख रुपये पाकिस्तानी खातो मे जमा करने की मांग की गई। 11 दिन तक युवको से कोई संपर्क नही हो सका। परिवार वालो ने भारत स्थित ईरानी दूतावास से संपर्क किया, जिसके बाद मामला ईरानी प्रशासन तक पहुंचाया गया।

केस स्टडी 4

किडनैप कर बोले, किडनियां बेच देंगे

हरियाणा के करनाल के दो युवक स्पेन जाने के लिए दिल्ली से उड़े। मगर ईरान के तेहरान मे बंधक बना लिए गए। दरअसल दोनों युवक लोकल एजेंट के चक्कर मे फंसे थे। एजेंट से साढ़े 17 लाख रुपए मे बात हुई थी। 22 अक्टूबर को दोनों स्पेन के लिए रवाना हुए तो पहले उन्हें कोलकाता भेजा गया, फिर बैंकॉक भेजा गया, उसके बाद उन्हें ईरान के तेहरान ले जाया गया। जहा किडनैपर्स ने उन्हें किडनैप कर लिया। बेहद अमानवीय तरीके से कपड़े उतारवाकर डंडो से पीटा। इसका वीडियो भी परिजनो को भेजा। जिसमें दोनों युवको को बुरी तरह से पीटा जा रहा था। ईरान से किडनैपर्स ने एक करोड़ की फिरौती मांगी। 20 लाख रुपए लेने के बाद ही दोनों को छोड़ा गया। धमकी दी कि पैसे नही दिए तो दोनों की किडनिया बेच देंगे।

एक क्लिक से विदेश में नौकरी का सफर सेफ

दिल्ली पुलिस के मुताबिक बहुत से लोग शॉर्ट कट चुनते है। लेकिन यह सही नहीं है। एक्सपर्ट्स मे फेक एजेंट के चक्कर मे न पड़े। इसके लिए emigrate.gov.in की वेबसाइट पर जाएं। ये विदेश मंत्रालय की वेबसाइट है। इसके लिए स्टेप 1: emigrate पोर्टल पर जाएं। स्टेप 2: जॉब अपॉर्चुनिटीज पर क्लिक करें। स्टेप 3: वेरिफाइड नौकरियां + ट्रस्टेड एजेंट की डिटेल्स देखे। फिर चुनाव करें। इसके अलावा emigrate.gov.in के टोल फ्री नंबर 1800113090 पर कॉल करके जानकारी हासिल कर सकते है। दरअसल विदेश जाने के इच्छुक लोग जागरूकता के अभाव मे अक्सर फर्जी ट्रैवल एजेन्टों का शिकार बनकर लाखो रुपये गंवा बैठते है। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंट की ही सेवाएं लें। फर्जी ट्रैवल एजेंट वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के द्वारा लोगों से सम्पर्क करते है। सोशल मीडिया पर प्रसारित फेक विज्ञापनों के माध्यम से एजेंट पीड़ितों को अपने झांसे मे फंसा लेते है। एजेंटो द्वारा तरह-तरह के लालच देकर पैसे हड़प लिए जाते है। बहुत से मामलों मे ये एजेंट आम लोगों को अवैध तरीके से दूसरे देशों मे भेज देते है और वहां से जंगलो, समुद्री रास्तो, सड़क मार्ग द्वारा पैदल नावों, कंटेनरो द्वारा गैर कानूनी तरीके से सीमा पार करवाते है। विदेश गये लोगों के पासपोर्ट, दस्तावेज अपराधियों द्वारा छीन लिए जाते है और उनसे डरा-धमकाकर फिरौती वसूली जाती है।

जॉब के झूठे वादों से बचने की सलाह

किडनैपिंग को लेकर MEA को जारी करनी पड़ी एडवाइजरी

AI image

भारतीयों की किडनैपिंग, बंधक बनाकर फिरौती की बढ़ती घटनाओं को लेकर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। 15 सितंबर को जारी इस एडवाइजरी मे कहा गया कि हाल ही मे ऐसे कई मामले सामने आए है, जिनमे भारतीय नागरिकों को जॉब के झूठे वादे करके या यह आश्वासन देकर ईरान की यात्रा करने के लिए फुसलाया गया कि उन्हें तीसरे देशों मे भेजा जाएगा। ईरान पहुंचने पर इन भारतीय नागरिकों का आपराधिक गिरोहो द्वारा अपहरण कर लिया गया और उनकी रिहाई के लिए उनके परिवारों से फिरौती की मांग की गई। विदेश मंत्रालय की एडवाइजरी मे यह भी कहा गया कि इस संदर्भ मे सभी भारतीय नागरिको को ऐसे जॉब के वादो या प्रस्तावों के संबंध मे कड़ी सतर्कता बरतने की सख्त चेतावनी दी जाती है। खासकर यह ध्यान देने योग्य है कि ईरान सरकार भारतीयों को सिर्फ पर्यटन उद्देश्यों के लिए वीजा-फ्री एंट्री की अनुमति देती है। भारतीय नागरिकों से अपील की गई कि ऐसे झूठे रोजगार के प्रस्तावो को स्वीकारने से पहले सावधान रहें।

फिरौती केस को देख ईरान ने की फ्री वीजा एंट्री सस्पेंड

भारत की एडवाइजरी के बाद ईरान ने फ्री वीजा एंट्री को सस्पेंड कर दिया। 22 नवंबर से भारत से ईरान जाने या ईरान से होकर ट्रांजिट करने वाले सभी के लिए पहले से वीजा लेना अनिवार्य हो गया है। ईरान ने यह निर्णय नौकरी के झूठे वादे और बढ़ते अपहरण को रोकने के लिए उठाया। दरअसल टूरिस्ट वीजा फ्री होने की वजह से इसका लाभ उठाकर भारतीयों को बरगलाकर ईरान भेजा जाने लगा। वहां पहुंचने पर फिरौती के लिए अपहरण किया जाने लगा। फर्जी एजेंट ने लोगो को यह कहकर फुसलाते है कि ईरान से आगे उन्हें मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों मे काम करने वाले हैंडलर्स की एक चेन के माध्यम से ले जाया जाएगा। इसके बाद तेहरान से समुद्र या हवाई मार्ग से ऑस्ट्रेलिया पहुंचाया जाएगा, जो अवैध माइग्रेशन के कई मामलो मे अपनाया जाने वाला तरीका है।

दिल्ली : महानगर : महाकवरेज

IFSO के आंकड़े से खुलासा...

शेयर बाजार में इन्वेस्टमेंट के नाम पर सबसे ज्यादा ठगी

डर, लालच और भरोसे को हथियार बनाकर ठगों ने दिल्ली मे अब तक किसी एक साल मे सबसे बड़ी डिजिटल ठगी को अंजाम दिया है। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट 2025 मे पिछले साल से 14% ज्यादा फ्रॉड रकम होल्ड करा चुकी है...

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

1200 करोड़ रुपये गंवा दिए दिल्ली ने साइबर फ्रॉड में इस साल

नई दिल्ली: मोबाइल की एक रिंग, स्क्रीन पर चमकता एक लिंक या मिनटों मे अमीर बनने का झांसा..., बस इतनी सी शुरुआत और देखते-देखते दिल्ली के लोग साल 2025 मे अब तक 1200 करोड़ रुपये से अधिक गंवा बैठे है। साइबर अपराधी डर, लालच और भरोसे को हथियार बनाकर राजधानी मे अब तक किसी एक साल मे सबसे बड़ी 'डिजिटल लूट' को अंजाम दे चुके है।

इतनी बड़ी रकम देखकर खुद दिल्ली पुलिस भी हैरत मे है कि तमाम तरह के साइबर सुरक्षा कैंपेन और अवेयरनेस प्रोग्राम चलाने के बावजूद साइबर अपराधियों ने साल 2025 मे दिल्ली के लोगों से 12 अरब से अधिक की ठगी कैसे कर ली। ठगी से जुड़ी रकम के ये आंकड़े दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (IFSO) यूनिट के डीसीपी विनीत कुमार ने दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि IFSO इस साल फ्रॉड रकम का लगभग 24 फीसदी होल्ड करा चुकी है, जो पिछले साल की अपेक्षा होल्ड की गई रकम के आंकड़े से 14 फीसदी अधिक है। डीसीपी के मुताबिक 12 अरब रुपये की ठगी का यह आंकड़ा पूरी दिल्ली का है, जिसमें IFSO के पास दर्ज केस के अलावा दिल्ली के सभी जिलों मे बने साइबर पुलिस स्टेशन मे हुई एफआईआर को भी शामिल किया गया है।

अलग-अलग तरीकों से लोगों को लगाई चपत

साल 2025 मे साइबर क्राइम के ट्रेंड का आकलन करें तो IFSO के मुताबिक, टॉप पर शेयर/स्टॉक इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रहा। दूसरे नंबर पर डिजिटल अरेस्ट रहा। इसके अलावा कई अन्य तरीको से भी ठगी हुई। IFSO का दावा है कि लोगो मे जागरूकता पहले से बढ़ी है। बावजूद इसके हर नई मॉडस ऑपरेंडी के जाल मे लोग अवेयर होते हुए भी फंस जाते है। साल भर मे डिजिटल अरेस्ट, निवेश व ट्रेडिंग ऐप घोटाले, मनी ट्रेल, फिशिंग, क्रिप्टो लॉन्ड्रिंग व कॉल सेंटर लोन स्कैम जैसी घटनाओ ने लोगो को खूब शिकार बनाया। साइबर क्राइम मे म्यूल बैंक खाते और म्यूल मोबाइल सिम कार्ड का यूज किया गया।

ठगी की रकम होल्ड कराने में भी सुधार

इस साल जांच मे सामने आया है कि म्यूल अकाउंट के जरिए अधिकतर साइबर फ्रॉड ऑपरेट हो रहे है। दिल्ली पुलिस ने अपने 'CyHawk' ऑपरेशन मे बड़ी संख्या मे स्कैमर्स को पकड़ा है। इस ऑपरेशन मे अभी तक 1000 से ज्यादा स्कैमर पकड़े जा चुके है। पुलिस के मुताबिक साल, 2024 मे दिल्ली मे पीड़ितो ने सामूहिक रूप से लगभग 1,100 करोड़ रुपये गंवा दिए थे। जिनमे से लगभग 10 फीसदी रकम बैंक खातों मे ही रोक दी गई। इस साल दिल्ली पुलिस ने बैंको के साथ मिलकर धोखाधड़ी की गई लगभग 24 फीसदी राशि बचाने मे कामयाबी हासिल की है।

फ्रॉड होने पर इन चार स्टेप का रखें खास ध्यान

साइबर स्कैम का शिकार होने पर 1930 पर कॉल या cybercrime.gov.in पोर्टल पर कंप्लेंट करें। लेकिन उससे पहले चार स्टेप का ध्यान रखें।

1. पहला, विक्टिम अपने बैंक अकाउंट नंबर को तुरंत एक कागज पर नोट कर लें। 2. दूसरा, UTR (यूनिक ट्रांजेक्शन रेफरेंस) को कॉल करने से पहले साथ रखें। याद रखें UTR 16 डिजिट का नंबर होता है। जो एनईएफटी के लिए होता है। 22 डिजिट का नंबर आरटीजीएस और 12 यूपीआई के लिए होता है। 3. तीसरा, फ्रॉड हुई रकम का पूरा ब्यौरा जैसे ट्रांजैक्शन आईडी को नोट करके रखें। 4. चौथा, फ्रॉड की डेट और टाइम नोट करके रखें।

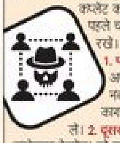

केशोपुर मंडी में भीषण आग, कई लाख का सामान जलकर खाक

नवीन निश्चल, केशोपुर मंडी

पश्चिमी दिल्ली की सबसे बड़ी केशोपुर फल और सब्जी मंडी मे शनिवार रात भीषण आग लग गई। इस हादसे मे 10 हजार से ज्यादा प्लास्टिक के कैरेट जलकर खाक हो गए। आग से करीब 10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग की लपटें इतनी तेज थी कि मंडी की दीवार के दूसरी ओर बने कई मकान भी इसकी चपेट मे आ गए। धुएं और आग के कारण वहां रहने वाले लोग फंस गए थे लेकिन फायर ब्रिगेड और पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

फायर कंट्रोल रूम को शनिवार रात करीब 10:30 बजे के बाद केशोपुर मंडी मे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही 11 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। कंट्रोल रूम ने डिविजनल ऑफिसर मनोज, ADO संतोष और स्टेशन ऑफिसर अमित को भी घटनास्थल पर भेजा। करीब 50 से ज्यादा फायरकर्मियों की टीम ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान जनकपुरी फायर स्टेशन के एसटीओ अमित कुमार ने धुएं से भरे कमरे मे फंसे दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। तिलक नगर थाना के इंस्पेक्टर भरत रतन भी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

लपटें इतनी तेज थी कि मंडी के दूसरी ओर बने कई मकान भी इसकी चपेट मे आ गए

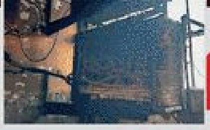

हादसे मे 10 हजार से ज्यादा प्लास्टिक के कैरेट खाक, इनसे ही तेजी से फैली आग

'आग कुछ देरी से लगती तो चली जाती कई जानें'

केशोपुर मंडी के पीछे संतगढ़ इलाके मे आग की चपेट मे आए मकानों के लोगो ने बताया कि अगर आग एक घंटा देर से लगी होती तो कई लोगों की जान जा सकती थी। हादसे के वक्त लोग जाग रहे थे इसलिए किसी तरह जान बच गई। आग लगते ही लोग छोटे-छोटे बच्चों को गोद मे लेकर घरों से बाहर आ गए। कई घरों मे एसी, कूलर, बेड और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। पीड़ित महिला इंद्रजीत ने बताया कि शोर सुनते ही वे लोग बाहर भागे।

आखिर अपडेट हो गई चिड़ियाघर की वेबसाइट

राम त्रिपाठी, चिड़ियाघर

नैशनल जूलॉजिकल पार्क दिल्ली ने अपनी वेबसाइट अपडेट करानी शुरू कर दी है। इसकी वेबसाइट https://nzpnewdelhi.gov.in/ से पुरानी जानकारियां हटाई जाने लगी है और उनकी जगह नई जानकारियां डाली जा रही है। कई साल बाद वेबसाइट को अपडेट किया जा रहा है। पार्किंग और बैटरी रिक्शा किराए से जुड़ी नई और सही जानकारी मिलने से चिड़ियाघर घूमने आने वालों को काफी राहत मिल रही है।

पार्किंग और बैटरी रिक्शा से जुड़ी मिलेगी सही जानकारी

चिड़ियाघर की ऑनलाइन टिकट बुक कराने या तत्काल टिकट खरीदने के लिए लोग इसी वेबसाइट का इस्तेमाल करते है। टिकट खरीदने का कॉलम भी इसी वेबसाइट पर है। ऐसे मे होम पेज पर पार्किंग और टिकट से जुड़े रेट की सूचना वाली फोटो के नीचे क्लिक करने पर जो तस्वीरें सामने आती थी, उनमे 20 तारीख तक काफी पुरानी जानकारी दर्ज थी। इससे चिड़ियाघर घूमने आने वाले लोगों को गलत जानकारी मिल रही थी। एनबीटी ने इस संबंध मे 20 दिसंबर को प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। डायरेक्टर डॉ. संजीत कुमार ने बताया था कि वेबसाइट का सॉफ्टवेयर नैशनल इन्फर्मेशन सेंटर (NIC) मेंटेन करता है।

200 करोड़ की जालसाज़ी में पांच आरोपी गिरफ्तार

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI image

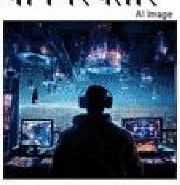

क्राइम ब्रांच ने नीलामी दस्तावेजों के जरिए 200 करोड़ से अधिक की जालसाजी करने वाले गिरोह के सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सरगना की पहचान मोहित गोगिया और इसके सहयोगी विशाल मल्होत्रा, सचिन गुलाटी, अभिनव पाठक और भरत छाबड़ा के रूप मे की है। आरोपी मोहित पर पहले से 16 मुकदमे दर्ज है।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने डीएलएफ कैमेलियास (गुरुग्राम), एंबिएंस मॉल और दिल्ली मे कई अन्य प्रॉपर्टी खरीदने के बहाने जाली एसबीआई नीलामी दस्तावेजों के जरिए 200 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की है। आरोपियों ने डीएलएफ कैमेलियास (गुरुग्राम) मे मौजूद न होने वाली प्रॉपर्टी को 12.4 करोड़ मे बेचा था। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर फरार आरोपियों की तलाश मे छापेमारी कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक 13 जून 2025 को लीसिंग एंड फाइनेंस, मोहित गोगिया, भरत छाबड़ा और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश की शिकायत मिली थी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 29-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 12-28-2025 22:11 Color:

इस साल क्या बदलेगा, 26 नामी एक्सपर्ट्स के जवाब

सरहदों की खटास और गिरते-संभलते बाज़ार के बीच गुजरा बीता साल, अब 2026 के वेलकम के साथ देश की नई तस्वीर का करने खाका तैयार, हम उम्मीदों के 26 सवाल लेकर पहुंचे अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों के पास, उनके जवाबों से आइये जानें कि अपने पिटारे में ये बरस क्या लेकर आ रहा है खास:

1 क्या भारत 2026 में ग्लोबल साउथ के देशों की बुलंद आवाज़ बन पाएगा?

शशांक, इंटरनेशनल मामलों के जानकार

भारत की विदेश नीति ने हमेशा ऐसी राह पकड़ी जो कि ना सिर्फ उसके हितों बल्कि दूसरे विकासशील देशों की साझा प्राथमिकताओं को भी रेखांकित करती रही है। अतीत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर 77 समूह में हमारी भागीदारी इसकी गवाह रही है। भारत उपनिवेशवाद से पीड़ित रहा है और दूसरे ऐसे विकासशील देशों के सवालों को समझता है। इसीलिए हम किसी पर अपनी नीतियां थोपते नहीं हैं। ग्लोबल साउथ के देशों से भारत हमेशा यही कहता है कि वो अपनी प्राथमिकताएं तय करें। भारत एक मददगार साथी की तरह अपने अनुभव और विशेषज्ञता उनके साथ साझा करेगा। यही वजह है ग्लोबल साउथ के देश भारत जैसे देश के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं। लेकिन, भारत कभी भी खुद को ग्लोबल साउथ का अगुवा नहीं कहता है। हम विभिन्न मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की आवाज को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों को भी अपनी आवाज रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम न कोई ध्रुव हैं न किसी किसी ध्रुव की तरह दिखना चाहते, बल्कि यह एक साझा रिश्ता है। जो हमारे साथ और हम उनके साथ सहज साझा प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

2 भारत क्या चीन के साथ अपने रिश्तों का कोई स्थायी न्यू नॉर्मल ढूंढ पाएगा?

3 क्या डेटा सुरक्षा कानून लोगों की प्राइवेसी का 'सुरक्षा कवच' बन पाएगा?

4 कई शहरों में पानी खत्म होने का खतरा है। इस पर क्या मास्टर प्लान?

5 रूस-यूक्रेन और मध्य-पूर्व के बाद क्या 2026 में युद्ध साइबर, स्पेस और AI वाला होगा? भारत कितना तैयार है?

6 क्या भारत 2026–27 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा? आम लोगों की कमाई तक कितना फायदा पहुंचेगा?

7 क्या 'चाइना प्लस वन' रणनीति का फायदा भारत उठा पाएगा या वियतनाम और मैक्सिको बाज़ी मार ले जाएंगे?

8 एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने का खतरा भारत में अधिक है। क्या इसका तोड़ निकलेगा?

9 क्या BJP बंगाल का किला फतेह करने में कामयाब हो पाएगी? या वहां की सियासत चुनौती बनी रहेगी?

10 क्या प्रदूषण का हल निकलेगा? दिल्लीवाले साफ सांसों की उम्मीद कर सकते हैं?

11 गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की तैयारी में 2026 कितना अहम है?

12 जीन थेरेपी, जीन एडिटिंग इतनी सुरक्षित -सस्ती होगी कि दिल की बीमारी-डायबिटीज जैसे रोगों का इलाज बन सके?

13 नई शिक्षा नीति के 6 साल बाद 2026 में क्या रट्टा मारना खत्म कर बच्चों में सोचने की समझ पैदा कर पाएगी?

14 क्या लीग क्रिकेट के असर से टेस्ट-वनडे सिमट जाएंगे और खिलाड़ी सिर्फ फ्रेंचाइजी के होकर रह जाएंगे?

15 ओलिंपिक्स की मेजबानी की दावेदारी भारत पेश करेगा, क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त होगा?

16 2026 तक खान तिकड़ी और बड़े स्टार 60 पार कर जाएंगे, क्या बॉलिवुड नया पैन-इंडिया स्टार बना पाएगा या सिर्फ कॉन्टेंट चलेगा?

गिरीश जौहर, प्रोड्यूसर, फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

इस साल 60 साल के हो चुके तीनों खान सितारों ने कई दशक तक सुपरस्टारडम एन्जॉय किया है। लेकिन आने वाले वक्त में किसी दूसरे सितारे के लिए ऐसा स्टेटस हासिल करना आसान नहीं होगा। आजकल वैसे भी ओटीटी के चलते दर्शक की पहुंच न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की तमाम भाषाओं के अच्छे कॉन्टेंट तक हो गई है। इसलिए अब सुपर स्टार बनने के लिए ऐक्टर के टैलंट व स्टारडम के साथ उसकी फिल्मों का कॉन्टेंट भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लेकिन आजकल दर्शक फिल्म के टीजर और ट्रेलर से उसके कॉन्टेंट को देखकर उसे देखने या ना देखने का मन बना लेते हैं। जबकि पहले सिर्फ शाहरुख, सलमान व आमिर जैसे सुपरसितारों का नाम ही काफी होता था। बेशक मौजूदा पीढ़ी के कलाकारों के लिए खान सितारों जैसा स्टारडम हासिल करना मुश्किल है, लेकिन फिर भी रणबीर कपूर और रणवीर सिंह दोनों में ऐक्टिंग की दुनिया में बड़ा नाम बनाने की काफी संभावनाएं हैं। वहीं बात अगर पैन इंडिया सितारों की करें, तो अभी तक ऑफिशली ऐसा कोई टर्म मौजूद नहीं है। बावजूद इसके प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे सितारों के स्टारडम को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

17 AI स्क्रिप्ट-म्यूजिक बना सकता है, तो लेखकों-कलाकारों के रोजगार का क्या होगा, क्या सिंथेटिक सिनेमा की ओर जा रहे हैं?

कनिका ढिल्लन, राइटर-प्रड्यूसर

AI बेशक स्क्रिप्ट लिख सकता है, म्यूजिक बना सकता है, मगर क्या वह एक इंसान की तरह लिख सकता है? उसकी तरह सोच सकता है? क्या एआई इंसानी दिमाग की तरह हो सकता है, जिसमें यादाश्त हो, भावनाएं हों कि एक इंसान को कब रोना आता है, कब हंसना आता है, वह किस सिचुएशन में किस तरह रिएक्ट करता है? अगर हां, तब तो राइटर्स ही नहीं, सभी को डरने की जरूरत है, क्योंकि हम सब घर पर बैठ जाएंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि एआई उस स्तर तक पहुंच सकता है। हालांकि एआई लेखन के कुछ फॉर्मेट में इंसान को रिप्लेस कर सकता है। जैसे लेटर्स, ई-मेल या कोई टैंपलेट बेस्ड राइटिंग, जहां आपको एक ही चीज बार-बार चाहिए, तो वहां आप एक कोड भर दें, तो एआई वो काम कर देगा। ऐसे में, इस तरह के काम करने वालों की नौकरियां एआई खा सकता है। इसके अलावा, आप एक फॉर्मेट भर दें कि ऐसी फिल्में जो पहले लिखी गई हैं, वैसी एक फिल्म लिखिए तो वो शायद एआई लिख सकता है, मगर मेरे हिसाब से वो बहुत औसत काम होगा, क्योंकि वो पहले से मौजूद चीजों का ही एक घालमेल होगा। अगर आपको कुछ नया रचना है, अलग करना है, तो चलने-फिरने, सोचने वाले इंसान की ही जरूरत पड़ेगी।

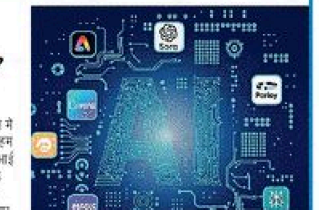

18 इन्फ्लुएंसर्स, यू-ट्यूबर्स फिल्मों में आ रहे हैं, क्या 'एक्टिंग टैलेंट' और 'सोशल मीडिया फॉलोअर्स' के बीच की लाइन मिट जाएगी?

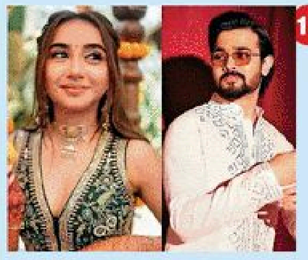

अनिल शर्मा, फिल्म डायरेक्टर

हर किसी का मकसद आखिरकार ऐक्टिंग और बड़े पर्दे तक पहुंचना ही होता है। पहले लोग नाटक, टैलेंट हंट या ऐक्टिंग इंस्टिट्यूट के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखते थे। फिर टेलिविजन आया, जिसने कलाकारों को एक नया मंच दिया। उसके बाद ओटीटी प्लैटफॉर्म्स आए और अब सोशल मीडिया और यूट्यूब इन्फ्लुएंसर बनकर आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। आज कोई मेरठ में है, कोई बरेली में। हर किसी के लिए मुंबई आकर स्ट्रगल करना और महंगे खर्च उठाना संभव नहीं है। सोशल मीडिया ने कलाकारों को एक नया मौका दिया है। चाहे वह 2026 में हो या बाद में, लक्ष्य सिनेमा ही है। अभिनय का महासागर सिनेमा है और छोटी-छोटी धाराएं अंततः उसी में मिलती हैं। यह बदलाव अच्छी बात है। हमारे समय में मथुरा से मुंबई आकर गेस्ट हाउस में रहना, भूखे रहना और माता-पिता की चिंता उठाना पड़ता था। आज कम से कम यह संघर्ष कम हो गया है। आप घर से यूट्यूबर बन सकते हैं, कमाई कर सकते हैं और फिल्म तक पहुंच सकते हैं। टैलेंटेड लोग ही गांव-खेड़ों में बैठकर इतने फॉलोअर्स बना पाते हैं। यह सच में एक कमाल का रास्ता है।

19 जब तापमान 50 डिग्री को छूने लगेगा, तो भारत की श्रम शक्ति की सेहत और क्षमता को बचाने का क्या रास्ता है?

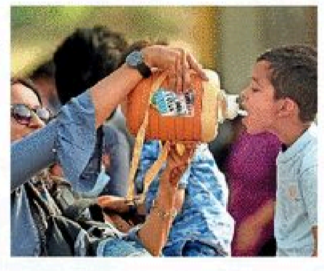

20 क्या भारत अपनी युवा आबादी से दुनिया का HR कैपिटल बन पाएगा?

21 ई-स्पोर्ट्स एशियन गेम्स में इवेंट होगा, क्या भारत गेमिंग को करियर मानेगा?

22 डीपफेक से चुनावों पर क्या असर और इससे निपटने के लिए क्या है हल?

कुलवंत नागी, AI कंटेंट एक्सपर्ट

पहले लोग सोचते थे, 'अगर दिख रहा है तो सच होगा।' अब हमें सीखना होगा, 'पहले जांच करो, फिर भरोसा करो।' क्योंकि डीपफेक में सच-झूठ में फर्क करना मुश्किल है। चुनाव के समय यह बहुत जरूरी हो जाता है, क्योंकि एक झूठी तस्वीर या विडियो लोगों की सोच को जल्दी बदल सकता है। असली समाधान है यह जानना कि कोई फोटो या विडियो कहां से आया है। इसके लिए नई तकनीक आ रही है, जिसमें फोटो और विडियो के साथ खास डिजिटल जानकारी जुड़ी होती है। इससे पता चल सकेगा कि कंटेंट असली है या बदला गया है। ब्लॉकचेन तकनीक इसमें मदद कर सकती है। आसान शब्दों में, ब्लॉकचेन एक डिजिटल रजिस्टर जैसा है। इसमें फोटो या विडियो का रेकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकता है। अगर कोई बाद में उसे बदल दे, तो यह पकड़ा जा सकता है। लेकिन सिर्फ तकनीक काफी नहीं है। सोशल मीडिया कंपनियों को साफ लेबल लगाना होगा, मीडिया को सच की जांच करनी होगी, और हमें भी समझदार बनना होगा। 2026 में शायद हम हर तस्वीर पर भरोसा न करें, लेकिन अगर हम जांच करना सीख लें, तो लोकतंत्र और चुनाव सुरक्षित रह सकते हैं।

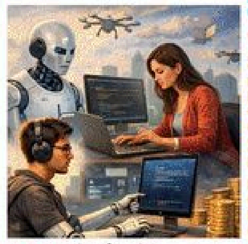

23 AI के दौर में भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके क्या होंगे?

24 क्या भारत खुद का मजबूत AI इन्फ्रास्ट्रक्चर बना पाएगा या हम डेटा के लिए विदेशी कंपनियों पर ही निर्भर रहेंगे?

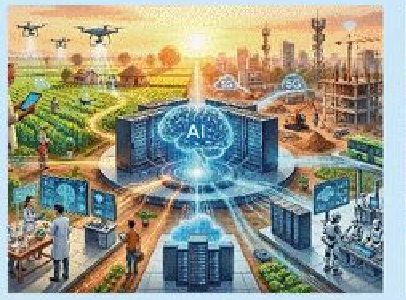

25 इलेक्ट्रिक वीकल और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत की इस साल कितनी बदलेगी तस्वीर?

26 सोशल मीडिया-डिजिटल लत से गिरती मेंटल हेल्थ से जेनरेशन अल्फा और Gen-Z को बचाने की क्या तैयारी है?

इस साल क्या बदलेगा, 26 नामी एक्सपर्ट्स के जवाब

सरहदों की खटास और गिरते-संभलते बाजार के बीच गुजरा बीता साल, अब 2026 के वेलकम के साथ देश की नई तस्वीर का करने खाका तैयार, हम उम्मीदों के 26 सवाल लेकर पहुंचे अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों के पास, उनके जवाबों से आइये जानें कि अपने पिटारे में ये बरस क्या लेकर आ रहा है खास:

1 क्या भारत 2026 में ग्लोबल साउथ के देशों की बुलंद आवाज बन पाएगा?

शशांक, इंटरनैशनल मामलों के जानकार

भारत की विदेश नीति ने हमेशा ऐसी राह पकड़ी जो कि ना सिर्फ उसके हितों बल्कि दूसरे विकासशील देशों की साझा प्राथमिकताओं को भी रेखांकित करती रही है। अतीत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर 77 समूह में हमारी भागीदारी इसकी गवाह रही है। भारत उपनिवेशवाद से पीड़ित रहा है और दूसरे ऐसे विकासशील देशों के संघर्षों को समझता है। इसीलिए हम किसी पर अपनी नीतियां थोपते नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों से भारत हमेशा यही कहता है कि वो अपनी प्राथमिकताएं तय करें। भारत एक मददगार साथी की तरह अपने अनुभव और विशेषज्ञता उनके साथ साझा करेगा। यही वजह है ग्लोबल साउथ के देश भारत जैसे देश के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं। लेकिन, भारत कभी भी खुद को ग्लोबल साउथ का अगुवा नहीं कहता है। हम विभिन्न मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की आवाज को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों को भी अपनी आवाज रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम न कोई ध्रुव हैं न किसी किसी ध्रुव की तरह दिखाना चाहते, बल्कि यह एक साझा रिश्ता है। जो हमारे साथ और हम उनके साथ सहज साझा प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

2 भारत क्या चीन के साथ अपने रिश्तों का कोई स्थायी न्यू नॉर्मल ढूंढ पाएगा?

हर्ष पंत, चीन मामलों के जानकार

चीन के साथ भारत बीते कुछ सालों में मुश्किल रिश्तों की उलझन में फंसा है। हालांकि मौजूदा समय में जहां तक भारत चीन रिश्तों की बात है, तो जो स्थिति फिलहाल बनी है, यही नया नॉर्मल है। सीमा पर कड़वे अनुभवों के बाद भारत की कोशिश यही रहेगी कि वह यथास्थिति और शांति कायम रहे और चीन की ओर से उस तरह की आक्रामकता दिखाई न दे, जैसी कि बीते वर्षों में हम देख चुके हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन के साथ व्यापारिक और आर्थिक रिश्तों की शुरुआत और निरंतरता भारत की इकॉनमी के लिए जरूरी है। ऐसे में जो बैलेंस मुश्किल से बना है, वो भी हमारे लिए अहम है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर मुद्दे चीन उठाता रहेगा और भारत कूटनीतिक तौर पर निबटता भी रहेगा। सीमा पर प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने और आर्थिक मुद्दे पर इंगेजमेंट कायम रखने के लिए भारत को अपनी अंदरूनी क्षमताओं में इजाफा करना पड़ेगा।

3 क्या डेटा सुरक्षा कानून लोगों की प्राइवेसी का 'सुरक्षा कवच' बन पाएगा?

ध्रुव शेखर, टेक, IT पॉलिसी के जानकार

डिजिटल प्राइवेट डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम हाल ही में अधिसूचित हुए हैं। लेकिन इन नियमों के पूरी तरह से क्रियान्वयन में अभी भी 18 महीने तक का वक्त है। ऐसे में 2026 में हमें इस मसले पर एक बदलाव होते हुए जरूर दिखेगा। कंपनियां इस कानून को लागू करने के मद्देनजर अपनी प्रक्रियाओं में बदलाव करेंगी। जहां तक सर्विलांस की बात है तो इसमें एक सवाल ये भी बार-बार उठता है कि हममें से कितने लोग डेटा प्राइवेसी को गंभीरता से लेते हैं? अब कानून बनने के बाद ये सार्वजनिक चर्चा का भी विषय बन गया है तो डेटा प्राइवेसी और निजता को लेकर लोगों में एक जागरूकता जाहिर तौर पर देखने को मिलेगी ही। यानि एक ओर अगला साल कंपनियों के भीतर अंदरूनी व्यवस्थाओं और अनुपालन जैसे मुद्दों का गवाह बनेगा। वहीं सामाजिक और व्यक्तिगत तौर पर हम अपने डेटा को लेकर, सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर कितने सचेत और जागरूक हैं, उससे जुड़ी बहसें और विचार विमर्श सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनेंगे।

4 कई शहरों में पानी खत्म होने का खतरा है। इस पर क्या मास्टर प्लान?

सुष्मिता सेन गुप्ता, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (सीएसई)

ये सही है कि भूजल कई शहरों में तेजी से कम हो रहा है और अगले साल कुछ शहर इस गंभीर संकट को अपने सामने खड़ा पाएंगे। इसीलिए इस समस्या से निपटने के लिए सभी को इसे एक बहुआयामी तरीके से समझना और लागू करना होगा। दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों को कुछ और उपायों पर काम करना होगा। शहरों को अपनी नदियों और झीलों को पुनर्जीवित करना होगा। इनमें से कुछ पर काम हो भी रहा है। जैसे बेंगलुरु अपनी झीलों को फिर जिंदा कर रहा है। एक दूसरा अहम पहलू है ट्रीट किए गए पानी का सही इस्तेमाल। औद्योगिक इकाइयों और सिंचाई के लिए इस तरह के पानी के इस्तेमाल से भूजल पर निर्भरता कम होगी। इसमें नीति आयोग की ओर से पूरे देश के लिए ग्राउंडवॉटर के सेफ एक्वीफर रिचार्ज (उथला जल पुनर्भरण) भी अहम है। इससे हर तरह के कुएं रिचार्ज हो जाएंगे। साफ पानी और वेस्ट वॉटर, दोनों को ध्यान में रख योजनाएं लागू करने से ही जल संरक्षण का मकसद पूरा हो सकता है।

5 रूस-यूक्रेन और मध्य-पूर्व के बाद क्या 2026 में युद्ध साइबर, स्पेस और AI वाला होगा ? भारत कितना तैयार है?

रि. मेजर जनरल अशोक कुमार, डायरेक्टर जनरल, सेंटर फॉर जॉइंट वॉरफेयर स्टडीज

दुनिया में चल रही अलग-अलग लड़ाइयों में साइबर वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) अहम हिस्सा है। अब कॉग्निटिव वॉरफेयर भी नया डोमेन बनकर सामने है। साइबर वॉरफेयर का इस्तेमाल इसलिए ज्यादा हो रहा है क्योंकि कहीं से कहीं भी निशाना बना सकते हैं। भारत ने भी डिफेंस साइबर एजेंसी बनाई है लेकिन इस एजेंसी को साइबर कमांड में तब्दील किया जाना चाहिए ताकि वो दुश्मन पर प्रभावी हो। स्पेस वॉरफेयर में सभी देशों ने स्पेस में सेटेलाइट बढ़ाने शुरू किए हैं। भारत भी संजीदगी से काम कर रहा है और डिफेंस स्पेस एजेंसी बनाई जा चुकी है। पर, इसे भी स्पेस कमांड में तब्दील किया जाना चाहिए। AI अपने आप में वॉरफेयर का कोई मोड नहीं है लेकिन ये ऐसी धार है जिसे किसी के भी साथ लगाया जाए तो उसकी मारक क्षमता बढ़ जाती है।

6 क्या भारत 2026–27 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा? आम लोगों की कमाई तक कितना फायदा पहुंचेगा?

समीर रस्तोगी, डायरेक्टर, सक्षम केल्प PVT LTD

डॉलर के मुकाबले रुपये में करीब 7% की गिरावट ने डॉलर डिनॉमिनेटेड GDP ग्रोथ को एक साल पीछे धकेल दिया है। RBI के GDP अनुमानों के हिसाब से अभी GDP 4 ट्रिलियन डॉलर से नीचे आ गई है। 5 ट्रिलियन डॉलर का पड़ाव 2027-28 या 2028-29 तक ही हासिल हो पाएगा। अभी प्रति व्यक्ति आय भी 2700 डॉलर रह गई है, पहले 2900 डॉलर का अनुमान था। GDP बढ़ने का मतलब है कि इकॉनमी का फॉर्मल से लेकर इनफॉर्मल तक, हर हिस्सा आगे बढ़ा है। वैसे, इस तस्वीर में एक पेच है। सरकार की योजना अगले साल फरवरी से 2022-23 को नई GDP सीरीज के रूप में अपनाने की है। अभी 2011-12 की सीरीज है। इस कदम से GDP 8-10% बढ़ जाएगा और जापान को पीछे छोड़कर भारत तुरंत ही दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा।

7 क्या 'चाइना प्लस वन' रणनीति का फायदा भारत उठा पाएगा या वियतनाम और मैक्सिको बाजी मार ले जाएंगे?

डॉ. अजय सहाय, डायरेक्टर जनरल, FIEO

दुनिया का व्यापार तेजी से बदल रहा है और आज ज्यादातर बड़ी कंपनियां 'चाइना प्लस वन' रणनीति अपना रही हैं। इसका मतलब है कि वे चीन के साथ-साथ दूसरे देशों में भी उत्पादन बढ़ाना चाहती हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक बड़ा मौका है। भारत के पास बड़ा घरेलू बाजार है, युवा आबादी है, मजबूत आईटी और सेवा क्षेत्र है और सरकार लगातार सुधार कर रही है। पीएलआई जैसी योजनाएं कंपनियों को भारत में निर्माण के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। अगर सरकार और उद्योग मिलकर निवेश को आसान बनाएं, सड़क-पोर्ट जैसी सुविधाएं बेहतर करें और व्यापार की प्रक्रिया सरल रखें, तो भारत वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत जगह बना सकता है। लेकिन मुकाबला आसान नहीं है। वियतनाम इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्माण में तेजी से आगे बढ़ा है। वहां लागत कम है और निर्यात आसान है। मैक्सिको भी अमेरिका के पास होने का फायदा उठाकर ऑटो और मशीनरी में आगे बढ़ रहा है। भारत सुधारों की रफ्तार बढ़ाकर, नई तकनीक अपनाकर, युवाओं को सही कौशल देकर और राज्यों की भूमिका मजबूत कर इस मौके का फायदा उठा सकता है। चाइना प्लस वन भारत के लिए लंबे समय का अवसर है।

8 एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने का खतरा भारत में अधिक है। क्या इसका तोड़ निकलेगा?

डॉ. नीरज निश्चल, एम्स दिल्ली

एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना, जिसे सुपरबग्स कहा जाता है, आज एक गंभीर खतरा बन चुका है। पेनिसिलिन की खोज के समय ही वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि अगर इन दवाओं का गलत इस्तेमाल हुआ, तो बैक्टीरिया मजबूत हो जाएंगे। आज यही हो रहा है। बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेना, पूरा कोर्स न करना, अस्पतालों में सफाई की कमी और नकली दवाओं के कारण कई बैक्टीरिया दवा के असर से बाहर हो चुके हैं। आईसीयू में सेप्सिस के मामले बढ़ रहे हैं और टाइफाइड व टीबी जैसी बीमारियां भी इलाज में मुश्किल बन रही हैं। इससे इलाज लंबा और महंगा हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए डॉक्टरों के साथ आम लोगों की भी जिम्मेदारी है। एंटीबायोटिक का सही और सीमित इस्तेमाल, टीकाकरण और साफ-सफाई बहुत जरूरी है। वैज्ञानिक नए इलाज खोज रहे हैं। फेज थेरेपी में ऐसे वायरस इस्तेमाल होते हैं जो सिर्फ हानिकारक बैक्टीरिया को मारते हैं। एआई की मदद से नई और असरदार दवाएं भी विकसित की जा रही हैं।

9 क्या BJP बंगाल का किला फतेह करने में कामयाब हो पाएगी? या वहां की सियासत चुनौती बनी रहेगी?

आशीष रंजन, को-फाउंडर, DALES

अब किसी भी चुनाव की जीत या हार पहले से तय नहीं मानी जा सकती। बिहार समेत कई राज्यों में यह देखा गया है कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं का सीधा फायदा लोगों तक पहुंचता है और इसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। पश्चिम बंगाल में स्थिति थोड़ी अलग है। यहां केंद्र की बीजेपी सरकार और राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार, दोनों के पास लोगों को लाभ देने के अवसर हैं। ममता बनर्जी सरकार पहले से ही महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए कई योजनाएं चला रही है। 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को करीब 47–48 प्रतिशत और बीजेपी को 38 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे। इस अंतर को कम करना बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती है। बंगाल जैसे बड़े राज्य में बीजेपी की जीत के लिए करीब पांच प्रतिशत का सकारात्मक वोट बदलाव चाहिए। 2021 में बीजेपी ने मेहनत की और उसकी सीटें 3 से बढ़कर 77 हुईं, लेकिन टीएमसी ने 213 सीटें जीतकर सरकार बनाई। साफ है कि बंगाल में बीजेपी के लिए राह आसान नहीं है।

10 क्या प्रदूषण का हल निकलेगा? दिल्लीवाले साफ सांसों की उम्मीद कर सकते हैं?

सुनीता नारायण, डायरेक्टर जनरल, सीएसई

अच्छी प्लानिंग के साथ अगले साल प्रदूषण का हल निकल सकता है। जमीनी स्तर पर कोशिशें दिखाई दे रही हैं, जरूरत है इन्हें साइंटिफिक तरीके से अमल में लाने की। क्लाउड सीडिंग और एंटी स्मॉग मशीनों जैसे उपायों से आगे बढ़कर हमें सबसे पहला काम गाड़ियों और इंडस्ट्री पर करना है। इसके बाद धूल और कचरा हमारी प्राथमिकता की लिस्ट में होना चाहिए। पुरानी हो चुकी गाड़ियों को जितना जल्दी हो सके हमें बदलना चाहिए। इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ बढ़ना है। उद्योगों में प्रदूषण फैलाने वाले फ्यूल का इस्तेमाल न हो। एनसीआर में कोयले के पावर प्लांट पर सख्ती हो, उन्हें फेजआउट किया जाए। गाड़ियों पर सख्ती के आदेश हो रहे हैं, इसकी बातें होने लगी हैं। लोगों का गुस्सा प्रदर्शनों के तौर पर दिखने लगा है। आसार पूरे हैं कि 2026 कुछ अच्छा देखने को मिलेगा।

11 गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की तैयारी में 2026 कितना अहम है?

एस उन्नीकृष्णन नायर, फाउंडिंग डायरेक्टर, HSFC

2026 भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए अहम साल होने वाला है। इसी साल गगनयान मिशन को मानव उड़ान के बेहद करीब लाने वाली तैयारियां पूरी होंगी। गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसमें तीन अंतरिक्ष यात्रियों को करीब 400 किलोमीटर ऊंची पृथ्वी की कक्षा में तीन दिन के लिए भेजने की योजना है। मानव मिशन से पहले इसरो को तीन बिना मानव वाली उड़ानें करनी हैं, जो 2026 में प्रस्तावित हैं। इन उड़ानों में रॉकेट, क्रू मॉड्यूल, जीवन सहायता प्रणाली, आपातकालीन बचाव सिस्टम और सुरक्षित वापसी की पूरी जांच होगी। 2026 की ये उड़ानें तय करेंगी कि भारत 2027 में इंसानों को अंतरिक्ष भेज पाएगा। भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक स्वतंत्र रूप से चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजकर उन्हें सुरक्षित वापस लाने का लक्ष्य रखा है।

12 जीन थेरेपी, जीन एडिटिंग इतनी सुरक्षित -सस्ती होगी कि दिल की बीमारी-डायबिटीज जैसे रोगों का इलाज बन सके?

डॉ. रत्ना दुआ पुरी, सर गंगाराम अस्पताल

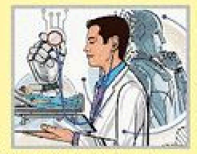

आजकल CRISPR जीन एडिटिंग तकनीक की काफी चर्चा हो रही है। सरल शब्दों में, यह तरीका शरीर के खराब जीन को ठीक करने में मदद करता है। इसके जरिए सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया जैसी बीमारियों का इलाज संभव हो गया है और अमेरिका की FDA से मंजूरी भी मिल चुकी है। कई अन्य बीमारियों पर भी इसके क्लीनिकल ट्रायल चल रहे हैं। लेकिन हार्ट फेलियर या डायबिटीज जैसी आम बीमारियां केवल एक जीन की वजह से नहीं होतीं। इनमें जीवनशैली, खान-पान और कई छोटे-छोटे जीन मिलकर असर डालते हैं। फिर भी कुछ बीमारियां, जैसे फैमिलियल हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया (FH), एक प्रमुख जीन की वजह से होती है। इसमें कोलेस्ट्रॉल बढ़कर दिल की बीमारी का खतरा बढ़ा देता है। ऐसे मामलों में जीन एडिटिंग ज्यादा असरदार साबित हो सकती है। भारत में भी कम लागत वाली जीन थेरेपी और नए इलाज विकसित करने पर तेजी से काम हो रहा है। लक्ष्य है कि ये आधुनिक इलाज सिर्फ विदेशों तक सीमित न रहें, बल्कि आम मरीजों तक आसानी से पहुंचें।

13 नई शिक्षा नीति के 6 साल बाद 2026 में क्या रट्टा मारना खत्म कर बच्चों में सोचने की समझ पैदा कर पाएगी?

प्रो. आर. बी. सोलंकी, शिक्षाविद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक सिलेबस और शिक्षा प्रणाली में बदलाव जारी है। परीक्षा पैटर्न और मूल्यांकन के तरीकों में सुधार शुरू हो गया है। 2026 में सीबीएसई दसवीं की बोर्ड परीक्षा दो बार होगी, और नए साल में शिक्षा में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से रटने की आदत धीरे-धीरे कम हो रही है। एंट्रेंस टेस्ट का पैटर्न भी बदलकर रटंत शिक्षा को घटाकर छात्रों में आलोचनात्मक सोच यानी क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय भाषाओं में शिक्षा, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से रटने की आदत कम होगी। शिक्षा में सुधार केवल छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षकों की तैयारी और मूल्यांकन प्रणाली भी जरूरी है। बालवाटिका स्तर के शिक्षकों को नई तकनीक से पढ़ाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे क्लासरूम में पढ़ाई अधिक समझ पर आधारित होगी और रटने की आदत कम होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्पष्ट रूप से कहती है कि परीक्षा प्रणाली बच्चों की क्षमता बढ़ाने वाली होनी चाहिए, केवल याद करने की शक्ति पर निर्भर नहीं। सीबीएसई और अन्य बोर्ड योग्यता-आधारित मूल्यांकन ढांचे के माध्यम से यह बदलाव लागू कर रहे हैं।

14 क्या लीग क्रिकेट के असर से टेस्ट-वनडे सिमट जाएंगे और खिलाड़ी सिर्फ फ्रेंचाइजी के होकर रह जाएंगे?

आकाश चोपड़ा, पूर्व क्रिकेटर, क्रिकेट कॉमेंटेटर

इसमें दो राय नहीं है कि अंतिम रूप से तो लीग क्रिकेट ही खेल में सबसे ताकतवर और प्रभावशाली भूमिका अदा करने वाली है, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा एकदम निकट भविष्य में होने की संभावना कम है। उसमें थोड़ा-सा वक्त जरूर लगने वाला है। चूंकि आप देखें तो दुनिया की सबसे ताकतवर क्रिकेट संस्था भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) इस समय पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रही है कि हमें द्विपक्षीय क्रिकेट को भी पूरा-पूरा सम्मान देना है और वह विश्व कप जैसे टूर्नामेंट्स को भी काफी महत्वपूर्ण मानती है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट बोर्ड कदम उठाता है, तो बाकी दुनिया उसका अनुसरण करती है। मैं दुनिया के बाकी क्रिकेटर्स के बारे में तो नहीं कह सकता, लेकिन भारतीय क्रिकेटर्स अपनी नैशनल ड्यूटी छोड़कर पूरा पूरी तरह लीग क्रिकेट की तरफ उन्मुख हो जाएं, ऐसा तो नहीं लगता। लीग क्रिकेट की इकॉनमी भी ऐसी है कि वह भारतीय क्रिकेटर्स के बिना बहुत फल-फूल नहीं सकती। मेरा मानना है कि दुनिया की सबसे प्रभावशाली क्रिकेट बॉडी होने के नाते बीसीसीआई क्रिकेट के परंपरागत फॉर्मेट्स और द्विपक्षीय सीरीज को बचाने का पूरा प्रयास करेगी और इसमें सफल भी रहेगी... लेकिन हां, ये आप कह सकते हैं कि आज से कोई 15 या 20 साल बाद जरूर लीग क्रिकेट इस खेल का प्रमुखतम फॉर्मेट बनकर उभरेगा।

15 ओलिंपिक्स की मेजबानी की दावेदारी भारत पेश करेगा, क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त होगा?

पीटी उषा, पूर्व ऐथलीट, प्रेजिडेंट [IOA]

साल 2026 ही वह वर्ष होगा जब भारत ओलिंपिक्स 2036 के लिए जोर-शोर से दावा पेश करेगा। IOA की प्रेजिडेंट होने के नाते मैं ये कहूंगी कि आज का भारत दो दशक पहले का भारत नहीं है, यह पूरी तरह बदल चुका है। हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर, हमारी सांगठनिक क्षमता और खेल को लेकर हमारी महत्वाकांक्षाओं में अभूतपूर्व इजाफा हो चुका है। यह बात भी पूरी तरह सही है कि साल 2030 में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स (CWG) का आयोजन करने से हमारी यह नींव और ज्यादा मजबूत हो जाएगी। CWG का आयोजन हमारे लिए एक ऐसा सुनहरा अवसर होगा जिसमें हम यह प्रदर्शित कर पाएंगे कि भारत भी मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट वाली बड़ी प्रतियोगिताओं का विश्वस्तरीय स्टैंडर्ड के हिसाब से आयोजन करने में पूरी तरह सक्षम है। इसकी मेजबानी से हमारे पास नए स्टेडियम्स, गेम्स विलेज, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और हॉस्पिटैलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ-साथ तकनीक फ्रेमवर्क के विकास में भी गति आएगी। सबसे अहम बात यह है कि यह देशभर में लाखों लाख युवाओं को इस प्रक्रिया में शामिल कर भारतीय खेल संस्कृति के विकास को भी बढ़ावा देगा। ये सब बातें मिलकर स्वाभाविक रूप से इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी (IOC) के अंदर भारत का ओलिंपिक्स-2036 के आयोजन का दावा काफी मजबूत करती है।

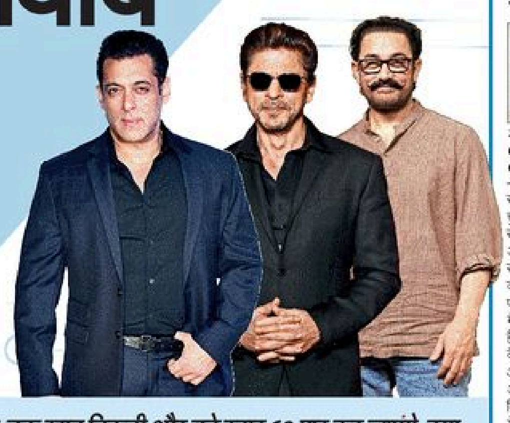

16 2026 तक खान तिकड़ी और बड़े स्टार 60 पार कर जाएंगे, क्या बॉलिवुड नया पैन-इंडिया स्टार बना पाएगा या सिर्फ कॉन्टेंट चलेगा?

गिरीश जौहर, प्रोड्यूसर, फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

इस साल 60 साल के हो चुके तीनों खान सितारों ने कई दशक तक सुपरस्टारडम एन्जॉय किया है। लेकिन आने वाले वक्त में किसी दूसरे सितारे के लिए ऐसा स्टेटस हासिल करना आसान नहीं होगा। आजकल वैसे भी ओटीटी के चलते दर्शक की पहुंच न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की तमाम भाषाओं के अच्छे कॉन्टेंट तक हो गई है। इसलिए अब सुपर स्टार बनने के लिए ऐक्टर के टैलंट व स्टारडम के साथ उसकी फिल्मों का कॉन्टेंट भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लेकिन आजकल दर्शक फिल्म के टीजर और ट्रेलर से उसके कॉन्टेंट को देखकर उसे देखने या ना देखने का मन बना लेते हैं। जबकि पहले सिर्फ शाहरुख, सलमान व आमिर जैसे सुपरसितारों का नाम ही काफी होता था। बेशक मौजूदा पीढ़ी के कलाकारों के लिए खान सितारों जैसा स्टारडम हासिल करना मुश्किल है, लेकिन फिर भी रणबीर कपूर और रणवीर सिंह दोनों में ऐक्टिंग की दुनिया में बड़ा नाम बनाने की काफी संभावनाएं हैं। यही बात अगर पैन इंडिया सितारों की करें, तो अभी तक ऑफिशली ऐसा कोई टर्म मौजूद नहीं है। बावजूद इसके प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे सितारों के स्टारडम को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

17 AI स्क्रिप्ट-म्यूजिक बना सकता है, तो लेखकों-कलाकारों के रोजगार का क्या होगा, क्या सिंथेटिक सिनेमा की ओर जा रहे हैं?

कनिका ढिल्लन, राइटर-प्रोड्यूसर

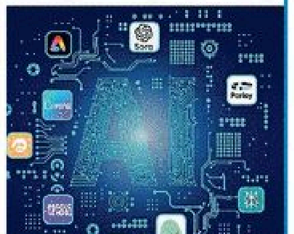

18 इन्फ्लुएंसर्स, यू-ट्यूबर्स फिल्मों में आ रहे हैं, क्या 'एक्टिंग टैलेंट' और 'सोशल मीडिया फॉलोअर्स' के बीच की लाइन मिट जाएगी?

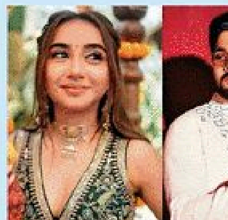

अनिल शर्मा, फिल्म डायरेक्टर

19 जब तापमान 50 डिग्री को छूने लगेगा, तो भारत की श्रम शक्ति की सेहत और क्षमता को बचाने का क्या रास्ता है?

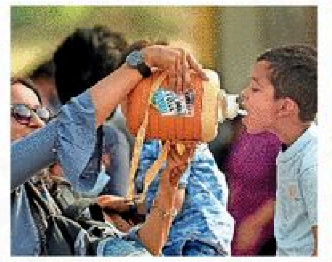

20 क्या भारत अपनी युवा आबादी से दुनिया का HR कैपिटल बन पाएगा?

21 ई-स्पोर्ट्स एशियन गेम्स में इवेंट होगा, क्या भारत गेमिंग को करियर मानेगा?

अनिमेष अग्रवाल, CEO, 8BIT CREATIVES

2026 के एशियन गेम्स भारत के लिए निर्णायक पड़ाव साबित होंगे, क्योंकि ई-स्पोर्ट्स पहली बार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल मंचों में से एक पर पूर्ण पदक स्पर्धा के रूप में अपनी जगह बनाएगा। वैसे भारत में ई-स्पोर्ट्स को एक विश्वसनीय करियर के रूप में मान्यता मिलने की शुरुआत 2026 से नहीं हो रही है, यह प्रक्रिया पहले ही तेजी पकड़ चुकी है। सरकार की ओर से स्पष्ट नीतिगत दिशा, राष्ट्रीय खेल ढांचे में ई-स्पोर्ट्स का एकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का बढ़ता रेकॉर्ड, इन सभी ने इस उद्योग को वह वैधता दी है जिसका वह हकदार था। देश भर में युवा खिलाड़ी, क्रिएटर, एनालिस्ट, प्रोड्यूसर, डिजाइनर और उद्यमी के रूप में गंभीर और भविष्य के लिए तैयार करियर गढ़ रहे हैं। ब्रैंड्स और मुख्यधारा की आवाजों ने ई-स्पोर्ट्स के प्रभाव को पहचाना है। जैसे-जैसे हम 2026 की ओर बढ़ रहे हैं, सवाल अब स्वीकार्यता का नहीं रहा। असली प्रश्न यह है कि हम अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर को कितनी तेजी से उन्नत कर सकते हैं और मजबूत मेंटरशिप रास्ते कैसे विकसित कर सकते हैं, ताकि भारतीय चैंपियनों की अगली पीढ़ी को तैयार किया जा सके।

22 डीपफेक से चुनावों पर क्या असर और इससे निपटने के लिए क्या है हल?

कुलवंत नागी, AI कंटेंट एक्सपर्ट

पहले लोग सोचते थे, 'अगर दिख रहा है तो सच होगा।' अब हमें सीखना होगा, 'पहले जांच करो, फिर भरोसा करो।' क्योंकि डीपफेक में सच-झूठ में फर्क करना मुश्किल है। चुनाव के समय यह बहुत जरूरी हो जाता है, क्योंकि एक झूठी तस्वीर या विडियो लोगों की सोच को जल्दी बदल सकता है। असली समाधान है यह जानना कि कोई फोटो या विडियो कहां से आया है। इसके लिए नई तकनीक आ रही है, जिसमें फोटो और विडियो के साथ खास डिजिटल जानकारी जुड़ी होती है। इससे पता चल सकेगा कि कंटेंट असली है या बदला गया है। ब्लॉकचेन तकनीक इसमें मदद कर सकती है।

23 AI के दौर में भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके क्या होंगे?

24 क्या भारत खुद का मजबूत AI इन्फ्रास्ट्रक्चर बना पाएगा या हम डेटा के लिए विदेशी कंपनियों पर ही निर्भर रहेंगे?

इला कुमार, प्रोफेसर, IGDTUW

भारत सरकार AI को देश के विकास का एक बड़ा साधन मान रही है। इसका मकसद ऐसे AI सिस्टम बनाना है जो भारत की भाषाओं, संस्कृति और जरूरतों को समझ सकें। इसलिए सरकार भारतीय डेटा पर आधारित AI मॉडल और तकनीक डिवेलप कर रही है। 2018 में नीति आयोग ने 'AI for All' नाम से एक राष्ट्रीय योजना बनाई। सरकार चाहती है कि AI का फायदा शहरों के साथ-साथ गांवों तक भी पहुंचे। AI को मजबूत बनाने के लिए सरकार 6 जरूरी चीजों पर काम कर रही है, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटा, टैलेंट, रिसर्च, गवर्नेंस और आपसी सहयोग। इन सभी को मिलाकर एक मजबूत AI इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। गांवों को इंटरनेट से जोड़ने के लिए भारतनेट परियोजना शुरू की गई है, जिससे लाखों गांवों को तेज इंटरनेट मिलेगा। 5G तकनीक आने से इलाज, खेती, ट्रांसपोर्ट और फैक्ट्रियों में नई सुविधाएं संभव होंगी। बड़े AI मॉडल बनाने के लिए पावरफुल कंप्यूटर की जरूरत होती है। इसके लिए PARAM सिद्धि जैसे सुपरकंप्यूटर तैयार किए गए हैं, जो मेडिकल, मौसम और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में रिसर्च में मदद कर रहे हैं। सरकार ने मेघराज क्लाउड और IndiaAI डेटा प्लैटफॉर्म जैसे सिस्टम बनाए हैं, ताकि स्टार्टअप्स, वैज्ञानिक और सरकारी विभाग आसानी से डेटा और कंप्यूटिंग सुविधाएं ले सकें। AIKosh नाम का प्लैटफॉर्म भी बनाया जा रहा है, जहां हजारों AI डेटा सेट उपलब्ध होंगे।

25 इलेक्ट्रिक वीकल और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत की इस साल कितनी बदलेगी तस्वीर?

विनय रैना, CCO, JSW MG मोटर इंडिया

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रफ्तार अब साफ दिखने लगी है। 2025 में EV की हिस्सेदारी 2024 के मुकाबले दोगुनी हुई है। 2026 में भी यह ग्रोथ जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, यह सच है कि पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के मुकाबले EV अभी भी बहुत छोटे स्तर पर है और आने वाले दो-तीन साल में ICE वाहनों की मांग अचानक घटने वाली नहीं है। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो फिलहाल भारत में करीब 15,000 फास्ट चार्जर और 50,000 से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट्स हैं। यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2026 तक चार्जिंग नेटवर्क के "लास्ट माइल" तक पहुंचने की उम्मीद है। MG ने भारत में MG Charge पहल के तहत 1,000 दिन में 1,000 चार्जर लगाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से करीब 900 चार्जर पहले ही लगाए जा चुके हैं। सरकार और कार कंपनियां अपने लेवल पर चार्जिंग स्टेशन बना ही रही हैं, साथ में कई कंपनियां सिर्फ चार्जिंग नेटवर्क बिछाने के बिजनेस में भी उतर चुकी हैं, यानी तीन लेवल पर काम चल रहा है। कुल मिलाकर, 2026 तक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर होगा, EV की ग्रोथ भी बनी रहेगी।

26 सोशल मीडिया-डिजिटल लत से गिरती मेंटल हेल्थ से जेनरेशन अल्फा और Gen-Z को बचाने की क्या तैयारी है?

डॉ विपुल जनार्दन, साइकियाट्रिक

आज की Gen-Z और जेनरेशन अल्फा ऐसे डिजिटल माहौल में बड़ी हो रही है, जहां सोशल मीडिया, स्मार्टफोन और इंटरनेट जीवन का अहम हिस्सा बन चुके हैं। मनोरंजन, पढ़ाई, दोस्ती और पहचान सब कुछ स्क्रीन के जरिये तय हो रहा है। लेकिन क्लिनिकल अनुभव बताते हैं कि यही डिजिटल दुनिया अब किशोरों और युवाओं की मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। प्रॉब्लमैटिक इंटरनेट यूज और डिजिटल एडिक्शन तेजी से उभरती मेंटल हेल्थ की समस्याएं हैं। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक, व्यू और नोटिफिकेशन दिमाग में बार-बार डोपामिन स्पाइक पैदा करते हैं। यह तुरंत मिलने वाला मजा धीरे-धीरे बिहेवियरल एडिक्शन का रूप ले सकता है। मनोचिकित्सकीय दृष्टि से कुछ लक्षण महत्वपूर्ण हैं, जैसे फोन न मिलने पर चिड़चिड़ापन, सोशल मीडिया से दूर होने पर बेचैनी, वास्तविक रिश्तों से दूरी, पढ़ाई में ध्यान की कमी और आत्म-मूल्यांकन का बाहरी स्वीकृति पर निर्भर होना। ये लक्षण कई बार एंग्जायटी डिसऑर्डर्स, डिप्रेशन और इम्पल्स कंट्रोल प्रॉब्लम्स से जुड़े पाए जाते हैं। माता-पिता और शिक्षकों को डिजिटल लत और भावनात्मक असंतुलन के संकेत समझने होंगे। केवल स्क्रीन-टाइम घटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्क्रीन हाइजीन सिखाना जरूरी है। जैसे सोने से पहले ब्लू लाइट एक्सपोजर कम करना, नोटिफिकेशन सीमित करना और मल्टी-टास्किंग से बचना।

हेमंत राजौरा, अल्पू सिंह, अखिलेश सिंह, भूपेंद्र शर्मा, पूनम गौड़, प्रदीप तिवारी, अभिषेक गौतम, खालिद अमीन, रेखा खान, राहुल कुमार, रुपेश रंजन ने अलग-अलग फील्ड के **नामी एक्सपर्ट्स से बातचीत कर तैयार की यह खास रिपोर्ट**

फटाफट खबरें

बंगाल में एक और बीएलओ की मौत

■ भाषा, कोलकाता: पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार को एक बूथ-लेवल अधिकारी (बीएलओ) का शव पाया गया। घटना रानीबांध ब्लॉक में हुई, जहां रविवार सुबह एक स्कूल के परिसर से हराधन मंडल का शव बरामद किया गया। उधर, **SIR प्रक्रिया के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल को Y+ सुरक्षा दी है।**

हुमायूं कबीर के बेटे पुलिस हिरासत में

■ भाषा, मुर्शिदाबाद: पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आजाद को पुलिस कॉन्स्टेबल (प्राइवेट सिक्योरिटी ऑफिसर) जुम्मा खान पर हमले के आरोप में हिरासत में ले लिया। आरोप है कि जब खान ने ड्यूटी से छुट्टी मांगी तो गुलाम ने उन्हें पीटा। हालांकि, बाद में पूछताछ के बाद पुलिस ने गुलाम नबी आजाद को छोड़ दिया। पुलिस ने गुलाम को जांच लंबित रहने तक नोटिस देकर रिहा किया है।

छात्रा की बर्थडे पार्टी में मुस्लिम दोस्तों की मौजूदगी पर हंगामा

पुलिस ने मुस्लिम लड़कों और कैफे कर्मचारी पर ही कर दिया चालान

■ NBT रिपोर्ट/भाषा, बरेली

Social Media

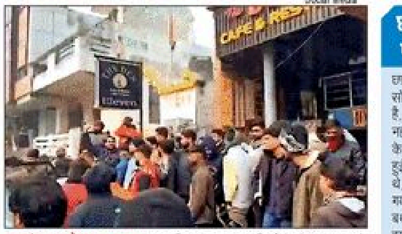

बजरंग दल ने पल्ला झाड़ा: दावा किया जा रहा था कि कैफे में हंगामा करने वाले लोग बजरंग दल कार्यकर्ता थे। बजरंग दल ने कहा है कि हंगामे के मुख्य आरोपी ऋषभ ठाकुर को कुछ दिन पहले ही संगठन से निकाल दिया था।

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक कैफे में नर्सिंग छात्रा की बर्थडे पार्टी के दौरान मुस्लिम युवकों की मौजूदगी के खिलाफ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के अनुसार, घटना प्रेमनगर इलाके के 'द डेन कैफे एंड रेस्तरां' में शनिवार रात हुई। पार्टी में करीब 10 लोग मौजूद थे, जिनमें छह लड़कियां और चार लड़के शामिल थे। चार लड़कों में से दो शान और वाकिफ मुस्लिम थे। पुलिस ने बताया कि मुस्लिम युवकों की मौजूदगी को लेकर कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य कैफे पहुंचे। उन्होंने नारेबाजी और हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान एक मुस्लिम युवक और बीच-बचाव करने आई छात्रा के साथ मारपीट भी की गई।

बरेली के 'द डेन कैफे एंड रेस्तरां' में हुई घटना

सूचना मिलने पर प्रेमनगर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा तथा अन्य लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले गई। शुरुआत में एक मुस्लिम युवक को हिरासत में लिया गया, जबकि दूसरा युवक मौके से भाग गया।

उन्होंने कहा, 'छात्रा ने अपने दोस्तों के लिए बर्थडे पार्टी का आयोजन किया था। हमने छात्रा के रिश्तेदारों को बुलाया है और पार्टी में मौजूद अन्य लोगों के परिजनों को भी सूचित किया गया।' पुलिस ने पहले शान और कैफे के कर्मचारी शैलेंद्र गंगवार के खिलाफ शांति भंग करने के लिए निवारक धाराओं के तहत चालान तैयार किया। बाद में, जब सीओ आशुतोष शिवम को सूचना मिली कि दूसरा युवक वाकिफ फरार है तो पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया। शान व वाकिफ और कैफे कर्मचारी समेत तीन लोगों के खिलाफ रविवार को कार्रवाई कर चालान किया गया है।

छात्रा बोली- विडियो में पूरा सच नहीं दिखाया

छात्रा ने बताया कि जो विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, वह गलत है। इसमें पूरी सच्चाई नहीं दिखाई गई है। TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस तरह से घटना हुई और जितने लोग मौके पर मौजूद थे, वह सब विडियो में नहीं दिखाया गया है। मैं अपने दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी करने गई थी। इसी दौरान हमारी पार्टी के बीच में कुछ लोग घुस आए और मारपीट करने लगे। उन्होंने मेरे साथ बदतमीजी की और मेरा मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मुझे और मेरे दोस्तों को अपने साथ ले गई। मैंने पुलिस को साफ बताया कि आरोपी लोग झूठे आरोप लगा रहे थे, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं था। वहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के दोस्त मौजूद थे। सिर्फ दो मुस्लिम दोस्त थे। मैं चाहती हूं विडियो इंटरनेट से हटाया जाए।

देहरादून में त्रिपुरा के छात्र की हत्या

पिता ने कहा, नस्ली गालियों का विरोध किया तो मार डाला

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

BCCL

त्रिपुरा में परिवार के लोगों और करीबियों ने एंजेल को श्रद्धांजलि दी।

उत्तराखंड के देहरादून में कथित रूप से नस्ली टिप्पणियों के बाद त्रिपुरा के एक मेडिकल स्टूडेंट एंजेल चकमा की हत्या कर दी गई। स्टूडेंट के पिता तरुण प्रसाद चकमा सेना के जवान हैं। उन्होंने पूरे घटनाक्रम के बारे में बताते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, बेटा किसी झगड़े या विवाद के इरादे से नहीं, बल्कि सब्जी लेने बाजार गया था। वहां उसने अपने ऊपर नस्ली गालियों का विरोध किया। इसपर उसकी बेरहमी से जान ले ली गई। वो कहता रहा कि मैं इंडियन हूं फिर भी उसकी हत्या कर दी।

पिता ने पुलिस पर FIR दर्ज करने में देरी का आरोप लगाया।

तरुण प्रसाद चकमा ने बताया, मार्केट में दो बाइकों पर सवार लोग आए और बेटे पर 'चीनी' और 'मोमो' जैसे नस्ली कॉमेंट करने लगे। मेरे बेटे ने इसका विरोध करते हुए उसने कहा कि हम भारतीय हैं, हमें इस तरह क्यों बोला जा रहा है। बस इसी बात पर उन्होंने उस पर हमला कर दिया। पिता के मुताबिक, हमलावरों ने चाकू से एंजेल के सिर और गर्दन पर कई वार किए। उसे बेरहमी से पीटा गया। पिता ने बताया कि जब मुझे फोन आया तो मैं तुरंत देहरादून के अस्पताल पहुंचा। मेरा बेटा आईसीयू में भर्ती था। हमने कोशिश की, लेकिन बचा नहीं पाए।

मदद नहीं की... पुलिस पर भी आरोप

तरुण प्रसाद चकमा ने पुलिस पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि घटना के वक्त पुलिस ने समय पर मदद नहीं की। अगर सही समय पर कार्रवाई होती, तो शायद मेरा बेटा आज जिंदा होता। उन्होंने आगे कहा कि मैं नहीं चाहता कि उत्तर-पूर्वी भारत का कोई भी बच्चा या स्टूडेंट ऐसी स्थिति से गुजरे। यह सिर्फ मेरे बेटे की नहीं, पूरे देश की समस्या है।

सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक दिखा लोगों का आक्रोश...

NBT रिपोर्ट, देहरादून : एंजेल की हत्या से उत्तराखंड समेत पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक इस घटना के खिलाफ विरोध जारी है। देहरादून, ऋषिकेश सहित कई शहरों में नॉर्थ ईस्ट के छात्रों ने कैंडल मार्च निकालकर न्याय की मांग की है। मामले में अब तक पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें दो नाबालिग शामिल हैं। वहीं, एक मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। एंजेल चकमा देहरादून में जिज्ञासा यूनिवर्सिटी में एमबीए फाइनल ईयर का छात्र थे। 9 दिसंबर की रात एंजेल और उनके छोटा भाई माइकल बाजार की ओर जा रहे थे, तभी कुछ लोगों के एक समूह ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि आरोपियों ने दोनों भाइयों पर नस्लीय टिप्पणियां करते हुए उन्हें कथित तौर पर चीनी कहकर अपमानित किया।

छठे आरोपी की तलाश में नेपाल गई पुलिस की टीम: CM धामी

पीटीआई, देहरादून: देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के बाद बढ़ते दबाव के बीच पुलिस ने फरार छठे आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सरकार अराजक तत्वों से सख्ती से निपटेगी। मामले में पांच आरोपियों को पकड़ा जा चुका है और छठा आरोपी यज्ञराज अवस्थी नेपाल का रहने वाला है। सीएम ने कहा, पुलिस की एक टीम को नेपाल भेजा गया है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

समानता, एकता की नींव पर हमला: मेघालय सीएम: इस मामले पर मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने भी दुख जताया। उन्होंने कहा, नस्लीय हिंसा के कारण ये मौत दिल दहला देने वाली और अस्वीकार्य है।

त्रिपुरा के सीएम को धामी का भरोसा

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उनकी उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से बात हुई है। उन्होंने कहा, धामी ने भरोसा दिया है कि एंजेल की हत्या में जिम्मेदार सभी लोगों पर सख्त कार्रवाई होगी। दिल्ली लीडरशिप को भी इस घटना की जानकारी है और उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए उत्तराखंड सरकार को मामले पर कार्रवाई करने के लिए जरूरी निर्देश भी जारी किए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर, शुभांशु, महाकुंभ... मन की बात में मोदी ने गिनाईं 2025 की उपलब्धियां

PM ने चेताया, एंटीबायोटिक दवाएं कमजोर साबित हो रहीं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File

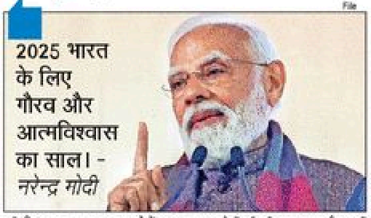

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का साल रहा, जिसने देश को नई पहचान और नया आत्मविश्वास दिया। साल के आखिरी मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दवा लेने से पहले उचित गाइडेंस और डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाएं कमजोर साबित हो रही हैं। इसका मुख्य कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक का सेवन है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मनमर्जी से दवाओं के इस्तेमाल से बचें।

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से किसी कीमत पर समझौता नहीं करता। पीएम ने कहा कि कुछ ही दिनों में 2026 दस्तक देने वाला है और बीते साल में भारत का प्रभाव हर क्षेत्र में साफ दिखाई दिया। 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ चाहे वह देश की सुरक्षा हो, खेल का मैदान हो, विज्ञान की प्रयोगशालाएं हों या फिर वैश्विक मंच।

खेलों का भी यादगार साल: प्रधानमंत्री ने खेल उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 2025 भारत के लिए खेलों का भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप अपने नाम किया और महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप में भी भारत ने इतिहास रचा।

विज्ञान और स्पेस के क्षेत्र में भी गौरव: विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर मोदी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बने जो देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत को उम्मीद और भरोसे की नजर से देख रही है जिसकी सबसे बड़ी वजह भारत की युवा शक्ति है।

प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि देश में चीतों की संख्या अब 30 से अधिक हो गई है। साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ और अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण जैसे आयोजनों को आस्था, संस्कृति और विरासत का प्रतीक बताया।

स्वदेशी को लेकर बढ़ते उत्साह पर प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग अब वही प्रोडक्ट खरीद रहे हैं, जिनमें भारतीय मेहनत और मिट्टी की खुशबू हो। उन्होंने स्वीकार किया कि वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियां भी रहीं लेकिन देश अब 2026 में नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

बिजनेस
बिजनेस प्रस्ताव

PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
• Waterborne Polyurethane Dispersions
• Acrylic Polyols
• Alkyds & Epoxies
• Functional Monomers & Crosslinkers
Please contact:
Euro Exim Limited
Manchester (UK)
Email: sales@euroeximlimited.co.uk

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I, Parkash Chand Mittal S/o Late Shri Radheyshyam Gupta R/o Site No 11, Plot No 8, 2nd Floor, West Patel Nagar, Delhi-110008 have changed my name to Prakash Chand Mittal. Parkash Chand Mittal and Prakash Chand Mittal are same person.

I, Rahul Goel S/o Subhash Goyal R/o H.No. 75, South Avenue, President Estate, PO-Nirman Bhawan, New Delhi-110011 have changed my minor son's name from Toraya Goel (DOB- 09.10.2021) to Krishiv Goel for all purposes.

I MAHABIR SINGH S/o RAM KISHAN R/o RZ 41, K Block, New Roshan Pura, Najafgarh ND 43 is also known as MAHABIR SINGH DALAL S/o RAMKISHAN SINGH DALAL. I declare that my correct name is MAHABIR SINGH S/o RAM KISHAN for all purposes

I, Jageshwar Prajapati S/o Dev Nath Prajapati R/o T-576A/1, gali no-2, Baljeet Nagar, Patel Nagar Delhi-110008, affirm that Jageshwar Prajapati, Jageshwar Prasad and Jageshwar is same as it appear in this id card.

सामान्य

IT is for general information that I, AMAN SHEORAN S/o AJAY KUMAR R/o 1-1-301, Gurjinder Vihar AWHO Township, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, declare that name of mine has been wrongly written as SHEORAN AMAN AJAY KUMAR SUMAN in my Graduation educational documents. The actual name of mine is AMAN SHEORAN which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021.
निविदा सूचना
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्यविवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है
जीईएम बोली संख्या – जीईएम/2025/बी/7031870 दिनांक: 22.12.2025
कोर बैंकिंग प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा प्रबंधन सेवाओं हेतु विक्रेता के चयन के लिए प्रस्ताव का अनुरोध
पूर्व बैठक - 02.01.2026 सुबह 11:00 बजे
प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख - 16.01.2026 शाम 16:00 बजे
अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021.
निविदा सूचना
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्यविवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है
जीईएम बोली संख्या-जीईएम/2025/बी/7035858 दिनांक: 23.12.2025
बैंक-आधारित निर्यात डेटा प्रोसेसिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम (EDPMS) तथा आयात डेटा प्रोसेसिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम (IDPMS) के उन्नयन और ऑनबोर्डिंग के साथ सुविधा प्रबंधन समर्थन हेतु निविदा (RFP)
पूर्व बैठक - 05.01.2026 सुबह 11:00 बजे
प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख - 17.01.2026 शाम 16:00 बजे
अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें।

न्यायालय सूचना

PUBLICATION NOTICE
NATIONAL CONSUMER DISPUTES REDRESSAL COMMISSION
Under the Consumer Protection Act, 2019
Upbhokta Nyay Bhawan 'F'- Block, General Pool Office Complex, INA, NEW DELHI-110023
Telephone No.: 011-24608801-04
Fax No. 011-24651505
Email: ncdrc[at]nic[dot]in
Website: www.ncdrc.nic.in
Revision Petition No. 3166/2024
(Against the order dated 01.10.2024 in Appeal Number 601/2017 of the State Commission, Delhi)
Ms. Sarita Gupta ...Petitioner/Appellant
Versus
M/s. Mera Baba Real Estate Pvt. Ltd. ...Opposite Party/Respondent(s)
To
1. M/S MERA BABA REAL ESTATE PVT. LTD. THOROUGH ITS AUTHORIZED REPRESENTATIVE, MR. GAURAB GUPTA, 701, RING ROAD MALL, SECTOR-3, ROHINI, DELHI-110 085
NOTICE
(SUBSTITUTED NOTICE BY WAY OF PUBLICATION)
WHEREAS Ms. Sarita Gupta, has filed a Revision Petition No. 3166/2024 against the order dated 01.10.2024 in Appeal Number 601/2017 of the State Commission, Delhi.
Whereas the above-mentioned Revision Petition is pending before the National Commission, New Delhi wherein you have been arrayed as Respondent.
WHEREAS this Commission has ordered vide order dated 13.11.2025 to effect service upon you by this Publication returnable on 11.02.2026.
NOW, THEREFORE, TAKE NOTICE that you are hereby directed to appear before this Commission in person or through your counsel/ authorised representative on 11.02.2026 at 10.30 a.m., failing which the Petition will be disposed of ex-parte on merits.
Dated this the 22 November, 2025.
Sd/-
SECTION OFFICE

BUSINESS CONNECT

FOR SALE
Two Commissioned Small Hydro Power Projects for Sale, both having valid PPA's at Good Price.
Interested parties contact: commhydro@gmail.com

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
विपणन, विज्ञापन और बिक्री
बिक्री

WANTED: Female Sales Exec(min 1yr exp in clothing sales)Vasant Kunj, Delhi. Must be confident, well-presented & customer-friendly. 9999739977

अन्य रिक्तियां
एकाधिक रिक्तियां

SPA CENTER need Tele callers, Female Therapist, Data Entry, Office Boy, Food and Accommodation Given 6309632973

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

SEX PROBLEM
बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹955 मात्र
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

बवासीर
का इंजेक्शन द्वारा सफल इलाज पेट दर्द, गैस, कब्ज, एसिडिटी का सफल इलाज (अनुभव 25 वर्ष)
सोनू क्लीनिक
Dr. A.K. Chaudhary (B.A.M.S)
K-18, मेन खयाला रोड, श्याम नगर, विष्णु गार्डन (निकट बस डैपो) नं दिल्ली-18
9289626250
9810807952

IVF क्यों? जब है Ayurved
निसन्तान शुक्राणु कमी SEX रोगी मिलें
आकाश दवाखाना
आजाद पुर दिल्ली
9953396533
8860003863

शादी
से पहले ही सलाह लें गुप्त रोगों के लिए! मिलें
चेतन आयुर्वेदा
▸ बदरपुर ▸ दरियागंज
▸ भजनपुरा ▸ छतरपुर
9817469817

SEXOLOGIST
DR. VIKRAM SABLOK
सबलोक फार्मेसी
चाँदनी चौक
फतेहपुरी, (बीकानेर वाला के ऊपर)
9811195025
मिलते जुलते नाम से सावधान

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95460
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99498	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

अरावली पर आज सुनवाई, कांग्रेस का मंत्री को खत

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

Ranjeet Kumar

अरावली मुद्दे को लेकर CPI(ML) कार्यकर्ताओं का पटना में प्रदर्शन।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर नई परिभाषा के पर्यावरणीय और कानूनी असर पर गंभीर चिंता जताई है। रमेश ने अपने पत्र में कहा है कि अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृतियों तक सीमित करने का प्रस्ताव स्वाभाविक रूप से व्यापक चिंताओं को जन्म देता है।

उन्होंने मंत्री से चार सवाल पूछते हुए स्पष्ट जवाब की मांग की है। उन्होंने याद दिलाया कि राजस्थान में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा 28 अगस्त 2010 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (FSI) की रिपोर्ट पर आधारित रही है। उस रिपोर्ट में 3 डिग्री या उससे अधिक ढलान वाले क्षेत्रों को पहाड़ी क्षेत्र मानने, ढलान की दिशा में 100 मीटर का बफर जोड़ने और समतल इलाकों, घाटियों व गड्ढों को भी पहाड़ियों का हिस्सा माने जाने का प्रावधान था। दूसरे सवाल में रमेश ने 20 सितंबर 2025 को फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा मंत्रालय को भेजे गए पत्र का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध का काम करती हैं। ये संरचनाएं रेत के कणों को रोककर दिल्ली और आसपास के मैदानी इलाकों को रेत के तूफानों से बचाती हैं। तीसरे सवाल में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी की 7 नवंबर 2025 की रिपोर्ट का उल्लेख किया, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि राजस्थान में 164 खनन लीज उस समय प्रचलित FSI की परिभाषा के अनुसार अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के भीतर स्थित थीं। रमेश ने चौथे सवाल में आगाह किया कि नई परिभाषा लागू होने से कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-आकृतियां अरावली की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। इससे चार राज्यों में फैली पूरी अरावली पहाड़ी श्रृंखला को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा है।

विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मुद्दे का स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को सुनवाई होगी।

जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती सहित कई नेता नजरबंद

■ भाषा, श्रीनगर: जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रूहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किये जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी।

अंकिता मर्डर की CBI जांच की मांग, कांग्रेस का प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून: उत्तराखंड में हुए अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस ने पूरे राज्य में विरोध तेज कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के बंगाली कोठी चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सरकार इस मामले में सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अंकिता के परिजनों ने पहले ही एक वीआईपी का नाम लिया था। अब बीजेपी के एक पूर्व विधायक द्वारा पार्टी के वरिष्ठ नेता का नाम वीआईपी के रूप में सामने लाए जाने से मामला साफ हो गया है। नेताओं ने मांग की कि मामले की सीबीआई जांच कराई जाए।

आरोप लगाया कि सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रही है सरकार

नए साल में इन मामलों पर रहेगी SC की नज़र

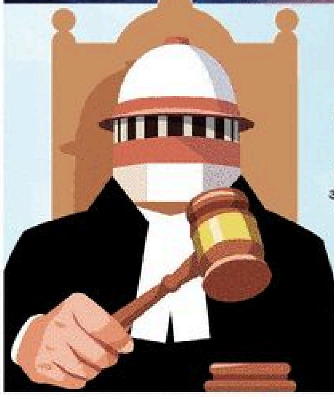

सुप्रीम कोर्ट में आने वाले नए साल में कई अहम मामलों की सुनवाई होने वाली है। इनमें SIR के खिलाफ याचिका, राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण, बहुविवाह और हलाला के खिलाफ याचिका और तलाक ए हसन जैसी प्रथा के खिलाफ याचिका शामिल है। दिल्ली दंगे मामले में आरोपियों की जमानत अर्जी पर भी नए साल में फैसला आने वाला है। ऐसे तमाम मामले हैं जिन पर आने वाले साल में सुप्रीम कोर्ट की नजर रहेगी।

दिल्ली प्रदूषण: राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से बुरा हाल है। तमाम इंतजाम के बाद भी हालत बदतर है। कोर्ट ने कहा है कि अब वह हर महीने सुनवाई करेगा ताकि कदम उठाए जा सकें। अगले साल इस मामले में लगातार सुनवाई होनी है।

SIR मामला: कई राज्यों में SIR के चुनाव आयोग के निर्णय की वैधता को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत में तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में विशेष रूप से SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तारीख तय की हुई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगले साल विस्तार से सुनवाई होने वाली है।

एसिड अटैक: सुप्रीम कोर्ट एसिड अटैक मामले में सुनवाई अगले साल करने वाली है। 11 दिसंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एसिड अटैक अपराध में शामिल शख्स समाज, आम नागरिकों और यहां तक कि कानून के शासन के लिए भी खतरा है और उन पर कुछ कठोर शर्तें लागू की जानी चाहिए।

तलाक ए हसन: यह वह प्रथा है जिसमें एक मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को तीन महीनों तक हर महीने एक बार "तलाक" कहकर तलाक दे सकता है। अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसी प्रथा एक सभ्य समाज में कैसे चल सकती है?

निकाह हलाला, बहुविवाह: निकाह हलाला और बहुविवाह के संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पांच जजों की संवैधानिक बेंच का गठन कर सुनवाई करेगा। पिछले दिनों इस मामले को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने उठाया गया था।

मुफ्त उपहार: सुप्रीम कोर्ट चुनाव में मुफ्त उपहार बांटने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे चुकी है। याचिका में मतदाताओं को लुभाने के लिए किए जाने वाले लोक लुभावन घोषणा पर बैन की मांग की गई है। साथ ही चुनाव आयोग को इस मामले में उचित कदम उठाना चाहिए।

उन्नाव केस: सीबीआई ने उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर को 23 दिसंबर को जमानत दे दी थी। उनकी सजा को सस्पेंड करते हुए उन्हें राहत दी गई थी। हाई कोर्ट द्वारा सेंगर को दी गई राहत के खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

जमुई में मालगाड़ी के 8 डिब्बे पटरी से उतरे

■ पीटीआई, पटना/कोलकाता: बिहार के जमुई जिले में शनिवार देर रात एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे की वजह से हावड़ा-पटना-दिल्ली रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हुई है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने (जान जाने) की खबर नहीं है। हादसे की वजह से राजधानी और वंदे भारत जैसी करीब 24 ट्रेनों के पहिये थम गए। कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।

रेप के दोषी को मिली माफी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बलात्कार के एक मामले में दोषी पाए गए व्यक्ति की सजा और दोषसिद्धि को पूरी तरह रद्द कर दिया है। अदालत ने गौर किया कि शिकायत करने वाली महिला और दोषी पुरुष ने अब आपस में शादी कर ली है। कोर्ट ने कहा कि गलतफहमी की वजह से आपसी सहमति वाले रिश्ते को कानूनी रंग दे दिया गया था। निचली अदालत ने दोषी मानते हुए 10 साल की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई थी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, उन्नाव रेप पीड़िता की तबीयत बिगड़ी

Surender Kumar

जंतर मंतर पर रविवार को जेएनयू और डीयू के छात्रों ने प्रदर्शन किया।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली के जंतर-मंतर पर रविवार को उन्नाव रेप केस के दोषी कुलदीप सेंगर की जमानत के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इसमें रेप पीड़िता के समर्थन में आइसा के बैनर तले जेएनयू और डीयू के छात्र शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने कुलदीप सिंह सेंगर को फांसी देने की मांग की। हालांकि, इस दौरान एक महिला कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर पहुंची, जहां पीड़िता के समर्थन के बीच कहासुनी हुई। वहीं, लगातार नारेबाजी, भीड़ और मानसिक दबाव के बीच पीड़िता और उनकी मां असहज महसूस करने लगीं और उनकी तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पानी पिलाने और बैठाने की कोशिश की। सीआरपीएफ के जवानों ने मां- बेटी को गाड़ी में बैठाकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

उन्नाव रेप पीड़िता अपनी मां सहित कई महिलाओं के साथ करीब एक बजे जंतर मंतर पर पहुंची। जेएनयू और डीयू के छात्र डफली बजा कर नारेबाजी करते नजर आए। 'इंसाफ चाहिए' और 'फांसी दो' के नारों के साथ डफली की थाप गूंजती रही, जिससे प्रदर्शन स्थल पर आक्रोश साफ महसूस किया जा सकता था। वहीं, कई स्टूडेंट्स के हाथ में 'हत्यारे बलात्कारी कुलदीप सिंह सेंगर की बेल रद्द करो', 'उन्नाव रेप पीड़िता को न्याय दो', 'बलात्कारियों को रिहा करना बंद करो' जैसे पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की। छात्रों का कहना था कि दोषी को जमानत मिलना पीड़िता के साथ दोबारा अन्याय है।

प्रदर्शन के दौरान रेप पीड़िता ने कहा कि मैं अपनी बहनों और बेटियों का हमेशा आभारी रहूंगा, जो हमारे साथ आवाज बनकर खड़ी हैं। वे इसलिए हमारे साथ हैं ताकि इस देश में हर बहन और बेटी को इंसाफ मिल सके। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे जान से मारने की धमकी तक दी जा रही है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया कि ऐसे रेपिस्ट को अपनी पार्टी में जगह न दें। रेप पीड़िता ने कहा कि मुझे सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है। आशा है मुझे न्याय मिलेगा और न्याय भी मिला है। रेप पीड़िता ने कहा कि हाई कोर्ट पर सवाल उठा नहीं रही, बल्कि उन जजों पर सवाल उठा रही हूं, जो मामले को देख रहे थे। वहीं, पीड़िता की मां का आरोप है कि बार बार उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। पीड़िता का कहना है कि वह प्रधानमंत्री से भी मिलने का टाइम मांग रही है। उन्होंने कहा कि उनकी फैमिली सेफ नहीं है।

हमारी जान बचा लीजिए : पीड़िता

■ प्रदर्शन के दौरान मौजूद पीड़िता ने अधिकारियों से जवाबदेही की मांग की और कहा कि उसके परिवार को और ज्यादा सुरक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने गुहार लगाते हुए कहा, मैं मुख्यमंत्री से गुजारिश कर रही हूं कि हमें सुरक्षा दें। वे लोग बहुत ताकतवर हैं। कृपया अपनी बेटी को बचा लीजिए। उन्होंने बताया कि मेरे पति को नौकरी से निकाल दिया गया है, हम बेरोजगार हैं, अब हम कहां जाएंगे? पीड़िता की मां ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि इस मामले में न्याय मिलेगा। उन्होंने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, हमें पीटा गया, हमारे रिश्तेदारों को मारा गया और उन पर झूठे केस दर्ज किए गए। मेरी सरकार से विनती है कि उसे (सेंगर को) रिहा न किया जाए।

हिन्दी में बहस करने की मांग

रेप पीड़िता ने कहा कि केस की बहस हिंदी में हो। उन्होंने बताया कि हमारे केस में कोर्ट में बहस अंग्रेजी में हुई। अगर हिंदी में हुई होती तो मैं अपना केस जीत जाती।

सेंगर के सपोर्ट में पहुंची महिला

प्रदर्शन के बीच एक महिला कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थन में पोस्टर लेकर प्रदर्शन स्थल पर पहुंच गई, जिसे देखते ही माहौल और गरमा गया। पीड़िता के समर्थन में जुटे लोगों से उसकी तीखी बहस हुई। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर महिला को वहां से हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया।

प्रदर्शन को देखते हुए पहले से भी भारी संख्या में पुलिस दल को दिल्ली पुलिस ने तैनात कर रखा था। शाम तक मौके पर डीसीपी देवेश कुमार महला भी मौजूद रहे।

दिग्विजय के BJP संगठन की तारीफ वाले बयान के साथ थरूर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। दरअसल, दिग्विजय ने शनिवार को आरएसएस और बीजेपी की संगठनात्मक शक्ति की तारीफ करते हुए एक पोस्ट लिखा था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया था। हालांकि, उन्होंने शनिवार को कांग्रेस की वर्किंग कमिटी की बैठक से पहले अपनी पोस्ट पर सफाई दी थी।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर से जब रविवार को दिग्विजय के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो थरूर ने कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए और इसमें कोई संदेह नहीं है। दिग्विजय के बगल में बैठने और दोनों के बीच बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर थरूर ने कहा कि वे दोस्त हैं और आपस में नियमित रूप से चर्चा करते रहते हैं। उन्होंने इसे सामान्य संवाद बताते हुए किसी तरह के विवाद को खारिज किया।

CWC बैठक में वापसी के भी मायने: इस घटनाक्रम को कांग्रेस वर्किंग कमिटी (CWC) की हालिया बैठक से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दिल्ली में शनिवार को हुई CWC बैठक में शशि थरूर की मौजूदगी खास रही। लंबे समय बाद थरूर किसी अहम पार्टी बैठक में शामिल हुए थे। बीते महीनों में वे न केवल बैठकों से दूर रहे थे, बल्कि कई बार पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी भी करते दिखे थे।

'संघ से सीखने को कुछ नहीं': हालांकि, दिग्विजय के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि संघ से सीखने को कुछ नहीं है। खेड़ा ने आरएसएस की तुलना गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे से की।

कहा, संगठन तो मजबूत होना ही चाहिए

Agency

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर दिग्विजय, थरूर साथ बैठे नजर आए।

कांग्रेस जोड़ती है, BJP तोड़ती है: खरगे

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कांग्रेस कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को बीजेपी पर तीखा हमला किया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस जोड़ने की राजनीति करती है, जबकि बीजेपी समाज को तोड़ने का काम कर रही है। कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है और विचारधारा कभी खत्म नहीं होती। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी से पहले ही 1931 में मौलिक अधिकारों की अवधारणा दी जो बाद में संविधान का हिस्सा बनी। उन्होंने आरोप लगाया कि आज संविधान और लोकतंत्र दोनों खतरे में हैं। बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में कांग्रेस द्वारा बनाए गए संस्थानों को कमजोर किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चंद पूंजीपतियों के फायदे के लिए कानून बदले जा रहे हैं, मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है और जल, जंगल व जमीन की लूट हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सच्चाई छिपाने के लिए जनगणना तक नहीं कराई जा रही है। खरगे ने मनरेगा की बहाली के लिए कार्यकर्ताओं को लोगों तक पहुंचने की अपील की।

सिखों के खिलाफ नफरत पर नरमी क्यों?

अकाल तख्त साहिब पर हुई मीटिंग में राज्य सरकार से पूछे तीखे सवाल

■ NBT रिपोर्ट, चंडीगढ़ : अकाल तख्त साहिब पर हुई सिंह साहिबानों की बड़ी मीटिंग में पंजाब सरकार और पुलिस के रवैये पर कड़ा ऐतराज जताया गया है। जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने आरोप लगाया कि एक तरफ पुलिस सिखों के खिलाफ सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई नहीं कर रही, वहीं दूसरी तरफ सिंहों पर छोटी-छोटी बातों के लिए केस दर्ज किए जा रहे हैं। पावन स्वरूपों के मामले में भी सरकार को रिपोर्ट का सही हवाला देने की नसीहत दी गई है।

सिंह साहिबानों की बड़ी मीटिंग में पंजाब सरकार और पुलिस के रवैये पर कड़ा ऐतराज जताया गया है

अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब और सचखंड श्री हरिमंदर साहिब प्रबंधन द्वारा सिखों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले प्रचार संबंधी कई शिकायतें पंजाब पुलिस को दी गई हैं, किंतु आज तक किसी भी दोषी के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जत्थेदार कुलदीप सिंह ने बताया कि शरारती तत्वों द्वारा फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर सिखों के विरुद्ध नफरत फैलाई जा रही है, परंतु पुलिस इन्हें बंद कराने या दोषियों को गिरफ्तार करने में विफल रही है। वहीं, दूसरी ओर निहंग वेश में एक सिख द्वारा खिलौना बंदूक दिखाने पर भी एफआईआर दर्ज कर दी जाती है।

बता दें कि अकाल तख्त साहिब पर रविवार को पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। वर्ष 2025 की अंतिम बैठक में लिए गए कई फैसले सीधे सिख संगत से जुड़े हुए हैं। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा की गई कानूनी कार्रवाई को सरदार ईश्वर सिंह जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सही ठहराया जा रहा है, जबकि श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश से गठित इसी आयोग की रिपोर्ट के पेज संख्या 230 पर स्पष्ट रूप से लिखा है। यह न समझा जाए कि सरकारी कानून या पुलिस थाना इन पावन स्वरूपों के मामले को सही ढंग से निपटा लेगा।

ITIs अपग्रेड में इंडस्ट्री को साथ लेकर शुरुआत

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: देश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) को अपग्रेड करने और नए जमाने के कोर्सेज की मांग को पूरा करने के लिए इंडस्ट्री को जोड़ने की शुरुआत की गई है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने राज्य सरकारों और प्रशिक्षण महानिदेशालय के माध्यम से उद्योग जगत को आईआईटी अपग्रेडेशन के लिए लाई गई पीएम-सेतु योजना में शामिल होने के लिए अधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया है। मई 2025 में कैबिनेट ने 60 हजार करोड़ रुपए की पीएम सेतु योजना को मंजूरी दी थी।

देश की आईटीआई अब उद्योग जगत के साथ सीधा जुड़ सकेंगी। आईटीआई इकोसिस्टम में एक ऐसा मॉडल तैयार होगा, जिसमें उद्योग जगत जगह ट्रेनिंग मैनेजमेंट में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इससे इन संस्थानों से ट्रेनिंग लेने वाले युवाओं की जॉब मार्केट में मांग भी बढ़ेगी। उद्योग जगत की क्या जरूरतें हैं, उसको ध्यान में रखते हुए वर्कफोर्स तैयार होगी।

Attention
Developers / Investors
Sale/ Joint Venture once in lifetime opportunity

- ~3,23,749 SQ.M. (80+ Acres) of Land, 15-25 minutes from IGI Airport abutting the new Jaipur Expressway
- ~8,498.4 SQ.M. (2.1 Acres) of Mixed-Use Commercial Development opportunity on Dwarka Expressway
- Licensed DDJAY plotted land admeasuring ~53,823 SQ.M. (13.3 Acres) in Sohna Development Plan
- Opportunity for 50% Stake Acquisition in a Taj Group Hotel
- Ultra High-Rise Group Housing Project(s) as phased Development
- REIT suitable commercial portfolio of completed/nearing completion commercial Projects at premium locations total area over ~92,903 SQ.M. (1 Million SF), located at locations in New Delhi, Gurugram, Panipat

Exclusively Marketed By
CBRE

PLEASE SEND EOI
LATEST BY 05.01.26 AT
Daksh Arora
daksh.arora1@cbre.com

HARYANA RERA NO: GGM/246/2017/RA/446/Ext1/2022/46
DELHI RERA NO: DLRERA2018A0038
CIN - U74140DL1999PTC100244

शिकायतों पर ध्यान नहीं देती हैं मोबाइल कंपनियां : सर्वे

'स्पैम कॉल और खराब कवरेज ने छीना चैन'

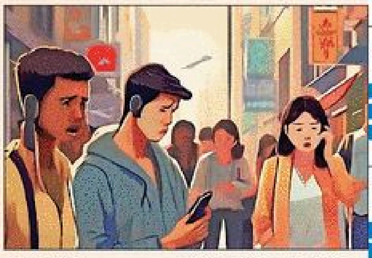

■ NBT रिपोर्ट

भारत में मोबाइल सर्विस इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोग नेटवर्क और स्पैम कॉल्स-मैसेज से परेशान हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है। LocalCircles के सर्वे के अनुसार, पिछले 3 सालों में शिकायत दर्ज कराने वाले हर 2 में से 1 टेलीकॉम यूजर का कहना है कि उनकी परेशानी दूर नहीं हुई। सर्वे में सामने आया है कि 23% लोग तो शिकायत दर्ज ही नहीं कराते, क्योंकि उन्हें इसका तरीका बहुत मुश्किल और सिरदर्द भरा लगता है। साल 2025 में टेलीकॉम रेगुलेटर TRAI ने स्पैम कॉल्स रोकने और शिकायत निपटारे के लिए काफी सख्ती दिखाई, लेकिन जमीनी हकीकत अब भी चिंताजनक है। सर्वे में कंपनियों के कामकाज की भी पोल खुली है। ग्राहकों की शिकायतें सुलझाने के मामले में वोडाफोन-आइडिया (VI) का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। इसके बाद एयरटेल का नंबर आता है। इनके मुकाबले रिलायंस जियो (Jio) और BSNL का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा। हालांकि ग्राहकों की उम्मीदों पर ये भी पूरी तरह खरे नहीं उतरे।

सर्वे में सामने आया है कि 23% लोग तो शिकायत दर्ज ही नहीं कराते

3 सालों में कोई शिकायत की है?

उत्तर	प्रतिशत
हां	65%
नहीं	12%
तरीका मुश्किल	23%

21,784 सर्वे में शामिल

किस कंपनी में ज्यादा शिकायतें पेंडिंग?

कंपनी	प्रतिशत
VI	62%
Airtel	49%
Jio	37%

13,310 सर्वे में शामिल

शिकायतों का क्या नतीजा निकला?

नतीजा	प्रतिशत
एक भी हल नहीं	33%
सभी सुलझा ली गई	24%
ज्यादातर अनसुलझी	14%
साफ जवाब नहीं	10%

14,072 सर्वे में शामिल

किस तरह की शिकायतें की हैं?

- 65% नेटवर्क कवरेज।
- 54% स्पैम कॉल्स और मैसेज।
- 29% धीमी स्पीड।
- 23% बिलिंग में झोल।
- 12% फालतू वैल्यू ऐडेड सर्विस।
- 12% मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी।
- 12% सिम रिप्लेसमेंट
- 18% कस्टमर केयर सर्विस।

14,160 सर्वे में शामिल।

मार्केट में किन चीजों पर होगी नज़र?

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : तीन हफ्तों से चल रही गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए निफ्टी ने पिछले सप्ताह का समापन बढ़त के साथ किया। विशेषज्ञों का कहना है कि 0.3% की इस बढ़त के बाद इस हफ्ते के लिए पॉजिटिव मोमेंटम बना हुआ है। नए साल वाले इस हफ्ते में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़ों और व्यापार समझौतों से जुड़े घटनाक्रम के साथ अमेरिका में फेडरल रिजर्व की मीटिंग के ब्यौरे पर मार्केट की नजर रहेगी।

नवंबर के इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन से जुड़े आंकड़े सोमवार को जारी होंगे। अक्टूबर में IIP ग्रोथ 0.4% के साथ 14 महीनों के निचले स्तर पर चली गई थी। बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा कि IIP ग्रोथ के नवंबर के आंकड़े 2.5% से 3% की रेंज में रह सकते हैं। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दिसंबर पॉलिसी मीटिंग के ब्यौरे और बेरोजगारी के आंकड़े भी जारी होंगे। शुक्रवार को निफ्टी 99.8 अंक गिरकर 26042 पर बंद हुआ था। HDFC सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा, 'निफ्टी का शॉर्ट टर्म सेट-अप पॉजिटिव बना हुआ है। अभी ऊपर की ओर 26145 और इसके बाद 26250 पर रेजिस्टेंस है। वहीं, 26000 से नीचे क्लोजिंग होने पर इंडेक्स 25880 और 25770 की ओर जा सकता है।'

एंजेल वन के इक्विटी टेक्निकल एनालिस्ट राजेश भोसले ने कहा, 'एक कैलेंडर ईयर के अंत और दूसरे की शुरुआत का यह अहम सप्ताह है। मोटे तौर पर मूड बुलिश है। ट्रेडर्स के लिए बेहतर यही होगा कि वे शॉर्ट टर्म हलचल से प्रभावित न हों और गिरावट पर खरीदारी और हायर लेवल पर प्रॉफिट बुक करें।'

Jawahar / Modi Style
JACKETS & SUITS • BLAZERS
2026 Happy New Year
upto 60% off
Formal • Casual • Party wear
By Economy Sales: 9212750425
ARROW | Raymond | PARK AVENUE | LOUIS PHILIPPE
- PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
- GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pilazio)
- WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
- NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
- LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली-110011
(भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)
दूरभाष: 011-23014486 EMAIL : www.pmml.nic.in

सावधि जमा राशि पर ब्याज दर के लिये निविदा
आमंत्रण सूचना

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (PMML), नई दिल्ली, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिनांक 28.12.2023 की प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अधिसूचित राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (D-SIBs) से अपनी ₹121.00 करोड़ की निधि के निवेश हेतु दिनांक 07.01.2026 से पहले सीलबंद निविदाएं आमंत्रित करता है। निविदाएं एक वर्ष से कम, एक वर्ष, एक वर्ष से अधिक परंतु दो वर्ष से कम, तथा तीन वर्ष की अवधि के लिए कॉलेबल एवं नॉन-कॉलेबल सावधि जमाओं (Fixed Deposits) पर [illegible] प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित की जाती हैं। PMML को अपने एकमात्र एवं पूर्ण विवेकाधिकार से निवेश हेतु सावधि जमा की अवधि(यों) तथा प्रकृति (कॉलेबल/नॉन-कॉलेबल) निर्धारित करने का अधिकार होगा। निविदाएं सभी दृष्टियों से पूर्ण होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की अपूर्ण, अधूरी अथवा अस्पष्ट जानकारी वाली निविदा को बिना किसी अतिरिक्त पत्राचार के सीधे अस्वीकार कर दिया जाएगा। प्रस्तुत ब्याज दरें दिनांक 08.01.2026 तक वैध रहनी चाहिए। सीलबंद निविदाएं निदेशक, प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (PMML), तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली-110011 के कार्यालय में दिनांक 02.01.2026 को अपराह्न 12:00 बजे तक अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जानी चाहिए। निविदाएं उसी दिन अर्थात 02.01.2026 को अपराह्न 03:00 बजे PMML के परिसर में खोली जाएंगी। भाग लेने वाले बैंकों के अधिकृत प्रतिनिधि, यदि चाहें, तो निविदा खोलने की प्रक्रिया में उपस्थित रह सकते हैं। PMML को बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा सभी निविदाओं को पूर्णतः या आंशिक रूप से स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा तथा इस संबंध में PMML का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

वित्तीय सलाहकार
प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय

CBC 09142/12/0043/2526

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in